श्रावण कृष्ण पक्ष तृतीया
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 24 जुलाई 2024
वर्ष 5, अंक 248, पृष्ठ 18
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

बजट 2024

48.21 लाख करोड़ रुपये का बजट

मध्मय वर्ग को राहत

7.75 लाख तक की आय पर कोई कर नहीं

युवाओं के लिए खास

05 योजनाएं युवाओं के लिए इस बजट में

निर्मल बजट

बजट में मध्यम वर्ग को कर राहत, रोजगार सृजन, छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन पर जोर

सीतारमण ने अपना सातवां और मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश किया

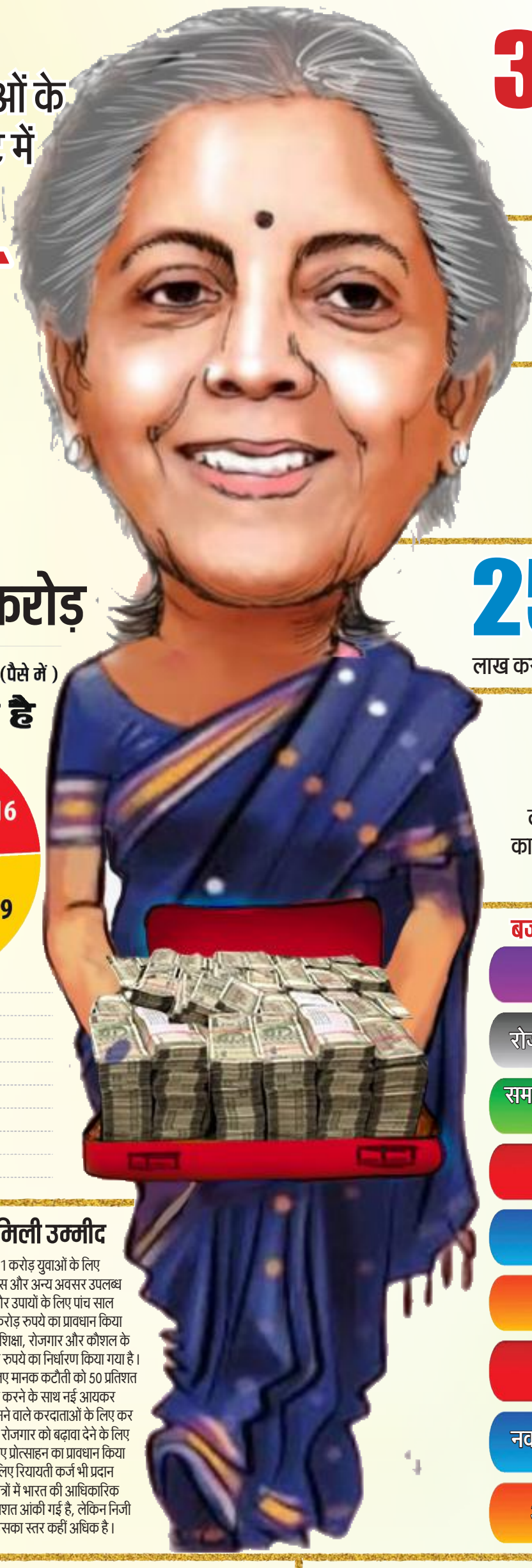

32.07 लाख करोड़ रुपये बजट अनुमान, ऋण को छोड़कर कुल प्राप्तियां

4.9% जीडीपी का वित्तीय घाटा

4.5% से घाटे को अगले साल तक नीचे लाने का लक्ष्य

25.83 लाख करोड़ रुपये सकल कर प्राप्ति

12 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 3 .4 प्रतिशत) का प्रावधान पूंजीगत व्यय के लिए

बजट की प्राथमिकताएं

- खेती में उत्पादकता
- रोजगार और क्षमता विकास
- समग्र मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय
- विनिर्माण और सेवाएं
- शहरी विकास
- ऊर्जा सुरक्षा
- अधोसरंचना
- नवाचार, शोध और विकास
- अगली पीढ़ी के सुधार

सहयोगी दलों के बिहार और आंध्र को 75 हजार करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी/ ब्यूरो

आम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग एवं नौकरीपेशा लोगों को राहत के साथ ही सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों के शासन वाले राज्यों- बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए कई परियोजनाओं का भी ऐलान किया। सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया। वहीं आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बजट में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यह जीडीपी का 3.4 प्रतिशत है। मध्यम वर्ग को 7.75 लाख की सालाना कमाई पर कोई कर नहीं देगा होगा, वहीं युवाओं के लिए पांच नई योजनाएं भी इस बजट में शामिल की गईं।

सीतारमण ने अपना सातवां और नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करते हुए स्टार्टअप में सभी श्रेणी के निवेशकों के लिए एंजल कर समाप्त करने की घोषणा की। जब कोई गैर-सूचीबद्ध या स्टार्टअप कंपनी शेयर जारी कर पूंजी जुटाती है और उसका मूल्य कंपनी के उपयुक्त बाजार मूल्य से अधिक होता है, तब उस पर एंजल कर लगाया जाता है। बजट में मोबाइल फोन एवं सोने पर सीमा शुल्क में कटौती की गई है और पूंजीगत लाभ कर को सरल बनाया गया है। बिहार के लिए एक्सप्रेसवे, बिजलीघर, हेरिटेज कॉरिडोर और नए हवाई अड्डों जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 60,000 करोड़ रुपये का आवंटन करने की घोषणा की। बिहार में भाजपा की सहयोगी पार्टी जदयू राज्य के लिए आर्थिक पैकेज और विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कर रही है। आंध्र प्रदेश के लिए बहुपक्षीय एजेंसियों के माध्यम से वित्तीय सहायता के रूप में 15,000 करोड़ आवंटित किए गए हैं।

सीतारमण ने कहा कि सरकार का राजकोषीय घाटा 2024-25 में जीडीपी का 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह 2024-25 के लिए फरवरी में पेश अंतरिम बजट में अनुमानित 5.1 प्रतिशत से कम है। इसका कारण मजबूत कर संग्रह और भारतीय रिजर्व बैंक से अपेक्षा से अधिक लाभांश प्राप्ति है। उन्होंने सकल बाजार उधारी को मामूली रूप से घटाकर 14.01 लाख करोड़ रुपये कर दिया। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में तीन करोड़ किफायती आवासों के निर्माण के लिए सहायता, छोटे और मझोले उद्यमों को कर्ज सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा, मुद्रा योजना के तहत छोटे उद्यमों के लिए कर्ज सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये, 12 औद्योगिक पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव और अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए 1,000 करोड़ रुपये का उद्यम पूंजी कोष स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है। बजट में उधारियों को छोड़कर कुल प्राप्तियां 32.07 लाख करोड़ और व्यय 48.21 लाख करोड़ रहने का अनुमान लगाया गया है। शुद्ध कर प्राप्ति 25.83 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है।

केन्द्रीय बजट 2024-25 (पैसे में)

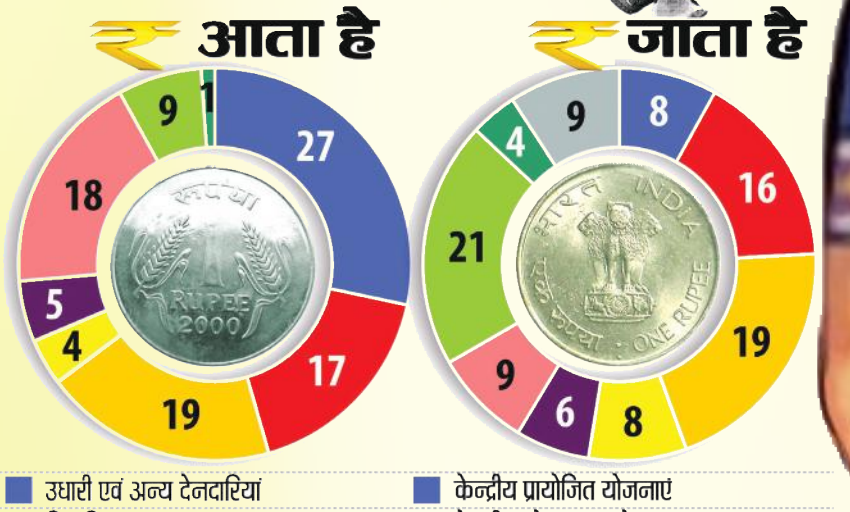

- उधारी एवं अन्य देनदारियां
- निगमित कर
- आयकर
- सीमाशुल्क
- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
- माल और सेवा कर
- गैर कर राजस्व
- गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां
- केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएं
- केन्द्रीय योजना आयोजना
- ब्याज भुगतान
- रक्षा
- आर्थिक सहायता
- वित्त आयोद एवं अन्य अंतरण
- कर एवं शुल्कों में राज्यों का हिस्सा
- पेंशन
- अन्य व्यय

यह बजट समाज के हर वर्ग को शक्ति देने वाला बजट है। गांव को समृद्धि पर ले जाने वाला बजट है और नौजवानों को अनगिनत नए अवसर देने वाला बजट है। आम बजट 2024-25 से जनजातीय समाज, दलित और पिछड़ों को मजबूत करने में मदद मिलेगी और महिलाओं की आर्थिक भागीदारी भी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। देश में करोड़ों नए रोजगार पैदा होंगे।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

यह बजट सहयोगी दलों के तुष्टिकरण का बजट है। बजट में सहयोगियों को खुश करने के लिए अन्य राज्यों की कीमत पर उनसे खोखले वादे किए गए। अपने मित्रों को खुश किया गया, 'एए' को लाभ दिया गया, लेकिन आम भारतीय को कोई राहत नहीं दी गई। कांग्रेस का घोषणापत्र और पिछले कुछ बजट का 'कॉपी-पेस्ट' किया गया है।

-राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा

युवाओं को मिली उम्मीद

वित्त मंत्री ने कहा कि 4 .1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और अन्य अवसर उपलब्ध कराने की योजनाओं और उपायों के लिए पांच साल की अवधि में दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1 .48 लाख करोड़ रुपये का निर्धारण किया गया है। उन्होंने मध्यम वर्ग के लिए मानक कटौती को 50 प्रतिशत बढ़ाकर 75,000 रुपये करने के साथ नई आयकर व्यवस्था का विकल्प चुनने वाले करदाताओं के लिए कर स्लैब में बदलाव किया। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए बजट में कंपनियों के लिए प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। उच्च शिक्षा के लिए रियायती कर्ज भी प्रदान किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में भारत की आधिकारिक बेरोजगारी दर 6 .7 प्रतिशत आंकी गई है, लेकिन निजी एजेंसियों के मुताबिक इसका स्तर कहीं अधिक है।

ये सस्ता

जूता चप्पल, सोना-चांदी, अन्य कीमती धातु, कपड़ा, कैंसर औषधियां, एक्सरे उपकरण, मोबाइल फोन, चार्जर, मोबाइल फोन कल पुर्जे, सौर ऊर्जा के उपकरण, मछली, मछली चारा, प्राकृतिक ग्रेफाइट, प्राकृतिक रेत, धातु, दुर्लभ धातु, निकल, पोटेशियम, लिथियम, टिन, युद्धपोत उपकरण और कलपुर्जे, पशुओं की खाल शामिल है।

ये मंहगा

महंगी होने वाली वस्तुओं में प्लास्टिक, पीवीसी- फ्लैक्स सीट, बडे छाते, प्रयोगशाला रसायन, भुना सूखे मेवा, सौर ऊर्जा ग्लास और टिन शामिल है।

20% प्रतिशत टीडीएस दर को समाप्त करने का प्रस्ताव म्युचुअल फंडों या यूटीआई द्वारा यूनिटों की पुन : खरीद पर

6% सीमा शुल्क घटा सोने और चांदी पर, प्लेटिनम पर 6 .4 प्रतिशत

1,000 करोड़ की उद्यम पूंजी निधि मिलेगी अगले 10 वर्षों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को पांच गुणा बढ़ेगी

50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक छूट करने का प्रस्ताव

4.1 करोड़ युवाओं के लिए पांच साल में रोजगार

2.78 हजार करोड़ रुपये की लागत से देश भर में बनाए जाएंगे राष्ट्रीय राजमार्ग

15 हजार रुपये तक के एक महीने का वेतन ईपीएफओ में पंजीकृत पहली बार रोजगार पाने वाले कर्मचारियों को, कर्मचारी और नियोक्ता दोनों को प्रोत्साहन राशि

3 दवाइयां कैंसर की ट्रेस्टूजुमाब डिरूक्सटीकेन, ओसिमर्टिनिब और डुर्वालुमैब को सीमा शुल्क से पूरी तरह छूट

1.52 लाख करोड़ रुपये का आवंटन कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए

15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपये करने का प्रस्ताव पेंशनभोगियों के लिए पारिवारिक पेंशन पर कटौती पर

सीतारमण ने रिकॉर्ड सातवीं बार लगातार पेश किया बजट

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को देश का आम बजट पेश कर दिया है। यह उनका रिकॉर्ड 7वां बजट था। वह लगातार 7 बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री बन गई हैं। उन्होंने मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ा है। इस दौरान उन्होंने कई घोषणाएं कीं। सफेद सिल्क साड़ी में वित्त मंत्री का बजट भाषण 1 घंटा और 25 मिनट तक चला। उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सबसे लंबा बजट भाषण देने का रिकॉर्ड भी बनाया था। आइए एक नजर उनके सभी बजट भाषणों समेत अन्य रिकॉर्ड पर डाल लेते हैं।

पहला पेपरलेस बजट भी पेश कर चुकी हैं सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना पहला बजट साल 2019 में दिया था। उनका यह बजट भाषण पूरे 2 घंटे और 15 मिनट तक चला था। उसके अगले साल ही 2020 में बजट पेश करते हुए उन्होंने भारत के सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड बना दिया था। उस दौरान वित्त मंत्री 2 घंटे 42 मिनट तक बोली थीं। साल 2021 का बजट भाषण 1.40 मिनट का था। हालांकि, इसने भारत के पहले पेपरलेस बजट होने का रिकॉर्ड बनाया था। साल 2023 में निर्मला सीतारमण का बजट भाषण 1 घंटा और 30 मिनट चला था। इसके बाद इसी साल फरवरी में उन्होंने अंतरिम बजट के दौरान 57 मिनट का भाषण दिया था।

मनमोहन सिंह ने बोले थे सबसे ज्यादा शब्द

भारत के इतिहास में शब्दों के हिसाब से सबसे लंबा बजट भाषण मनमोहन सिंह ने साल 1991 में दिया था। उन्होंने अपनी स्पीच के दौरान 18,700 वर्ड बोले थे। उनके ठीक बाद अरुण जेटली का नंबर आता है। उन्होंने 18,604 शब्दों में अपना बजट भाषण दिया था। देश का सबसे छोटा बजट सिर्फ 800 शब्दों का था। इसे साल 1977 में हीरूभाई एम पटेल ने पेश किया था। यह अंतरिम बजट था। निर्मला सीतारमण अपने बजट भाषणों के जरिए देश के आर्थिक विकास के बदलते परिदृश्य का उल्लेख करती रही हैं।

प्रदेश की विकास योजनाओं पर खर्च होगी रकम, पुरानी पेंशन बहाली न होने पर राज्य कर्मियों में निराशा

उप्र को मिलेंगे 2.24 हजार करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: देश के आम बजट में इस बार प्रदेश को लगभग पांच हजार करोड़ रुपये ज्यादा रकम की व्यवस्था की गई है। ये रकम प्रदेश की विकास योजनाओं पर खर्च होगी। रोजगार, औद्योगिक विकास, महिलाओं के उत्थान समेत विभिन्न योजनाएं तेजी से आगे बढ़ सकेंगी।

लोकसभा चुनाव के पहले मोदी सरकार ने अंतरिम बजट पेश किया था। इस बजट में केन्द्रीय करों में प्रदेश का अंश 2,18,816.84 करोड़ था जो इस बजट में बढ़कर 2,23,737.23 करोड़ हो गया है। शासन के अधिकारियों के अनुसार बजट से सोलर पैनल, सोलर सेल, कैंसर की दवाएं, एक्सरे मशीन, मोबाइल फोन, चार्जर, इलेक्ट्रिक वाहन, चमड़े के जूते, चप्पल, पर्स आदि सस्ते होंगे, इससे आम लोगों को सीधा फायदा होगा। बजट में ग्रामीण विकास के लिये 2.66 लाख करोड़ की व्यवस्था की गई है। लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर रू. 20 लाख की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लिये 10 लाख करोड़ की व्यवस्था की गई है। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत 12 औद्योगिक पार्क स्थापित होंगे। 100 शहरों में या उसके आस-पास निवेश के लिए तैयार प्लग एण्ड प्ले औद्योगिक पार्क विकसित होगा। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना का चौथा चरण शुरू होगा। बजट में राज्य कर्मियों के पुरानी पेंशन की घोषणा न किये जाने से कर्मियों में निराशा है। ऊर्जा क्षेत्र के वितरण क्षेत्र के विकास के लिए कोई रकम आवंटित नहीं की गई है।

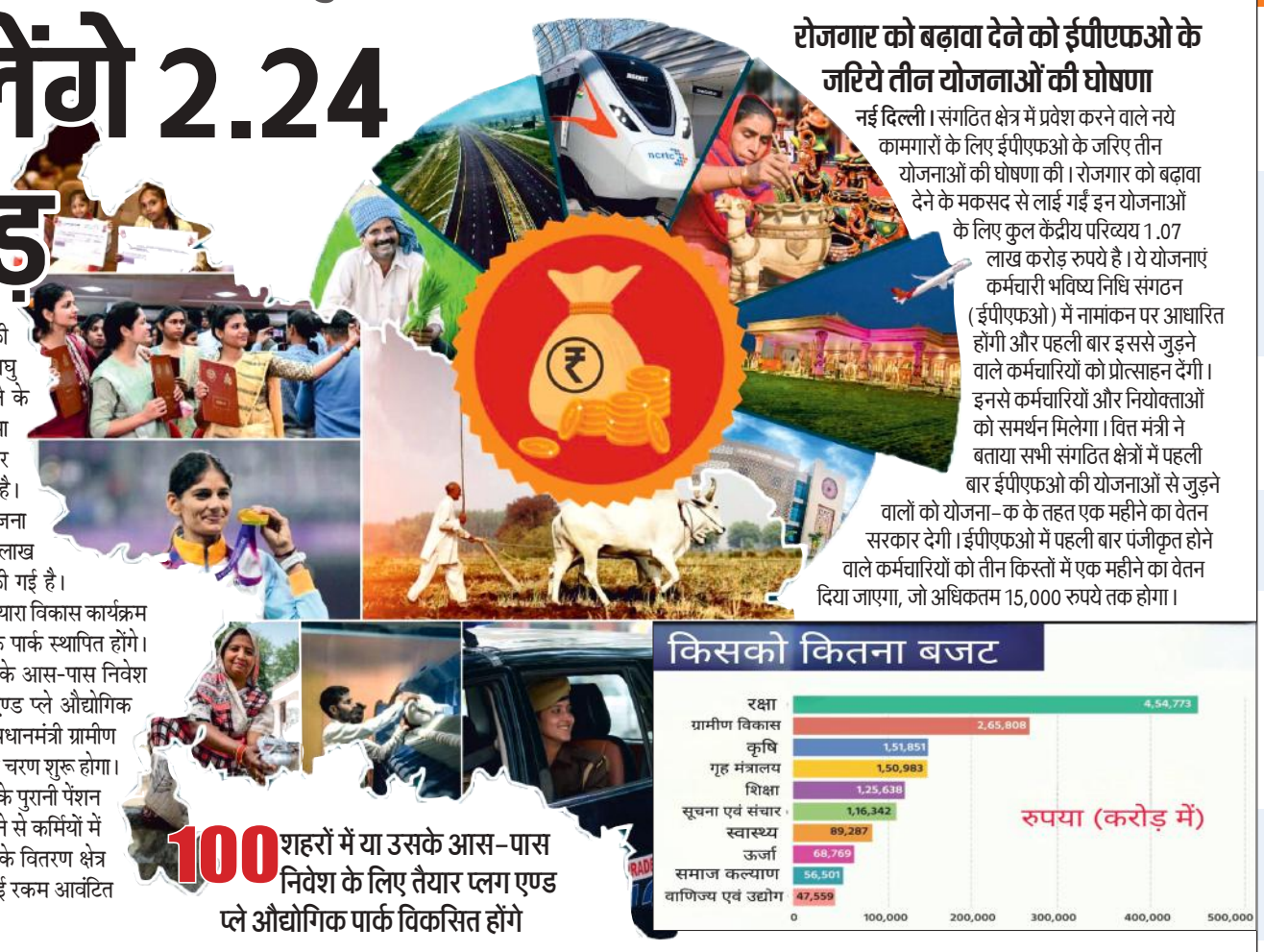

100 शहरों में या उसके आस-पास निवेश के लिए तैयार प्लग एण्ड प्ले औद्योगिक पार्क विकसित होंगे

रोजगार को बढ़ावा देने को ईपीएफओ के जरिये तीन योजनाओं की घोषणा

नई दिल्ली। संगठित क्षेत्र में प्रवेश करने वाले नये कामगारों के लिए ईपीएफओ के जरिए तीन योजनाओं की घोषणा की। रोजगार को बढ़ावा देने के मकसद से लाई गईं इन योजनाओं के लिए कुल केंद्रीय परिव्यय 1.07 लाख करोड़ रुपये है। ये योजनाएं कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में नामांकन पर आधारित होंगी और पहली बार इससे जुड़ने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन देंगी। इनसे कर्मचारियों और नियोक्ताओं को समर्थन मिलेगा। वित्त मंत्री ने बताया सभी संगठित क्षेत्रों में पहली बार ईपीएफओ की योजनाओं से जुड़ने वालों को योजना-क के तहत एक महीने का वेतन सरकार देगी। ईपीएफओ में पहली बार पंजीकृत होने वाले कर्मचारियों को तीन किस्तों में एक महीने का वेतन दिया जाएगा, जो अधिकतम 15,000 रुपये तक होगा।

इन बदलावों पर नजर जरूरी

- गिरवी या तृतीय पक्ष गारंटी के बिना मशीनरी और उपकरण की खरीद के लिए एमएसएमई को आवधिक ऋण की सुविधा देने के लिए ऋण गारंटी योजना
- 2.2 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता सहित 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश से अगले पांच वर्ष में एक करोड़ शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की आवास जरूरतों का समाधान
- 100 साप्ताहिक 'हाट' या स्ट्रीट फूड हब के विकास में सहायता अगले पांच वर्षों में प्रत्येक वर्ष चुनिंदा शहरों में
- विष्णुपद मंदिर गलियारा, महाबोधि मंदिर गलियारा और राजगीर का व्यापक विकास।
- टैक्स अधिकरणों, उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में प्रत्यक्ष करों, उत्पाद शुल्क और सेवा कर से संबंधित अपीलों को दायर करने के लिए मौद्रिक सीमाओं को क्रमशः 60 लाख रुपये, दो करोड़ रुपये और पांच करोड़ रुपये तक बढेगा
- सरकार नियोक्ता को उसके ईपीएफओ योगदान के लिए दो साल तक हर अतिरिक्त कर्मचारी पर 3000 हजार रुपये हर महीना
- पांच साल की अवधि में 20 लाख युवाओं के कौशल विकास के लिए नई योजना
- 7.5 लाख रुपये तक के ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मॉडल कौशल ऋण योजना
- सरकार की योजनाओं और नीतियों के तहत किसी लाभ के लिए पात्र नहीं होने वाले युवाओं को घरेलू संस्थानों में उच्चतर शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक के ऋण
- तीन साल में किसानों और उनकी जमीन को शामिल करने हेतु कृषि में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) को लागू किया जाएगा।
- अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे के साथ गया में औद्योगिक केंद्र का विकास
- जनजातीय-बहुल गांवों व आकांक्षी जिलों में जनजातीय परिवारों का सामाजिक-आर्थिक विकास के 63,000 गांवों के पांच करोड़ जनजातीय लोग लाभार्थी होंगे।
- उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की 100 शाखाएं खोलना
- तरुण श्रेणी के अंतर्गत मुद्रा ऋणों की सीमा को उन उद्यमियों के लिए मौजूदा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख
- इस वर्ष भी 1.5 लाख करोड़ रुपये के ब्याज रहित दीर्घावधि ऋण का प्रावधान
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 25,000 ग्रामीण बसावटों के लिए बारहमासी सड़क संपर्क उपलब्ध होगा बिहार में कोसी-मेची अंतर्राज्यीय लिंक और अन्य योजनाओं जैसी परियोजनाओं के लिए 11,500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता
- सरकार बाढ़, भूस्खलन और अन्य संबंधित परियोजनाओं के लिए असम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम को सहायता देगी
- ओडिशा के मंदिरों, स्मारक, शिल्प, वन्य जीव अभयारण्य, प्राकृतिक भू-दृश्य और प्राचीन समुद्री तट के विकास हेतु सहायता।
- अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक लाख करोड़ रुपये के वित्तीय पूल व्यवस्था
- सभी भू-खण्डों के लिए अनन्य भूखंड पहचान संख्या (यूएलपीआईएन) अथवा भू-आधार
- कृषक रजिस्ट्री से जोड़ना वन स्टॉप समाधान के लिए ई-श्रम पोर्टल को अन्य पोर्टलों से जोड़ना
- नाबालिगों के लिए माता-पिता और अभिभावकों के योगदान से एक योजना के रूप में एनपीएस वात्सल्य
- चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के तहत एक्सरे ट्यूब और मेडिकल एक्सरे मशीनों में इस्तेमाल हेतु फ्लैट पैनल डिडेक्टरों पर मूलभूत सीमा शुल्क में बदलाव
- 25 महत्वपूर्ण खनिजों को सीमा शुल्क से पूरी तरह छूट
- सोलर सैल और पैनलों के विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाली भारी वस्तुएं सीमा शुल्क के दायरे से बाहर
- लौह, निकेल और ब्लिस्टर तांबे पर मूलभूत सीमा शुल्क हटा
- तांबा स्क्रैप पर 2.5 प्रतिशत रियायती मूलभूत सीमा शुल्क
- रेजिस्टरों के विनिर्माण हेतु ऑक्सीजन मुक्त तांबे पर कुछ शर्तों पर मूलभूत सीमा शुल्क हटा
- अमोनियम नाइट्रेट पर मूलभूत सीमा शुल्क को 7.5 प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत
- प्लास्टिक पीवीसी फ्लैक्स बैनरों पर मूलभूत सीमा शुल्क को 10 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत
- दूरसंचार उपकरण के पी.सी.बी.ए. पर बीसीडी को 10 प्रतिशत से बढ़कर 15 प्रतिशत
- फ्यूचर्स और ऑप्सन्स के विकल्पों पर सिक्यूरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स को बढ़ाकर क्रमशः 0.02 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत करने का प्रस्ताव

नौकरीपेशा लोगों को राहत, मानक कटौती बढ़ाकर 75,000 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

बजट में आयकर प्रावधानों में कुछ बदलावों की घोषणा करते हुए मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को राहत दी। मानक कटौती को 50 प्रतिशत बढ़ाकर 75,000 रुपये करने और नई कर व्यवस्था के तहत कर स्लैब में बदलाव का प्रस्ताव बजट में रखा गया। इन घोषणाओं को नौकरीपेशा लोगों के हाथ में कुछ और पैसा देने की कोशिश माना जा रहा है। इससे खपत को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

सीतारमण ने कहा कि बजट में किये गये बदलावों से नई कर व्यवस्था अपनाने वाले कर्मचारियों को 17,500 रुपये तक की कर बचत हो सकती है। वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती की सीमा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये सालाना करने का प्रस्ताव किया गया है। इसी तरह पेंशनधारकों के लिए पारिवारिक पेंशन पर कटौती को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये का भी प्रस्ताव है। वित्त वर्ष 2023-24 में दो-तिहाई से अधिक व्यक्तिगत करदाताओं ने नई आयकर व्यवस्था को चुना है। पिछले वित्त वर्ष में 8.61 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किये गये। नई आयकर व्यवस्था के तहत कर के नए स्लैब एक अप्रैल, 2024 (आकलन वर्ष 2025-26) से प्रभावी होंगे। सीतारमण ने कहा कि नई व्यवस्था के तहत तीन लाख रुपये तक की आय को आयकर से छूट मिलती रहेगी। प्रस्ताव के मुताबिक, तीन से सात लाख रुपये की आय पर पांच प्रतिशत, सात से 10 लाख रुपये की आय पर 10 प्रतिशत और 10-12 लाख रुपये की आय पर 15 प्रतिशत कर लगेगा। हालांकि, 12-15 लाख रुपये की आय पर 20 प्रतिशत और 15 लाख रुपये से अधिक की आय पर पहले की तरह 30 प्रतिशत कर लगता रहेगा। नई आयकर व्यवस्था के मौजूदा प्रावधानों के तहत तीन से छह लाख रुपये तक की आय पर पांच प्रतिशत कर लगाया जाता है। जबकि छह से नौ लाख रुपये के बीच की आय पर 10 प्रतिशत कर लगता है। वहीं, नौ से 12 लाख रुपये और 12 से 15 लाख रुपये के बीच की आय पर क्रमशः 15 प्रतिशत और 20 प्रतिशत कर लगता है। 15 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत आयकर लगता है।

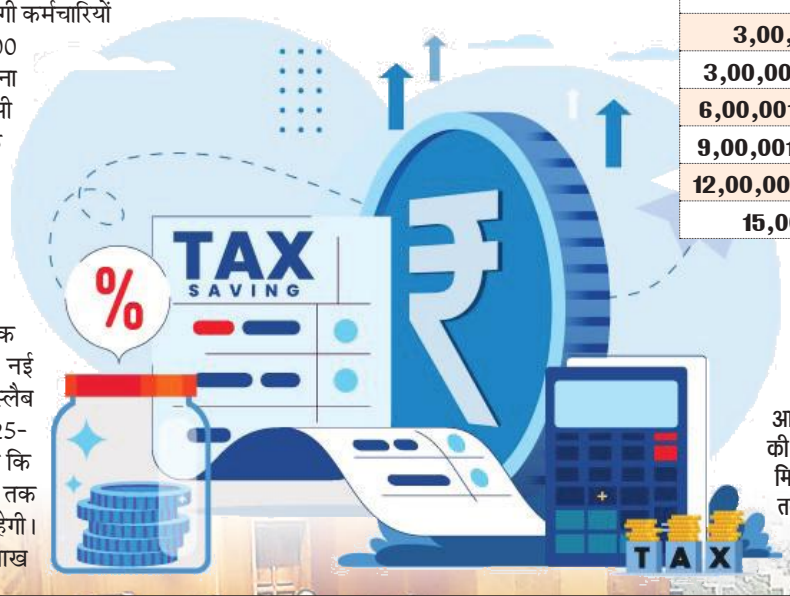

नए टैक्स सिस्टम के तहत प्रस्तावित टैक्स स्ट्रक्चर इस प्रकार है

इनकम	टैक्स
3,00,000 तक की आय	कोई टैक्स नहीं
3,00,001 से 7,00,000 तक	3,00,000 से ज्यादा पर 5% टैक्स
7,00,001 से 10,00,000 तक	20,000 + 7,00,000 से ज्यादा पर 10% टैक्स
10,00,001 से 12,00,000 तक	50,000 + 10,00,000 से ज्यादा पर 15% टैक्स
12,00,001 से 15,00,000 तक	80,000 + 12,00,000 से ज्यादा पर 20% टैक्स
15,00,000 से ज्यादा	1,40,000 + 15,00,000 से ज्यादा पर 30% टैक्स

मौजूदा टैक्स स्ट्रक्चर इस प्रकार है

इनकम	टैक्स
3,00,000 तक की आय	कोई टैक्स नहीं
3,00,001 से 6,00,000 तक	3,00,000 से ज्यादा पर 5% टैक्स
6,00,001 से 9,00,000 तक	15,000 + 6,00,000 से ज्यादा पर 10% टैक्स
9,00,001 से 12,00,000 तक	45,000 + 9,00,000 से ज्यादा पर 15% टैक्स
12,00,001 से 15,00,000 तक	90,000 + 12,00,000 से ज्यादा 20% टैक्स
15,00,000 से ज्यादा	1,50,000 + 15,00,000 से ज्यादा पर 30% टैक्स

ये है टैक्स में राहत पाने का फॉर्मूला

नई दिल्ली। वित्त मंत्री ने आयकर में स्टैंडर्ड डिडक्शन मद में मिलने वाली 50 हजार रुपये की छूट की राशि को बढ़ाकर 75000 रुपये कर दिया है। यानी अगर किसी करदाता की सालाना आय 7 लाख 75 हजार रुपये तक है तो स्टैंडर्ड डिडक्शन के 75,000 रुपये घटाने के बाद उसकी आमदनी 7 लाख रुपये सालाना हो जाएगी। ऐसे में उसे कोई टैक्स नहीं देना पड़ेगा। बजट से पहले की स्थिति में सालाना आमदनी 7,50,000 रुपये तक रहने पर ही करदाता को टैक्स देने से राहत मिलती थी। भले ही नई कर व्यवस्था में तीन लाख तक की कमाई ही टैक्स फ्री है, लेकिन सात लाख तक कमाने वाले को भी टैक्स नहीं देना होता है। इसका कारण है इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 87ए के तहत मिलने वाली छूट। धारा 87ए के अनुसार, किसी व्यक्ति की टैक्सेबल इनकम 7 लाख रुपये होने पर उसे टैक्स में छूट दी जाएगी और उसे कोई टैक्स नहीं देना होगा।

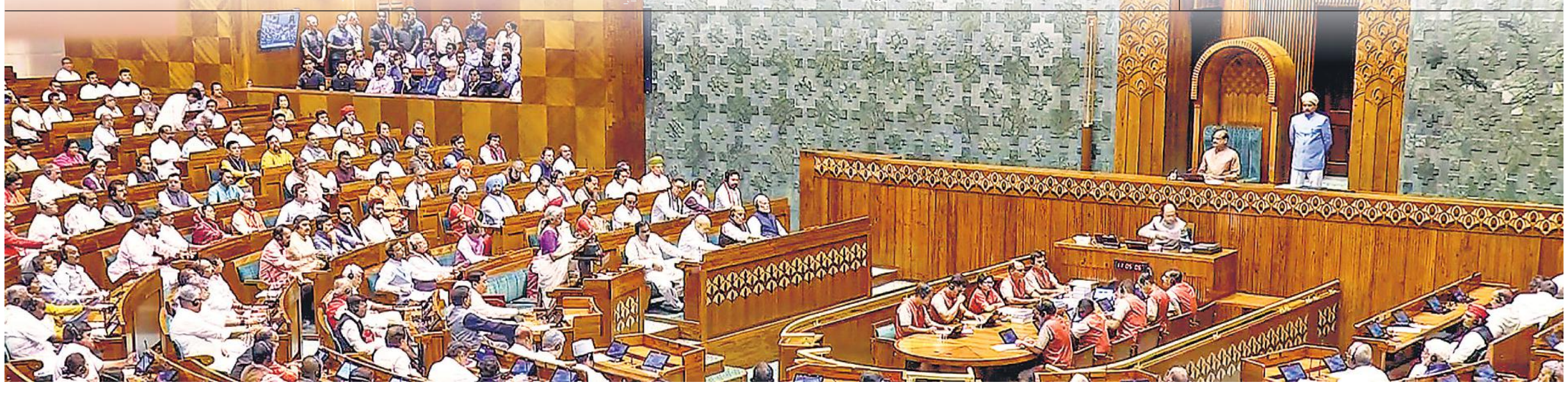

श्रावण कृष्ण पक्ष तृतीया
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 24 जुलाई 2024
वर्ष 5, अंक 248, पृष्ठ 18
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

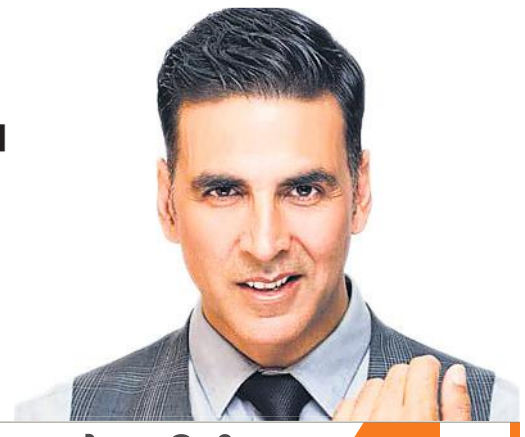

कनाडा में एक और मंदिर में तोड़फोड़ 16

फिल्म खेल-खेल में का मोशन पोस्टर रिलीज 15

मोदी बोले- मध्यम वर्ग को नई ताकत देने वाला बजट, विपक्ष ने बताया नकलची

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने में करेगा उत्प्रेरक का काम

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम बजट को नई उर्जा, बेहतर विकास और सुनहरे भविष्य के साथ ही रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर लेकर आने वाला बताया और कहा कि यह भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में 'उत्प्रेरक' का काम करेगा तथा विकसित भारत की ठोस नींव भी रखेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किए 2024-25 के बजट को उन्होंने समाज के हर वर्ग को शक्ति देने वाला करार दिया और कहा कि रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन संबंधी योजना से देश में करोड़ों नए रोजगार पैदा होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का बजट नए अवसर, नई ऊर्जा लेकर आया है। ये ढेर सारे नए रोजगार, स्वरोजगार के अवसर लेकर आया है। ये बेहतर वृद्धि (ग्रोथ) और सुनहरा भविष्य लेकर आया है। आज का बजट, भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने और उस पूरी प्रक्रिया में उत्प्रेरक का काम करेगा, विकसित भारत की एक ठोस नींव रखेगा। उन्होंने वीडियो संदेश के माध्यम से बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट देश के गांव, गरीब, किसान को समृद्धि की राह पर ले जाने वाला बजट है।

मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और इससे नया मध्यम वर्ग बना है, यह उनके सशक्तीकरण की निरंतरता का भी बजट है। उन्होंने कहा कि यह नौजवानों को अनगिनत नए अवसर देने वाला बजट है। इस बजट से शिक्षा और स्किल (कौशल) को नई गति मिलेगी। यह मध्यम वर्ग को नई ताकत देने वाला बजट है। यह जनजातीय समाज, दलित, पिछड़ों को सशक्त करने की मजबूत योजनाओं के साथ आया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बजट से महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी और इससे छोटे व्यापारियों व लघु उद्योगों को प्रगति का नया रास्ता मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसमें विनिर्माण और अवसंरचना विकास पर भी बल दिया गया है जिससे आर्थिक विकास को नयी गति मिलेगी और निरंतरता मिलेगी। रोजगार और स्वरोजगार के 'अभूतपूर्व' अवसर को अपनी सरकार की पहचान करार देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का बजट इसे और सुदृढ़ करता है। रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे देश में करोड़ों नए रोजगार उत्पन्न होंगे और जीवन में पहली नौकरी पाने वाले युवा की पहली तनख्वाह सरकार देगी। उन्होंने कहा कि कौशल विकास और उच्च शिक्षा के लिए मदद हो या फिर एक करोड़ नौजवानों को इंटेंसिव (प्रोत्साहन) की योजनाएं, इससे गांव के गरीब युवाओं को देश की शीर्ष कंपनियों में काम करने का अवसर मिलेगा, उनके सामने संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे। हमें हर शहर, हर गांव में घर-घर उद्यमी बनाना है। बिना गारंटी मुद्रा लोन की सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपए किए जाने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इससे छोटे कारोबारियों विशेष रूप से महिलाओं, दलित, पिछड़े, आदिवासी परिवारों में स्वरोजगार को बल मिलेगा।

देशवासियों की आकांक्षाओं को सिद्ध करेगा बजट : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आम बजट देशवासियों की आकांक्षाओं को सिद्ध करेगा। उन्होंने कहा कि यह रामराज की अवधारणा को साकार करेगा। बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बजट सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुख, 140 करोड़ भारतवासियों की आशा, आकांक्षा और अमृतकाल के संकल्पों को पूरा करने वाला सिद्ध होगा। आम बजट आत्मनिर्भर व विकसित भारत के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों की समृद्धि, कृषि व सहायक सेक्टरों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये और महिला सशक्तिकरण के लिए तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। इससे सर्वाधिक लाभान्वित देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की आधी आबादी होने वाली है।

बजट में की गई उत्तर प्रदेश की उपेक्षा : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि आम बजट में उत्तर प्रदेश की उपेक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार बचाने के लिए बिहार व आन्ध्र प्रदेश के विशेष पैकेज या विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि बजट में उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए कुछ भी नहीं है। युवाओं को दिए जाने वाले कौशल प्रशिक्षण व संविदा नौकरी को लेकर उन्होंने कहा कि युवाओं को एक-दो साल का प्रशिक्षण दिलाकर इस तरह की नौकरी के सपने दिखाए जा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस आधी-अधूरी नौकरी में आरक्षण होगा। उन्होंने कहा कि जो प्रदेश प्रधानमंत्री देता है, उसके किसानों के लिए क्या प्रावधान किए गए हैं? देश का नौजवान पक्की नौकरी चाहता है। जब तक किसान के मसले हल नहीं होंगे और नौजवानों की पक्की नौकरी नहीं होगी तब तक जनता को कोई बड़ा लाभ नहीं पहुंचेगा।

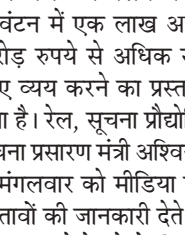

घटकों में रेवड़ी बांटकर कुर्सी बचाने का बजट : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बजट 2024-25 को 'कुर्सी बचाए' रखने के लिए गठबंधन के सहयोगियों की बात मानकर उन्हें खुश करने वाला बजट करार दिया और कहा कि इसमें कांग्रेस के न्याय एजेंडे की नकल का विफल प्रयास किया गया है। खरगे ने कहा कि कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीक तरह से कॉपी भी नहीं कर पाया मोदी सरकार का यह 'नकलची बजट'। मोदी सरकार का बजट अपने गठबंधन के साथियों को ठगने के लिए आधी-अधूरी रेवड़ियां बाँट रहा है, ताकि राजग बची रहे। ये 'देश की तरक्की' का बजट नहीं, 'मोदी सरकार बचाओ' बजट है। गांधी ने कहा कि यह 'कुर्सी बचाओ' बजट है। सहयोगियों को खुश करें- अन्य राज्यों की कीमत पर उनसे खोखले वादे। अपने मित्रों को खुश करें- एए को लाभ, आमजन को कोई राहत नहीं। कॉपी और पेस्ट करें : कांग्रेस का घोषणापत्र और पिछले बजट।

एक नजर

तीन क्विंटल डोडा चूरा बरामद, दो तस्कर फरार

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर जिले के कानोड़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने मंगलवार को एक स्कार्पियो गाड़ी से तीन क्विंटल डोडा चूरा बरामद किया। पुलिस ने बताया कि कानोड लसाडिया मुख्य मार्ग पर नाकाबंदी के दौरान आई स्कार्पियो गाड़ी को रोक कर तलाशी ली। तलाशी में करीब तीन क्विंटल डोडा चूरा सहित स्कार्पियो गाड़ी को जब्त कर लिया। दो तस्कर भागने में सफल हो गए।

बलरामपुर में हाथियों का उत्पात, एक की मौत

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में हाथियों के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल है रामानुजगंज वन परिक्षेत्र के बगरा गांव में सोमवार की रात राजा सिंह अपने दोस्त लक्ष्मण सिंह के साथ किसी कार्यक्रम से घर लौट रहे थे। इसी बीच दोनों का सामना हाथियों के दल से हो गया। राजा राम को हाथियों ने पटक-पटक कर मार डाला। वहीं लक्ष्मण सिंह को घायल कर दिया।

मिसाइल परीक्षण से पहले 10 हजार लोग स्थानांतरित

बालासोर। ओडिशा के बालासोर प्रशासन ने बुधवार को किए जाने वाले मिसाइल परीक्षण से पहले 10 गांवों के 10,000 से अधिक लोगों को अस्थायी रूप से दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया है। एक रक्षा सूत्र ने मंगलवार को यहां बताया कि डीआरडीओ ने चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में मिसाइल परीक्षण के लिए आवश्यक तैयारी भी पूरी कर ली है।

दोबारा नहीं होगी नीट-यूजी

सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई परीक्षा को रद कर दोबारा कराने की गुहार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने स्नातक स्तर की मेडिकल एवं अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले से संबंधित 5 मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2024 रद कर दोबारा आयोजित कराने की गुहार मंगलवार को ठुकरा दी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने दोबारा परीक्षा आयोजित कराने की मांग वाली याचिकाएं ठुकराते हुए कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद आंकड़े प्रश्नपत्र के व्यवस्थित रूप से सार्वजनिक होने के संकेत नहीं देते हैं।

पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि उपलब्ध आंकड़ों की जांच में कोई सबूत नहीं मिला, जिससे यह पता चल सके की प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने समेत अन्य अनियमितताओं के पीछे परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की प्रणालिगत विफलता है।

पीठ ने कहा कि हमारा विचार है कि रिकॉर्ड में मौजूद तथ्यों के आधार पर इस अदालत द्वारा प्रतिपादित स्थापित सिद्धांतों के आधार पर पूरी परीक्षा को रद करने का आदेश देना उचित नहीं है।

पीठ ने हालांकि कहा कि यदि जांच में में लाभार्थियों की संख्या में वृद्धि का पता चलने पर काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद किसी भी स्तर पर ऐसे किसी भी विद्यार्थी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि कोई भी अभ्यार्थी इस धोखाधड़ी में शामिल पाया जाता है या लाभार्थी है, उसे नामांकन जारी रखने में किसी भी निहित अधिकार का दावा करने का अधिकार नहीं होगा। पीठ ने कहा कि यह सच है कि नीट यूजी 2024 का प्रश्न पत्र हजारीबाग और पटना में सार्वजनिक हुआ था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि हजारीबाग और पटना के केवल 155 विद्यार्थी ही इसके (प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने और अन्य अनियमितताओं) के लाभार्थी थे।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वर्तमान वर्ष के लिए नए सिरे से नीट कराने का निर्देश देना इस परीक्षा में बैठने वाले करीब 24 लाख से विद्यार्थियों के लिए गंभीर परिणामों से भरा होगा। पीठ ने यह भी कहा कि दाखिले के कार्यक्रम में व्यवधान से भविष्य में योग्य चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर प्रभाव समेत अन्य पहलुओं पर विचार करने के बाद फैसला दिया गया। पीठ ने कहा कि नीट परीक्षा 05 मई को आयोजित की गई थी और परिणाम 4 जून को घोषित किए गए थे। परीक्षा में लगभग 23 लाख 33 हजार अभ्यर्थी उपस्थित हुए। मेडिकल स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए 1.08 लाख सीटें हैं, जिनमें से 56000 सीटें सरकारी कॉलेजों में और बाकी निजी संस्थानों में हैं। शीर्ष अदालत ने केंद्र और एनटीए का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और याचिकाओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र हुड्डा, संजय हेगड़े और एडवोकेट मैथ्यूज जे नेदुम्परा सहित अन्य की दलीलें चार दिनों तक सुनने के बाद फैसला सुनाया।

- अदालत ने कहा- जांच में नहीं मिले प्रश्नपत्रों के सार्वजनिक होने के सबूत
- दोबारा परीक्षा कराने का निर्देश देना करीब 24 लाख छात्रों के लिए गंभीर परिणामों से भरा होगा

विपक्ष ने अराजकता पैदा करने का प्रयास किया : प्रधान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को विपक्ष पर नीट-यूजी मुद्दे का इस्तेमाल कर अराजकता एवं अशांति पैदा करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि विवादों में घिरी परीक्षा से संबंधित उच्चतम न्यायालय के फैसले से सत्य की जीत हुई। प्रधान ने कहा कि विपक्ष को छात्रों और उनके अभिभावकों को गुमराह करने के लिए उनसे माफी मांगनी चाहिए। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) दो दिनों में नीट-यूजी के अंतिम परिणाम घोषित करेगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा की मेधा सूची में शीर्ष अदालत की टिप्पणियों के अनुसार संशोधन किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने नीट-यूजी 2024 के असफल अभ्यर्थियों को बड़ा झटका देते हुए मंगलवार को उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें विवादों में घिरी इस परीक्षा को रद कर दोबारा आयोजित कराने की मांग की गई थी।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 20 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है और सरकारी योजनाओं के तहत ऋण मुहैया कराने के बहाने लोगों को ठगने के आरोप में नौ महिलाओं सहित 20 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अंकित चौहान ने मंगलवार को कहा कि अनुमान है कि 400 से अधिक पीड़ित कॉल सेंटर की धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं, जिसके कारण कुल 40 लाख रुपये की ठगी हुई है। पुलिस पहले ही देश भर में 50 से अधिक पीड़ितों की पहचान कर चुकी है। डीसीपी ने बताया कि दक्षिणी दिल्ली के लाडो सराय इलाके से संचालित यह फर्जी कॉल सेंटर सरकारी योजनाओं के तहत लोन दिलाने के नाम पर लोगों को ठगता था। डीसीपी ने बताया कि वे एकत्रित किए गए विवरणों का इस्तेमाल अपने खातों में पैसे हस्तांतरित करने के लिए करते थे। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने सोमवार को नौ महिला टेली-कॉलर्स समेत 20 लोगों को गिरफ्तार किया गयाा है और उनके पास से कुल 32 मोबाइल फोन, 48 फर्जी सिम कार्ड, चार लैपटॉप और 23 बैंक खाते जब्त किए गए, जांच जारी है।

- सरकारी योजनाओं में ऋण दिलाने के बहाने ऐंठते थे रुपये

बजट में रेलवे के लिए दो लाख 65 हजार 200 करोड़ का प्रावधान

नई दिल्ली, एजेंसी

रेल दुर्घटनाओं में वृद्धि के बीच आए आम बजट में रेलवे के पूंजीगत आवंटन में एक लाख आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक संरक्षा के लिए व्यय करने का प्रस्ताव किया गया है। रेल, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को मीडिया को बजट प्रस्तावों की जानकारी देते हुए कहा कि बजट में रेलवे के लिए रिकॉर्ड दो लाख 65 हजार 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है जबकि वर्ष 2014 में रेलवे के लिए पूंजीगत आवंटन 35 हजार करोड़ रुपये के आसपास रहता था। उन्होंने कहा कि इस दो लाख 65 हजार 200 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय में से एक लाख आठ हजार 795 करोड़ रुपये संरक्षा के मद में खर्च किए जाने हैं। संरक्षा के मद में पुरानी रेल पटरियों को बदलना, कवच का नया 4.0 संस्करण लगाना, इंजन एवं कोचों के अनुरक्षण, ओवरब्रिज और अंडरपास बनाने आदि में यह धनराशि खर्च की जाएगी।

वैष्णव ने कहा कि रेलवे गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों की सवारी है। इसलिए जनरल एवं गैर एसी स्लीपर कोचों की मांग बढ़ी है। पूंजीगत व्यय से करीब 10 हज़ार जनरल एवं गैर एसी स्लीपर कोचों के उत्पादन किया जाएगा। कवच के नए संस्करण के बारे में उन्होंने कहा कि कवच 4.0 में भारतीय रेलवे के सभी तरह की प्रणालियों को समाहित करते हुए नया साफ्टवेयर बनाया गया है। जिसे दो तीन पहले ही आरडीएसओ लखनऊ से स्वीकृति हासिल हुई है। अब इसको तेजी से बड़े पैमाने पर उत्पादन करके अधिक से अधिक लाइनों पर लगाया जाएगा। रेल मंत्री ने कहा कि रोज़गार की दृष्टि से देखें तो संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के 10 साल के शासनकाल में चार लाख 16 हजार नियुक्तियां हुईं थीं जबकि मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में पांच लाख से अधिक लोगों को रेलवे की नौकरी मिली है। इस वर्ष भी 38 से 40 हजार लोगों की भर्ती की प्रक्रिया चल रही है।

- रेल संरक्षा पर खर्च होंगे एक लाख आठ हजार करोड़ रुपये : वैष्णव

युवक थाईलैंड में बंधक 22 लाख फिरौती मांगी

प्रयागराज। जिले के एक युवक को थाईलैंड में बंधक बना लिया गया है। परिजनों का कहना है कि करीब दस दिनों से बेटे से बात नहीं हुई है। 22 जुलाई को युवक के फोन से 22 लाख रुपये की फिरौती की मांग की गई। रुपये डॉलर में ऑनलाइन ट्रांसफर करने के लिए कहा है। अब युवक का फोन बंद है। परिजनों ने प्रधानमंत्री कार्यालय व गृह मंत्रालय को पत्र लिखने के अलावा विदेश मंत्रालय से युवक को वापस लाने की गुहार लगाई है।

- पांच अन्य भारतीयों को बनाया गया बंधक

मामला विदेश से जुड़ा है। परिवार वालों से बातचीत कर जो भी उचित होगा किया जाएगा। -पुष्कर वर्मा, एसीपी प्रयागराज

प्रयागराज के अतरसुइया थाना क्षेत्र के दरियाबाद निवासी जिया पंजतन (26) दुबई की एक कंपनी में काम करता था। उसके साथ देश के अन्य चार युवक भी थे। जिया पंजतन और अन्य युवक दुबई से थाईलैंड के लिए 10 जुलाई को इंडिगो की फ्लाइट से गए थे। आखिरी बार उनकी 13 जुलाई को परिजनों से बात हुई थी। इसके बाद से जिया का संपर्क टूट गया। घरवालों का कहना है कि युवकों को बैंकॉक के एक मकान में बंधक बनाकर रखा गया है। जिया की बहन कनीज ने कहा- 22 जुलाई को भाई ने मुझे वॉट्सएप पर कॉल किया कि मुझे बंधक बना लिया गया है। ये लोग मुझसे 22 लाख रुपये डॉलर के रूप में मांग रहे हैं। मेरी तरह 5 लड़के यहां बंधक हैं। 23 जुलाई तक का समय दिया है। कनीज ने विदेश मंत्रालय और पीएमओ को ई-मेल के जरिए बेटे को छुड़ाने के लिए प्रार्थना पत्र भेजा है। जिया के बड़े भाई बक्शीश दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं।

जीएम फसलों पर राष्ट्रीय नीति तैयार करे केंद्र : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- अनुवांशिक रूप से संवर्धित सरसों पर रोक संबंधी याचिका पर दो जजों की पीठ का खंडित फैसला
- जीएम फसलों को पर्यावरण में छोड़े जाने संबंधी फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर कोर्ट ने की सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने सरसों की संकर (हाइब्रिड) किस्म डीएमएच-11 को बीज उत्पादन और परीक्षण के लिए पर्यावरण में छोड़ने के केंद्र सरकार के वर्ष 2022 के फैसलों की वैधता पर मंगलवार को खंडित फैसला सुनाया। हालांकि, दो जजों की पीठ ने आनुवंशिक रूप से संवर्धित (जीएम) फसलों पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का केंद्र को एकमत से निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने जीएम सरसों को पर्यावरण में छोड़े जाने की सिफारिश करने के जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जीईएसी) के 'ट्रांसजेनिक सरसों हाइब्रिड डीएमएच-11' को पर्यावरण में छोड़े जाने संबंधी फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। जीईएसी आनुवंशिक रूप से संवर्धित (जीएम) जीवों के लिए देश की नियामक संस्था है। इस मामले में दलीलें सुनने के बाद पीठ ने अलग-अलग राय दी। पीठ ने इस मामले को प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के समक्ष रखे जाने का निर्देश दिया, ताकि कोई दूसरी पीठ इस पर फैसला दे सके। हालांकि, दोनों न्यायाधीशों ने आनुवंशिक रूप से संवर्धित (जीएम) फसलों पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का केंद्र को एकमत से निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय जीएम फसलों पर राष्ट्रीय नीति तैयार करने से पहले सभी हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ परामर्श करे और यदि इस प्रक्रिया को चार महीने में पूरा कर लिया जाए, तो बेहतर रहेगा। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने जीएम फसलों को पर्यावरण में छोड़े जाने के मुद्दे पर कहा कि 18 और 25 अक्टूबर, 2022 को दिए गए जीईएसी के निर्णय दोषपूर्ण थे, क्योंकि बैठक में स्वास्थ्य विभाग का कोई सदस्य नहीं था और कुल आठ सदस्य अनुपस्थित थे। दूसरी ओर, न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि जीईएसी के फैसले किसी भी तरह से मनमाने और गलत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जीएम सरसों फसल को सख्त सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए पर्यावरण में छोड़ा जाना चाहिए।

यूट्यूबर एल्विश यादव ईडी के समक्ष पेश हुआ

लखनऊ। यूट्यूबर एल्विश यादव मंगलवार को लखनऊ स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय पहुंचा। एजेंसी ने उससे धनशोधन मामले के साथ ही कई मुद्दों पर पूछताछ की। एल्विश ने कहा कि मुझे जो कहना था, मैं पहले ही कह चुका हूं। जो मुझसे मांगा गया था, मैं उसे दे चुका हूं। अब हर उस सवाल का जवाब दूंगा, जो मुझसे पूछा जाएगा। ईडी ने बीती 10 जुलाई को यूट्यूबर को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन एल्विश ने ईडी से मोहलत मांगी थी।

यूट्यूबर एल्विश यादव लंबे समय से स्नैक वेनम (सांप का जहर) मामले को लेकर सुर्खियों में है। उसे पुलिस एक बार गिरफ्तार भी कर चुकी है। ईडी ने भी एल्विश को बीती 10 जुलाई को नोटिस जारी किया था, लेकिन वह पेश नहीं हुए। मीडिया के सवाल पर एल्विश ने कहा कि मैं यूके गया था, जिसके कारण पेश नहीं हो पाया।

- कहा, यूके में था इसलिए 10 जुलाई को नहीं पहुंच सका

पुंछ में घुसपैठ की कोशिश हाथरस के सुभाष शहीद

जम्मू, एजेंसी

- सेना के जवानों ने ध्वस्त किए आतंकियों के मंसूबे

जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को सेना ने नाकाम कर दिया, जिस दौरान एक जवान शहीद हो गया। सेना की 'व्हाइट नाइट कोर' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सतर्क सैनिकों ने तड़के तीन बजे बट्टल सेक्टर में घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों की गोलीबारी का माकूल जवाब देकर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। कोर ने कहा कि भारी गोलीबारी के दौरान एक वीर जवान घायल हो गया। अभियान जारी है।

सूत्रों के अनुसार, सैनिकों को कृष्णाघाटी के बट्टल अग्रिम क्षेत्र में आतंकवादियों के समूह की गतिविधियों का पता चला और उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। सूत्रों ने बताया कि हाथरस (यूपी) के निवासी लांस नायक सुभाष कुमार भीषण मुठभेड़ में घायल हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों को भी नुकसान पहुंचा है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सैनिक का पार्थिव शरीर पोस्टमॉर्टम के बाद सेना को सौंप दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में तलाश अभियान शुरू कर दिया गया है। हाल के महीनों में जम्मू में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं, जिससे क्षेत्र में आतंकवाद के फिर से सिर उठाने की आशंका बढ़ गई है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

असाधारण परिस्थितियों में ही बेल पर लगाएं रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अदालतों को केवल असाधारण परिस्थितियों में ही जमानत आदेश पर रोक लगानी चाहिए। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज करते हुए यह बात कही, जिसमें धन शोधन के एक मामले में एक आरोपी की जमानत पर रोक लगाई गई थी। पीठ ने कहा कि हालांकि, अदालत के पास जमानत पर रोक लगाने का अधिकार है, लेकिन ऐसा केवल असाधारण परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि अदालतों को यांत्रिक तरीके से और बिना कोई कारण बताए जमानत आदेश पर रोक लगाने से बचना चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह फैसला धन शोधन के एक मामले में आरोपी परविंदर सिंह खुराना की याचिका पर सुनाया।

- शीर्ष कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के एक आदेश को किया खारिज

बजट 48.21 लाख करोड़

16.13 लाख करोड़ की व्यवस्था उधार से

राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.9% तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2024-25 के बजट में कुल 48.21 लाख करोड़ के व्यय का अनुमान लगाया है और राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.9% तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा है। फरवरी में पेश अंतरिम बजट में राजकोषीय घाटा 5.1% रहने का अनुमान लगाया गया था। पिछले वित्त वर्ष में, संशोधित अनुमानों के अनुसार राजकोषीय घाटा 5.6 प्रतिशत था। बजट निर्माण में वित्त वर्ष 2024-25 में चालू कीमतों पर जीडीपी में 10.50 की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद सत्र के दौरान पेश बजट पत्रों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 3,26.37 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो 2023-24 के 2,95.36 लाख करोड़ की तुलना में 10.50 प्रतिशत अधिक है। बजट अनुमानों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में केंद्र की शुद्ध कर प्राप्तियां 25.83 लाख करोड़, कर-भिन्न प्राप्तियां 5.46 लाख करोड़ तक रहेंगी तथा पूंजी प्राप्तियां 16.91 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

पूंजी गत प्राप्तियों में उधार और अन्य देयताताओं के मद में प्राप्तियां 16.13 लाख करोड़ अनुमानित हैं। विनिवेश से 50 हजार करोड़ प्राप्त होने का अनुमान है, जो अंतरिम बजट के बराबर है। पिछले वित्त वर्ष में विनिवेश से 33122 करोड़ प्राप्त हुए थे। चालू वित्त वर्ष में सरकार के कुल 4820512 करोड़ के अनुमानित व्यय में राजस्व खाते पर व्यय 3709401 करोड़, ब्याज भुगतान पर 1162940 करोड़ तथा पूंजीगत सम्पत्तियों के सृजन के लिए अनुदानों पर 3.91 लाख करोड़ के व्यय का प्रावधान है।

प्रस्तावों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 4.9 प्रतिशत के रहेगा। सरकार की वित्तीय स्थिति को और मजबूत बनाने की राह पर आगे और प्रगति का विश्वास जताते हुये वित्त मंत्री ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.5 प्रतिशत तक रहने की संभावना है। उन्होंने कहा चालू वित्त वर्ष में सरकार दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से बाजार से सकल 14.01 लाख करोड़ रुपये का कर्ज जुटायेगी। वर्ष के दौरान जुटाया गया कर्ज शुद्ध रूप में 11.63 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि 2021 में उन्होंने राजकोष को मजबूत बनाने की जो वृहद योजना प्रस्तुत की, उससे अर्थव्यवस्था की बहुत अच्छी सेवा हुई है, और सरकार अगले वर्ष घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने का लक्ष्य रखेगी। बुनियादी आर्थिक, सामाजिक और अनुसंधान एवं विकास ढांचे को बढ़ाने की योजनाओं के साथ बजट में 11 लाख 11,111 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का प्रावधान किया गया है जो जीडीपी के 3.4 प्रतिशत के बराबर है। पिछले वित्त वर्ष के संशोधित अनुमानों के अनुसार 2023-24 में पूंजीगत व्यय 9.49 लाख करोड़ रुपये था।

पूंजीगत लाभ कर में बदलाव से सरकारी खजाने में 15 हजार करोड़ रुपये का इजाफा: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने मंगलवार को कहा कि बजट में पूंजीगत लाभ कर की दरों में प्रस्तावित बदलाव से सरकारी खजाने को 15,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त मिलने का अनुमान है। वित्त मंत्री ने बजट में पूंजीगत लाभ कर को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव किया। साथ ही प्रतिभूति और अचल संपत्ति समेत विभिन्न संपत्तियों को अपने पास रखने की अवधि को तर्कसंगत बनाया गया है। दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर के लिए सूचीबद्ध वित्तीय परिसंपत्तियों को एक वर्ष से अधिक समय तक जबकि असूचीबद्ध वित्तीय परिसंपत्तियों तथा सभी गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों को कम से कम दो वर्षों तक रखना होगा। विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों के लिए दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर को घटाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है। इसमें गैर-सूचीबद्ध बॉण्ड तथा डिबेंचर शामिल नहीं है उसमें मौजूदा स्लैब दरें लागू होंगी। सीतारमण ने बजट पेश करने के बाद कहा कि सरकार कराधान व्यवस्था को सरल बनाना चाहती है। सीतारमण ने कहा कि औसत कराधान घटकर 12.5 प्रतिशत रह गया है... हम इसे न्यूनतम स्तर पर ले आए हैं जिससे बाजार में निवेश को बढ़ावा मिला है। बजट में सूचीबद्ध शेयर, शेयर में निवेश से जुड़ी म्यूचुअल फंड और कारोबारी ट्रस्ट की इकाइयों पर अल्पकालिक पूंजीगत लाभ कर (एसटीसीजी) को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का प्रस्ताव भी है। वित्त सचिव टी.वी. सोमनाथन ने कहा कि बजट ने पूंजीगत लाभ कर व्यवस्था को बेहद सरल बना दिया है। सोमनाथन ने कहा कि इक्विटी 20 प्रतिशत पर है और बाकी सब कुछ अल्पावधि के लिए लागू दर पर है।

सरकार ने भेदभाव के बिना सभी राज्यों को धन दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सभी राज्यों के लिए 1.5 लाख करोड़ की सहायता का वादा, 50 वर्षों तक बिना ब्याज के रुपये देने का प्रावधान**
- **बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय योजना का प्रस्ताव रखा**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्ष की इस आलोचना को खारिज कर दिया कि सरकार ने बजट में उन राज्यों को विशेष सुविधा दी है, जहां उसके सहयोगी दलों की सरकार हैं। उन्होंने कहा कि जिनके गठबंधन को 230 से सीटें मिली हैं, उन्हें इस पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि केंद्र ने सभी राज्यों को धन मुहैया कराया है। बिहार के लिए घोषित करोड़ की परियोजनाओं और आंध्र प्रदेश के लिए बहुपक्षीय सहायता उपलब्ध कराने के वादे पर उन्होंने कहा कि बजट में सभी राज्यों के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये की सहायता का वादा किया गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव पूर्व गठबंधन के साथ, हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आराम से सरकार बनाई है। यह ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरे कार्यकाल में विकास के लिए कई घोषणाएं की हैं, जिसमें राज्यों को 50 वर्षों तक बिना ब्याज के 1.50 लाख करोड़ रुपये देने का प्रावधान शामिल है। यह वित्त आयोग की सिफारिश से अलग है। बजट में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय योजना का प्रस्ताव रखा गया है।

पूंजीगत व्यय 15.02 लाख करोड़ रुपये तक

पूंजीगत व्यय के लिये राजस्व खाते से दिए अनुदानों को जोड़ें तो वर्ष के दौरान प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.02 लाख करोड़ तक रहेगा। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 16.13 लाख करोड़ (जीडीपी के 4.9% के बराबर) रहने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष, संशोधित अनुमानों में 16.54 लाख करोड़ (जीडीपी के 5.6%) के बराबर था। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार अगले पांच साल तक अवसंरचना विकास को अपना ठोस समर्थन बनाये रखेगी। बजट में राज्यों को अवसंरचना विकास के लिये 1.5 लाख करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त दीर्घकालिक ऋण का प्रावधान किया गया है। बजट में केंद्र सरकार को करों से शुद्ध प्राप्ति प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के चौथे चरण में ग्रामीण इलाकों में 25,000 छोटी बस्तियों तक सड़क पहुंचाने का लक्ष्य है।

बजट में आम आदमी के हितों पर दिया गया ध्यान: उद्योग जगत

नई दिल्ली। उद्योग जगत ने बजट 2024-25 को आम आदमी के हितों पर ध्यान केंद्रित करते हुए राजकोषीय मजबूती के मार्ग पर अग्रसर बताने के साथ ही कहा कि इसमें भारतीय निवेशकों के लिए कुछ और कदम उठाए जा सकते थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश किया। यह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट है। हिंदुजा ग्रुप ऑफ कंपनीज (इंडिया) के चेयरमैन अशोक हिंदुजा ने कहा कि बजट से पता चलता है कि मोदी सरकार का इस कार्यकाल में लक्ष्य राजकोषीय सुदृढ़ीकरण की राह पर आगे बढ़ना है। कृषि क्षेत्र और किफायती एवं शहरी आवासीय अवसंरचना पर ध्यान केंद्रित करना ठोस कदम है और यह एक शुभ संकेत है। आरपीजी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने कहा कि वित्त मंत्री ने आम आदमी के हितों पर ध्यान केंद्रित करते हुए टीम इंडिया के लिए मैच जीतने वाला बजट पेश किया। उद्योग मंडल सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि यह बजट समावेश के साथ वृद्धि तेज करने के लिए भारत की सफल समग्र आर्थिक रणनीति को निरंतरता प्रदान करता है। यह निवेश और सुधारों की अगुवाई में तथा समावेशन एवं सशक्तिकरण पर केंद्रित सरकार के पिछले दो कार्यकालों की सफल आर्थिक रणनीति को आगे बढ़ाता है। पीएचडी चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने कहा कि यह बजट विकासोन्मुख और समावेशी है। इसमें घोषित अनेक उपाय विकसित भारतकी दिशा में भारत की यात्रा को मजबूती प्रदान करेंगे।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने सातवें बजट में 9 बिंदुओं पर ध्यान केंद्रीत किया है। इसमें कृषि में उत्पादकता बढ़ाने को 1.52 लाख करोड़ निवेश की बात कही गई, किंतु कृषि वृद्धि दर 1.8% से 4% तक जाने का रास्ता कैसे तय होगा यह जिक्र नहीं किया। आर्थिक सर्वेक्षण यह कहता है कि 51% स्नातक रोजगार योग्य नहीं है तब रोजगार व कुशलता की प्राथमिकता सराहनीय है। अवसंरचना विकास में बिहार और आंध्र प्रदेश के एक्सप्रेस-वे ही महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ का आवंटन महत्वपूर्ण है किंतु ग्रामीण हाट को बढ़ावा देना भी महत्वपूर्ण है। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं में कर छूट सराहनीय है किंतु घर, रसोई, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर कुछ खास नहीं मिला। लघु उद्योगों का विकास व सहायता, रोजगार और कुशलता ऋण, सूर्य योजना, नए शोध केंद्रों का जिक्र आदि योजनाएं हैं। राजकोषीय घाटे का 4.9% का होना चिंता का विषय है। नौकरीपेशा और नवीन निवेशकों को न कर में छूट मिली, न बचत, न निवेश के लिए प्रोत्साहन। परिवहन और रेलवे पर संभवत: वित्त मंत्री ने अलग दस्तावेज तैयार किया है। बजट में महिला, युवा, बेरोजगार, कौशल आदि की बातें जरूर हैं लेकिन उनके आंकड़े और समय सीमा का होना भी जरूरी था। पूंजीगत व्यय का बढ़ना, युवाओं को इंटर्नशिप कराना, ऊर्जागत विकास, लघु उद्योगों को क्रेडिट गारंटी, औद्योगिक कॉरिडोर का विकास आदि महत्वपूर्ण घोषणाएं हैं।

- डॉ. विकास प्रधान, अर्थशास्त्र विभाग
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बीसलपुर (पीलीभीत)

विकसित भारत के एक्सप्रेस-वे पर रफ्तार भरेगी गाड़ी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिहाज से डिजाइन किया गया है बजट**
- **कॉरपोरेट सेक्टर को युवाओं के स्किल डेवलपमेंट से जोड़ने से बदलेगा परिदृश्य**

अमृत विचार: यह नए भारत का बजट है। सभी वर्गों और क्षेत्रों को साथ लेकर समर्थ और विकसित भारत के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ने का दस्तावेजी प्रमाण है। मोदी सरकार 3.0 ने अपना पहला बजट भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिहाज से डिजाइन किया है। इसमें युवाओं, महिलाओं, किसानों और मध्यम वर्ग के साथ एमएसएमई सेक्टर को मजबूती से एड्रेस किया गया है। शेयर बाजार को इस बजट को समझने में एक-दो दिन का वक्त लग सकता है, उसकी रफ्तार और तेज होगी, इसमें कोई शक नहीं है। यह बात बजट-2024 पर प्रदेश के प्रमुख उद्यमी और गोल्डी समूह के निदेशक आकाश गोयनका ने कही।

उद्यमी गोयनका ने कहा कि युवाओं के लिए कौशल विकास के साथ रोजगार का रोड मैप प्रदान किया जाना, यह बताता है कि सरकार बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए कृत संकल्पित है। भारत आज युवाओं का देश है और स्किल डेवलपमेंट के बूते दुनिया में धाक जमा सकता है, ऐसे में सरकार के अप्रेंटिसशिप और इंटर्नशिप की दिशा में आगे बढ़ने से युवाओं में भी आत्मविश्वास और जोश बढ़ेगा। पहली बार देश के कॉरपोरेट सेक्टर को इस जिम्मेदारी से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण और परिदृश्य बदलने वाला कदम है। इसी तरह देश में निम्न मध्यम आय वर्ग के लोगों की बड़ी संख्या देखते हुए आयकर में मानक कटौती को 50 से बढ़ाकर 75 हजार रुपये किए जाने और कर स्लैब में राहत प्रदान देने से 7 लाख 75 हजार तक सालाना आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा, इससे लगभग 4 करोड़ लोगों को 17,500 रुपये की बचत होगी, जो बाजार का हिस्सा बनेगी। सरकार ने कृषि क्षेत्र को भी प्राथमिकता पर रखा है। कृषि और संबंधित क्षेत्रों को 1.52 लाख करोड़ आवंटन में बड़ा हिस्सा अनुसंधान के जरिए उत्पादकता बढ़ाने और जलवायु सहनशील किस्मों पर केंद्रित करना खेती-किसानी के प्रति विकास की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। बजट में कस्टम ड्यूटी में बदलाव भी सराहनीय हैं। कैंसर की तीन दवाएं, सोना-चांदी और चमड़े के उत्पाद सस्ते होने से राहत मिलेगी। स्ट्रीट वेंडरों के लिए 100 स्ट्रीट फूड हब स्थापित करने का फैसला दिखाता है कि सरकार अपनी योजनाओं को समाज के आखिरी हिस्से तक ले जाना चाहती है। इंफास्ट्रक्चर बढ़ाने पर सरकार भारी खर्च कर रही है। इसका बड़ा हिस्सा हार और आंध्र प्रदेश की झोली में गया है, लेकिन ग्रोथ का फायदा देश को मिलना है।

रोजगार-अवसरों के नए युग की शुरुआत: शाह

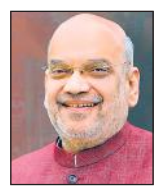

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बजट को दूरदर्शी, जनहितैषी और विकासोन्मुखी करार दिया। उन्होंने कि यह रोजगार तथा अवसरों के एक नए युग की शुरुआत करेगा। देश को विकसित राष्ट्र के रूप में उभरने की राह पर ले जाएगा। उद्यमशीलता बढ़ाने, व्यापार सुगम बनाने के साथ ही आर्थिक विकास को दिशा देने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसमें कर आकलन नियमों को सरल बनाकर करदाताओं को राहत दी गई है। उन्होंने हैशटैग बजटफॉरविकसितभारत के साथ एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि देश के युवाओं, महिलाओं और किसानों की शक्ति का उपयोग कर यह बजट रोजगार और अवसरों के एक नए युग की शुरुआत करेगा। देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और विश्वास को पूरा करेगा। यह मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के संकल्प का परिचायक भी है। कृषि क्षेत्र में उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये की घोषणा परिवर्तनकारी सिद्ध होने वाली है।

बजट पक्षपातपूर्ण और गरीब विरोधी: ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बजट को राजनीतिक रूप से पक्षपातपूर्ण और गरीब विरोधी करार दिया। उन्होंने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल ने ऐसी कौन सी गलती है कि उसे केंद्र ने वंचित कर दिया। बजट में गरीबों के हितों का खयाल नहीं रखा गया है। यह दिशाहीन है। यह बस राजनीतिक मिशन को पूरा करने के लिए है।

लोकसभा में मानसून सत्र के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश किए जा रहे केंद्रीय बजट 2024-25 का सीधा प्रसारण देखते लोग। ● एजेंसी

बजट 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का मजबूत कदम है : मांडविया

केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के विकास पर केन्द्रित बजट के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह बजट 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि गरीब युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के विकास पर केंद्रित बजट फॉर विकसित भारत पेश करने के लिये मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का अभार प्रकट करता हूं। यह बजट वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा। सबको अवसर के सिद्धांत को आगे बढ़ाते हुये इस बजट में रोजगार सृजन और युवा विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है और देश के सभी वर्गों के विकास को सुनिश्चित किया गया है।

बजट अच्छे दिन की उम्मीद वाला कम, मायूस करने वाला ज्यादा : मायावती

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बजट को अच्छे दिन की उम्मीदों वाला कम बल्कि मायूस करने वाला ज्यादा बताया। एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट पुराने ढर्रे पर कुछ मुट्ठी भर अमीर और धन्ना सेठों को छोड़कर देश के गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, महिलाओं, मेहनतकशों, वंचितों और उपेक्षित बहुजनों के त्रस्त जीवन से मुक्ति के लिए अच्छे दिन की उम्मीदों वाला कम बल्कि मायूस करने वाला ज्यादा है। सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि देश में छाई जबरदस्त गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, पिछड़ापन तथा 125 करोड़ से अधिक कमजोर तबकों के उत्थान व उनकी बुनियादी सुविधाओं के प्रति सुधारवादी नीति और नीयत का अभाव है। उन्होंने सवाल उठाया कि बजट में ऐसे प्रावधानों से क्या लोगों का जीवन खुशहाल हो पाएगा?

विकसित भारत का लोक कल्याणकारी बजट: शर्मा

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट की सराहना करते हुए इसे विकसित भारत का लोक कल्याणकारी बजट बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रस्तुत किये गए बजट को मैंने सुना। यह बजट विकसित भारत की परिकल्पना, अंत्योदय के प्रति दृढ़ संकल्प, एवं नए भारत को वैश्विक विकास का अग्रदूत बनाने का रोडमैप है। पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का मार्ग प्रशस्त करते हुए इस लोक कल्याणकारी, विकासोन्मुख तथा सर्वसमावेशी बजट के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार एवं माननीय वित्त मंत्री जी का धन्यवाद।

महाराष्ट्र के लिए पर्याप्त बजट: फडणवीस

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि केंद्रीय बजट में इस पश्चिमी राज्य के लिए पर्याप्त आवंटन के बाद भी विपक्ष नकारात्मक माहौल बनाने का प्रयास कर रहा है। फडणवीस ने दावा किया कि विपक्षी दलों ने बजट आने से पहले ही केंद्र सरकार के खिलाफ नकारात्मक धारणा प्रस्तुत करने के लिए अपनी प्रतिक्रिया तैयार कर ली थी। बजट में महाराष्ट्र के लिए पर्याप्त आवंटन शामिल है। विपक्ष को सलाह दी जाती है कि वह प्रतिक्रिया देने से पहले बजट का गहन अध्ययन कर ले।

दिल्ली को नहीं मिला एक भी रुपया : आतिशी

आतिशी ने कहा कि केंद्र को करों के रूप में 2.32 लाख करोड़ रुपये का भुगतान करने के बावजूद केंद्रीय करों में दिल्ली को एक पैसा भी नहीं मिला। दिल्ली ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के लिए बजटीय आवंटन की मांग की थी लेकिन उसे केंद्र से एक भी रुपया नहीं मिला है। वह केंद्र को आयकर के रूप में दो लाख करोड़ से अधिक और केंद्रीय जीएसटी के रूप में 25,000 करोड़ का भुगतान करती है। दिल्ली 20,000 करोड़ मांग रही थी जो कि केंद्रीय बजट का सिर्फ 0.4 प्रतिशत है।

बजट में बिहार को मिले 60,000 करोड़

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट में मंगलवार को बिहार के लिए कई बड़े कदम उठाए गए। इनमें राज्य में विभिन्न परियोजनाओं के लिए 60,000 करोड़ रुपये से अधिक के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया। इनमें तीन एक्सप्रेसवे, एक बिजली संयंत्र, विरासत गलियारों, नए हवाई अड्डे एवं खेल बुनियादी ढांचे के लिए योजनाओं की रूपरेखा पेश की गई। आम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तीन सड़क संपर्क परियोजनाओं - पटना-पूर्णिया तथा एक्सप्रेसवे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेसवे, बोधगया, राजगीर, वैशाली और दरभंगा एक्सप्रेसवे और बक्सर में गंगा नदी पर अतिरिक्त दो-लेन पुल के विकास के लिए केंद्र के समर्थन की घोषणा की। सीतारमण ने कहा कि इन चार परियोजनाओं की कुल लागत 26,000 करोड़ रुपये होगी। बिहार के लिए अन्य सौगातों में भागलपुर जिले के पीरपैंती में 2,400 मेगावाट का विद्युत संयंत्र स्थापित करना शामिल है, जिसपर 21,400 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सरकार बिहार में हवाई अड्डे, मेडिकल कॉलेज और खेल संबंधी बुनियादी ढांचा भी स्थापित करेगी। इसके अलावा, केंद्र बिहार की बाढ़ में भी मदद करेगा। बिहार नेपाल से निकलने वाली कई नदियों की बाढ़ से अक्सर पीड़ित रहता है।

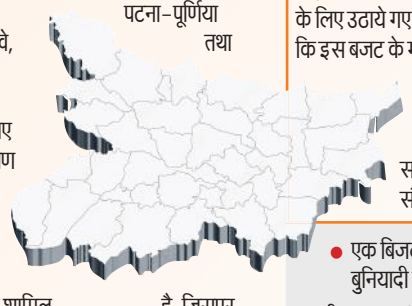

विकास के लिए उठाए कदम सराहनीय

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय बजट को सकारात्मक एवं स्वागत योग्य बताया और कहा कि बजट में बिहार के विकास की गति को बढ़ाने के लिए उठाये गए कदम सराहनीय है। कुमार ने कहा कि इस बजट के माध्यम से देश के साथ-साथ बिहार के विकास की गति को बढ़ाने के लिये कई कदम उठाए गए हैं, जो सराहनीय है। संतुलित बजट पेश करने के लिये मैं केंद्र सरकार को बधाई देता हूं। देश में बड़े पैमाने पर आधारभूत संरचना के निर्माण का निर्णय भी स्वागत योग्य है।

- एक बिजली संयंत्र, विरासत गलियारों, नए हवाई अड्डे एवं खेल बुनियादी ढांचे के लिए योजनाओं
- तीन सड़क संपर्क परियोजनाएं : पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस-वे, तथा बोधगया, राजगीर, वैशाली और दरभंगा एक्सप्रेस-वे
- बक्सर में गंगा नदी पर एक अतिरिक्त दो-लेन पुल के समर्थन की घोषणा

जम्मू-कश्मीर के लिए 42,277.74 करोड़ आवंटित

नई दिल्ली। बजट में जम्मू-कश्मीर को 42,277.74 करोड़ आवंटित किए हैं जो पिछले वित्त वर्ष में दिए गए 41,751.44 करोड़ रुपये से 1.2 प्रतिशत की मामूली वृद्धि को दर्शाता है। जम्मू-कश्मीर को आकस्मिक निधि से अग्रिम राशि के रूप में स्वीकृत 7,900 करोड़ भी हैं। सरकार ने प्रदेश आपदा प्रतिक्रिया कोष में अनुदान के तौर पर जम्मू कश्मीर को 279 करोड़ आवंटित किए हैं, जो प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए होंगे। प्रदेश को 624 मेगावाट की किरु जल विद्युत परियोजना (एचईपी) के लिए इक्विटी योगदान के लिए 130 करोड़ आवंटित हुए हैं, 800 मेगावाट की रतले जल विद्युत परियोजना के लिए इक्विटी की खातिर 476.44 करोड़ मंजूर हुए हैं। झेलम और तवी बाढ़ रिकवरी परियोजना (जेटीएफआरपी) के खर्च को पूरा करने के लिए 500 करोड़ का अनुदान दिया गया है।

लद्दाख के लिए बजट आवंटन में 32 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को घोषित केंद्रीय बजट 2024-25 में केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए 5,958 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो पिछले साल के 4,500 करोड़ रुपये के आवंटन से 32 प्रतिशत अधिक है। 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू और कश्मीर से अलग हुए केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को अपने सचिवालय से संबंधित खर्चों और अन्य विभागों और कार्यालयों की स्थापना के लिए केंद्र से स्थापना व्यय के लिए 2,035.49 करोड़ रुपये मिले हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट में लद्दाख को अन्य केंद्रीय क्षेत्र व्यय के लिए 3,922.51 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिनमें कृषि और संबद्ध योजनाएं, जल आपूर्ति और स्वच्छता, ग्रामीण विकास, बिजली, वानिकी और वन्यजीव, चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य और शिक्षा सहित अन्य विभाग शामिल हैं।

आम लोगों को कोई राहत नहीं : चिदंबरम

कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने केंद्रीय बजट को निराशाजनक करार देते हुए कहा कि महंगाई एवं बेरोजगारी को लेकर कुछ ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं तथा आम लोगों को कोई राहत नहीं दी गई है। उनका कहना था कि यह दावा कि योजनाओं से 2.90 करोड़ लोगों को लाभ होगा, अत्यधिक अतिशयोक्तिपूर्ण है। चिदंबरम ने कहा कि महंगाई दूसरी बड़ी चुनौती है।

बजट आमजन के इर्द-गिर्द केंद्रित : शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह बजट आम आदमी के इर्द-गिर्द केंद्रित है। बजट युवाओं, कामगारों, किसानों तथा महिलाओं पर केंद्रित है। इसमें बुनियादी ढांचा क्षेत्र पर भी जोर दिया गया है। यह भारत को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने की एक शुरुआत है। बजट में महिलाओं से संबंधित योजनाओं के लिए तीन लाख करोड़ रुपये, किसानों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये और बुनियादी ढांचा विकास के लिए तीन लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

आम बजट: आयकर दाताओं ने जताया संतोष, व्यापारी निराश

किसानों, महिलाओं, युवाओं ने दी मिली-जुली प्रतिक्रिया

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : केंद्र की मोदी सरकार के 3.0 कार्यकाल के पहले बजट को लोगों ने राहत भरा बताया है। हालांकि कुछ लोगों ने बजट से नाखुशी जाहिर की, लेकिन अधिकांश लोगों की प्रतिक्रिया सराहना के रूप में सामने आई है। आयकर दाताओं ने थोड़ा राहत भरा बताकर सराहना की, वहीं चिकित्सकों ने बजट को संतोषजनक बताया है। किसानों, महिलाओं, युवाओं ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है। लोगों का कहना था कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यदि पूरी मुट्ठी खोल दी होती, तो बजट लाजवाब होता। अर्थशास्त्रियों और शिक्षाविदों ने भी बजट को संतोषजनक बताया है। कुछ ने इसे बहुत अच्छा और सर्व समाज के लिए हितकारी बताया। उद्यमियों ने बजट को खट्टा-मीठा बताया। महिलाओं का कहना है कि बजट में घरेलू महंगाई रोकने की दिशा में कुछ भी नहीं दिखाई दिया। सोना-चांदी सस्ता होता दिख रहा है। इसी तरह व्यापारी समाज ने बजट को बहुत अच्छा नहीं बताया। आयकर में स्टैंडर्ड डिडेक्शन बढ़ने से लोगों ने खुशी जताई है। लोगों का मानना है कि इससे मध्यम वर्ग को काफी राहत मिलेगी।

शहर के मुख्य बाजार में मोबाइल पर बजट देखते व्यापारी। ● अमृत विचार

शहर के एक शोरूम में टीवी पर बजट देखते कर्मचारी। ● अमृत विचार

अब सोने-चांदी की कालाबाजारी खत्म होगी

सोना-चांदी और प्लेटनम धातुओं का सीमा शुल्क कम किए जाने से सराफा बाजार मोदी सरकार के निर्णय से उत्साहित है, और निर्णय का स्वागत करती है। पहले सोने-चांदी पर 15 फीसदी सीमा शुल्क लिया जाता है, जो अब घटाकर मात्र छह प्रतिशत कर दिया गया है। इतना बड़ा कट पहले कभी नहीं हुआ। इसका लाभ सीधे तौर पर दुकानदारों और ग्राहकों को मिलेगा। लोगों की क्रय शक्ति तो बढ़ेगी ही, साथ ही काला बाजारी भी खत्म होगी। अभी तक बाहर से आने वाले सोने में स्मगलरों की मौज होती थी, लेकिन अब जो लाभ उन्हें मिल जाता था, वह सीधे तौर पर कम हो गया, इससे निश्चित रूप से स्मगलरों के हौसले पस्त हो गए होंगे। बाजार नंबर एक में चलेगा, उपभोक्ताओं को बचत होगी।

– विनोद सर्राफ, अध्यक्ष सराफा एसोसिएशन, सदर बाजार

टीवी पर बजट देखते मिष्ठाई कारोबारी व कर्मचारी। ● अमृत विचार

कृषकों व महिलाओं को मरहम लगाने का काम किया

बजट देश का न होकर बिहार और आंध्रप्रदेश का होकर रह गया है। जिस तरह से इन दो राज्यों पर विशेष कृपा की गई है, उससे पता चलता है कि बजट पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। इस बजट में एक ओर नए आयकर निर्धारण में कुछ छूट देकर मध्यम वर्ग को थोड़ा बहुत लाभ देने का प्रयास तो किया गया, लेकिन दूसरी ओर जीएसटी को विस्तारित कर अन्य वस्तुओं को भी जीएसटी के दायरे में लाने का प्रस्ताव रखा गया है। युवाओं को रोजगार और कृषकों व महिलाओं को कुछ लुभावनी योजनाओं का लाभ देकर मरहम लगाने का काम किया है।

–डॉ. कामरान हसन खां, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र जीएफ कॉलेज

ऊंट में मुंह में जीरा साबित होगा बजट

बजट में मध्यम वर्ग को कोई राहत नहीं दी गई है, जो खेदजनक है। टैक्स स्लैब भी कमजोर साबित हो रहा है। सीमा शुल्क में छूट मिलने से सोना-चांदी जरूर सस्ते हो सकते हैं, लेकिन मोबाइल पर कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला है। कुल मिलाकर यह बजट ऊंट में मुंह में जीरा साबित होगा। आमजन बजट से हताश है। इससे महंगाई कम होने वाली नहीं है।

– संजय अग्रवाल, व्यापारी

बजट सर्व समावेशी है

केंद्रीय बजट में खासतौर पर युवा और मध्यम आय वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। गांव, गरीब और किसान के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिससे किसान खुशहाल होगा और युवाओं को अपनी मंजिल तक पहुंचने का रास्ता भी साफ होगा। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए बजट में खास प्रावधान किए गए हैं। कुल मिला कर यह बजट सर्व समावेशी है और देश को समृद्धि की राह पर ले जाने वाला है।

– सुचित सेठ, चौक

वैश्विक प्रतिस्पर्धा को कड़ी चुनौती देने वाला साबित होगा बजट

केंद्र सरकार का बजट बहुत ही सराहनीय है। इसमें आयकर दाताओं से लेकर युवाओं की इंटर्नशिप, कौशल विकास, निर्यात संवर्धन, रोजगार सृजन, खेती-किसानी, महिलाओं और युवाओं के लिए बहुत कुछ समाहित करने का प्रयास किया गया है। यहां तक कि हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध के धर्मस्थलों के विकास की बात शामिल की गई है। कुल मिलाकर बजट वैश्विक प्रतिस्पर्धा को कड़ी चुनौती देने वाला है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट ग्रामीण विकास, कौशल विकास, रोजगार विकास, शहरी आवास की बात करता है। महिलाओं के उत्थान के लिए तीन लाख करोड़, युवा कौशल के लिए दो लाख करोड़ का बजट निकाला गया है। देश की टॉप कंपनियों में इंटर्नशिप की बात करते हुए युवाओं को पांच हजार रुपसे प्रतिमाह दिलाना पहली बार सोचा गया है। इससे एक करोड़ युवा लाभान्वित होंगे। मध्यम वर्ग को आयकर से बहुत लाभ मिलेगा।

– डॉ. अवनीश मिश्र, शिक्षाविद

कैंसर की तीन दवाइयों पर छूट नाकाफी

कैंसर लाइलाज बीमारी है, जो दीमक की तरह जिसे लग जाती है, उसका घर-परिवार बिक जाता है। ऐसे में केंद्र सरकार ने इस लाइलाज बीमारी की तीन दवाइयों को सीमा शुल्क से छूट प्रदान करने की घोषणा की है, जो नाकाफी है। सभी दवाइयों पर सीमा शुल्क में छूट मिलनी चाहिए। इतना ही नहीं, कैंसर के सभी अस्पतालों की बिजली-पानी जैसी सुविधाओं की छूट मिलनी चाहिए। इससे मरीजों के तीमारदारों को काफी राहत होगी और इलाज सस्ता हो सकेगा। अस्पतालों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर लोगों को भला किया जा सकता है।

– डॉ. दीपा सक्सेना, वरिष्ठ चिकित्सक

पुरानी पेंशन योजना पर सरकार ने कुछ नहीं बोला

यह बजट अन्नदाता कहे जाने वाले किसानों, युवाओं और शिक्षा पर केंद्रित रहा। मध्यम वर्ग के लिए बजट में कुछ खास नहीं है। मुद्रा लोन को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख किया जाना तो ठीक है, लेकिन आयकर दाताओं को कोई बड़ी राहत नहीं दिखाई दी। वहीं, शेयर मार्केट को लोगों को ज्यादा कर चुकाना पड़ेगा। इसलिए बजट के दौरान ही शेयर मार्केट में गिरावट शुरू हो गई। इसी तरह लांग टर्म कैपिटल गेन पर भी अधिक कर चुकाना पड़ेगा। सरकार ने पुरानी पेंशन योजना के तहत कुछ भी नहीं बोला। कुल मिलाकर यह बजट अपेक्षित उत्साह वाला साबित नहीं हुआ।

–डॉ. मधुकर श्याम शुक्ल, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र एसएस कॉलेज

बजट उद्योग जगत के लिए हितकारी कहा जा सकता है

केंद्र सरकार के बजट में 100 शहरों में या उसके आसपास संपूर्ण बुनियादी ढांचे वाले औद्योगिक पार्क विकसित करना और राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत 12 औद्योगिक पार्कों की मंजूरी देना बहुत ही सराहनीय प्रयास है। प्लग एंड प्ले पर आधारित पार्कों को जरूरत के अनुसार उपयोग किया जा सकता है और इससे नए निवेशकों को बहुत आसानी होगी। सरकार के इस प्रयास के दोहराव से भी बचा जा सकेगा। निवेशक आवश्यकतानुसार समय बाधित परियोजनाओं में आसानी से निवेश कर सकेगा। इसके अतिरिक्त सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) अब मुद्रा योजना के तहत 10 लाख के बजाय 20 लाख रुपए तक का ऋण प्राप्त कर सकेंगे। यदि सरकार किए गए वादों को पूरी ईमानदारी से धरातल पर उतारती है, तो उद्योग जगत के लिए बजट हितकारी कहा जा सकता है।

– रोहित गोयल, मंडल सचिव, आईआईए

खट्टा-मीठा रहा आज का बजट

कौशल विकास और रोजगार के लिए इस वित्त वर्ष में 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं महिलाओं के लिए पहली बार नौकरी पर अतिरिक्त वेतन का प्रावधान भी स्वागत योग्य है। घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक के ऋण के लिए ई-वाउचर हर साल एक लाख छात्रों को सीधे ऋण राशि के तीन फीसदी वार्षिक ब्याज छूट के लिए दिए जाएंगे। कामकाजी महिलाओं के लिए महिला हॉस्टल और शिशु गृहों की स्थापना की जाएगी। ईपीएफओ में पहली बार पंजीकृत कर्मचारियों को एक माह के वेतन का 15 हजार रुपए तीन बार में दिया जाएगा। शिक्षा संबंधित सेवाओं को जीएसटी से मुक्त रखना चाहिए था, जो सरकार ने इस बार नहीं किया। कुल मिलाकर बजट खट्टा-मीठा रहा।

– आयुषी सक्सेना, आईटी विभाग सन इंस्टीट्यूट

युवाओं को राहत कम और दिक्कतें अधिक होंगी

केंद्रीय बजट में खाद की सौ लैब और इतनी ही स्मार्ट मार्केट बनाने का निर्णय सराहनीय है। वहीं, युवाओं को इंटर्नशिप की घोषणा कर उन्हें लुभाने का काम किया गया है। इंटर्नशिप के दौरान पांच हजार रुपए मिलने पर युवाओं को राहत कम और दिक्कतें अधिक दिखाई देंगी। आयकर में भी बहुत अधिक संतोषजनक कुछ नहीं कहा जा सकता, इसलिए आयकरदाताओं को मायूसी ही हाथ लगेगी।

– कुलदीप सिंह दुआ, व्यापारी नेता

बजट में व्यापारियों के लिए कुछ भी नहीं

बजट में व्यापारियों के लिए कुछ भी नहीं है। रही बात आयकर की तो, सरकार ने 80 सी का दायरा ही बढ़ा दिया होता तो कुछ लाभ की बात सामने आ सकती थी। सिर्फ आयकर में स्टैंडर्ड डिडेक्शन 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार कर दिया गया। इससे कुछ राहत जरूर मिलेगी, लेकिन जिसकी उम्मीद थी, वैसा कुछ भी नहीं हुआ। उद्योगों और किसानों के लिए जरूर कुछ अच्छा हुआ है। ऐसे में बजट को कुछ राहत वाला कहा जा सकता है।

– वेद प्रकाश गुप्ता, व्यापारी नेता

चिकित्सा जगत को इससे ज्यादा उम्मीद थी

सरकार ने कैंसर की कुछ दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों पर सीमा शुल्क की छूट प्रदान की है। यह निर्णय स्वागत योग्य है, लेकिन चिकित्सा जगत को सरकार से इससे ज्यादा उम्मीद थी। जिस प्रकार जीवन रक्षक दवाइयों पर, वैक्सीन और हॉस्पिटल पर टैक्स लगे हुए हैं, वो कम होने चाहिए थे। हॉस्पिटल बनाने के लिए सस्ते लोन उपलब्ध कराने की जरूरत है। इसके अलावा आयुष्मान योजना को सरल बनाना चाहिए, जिससे हर किसी का इलाज सरल और सस्ता हो सके। चूंकि अस्पताल सेवा कार्यों की श्रेणी में आते हैं, इसलिए सरकार को इस ओर अधिक ध्यान देना चाहिए।

– डॉ. संजय पाठक, ईएनटी चिकित्सक

गृहणियों की उम्मीदों को लगा झटका

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट से उम्मीदें तो बहुत थीं, लेकिन इन उम्मीदों को झटका लगा है। घर-गृहस्थी की गाड़ी सुचारू चलाने के लिए बजट में कोई खास प्रावधान नहीं किया गया है। रसोई गैस, खाद्यान्न आदि महंगा ही रहेगा। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए जो कदम उठाए जा रहे हैं, वह सराहनीय हैं। कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल सुविधा, उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अच्छा प्रयास होगा।

– रजनी पाठक, गृहणी, बृज विहार कालोनी

आयकर दाताओं को बहुत राहत मिलेगी

केंद्र सरकार के आम बजट में नौकरीपेशा लोगों का ध्यान सिर्फ आयकर पर रहता है। इस बार सरकार ने स्टैंडर्ड डिडेक्शन 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार कर दिया है, जिससे आयकर दाताओं को बहुत राहत मिलेगी। सरकार का यह निर्णय बहुत ही सराहनीय है। हालांकि मध्यम वर्ग की अपेक्षा बड़े आयकर दाताओं को इनकम टैक्स में कोई राहत नहीं मिलने वाली है। नवीन व्यवस्था से आयकर रिटर्न भरने में भी दिक्कत कम होगी और लोग लाभान्वित होंगे।

– दिनेश कुमार, आयकर अधिवक्ता

उद्यमियों और उद्योगों को सीधा कोई लाभ नहीं दिया

वित्त मंत्री ने अपने बजट में बड़ों से छीनकर छोटों में बांटने का काम किया है। अर्थात शेयर मार्केट, प्राप्टी आदि में जो पैसा लगा होता है, उसे इंडेक्स का लाभ खत्म कर छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने का विचार पैदा किया गया है। सरकार ने प्रयास किया है कि प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं। छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए ही नए उद्यमियों के लिए 10 लाख का ऋण बढ़ाकर 20 लाख कर दिया गया है। उद्योगों को बढ़ावा देने का मकसद रोजगार सृजन करना है, जो अच्छी बात है। उद्यमियों और उद्योगों को बजट में सीधा कोई लाभ नहीं दिया गया है।

– अशोक अग्रवाल, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आईआईए

युवाओं को कुछ खास लाभ होने वाला नहीं

केंद्रीय बजट में कैंसर के इलाज की सस्ती दवाइयां उपलब्ध कराना सराहनीय कदम है। सरकार ने युवाओं की नौकरी में एक माह का पीएफ देने की घोषणा की है। इससे कुछ खास लाभ नहीं होने वाला है। युवाओं को उचित रोजगार व पारिश्रमिक चाहिए। एक करोड़ युवाओं को अगले पांच साल में टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका देने से युवाओं को विभिन्न चुनौतियों से रूबरू होने का मौका मिलेगा। साथ ही युवाओं को हर महीने पांच हजार रुपये का भत्ता, एकमुश्त मदद के रूप में छह हजार रुपये देने का निर्णय स्वागत योग्य है। हालांकि इंटर्नशिप के बाद रोजगार की कोई गारंटी नहीं है।

– डॉ. रूपक श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर वाणिज्य विभाग

सत्ता पक्ष ने सराहा, विपक्षी दलों ने सिरे से नकारा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: बजट को सत्ता पक्ष ने चहुंमुखी विकास करने वाला बताया, वहीं विपक्षी दलों ने सिरे से नकारते हुए लोक लुभावन करार दिया है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पहले जो वादे किए थे, वही अब तक पूरे नहीं किए। अब जो बजट में परोसा गया है, वो कैसे और कब पूरा होगा। इसकी गारंटी कौन लेगा।

वहीं, सत्ता पक्ष का कहना है कि वित्त मंत्री ने अभूतपूर्व बजट प्रस्तुत किया है, जिसमें किसानों के साथ युवाओं, महिलाओं, बेरोजगारों, उद्यमियों, व्यापारियों और आयकर दाताओं को भारी राहत मिली है।

भाजपा सरकार हमेशा से ही लोगों को झूठे वादे कर भरमाने का प्रयास करती रही है। यही हाल इस बजट में दिखाई दिया है। पहले किसानों की आय दोगुनी करने की योजना जो बनाई गई थी, उसका क्या हुआ। क्या किसानों की आय दोगुनी हो गई। आज देश और प्रदेश का अन्नदाता बहुत परेशान है। जब सरकार किसानों का भला नहीं कर सकती, तो आमजन का भला कैसे करेगी। बजट से काफी निराशा हुई है।

– तनवीर खां, जिलाध्यक्ष सपा

पूरा देश महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त है। ऐसे में इस बजट से बहुत आशाएं थीं, लेकिन भाजपा सरकार ने एक बार फिर लोगों को धोखा देने का काम किया है। बजट में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिसकी सराहना की जाए। किसानों, नौजवानों, महिलाओं को सिर्फ सपने दिखाए गए हैं, जो पूरे नहीं होंगे। यहां तक कि रेलवे के लिए भी कुछ नहीं किया गया है। कुल मिलाकर बजट निराशाजनक ही है।

– राधेश्याम भारती, जिलाध्यक्ष बसपा

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट का जिस तरह लोग प्रतीक्षा कर रहे थे, उससे कहीं अधिक लाभकारी बजट सामने आया है। एक ओर जहां सरकार ने गांव-गरीब, किसानों को तमाम ऐसी योजनाएं दी हैं, जिनसे उनकी आर्थिक स्थिति में कई गुना सुधार होगा, वहीं युवाओं और महिलाओं को बहुत राहत देने वाला बजट है। कामकाजी महिलाओं को हॉस्टल सुविधा दी जा रही है, ताकि उनकी कार्यक्षमता प्रभावित न हो। इसी तरह इनकम टैक्स में स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ाकर वेतनभोगियों और अन्य आयकर दाताओं को बड़ी राहत दी गई है। वित्तमंत्री ने बजट में हर किसी को कुछ न कुछ दिया है। इससे हर वर्ग के लोगों को फायदा होगा। बजट बहुत ही सराहनीय है।

– केसी मिश्रा, जिलाध्यक्ष भाजपा

आज का मौसम

34.0° अधिकतम तापमान | 28.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.29 | सूर्यास्त 07.5

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
150 बेड का विश्वस्तरीय कैंसर हॉस्पिटल
RADIOTHERAPY
TRUE BEAM STX LINAC
यह SRS, SBRT, IGRT, IMRT, VMAT और 3D CRT जैसी फोटॉन थेरेपी (6 Mv, 10Mv, 15Mv) पद्धतियाँ प्रदान करने में सक्षम है।

BRACHYTHERAPY
24 Channel

PET CT SCAN
बरेली मंडल की एक मात्र मशीन

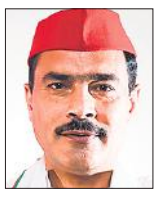

FDG -PET CT
PSMA- PET CT (प्रोस्टेट कैंसर)
सोडियम फ्लोराइड बोन पीईटी
DOPA -PET CT (पार्किंसंस आवर्तक ब्रेन ट्यूमर, आदि)
द्वितीय पीढ़ी की मशीन जिससे कैंसर के स्टेज का पता चलता है
Immunotherapy & Chemotherapy
Dedicated Cancer Modular OT's
आयुष्मान कार्ड से 5 लाख तक का इलाज
हमारे विशेषज्ञ
डॉ. अर्जुन अग्रवाल (सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट)
डॉ. लक्ष्मण पांडे (रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट)
डॉ. आमिर मलिक (हेड एंड नेक कैंसर सर्जन)
डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा (क्लिनिकल ऑन्कोलॉजिस्ट)
डॉ. संदीप (मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट)
डॉ. चीना गर्ग (ऑन्कोपैथोलॉजिस्ट)
डॉ. अंकित कुमार (न्यूक्लियर मेडिसिन ऑन्कोलॉजिस्ट)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - 92581 16087, 78912 35003
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल कैम्पस, सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

शिव इन्टरप्राईजेज फोम एण्ड प्लाई

गद्दे, सोफे का सामान, पर्दे, प्लाई बोर्ड, दरवाजे, सनमाइका हार्डवेयर, फर्नीचर
सिकलापुर, बरेली
9897245877

School Education
ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :
7906732664, 8445507002

MAHARAJA AGRASEN MAHAVIDYALAYA, BAREILLY
Affiliated to M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly
Registration Free
ADMISSION OPEN
FOR SESSION 2024-25
M.Sc. (Physics, Chemistry, Mathematics, Botany, Zoology)
M.Com.
M.A. (Education, Geography, Political Science, Eng. Lit.)
P.G.D.C.A.
B.Ed.
B.Sc.(PCM/ZBC) B.A. B.B.A. B.C.A.
B.Sc. (Home Science) B.Com. B.Com. (Hons.)
BUS FACILITY AVAILABLE
Campus : 11th Km. Bareilly-Lucknow Road, Near Transport Nagar, Bareilly
9012937191, 9690002586

प्रवेश प्रारम्भ

चन्द्रलोक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

रजऊपरसपुर (बरेली) उ.प्र.

चिकित्सा के क्षेत्र में उज्जवल भविष्य बनाने हेतु उत्तम संस्थान

- उ.प्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी लखनऊ एवं उ.प्र. सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
- सरकारी, अर्द्धसरकारी, सेना एवं विदेश में नौकरी के लिए मान्य
- सरकारी मानकों के अनुसार फीस एवं छात्रवृत्ति

स्थान सीमित शीघ्र प्रवेश लें

GNM (जनरल नर्सिंग एण्ड मिडवाइफरी) 3 Years (इंटरमीडिएट)

GNM में एडमिशन पिछले सालों की तरह बिना प्रवेश परीक्षा के होंगे।

विशेष सुविधाएं

- मेडिक्लेम, बीमा योजना
- आयुष्मान भारत योजना एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय योजना में निःशुल्क इलाज

सिटी ऑफिस

चन्द्रलोक हॉस्पिटल

दूरबीन विधि द्वारा

- पित्त की थैली, पित्त की नली की पथरी (Lap Chole, ERCP),
- गुर्दे, यूरेटर की पथरी (PCNL, URS)
- प्रोस्टेट (गदूद) (TURP, TURBT)
- रसौली, बांझपन की जाँच
- बबासीर, हर्निया का ऑपरेशन

- मेडिक्लेम • स्त्री एवं प्रसूति रोग
- सभी प्रकार की सर्जरी
- पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउण्ड
- ट्रॉमा, हेड इंजरी, फ्रेक्चर आदि।
- ICU, कार्डियक मॉनिटर, वेन्टिलेटर,
- हृदय, सांस, गुर्दा रोग एवं डायबिटीज

पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

सम्पर्क करें-

9458882565
9410002566
8859491000

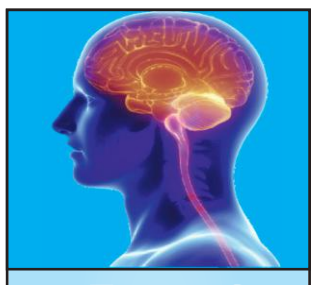

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सेन्टर

डॉ. रजनी कांत साहू

वरिष्ठ न्यूरो सर्जन

MBBS, MS, MCh. (SGPGI, Lucknow)
Ex-Consultant- MAX HOSPITAL, DELHI

दिमाग एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ

समय
प्रातः- 11 बजे से 3 बजे तक
सायं- 7 बजे से 9 बजे तक

सुविधायें

- सिर की चोट का इलाज व ऑपरेशन।
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व ऑपरेशन।
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का ऑपरेशन।
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रोसिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व ऑपरेशन।
- सिर दर्द (माईग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज।
- दिमाग के फोड़े का इलाज व ऑपरेशन।
- गर्दन (सर्वाईकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिप डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन।
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का ऑपरेशन।
- बच्चों के पीठ की गांठ का ऑपरेशन।
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सेन्टर

427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली

पर्चा लगाने के लिए सम्पर्क करें-
7417389433, 7017678157

मंडी में व्यापारियों पर बरसाए लाठी-डंडे, पांच घायल

गुस्साए व्यापारियों ने कोतवाली में किया हंगामा, मूंगफली की खरीद को लेकर मुनीम से हुआ था विवाद

संवाददाता, जलालाबाद

अमृत विचार : मंडी में मंगलवार सुबह मूंगफली की खरीद-फरोख्त को लेकर आढ़ती और व्यापारी के बीच विवाद हो गया। कुछ ही देर बाद दो-तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में 100-150 लोग लाठी-डंडा व अवैध असलहा लेकर वहां पहुंच गए और व्यापारियों पर हमला बोल दिया। अचानक हमला होने से मंडी में अफरा-तफरी मच गई। व्यापारी खुद को बचाने के लिए इधर-उधर भागे, लेकिन हमलावरों ने उन्हें दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। इस दौरान पांच व्यापारी घायल हो गए। मारपीट के बाद हमलावर वहां से भाग गए। व्यापारी कोतवाली पहुंचे तो दूसरा पक्ष भी वहां पहुंच गया। जहां दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग शुरू कर दी। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर लेकर मामले की एनसीआर दर्ज कर ली और जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत किया।

नगर के मोहल्ला कानून गोयान निवासी व्यापारी सुरेश गुप्ता ने बताया कि मंडी में उनकी आढ़त है। मंडी में मंगलवार सुबह नौ बजे गांव

जलालाबाद कोतवाली में इंस्पेक्टर हरपाल बालियान से बात करते व्यापारी। ● अमृत विचार

मंडी परिसर में लाठी-डंडा लिए खड़े लोग। ● अमृत विचार

● दूसरे पक्ष ने भी मारपीट करने का लगाया आरोप, तहरीर दी

महुआ डांडी निवासी राजेंद्र मुनीम से मूंगफली खरीदने को लेकर कहासुनी हो गई थी। इस पर राजेंद्र मुनीम ने अपने गांव वालों को सूचना दे दी। इसें बाद उनके गांव से लगभग 100 लोग लाठी-डंडा व अवैध असलहा लेकर मंडी आ धमके और सुरेश पर एक राय होकर हमला कर दिया। यह नजारा देख उन्हें बचाने पहुंचे अन्य व्यापारियों पर भी हमला बोल दिया। अचानक हमला होने से व्यापारियों में भगदड़ मच गई। व्यापारी बचने के लिए इधर-उधर भागे, लेकिन हमलावरों ने सभी को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। मारपीट की इस घटना में पप्पू गुप्ता का सिर फट गया। आरोप लगाया कि हमलावर पप्पू गुप्ता के गल्ले से एक लाख रुपये और सोने की चैन लूटकर ले गए। वहीं, व्यापारी लालू गुप्ता, अनुज गुप्ता, दीपक गुप्ता भी घायल हो गए। सुरेश गुप्ता को भी गुम चोटें आईं और उनका कुर्ता फट गया। इसकी जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। इसके बाद पूर्व चेयरमैन मुनेंद्र बाबू गुप्ता के साथ मंडी के तमाम व्यापारी नारेबाजी करते हुए कोतवाली पहुंचे। जहां उन्होंने हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इसी दौरान राजेंद्र मुनीम भी अपने तमाम समर्थकों के साथ कोतवाली पहुंच गए और मारपीट का आरोप लगाना शुरू कर दिया। दोनों पक्षों के आमने-सामने आने से कोतवाली में अफरा तफरी का माहौल बन गया। इस बीच कोतवाल हरपाल सिंह बालियान लोगों को समझाने की कोशिश करते रहे, लेकिन लोग कार्रवाई की मांग पर अड़े थे। इसकी सूचना मिलते ही सीओ अजय राय भी थाने जा पहुंचे। उन्होंने व्यापारियों से घटना की जानकारी ली और कठोर कार्रवाई का आश्वासन देकर मामले को शांत किया। व्यापारियों ने तहरीर देकर हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मारपीट में घायल व्यापारी पप्पू गुप्ता।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 7464943582

चरक पैथलैब
विश्वसनीय परिणाम
FullBody BLOOD TEST PACKAGE
CBC+KFT+LFT+TFT+LIPID+SUGAR
1499/- ONLY 799/-
जांचों पर विशेष छूट
चाट बाजार रोड, 39-बी, एकता नगर, बरेली
मो. 9410200042, 9410200047 समय प्रातः 8 से रात 9 बजे तक
घर से सेम्पल लेने की सुविधा उपलब्ध E-mail: pathlab.charak@gmail.com

आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री मोतियाबिन्द व नाखूना के ऑपरेशन
TPA कैशलेस की सुविधा, ECHS द्वारा मोतियाबिन्द की सुविधा
नेत्र सर्जन
डॉ. आफताब आलम
एम.बी.बी.एस., डी.ओ.एम.एस. (ए.एम.यू.)
रोहिलखंड रत्न व अचीवर अवार्ड से सम्मानित
मोतियाबिन्द के ऑपरेशन की शुरूआत मात्र 2000/- रु. से
मिलने का समय-प्रातः 10 से 3 बजे तक, शाम : 6 से 8 बजे तक
डॉ. आफताब आई केयर मो. 9758934778
ताजुश्शरिया हॉस्पिटल के सामने, जगतपुर रोड, निकट बीसलपुर चौराहा, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
आयुष्मान योजना अन्तर्गत स्वास्थ्य लाभ मुफ्त
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर
स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
आधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
10 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
60000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक से आधुनिक लैंस प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध
वी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
आ.सी.टी.मशीन से रेटीना एवं ग्लोकॉम की जाँच उपलब्ध
8077344353
समय प्रातः 10 से 4 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB MNAMS CATARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
टयूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाई पास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

ढाई घंटे चला हंगामा, संयम बनाए रही पुलिस

मारपीट की घटना के बाद दोनों पक्ष सुबह दस बजे जलालाबाद कोतवाली जा पहुंचे। जहां व्यापारियों ने आरोप लगाया कि राजेंद्र तौल में मूंगफली कम देते हैं। विरोध करने पर झगड़े पर आमादा हो जाते हैं। वहीं राजेंद्र मुनीम ने बताया कि वह किसानों से मूंगफली खरीदकर स्टॉक कर लेते हैं, जिन्हें मंडी के बड़े व्यापारी खरीदते हैं। आरोप लगाया कि मूंगफली खरीदने के बाद व्यापारी उसे समय पर रुपये नहीं देते हैं, और रेट भी गिराकर देते हैं। मंगलवार को इसी बात पर विवाद हो गया। कोतवाली में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाया। लगभग ढाई घंटे तक कोतवाली में हंगामा चलता रहा। बाद में सीओ अजय राय और कोतवाल हरपाल सिंह बालियान ने दोनों पक्षों की तहरीर लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। तब करीब 12 :30 बजे मामला शांत हुआ।

सीओ ने मंडी जाकर किया मौका मुआयना

दोनों पक्षों के कोतवाली से जाने के बाद सीओ अजय राय मौका मुआयना करने मंडी पहुंचे। जहां उन्होंने मौजूद लोगों से घटना के बारे में जानकारी की और लोगों के बयान भी दर्ज किए।

दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाया है। इसलिए दोनों पक्षों की ओर तहरीर लेकर एनसीआर दर्ज कर ली गई है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।
– **अजय राय**, सीओ जलालाबाद

फायरिंग और मारपीट करने वालों पर रिपोर्ट

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार : हाईवे पर पुलिस चौकी के सामने फायरिंग और मारपीट करने के आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गांव शिवदासपुर निवासी मोहित यादव ने बताया कि उन्होंने अपने दोस्त सेहरामऊ दक्षिणी के गांव चांदपुर निवासी गौरव को 10 हजार रुपये उधार दिए थे। सोमवार को रुपये मांगने के लिए उसने गौरव को फोन किया। उसने मोहित को नगरिया मोड़ पुलिस चौकी के पास तिराहे पर बुलाया। इस पर वह अपने दोस्त परविंदर व रजनीश के साथ बाइक पर गौरव से मिलने गया। जहां गौरव पहले से अपने आठ दोस्तों के साथ मौजूद था। मोहित के वहां पहुंचते ही गौरव तथा उसके साथियों ने गालियां देना शुरू कर दिया। इसका विरोध करने पर मारपीट की। इसी दौरान गौरव एवं उसके साथियों ने मोहित के ऊपर तमंचे से फायर किए, जिसमें वह बाल-बाल बच गया। इसके बाद आरोपी भाग गए।

रंजिशन महिला को किया घायल

शाहजहांपुर। सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला महमंद हद्दफ निवासी रूपा रानी ने बताया कि 16 जुलाई की शाम साढ़े सात बजे वह दुकान से सामान लेकर अपने घर लौट रही थी। तभी मोहल्ले के संतोष राठौर, सुचित राठौर, जयेश राठौर उसके दरवाजे पर आए और गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लोहे की रॉड से पीटकर घायल कर दिया। आसपास के लोग इकट्ठे हुए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। घटना का कारण पुरानी रंजिश बताया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

हड़ताल की चेतावनी के बाद पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

तिलहर, अमृत विचार: हड़ताल की चेतावनी के बाद पुलिस ने राजस्व निरीक्षक से मारपीट के मामले में दो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। राजस्व निरीक्षक आदर्श कुमार 16 जुलाई को अपने कार्यालय में बैठकर सरकारी कार्य कर रहे थे। इसी दौरान दाखिल खारिज की पत्रावली में आपत्ति के लिए मुनेंद्र कुमार प्रार्थना पत्र लेकर आए। पत्रावली का अवलोकन कर बताया कि दाखिल खारिज का आदेश पारित किया जा चुका है। इससे पूर्व में कोई आपत्ति नहीं की गई थी। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर मुनेंद्र कुमार ने अपने साथी राघवेंद्र साथ मिलकर गाली गलौज और मारपीट की। आरोप है कि टेबल पर रखे सरकारी अभिलेख फाड़ दिए थे। वहां मौजूद अन्य कर्मचारियों ने बीच बचाव किया गया तो आरोपी धमकी देकर चले गए। राजस्व निरीक्षक की ओर से घटना की तहरीर तिलहर थाने में दी गई थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की तो राजस्व निरीक्षकों ने हड़ताल की चेतावनी दे दी। इस पर मंगलवार को आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई।

पति समेत चार के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार: हरदोई जिले की कोतवाली सिटी क्षेत्र के गांव सवायजपुर निवासी कंचन देवी ने बताया उसकी शादी दो साल पहले राहुल देवल निवासी प्रतापनगर थाना जलालाबाद के साथ हुई थी। शादी में दिए गए दहेज से उसके ससुराल वाले संतुष्ट नहीं हुए। ससुराल वालों ने उससे कहा कि मायके से पांच लाख रुपये तथा सोफा मंगाकर दो। मांग पूरी न होने पर राहुल की दूसरी शादी कर देंगे। आरोप है ससुराल वालों ने एक दिन इतना मारा कि उसका गर्भपात हो गया। उसने मायके वालों को सूचना दी। इस पर ससुराल वाले माफी मांगने लगे। कहा कि भविष्य में नहीं मारेंगे। पीड़िता का आरोप है कि 23 जून को ससुराल वालों ने उसे कमरे में बंद करके पीटा। इसके बाद घर से निकाल दिया। जलालाबाद कोतवाली प्रभारी निरीक्षक हरिपाल सिंह ने बताया कि कंचन के पति समेत चार के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सार-संक्षेप

रंजिशन गोली मारकर किया घायल, रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर। सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव महानंदपुर निवासी असलम खां ने बताया कि गांव के रेहान के खिलाफ थाने पर मारपीट आदि की तहरीर दी थी, जिस कारण आरोपी रंजिश मानने लगा था। रविवार को दिन में एक बजे वह खेत से अपने घर लौट रहा था। तभी आरोपी रेहान ने अपने दरवाजे पर उसे रोक लिया। बोला- थाने में शिकायत करके मेरा क्या बिगाड़ लिया? आरोपी ने जान से मारने की नीयत से फायर किया था। गोली उसके हाथ में लगी, जिससे वह घायल हो गया। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

शादी न करने पर दी जान से मारने की धमकी

शाहजहांपुर। चौक कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि 19 जुलाई की दोपहर साढ़े 12 बजे मोहल्ले का शिवम सक्सेना ने उसके घर में घुस आया। उसने पीड़िता की 15 वर्षीय पुत्री को गलत नीयत से पकड़ लिया और खींचकर अपने साथ ले जाने लगा। आरोपी ने पीड़ित की पुत्री से कहा कि तेरे साथ शादी करुंगा। अगर नहीं गई तो चाकू से गला काट देगा। पीड़िता की पुत्री ने शोर मचाया तो मोहल्ले वाले पहुंच गए। तभी आरोपी वहां से भाग गया। प्रभारी निरीक्षक राजीव तोमर ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर। रोजा थाना क्षेत्र के गांव दिउरिया निवासी नेहा ने पुलिस को बताया कि उसकी गांव के सुरेश से रंजिश चल रही है। 30 जून की सुबह आठ बजे वह सरकारी नल पर पानी भरने गई थी। तभी गांव के सुरेश आदि ने उसे घेर लिया और पीटकर घायल कर दिया। शोर शराबा होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। नेहा ने थाने जाकर तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं। इसके बाद उसने एसपी से गुहार लगाई। एसपी के आदेश पर रोजा पुलिस ने सुरेश, मदन, अमर सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

रंगदारी मांगने के आरोपी पर एफआईआर

तिलहर। एसपी के आदेश पर तिलहर पुलिस ने तमंचा दिखाकर रंगदारी मांगने के आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। नगर के मोहल्ला इमली निवासी इमरान खां ने बताया कि 26 जून को उसके घर मजदूर काम कर रहे थे। उस दिन सुबह को वह अपने घर के पास मौजूद था। तभी निजमिया तलैया मोहल्ले का अकरम उर्फ छोटे वहां आ गया। तमंचा दिखाकर इमरान से दो लाख रुपए मांगे। रुपये नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एक नजर

छात्रों ने देखा बजट का लाइव प्रसारण

शाहजहांपुर। संजय कुमार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में कक्षा 11 व 12 वाणिज्य वर्ग के छात्रों को संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट का लाइव प्रसारण दिखाया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य सौरभ वार्ष्णेय के मार्गदर्शन में छात्रों को बजट के प्रति जागरूक करने व उनका देश की अर्थव्यवस्था में बजट के महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया गया। इस लाइव प्रस्तुति को छात्रों के समक्ष वाणिज्य विभाग अध्यक्ष देवेंद्र वैश्य व वाणिज्य आचार्य गौरव कुमार मिश्रा ने छात्रों को विभिन्न प्रकार के बजट व वर्तमान में प्रस्तुत बजट को विस्तार से समझाया तथा छात्रों को पूर्ण बजट का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य ने अगले सप्ताह में वाणिज्य वर्ग के छात्रों की बजट प्रश्नावली की प्रतियोगिता परीक्षा कराने की घोषणा की तथा छात्रों को अर्थव्यवस्था की जागरूकता के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधक राकेश अग्रवाल ने इस लाइव प्रसारण की सराहना की।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

कार डिवाइडर से टकराई, बरेली के व्यवसायी समेत दो की मौत

दो लोग घायल, नेशनल हाईवे पर गोवंश आने से हुआ हादसा

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार : बरेली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर तिलहर इलाके में गोवंश के अचानक सामने आ जाने से बरेली के व्यापारी की कार अनियंत्रित होने के बाद डिवाइडर से टकरा गई। इससे कार में सवार व्यापारी समेत दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि कार चालक समेत दो लोग घायल हो गए।

बरेली के मॉडल टाउन निवासी विट्ठल खंडेलवाल बिरला पुट्टी के डिस्ट्रीब्यूटर थे। मंगलवार को वह कंपनी के टेरेटरी सेल्स ऑफिसर इटावा के सिविल लाइंस निवासी असित द्विवेदी और वहीं के सेल्स ऑफिसर्स सत्यम के साथ मार्केटिंग करने शाहजहांपुर गए थे। कार बरेली के बिहारीपुर सिटी सब्जी मंडी निवासी राहुल चला रहा था। वहां से शाम को चारों लोग बरेली लौट रहे थे। तभी नेशनल हाईवे पर तिलहर इलाके में छाया ढाबा के पास एक गोवंश अचानक उनकी कार के सामने आ गया। उसे बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होने के बाद डिवाइडर पर चढ़कर पत्थरों से टकराती हुई विपरीत दिशा में मुड़ गई। हादसे के बाद कार के अंदर चीख पुकार मची तो उधर से गुजर रहे राहगीर एकत्र हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही तिलहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मगर तब तक कार में फंसे विट्ठल खंडेलवाल व सत्यम की मौत हो चुकी थी। जबकि कार चालक राहुल व असित द्विवेदी गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि कार क्षतिग्रस्त होने से चारों अंदर फंस गए। पुलिस ने कार की बॉडी काटकर बमुश्किल चारों को बाहर निकाला। घायल राहुल व असित को तिलहर सीएचसी ले जाया गया। जहां से चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर रैफर कर दिया।

मृतक विट्ठल खंडेलवाल।

इकलौते बेटे की मौत से टूट गई मां

तिलहर। विट्ठल के पिता सुशील खंडेलवाल की कोरोना से मौत हो गई थी। इकलौता बेटा होने की वजह से बीबीए कर रहे विट्ठल को पढ़ाई छोड़कर पिता का कारोबार संभालना पड़ा। विट्ठल मां सीमा खंडेलवाल समेत पूरे परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। मंगलवार को सड़क हादसे में बेटे की मौत होने की खबर सुनते ही सीमा बेसुध हो गईं।

मदरसों को किताबें और यूनीफार्म दिलाने की मांग

शाहजहांपुर, अमृत विचार: अरबी फारसी मदारिस एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को बीएसए दिव्या गुप्ता से मुलाकात की और उन्हें मदरसों में आ रहीं कठिनाइयों के बारे में बताया। एसोसिएशन अध्यक्ष इकबाल हुसैन उर्फ फूल मियां ने कहा कि जनपद में पांच अनुदानित मदरसे हैं। अभी तक कक्षा एक व दो की निशुल्क पाठ्य पुस्तकें नहीं मिली हैं। इससे बच्चों पढ़ाई नहीं हो पा रही है। अध्यक्ष फूल मियां ने कहा विगत दो वर्षों से बच्चों को निशुल्क यूनिफॉर्म की धनराशि भी नहीं मिली है। इस वर्ष किसी भी मदरसे का पूर्ण रूप से डीबीटी नहीं चल रहा, जिससे बच्चों की फीडिंग नहीं हो पा रही है। बीएसए ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही मदरसे में कक्षा एक व दो की पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध करा दी जाएंगी। जिला समन्वयक समेकित शिक्षा सतीश कनौजिया को निर्देशित किया गया कि डीबीटी कठिनाइयों का निस्तारण कराएं। इनमें हाफिज मोहम्मद इमरान रजा, कारी निजामुद्दीन, जावेद अख्तर कासमी, अब्दुल कादिर खान रहे।

बजट में खुदरा व्यापार बचाने का होता प्रावधान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम ने बजट पर मिलीजुली प्रतिक्रिया दी। साथ ही व्यापारियों के हित में प्रावधान करने की मांग की। उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज सरकार की रीड की हड्डी होती है, जिसका हर तरह से ख्याल रखना सरकार का कर्तव्य है। जब केंद्र सरकार ने जीएसटी लगाया तो कहा था कि सभी टैक्स एक ही होंगे, लेकिन पेट्रोल, डीजल इत्यादि जीएसटी से अलग करके इतना अधिक टैक्स अलग से लगा दिया गया कि ट्रांसपोर्टेशन महंगा हो गया और रोज मर्रा की चीजों में महंगाई बढ़ गई। पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाए। खुदरा व्यापारी समाज में आम आदमी को रोजगार देता है। एक व्यापारी 10 से 15 परिवारों का पालन-पोषण करता है और सरकार को व्यापार करने का टैक्स भी देता है। सरकार बाहर से आई विदेशी कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए उन पर कोई भी अतिरिक्त टैक्स नहीं लगा रही। जिससे छोटा मध्यम वर्गीय व्यापारी इन विदेशी कंपनियों से बच सके। यह लोग सारा व्यापार ऑनलाइन करके बाजार को ग्राहक विहीन कर दे रहे हैं, जिससे व्यापार चौपट हो गया है और दुकानों पर कार्य करने वाले लोग बेरोजगार हो गए हैं, उनके परिवार की रोटी चलना बंद हो गई है। सरकार को खुदरा व्यापार को बचाने के लिए कुछ नियम अपने बजट में लाना चाहिए और जीएसटी के 28 प्रतिशत के स्लेब को कम करके ज्यादा से ज्यादा 18 प्रतिशत तक करना चाहिए। जो व्यापारी टैक्स देता है उसको भी सरकार आयुष्मान कार्ड व व्यापारी पेंशन दे।

सचिन बाथम।

पहले की सरकार ने इनकम टैक्स का नियम कानून देश के आर्थिक विकास और लोगों के बुरे वक्त के लिए पैसा जोड़ने की प्रवृत्ति लाने की भावना से किया था, इसलिए बचत करने पर टैक्स में राहत देने के नियम बनाए गए थे। अब नई टैक्स रेजीम में कहा गया है कि हम एक सीमित छूट देंगे और उसके बाद सीधा टैक्स लेंगे, नई टैक्स प्रणाली में स्टैंडर्ड डिडक्शन 50 हज़ार से बढ़ाकर 75000 हज़ार किया गया है। पेंशन भोगी को 15 हज़ार से बढ़ाकर 25 हज़ार करने से नई टैक्स प्रणाली अपनाने वालो को लाभ मिलेगा। बजट ने निराश किया है। **– अहमद मुबीन इंजीनियर, लोक निर्माण विभाग**

बजट में रेलवे सहित सभी सरकारी कर्मचारियों व शिक्षकों की सबसे बड़ी मांग पुरानी पेंशन बहाली की थी, जिस पर कोई विचार नहीं किया गया। बजट में शिक्षकों और कर्मचारियों को बहुत उम्मीद थी। साथ ही आठवें वेतन आयोग की भी कोई चर्चा नहीं हुई। रेलवे में खाली पद नहीं भरने से कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ रहा है। साथ ही रेलवे के आवासों की बहुत दुर्दशा हैं, कालोनियों के जीर्णोधार के लिए अलग से बजट की घोषणा होनी चाहिए थी, जो नहीं की गई। कर्मचारियों में निराशा है। **– नरेंद्र त्यागी, सहायक मंडल मंत्री नरमू**

प्रधान पति को पीटने पर लेखा सहायक व एपीओ पर कार्रवाई

- **पिटते रहे प्रधान पति और खिड़की से देखते रहे बीडीओ**

बंडा/ शाहजहांपुर

अमृत विचार: प्रधान पति को पीटने के मामले में बंडा ब्लॉक के लेखा सहायक और एपीओ पर गाज गिर गई है। दोनों को ब्लॉक से हटाकर जिला मुख्यालय अटैच कर दिया गया है।

सोमवार को बंडा के ब्लॉक मुख्यालय में गुंडागर्दी की हद पार कर हो गई। एपीओ और लेखा सहायक ने अपने साथियों को बुलाकर प्रधान पति को जमकर पीटा। खास बात यह कि खंड विकास अधिकारी सर्वेश कुमार दफ्तर की कुंडी बंद करके खिड़की से घटना को देखते रहे। यही नहीं घटना के बारे में पूछे जाने हमलावरों के पक्ष में उतर आए। प्रधान पति को आरोपी बताते हुए जांच करने की बात करने लगे। पीड़ित प्रधान पति थाने पहुंचे तो पुलिस ने उनको ही बैठा लिया। इसका पता लगने पर आनन-फानन में दर्जनों गांवों के प्रधान एकत्र होकर थाने पहुंचे, जिसके बाद प्रधान पति को छोड़ा गया। बंडा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुड़िगवां की प्रधान लक्ष्मी देवी के पति रजनीश कुमार बंडा के ग्राम प्रधानों के साथ मंगलवार को शाहजहांपुर में पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा से मिले। उन्होंने बताया कि विकास कार्य स्वीकृति करने के बदले एपीओ और लेखा सहायक कमीशन मांगते हैं, जिसकी शिकायत की गई थी। इसी को लेकर दोनों रंजिश मानने लगे।

सोमवार को एपीओ शकील अहमद ने फोन करके प्रधान पति को ब्लॉक कार्यालय बुलाया और लेखा सहायक नीलेश सिंह ने बुलाए गुंडों के साथ मिलकर मारपीट की। तमंचा तानकर जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता के अनुसार बीडीओ सर्वेश कुमार ने भयभीत होकर कार्यालय की अंदर से कुंडी बंद कर ली और पूरा माजरा खिड़की से देखते रहे। प्रधान पति ने बताया कि वह शिकायत थाने गए तो बंडा पुलिस ने उल्टे उन्हें ही बैठा लिया। बाद में ग्राम प्रधानों के थाने पहुंचने पर छोड़ा गया। एसपी के पास पहुंचे ग्राम प्रधानों के प्रतिनिधिमंडल ने आरोपियों के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज कराए जाने की मांग की है। वहीं, दूसरी ओर जब प्रधानों का प्रतिनिधिमंडल क्षेत्रीय एमएलसी सुधीर गुप्ता के साथ मुख्य विकास अधिकारी अपराजिता सिंह से मिला।

उन्होंने मामले की शुरूआती छानबीन के बाद लेखा सहायक व एपीओ को ब्लॉक कार्यालय से हटाकर जिला मुख्यालय में अटैच कर दिया। बीडीओ सर्वेश सिंह ने बताया कि उच्च अधिकारियों के आदेश के अनुसार दोनों कर्मचारियों को बंडा कार्यालय से रिलीव कर दिया गया है।

बंडा ब्लॉक में हुई घटना को लेकर सीडीओ से वार्ता करते ग्राम प्रधान। ● अमृत विचार

> बंडा में प्रधान पति से मारपीट के मामले में एपीओ शकील अहमद और लेखा सहायक नीलेश सिंह को जिला मुख्यालय से अटैच कर दिया गया है। दोनों बंडा ब्लॉक कार्यालय से रिलीव भी हो गए हैं। – **डॉ. अपराजिता सिंह** सीडीओ

किसान बोले: केंद्र सरकार का बजट सिर्फ लॉलीपॉप

हर बार बजट में किसानों को लेकर बातें तो बड़ी-बड़ी होती हैं, लेकिन धरातल पर कुछ नजर नहीं आता। ये बातें सिर्फ अधिकारियों की मीटिंग और कागजों में ही सिमट कर रही जाती हैं। **–महेंद्र सिंह**, जिलाध्यक्ष भाकिमयू राष्ट्रवादी

बजट में किसानों के हाथ फिर से खाली रहे। न एमएसपी की गारंटी कानून का जिक्र और ना ही कर्ज माफी और बिजली अधिनियम 2020 को वापस लेने की कोई बात की गई है। **–तरविंदर सिंह मोमी**, जिलाध्यक्ष भाकियू चढूनी गुट

दलहन और तिलहन की उत्पादकता पर बढ़ावा ठीक बात है। मगर किसान आयोग का गठन और एमएसपी की बजट में कोई घोषणा नहीं करना किसानों के साथ छलावा है। **–महेंद्रपाल सिंह यादव**, जिलाध्यक्ष भाकियू भानु गुट

किसानों की वर्षो पुरानी मांग एमएसपी को लेकर है। बजट में इस बिंदु को नहीं छुआ गया है। इससे तो लग रहा है कि सरकार किसानों के साथ बराबर छलावा कर रही है। **–सचिन मिश्रा**, किसान नेता

पैर फिसलने से युवक नदी में गिरा डूबने से मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: पैर फिसलने से एक युवक नदी में डूब गया। गांव वाले दो घंटे बाद उसका शव नदी से बाहर निकाल सके। कटरा थाना क्षेत्र के गांव पलिया दरोबस्त निवासी 30 वर्षीय विजय सिंह परिवार का पालन पोषण करने के लिए दूसरे के खेत में मजदूरी करता था। सोमवार की दोपहर 12 बजे वह खेत पर काम करने के लिए गया था। खेत के पास से गर्रा नदी गुजर रही है। गर्रा नदी के पास किसी काम से गया। अचानक उसका पैर स्लिप हो गया और नदी में डूब गया। खेत पर काम कर रहे अन्य लोगों ने उसके घर पर जाकर बताया। वेदपाल गांव वालों के साथ गर्रा नदी पर आए। दो घंटे बाद उसका शव नदी से बाहर निकाल लिया गया। उसकी पत्नी का नाम संगीता है और एक बेटी है। कटरा प्रभारी निरीक्षक गौरव त्यागी ने बताया कि पैर फिसल जाने से डूबने से उसकी मौत हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वरुण अर्जुन के शिविर में खून और शुगर सहित कई जांचें हुईं

शिविर में जांच करते डॉक्टर।

शाहजहांपुर, अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल के कम्युनिटी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जावेद हसन के निर्देशानुसार एक हेल्थ कैंप का आयोजन ददरौल क्षेत्र के ग्राम कोयला पट्टी में किया गया। कैम्प में निशुल्क परामर्श, खून, पेशाब और शुगर की जांच की गई। सभी मरीजों का वजन, लंबाई और ब्लड प्रेशर की भी जांच की गई। कैंप में कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. जावेद हसन, डॉ. धर्मेंद्र कुमार गुप्ता, डॉ. इंतखाब आलम, डॉ. अपराजिता, डॉ. अर्सलान, डॉ. आदित्य, अतुल सक्सेना, डॉ. राघव, डॉ. अनम, डॉ. मयंक, डॉ. सहारेयार अंसारी और कम्युनिटी विभाग के स्टाफ, एमबीबीएस व नर्सिंग के छात्र-छात्राएं और पैथोलॉजी विभाग के लैब टेक्नीशियन उपस्थित रहे। कैंप में पीआरओ सहित सभी का सराहनीय सहयोग रहा।

सभापति ने बी पैक्स मौजमपुर में लगाए पौधे

बी पैक्स मौजमपुर में पौधरोपण करते डीसीबी चेयरमैन डीपीएस राठौर। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: मंगलवार को बी पैक्स मौजमपुर में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन डीपीएस राठौर ने एक पेड़ मां के नाम पर लगाया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध कर आने वाली पीढ़ियों को अच्छा माहौल देने के लिए जनमानस को कम से कम एक-एक पौध अवश्य रोपित करनी चाहिए। लोग अपनी मां को समर्पित पौधा लगाकर उसकी देखभाल करें। ताकि धरती को हरा भरा और प्रकृति को सुंदर बनाया जा सके। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता अखिलेश प्रताप सिंह और जिला सहकारी बैंक महाप्रबंधक सौरभ द्विवेदी ने कहा कि पर्यावरण के साथ जल संरक्षण में भी वृक्ष मदद करते हैं। इसलिए अधिक से अधिक पौधे लगाना बहुत आवश्यक है। पौध रोपित करने वालों में सहायक अधिकारी ओमप्रकाश मौर्य, समिति सचिव अतीक्षा सक्सेना, अभय सिंह, अभिषेक प्रताप, राहुल वर्मा, संदीप दीक्षित, अनिल कश्यप, सुमित राजपूत आदि शामिल रहे।

केवी-2 विद्यालय परिसर में पौधे लगाते बच्चे। ● अमृत विचार

केवी-2 में विद्यार्थियों ने मां के नाम पर लगाए पौधे

शाहजहांपुर, अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत केंद्रीय विद्यालय-दो में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक कॉलेज परिसर में पौध रोपित की। मानवता वेलफेयर सोसायटी, जिला गंगा समिति एवं नेहरु युवा केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में केंद्रीय विद्यालय में चलाया अभियान का शुभारंभ प्रधानाचार्य परवेज हुसैन ने पौधरोपण कर किया। इसके बाद संगठनों के सदस्यों और छात्र-छात्राओं ने अमलतास, अशोक, फाईकस, पाम आदि के पौधे रोपित किए। छात्र-छात्राओं ने पौधों का संरक्षण देने का संकल्प लिया। अभियान में जिला युवा अधिकारी मयंक भदौरिया, उप प्रधानाचार्य मुनेंद्र पाल, प्रशांत कुमार, दीपक शुक्ला, विनय सक्सेना, अमित श्रीवास्तव, माही कौर, शुभम, फारिया आरिफ, आकाश कुमार, अंकिता वर्मा, शगुन सक्सेना, अभिषेक राना, अजय गौतम, खुशी, परी, लक्षिका, दर्शिका, दिव्यम, सत्यवीर, मो. जुनैद शामिल रहे।

सीएमओ ने वितरित की रेड क्रॉस सोसायटी की पुनर्वास राहत सामग्री

रेड क्रॉस सोसायटी की पुनर्वास राहत सामग्री बांटते सीएमओ डॉ. आरके गौतम।

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सीएमओ डॉ. आरके गौतम ने मंगलवार को इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की पुनर्वास राहत सामग्री बाढ़ प्रभावित गांव अकर्रा में बांटी। उन्होंने बताया कि रेड क्रॉस की ओर से राहत सामग्री भेजी गई है, जिसको पात्रों तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। सोसायटी के प्रदेश प्रबंधन समिति सदस्य व अशासकीय सचिव डॉ. विजय जौहरी ने बताया कि जिला शाखा ने जिले के अधिकारियों से बाढ़ प्रभावित लोगों की सूची मांगी गई है, जिससे की पात्र लोगों तक सामग्री पहुंचाई जा सके। राहत सामग्री में त्रिपाल, सोलर लाइट, साबुन आदि दिया जा रहा है। इस दौरान आजीवन सदस्य अवनीश सक्सेना, डॉ. सलीम खान, अग्रज जौहरी, साजिद हुसैन रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

सूचना

एक प्लाट बाजपुर उत्तराखण्ड में खरीदा था, जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 12.08.2013 को वही नं.1 जिल्द नं 7959 के पृष्ठ सं. 15 से 36 पर हुई थी। दिनांक 10.07.2024 को रास्ते में आते वक्त शाहमतगंज में उपरोक्त मूल बैनामा कहीं गिर गया। काफी ढूंढ़ा नही मिला। जिसका प्रयोग अवैध होगा। सूचना थाना बारादरी में दी। **बलराम गौड़ पुत्र जगदीश शरण गौड़, कल्पना गौड़ पत्नी बलराम गौड़ निवासी- 376, कालीबाड़ी, बरेली।**

सूचना

मैंने अपने पुत्र धर्मेन्द्र साहू और उसकी पत्नी चन्द्रवती को गलत व्यवहार व मारपीट करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिए हैं। भविष्य में उनके द्वारा कोई भी कृत्य किए जाते हैं तो उसके वह स्वयं जिम्मेदार होंगे, मेरा व मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं होगा। **देवकीनन्दन साहू पुत्र बिहारी लाल निवासी वार्ड सं. 9 कस्बा व थाना विशारतगंज तहसील आंवला जिला बरेली।**

सूचना

मैं अपने बड़े पुत्र विरेन्द्र साहू पुत्र राम चरन व पुत्रवधू पिंकी को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ, भविष्य में इनके द्वारा किये गये कृत्यों के लिए यह दोनों स्वयं जिम्मेदार होंगे। **सावित्री देवी पत्नी राम चरन निवासी - बड़ी बाजार चनेहटी, पोस्ट चनेहटी, थाना कैंट, जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

- **कांवड़ यात्रा मार्ग की सड़कें दुरुस्त कराने और दैनिक मजदूरों की आजीविका की व्यवस्था करने की मांग**

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: कांग्रेस की महानगर कमेटी के अध्यक्ष पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने डीएम को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार को सौंपा।

इससे पहले कार्यकर्ता टाउन हाल स्थित पार्टी कार्यालय पर इकट्ठे हुए। जहां से जुलूस की शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंचे और ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कहा गया कि पवित्र माह सावन में शासन-प्रशासन की ओर से खाने के होटल व मीट की दुकानों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। ये लोग दैनिक मजदूर होते हैं। यदि पूरे माह इनके कारोबार बंद रहेंगे तो इस महंगाई के दौर में इनके परिवार भूखे मर जाएंगे। ऐसे परिवारों की आजीविका की सरकार द्वारा उचित व्यवस्था की जाए।

कांवड़ के चिह्नित मार्गों पर मीट के साथ-साथ शराब दुकानें भी बंद की जाएं, और जो मार्ग कांवड़ यात्रा के लिए निर्धारित नहीं है उन पर विशेष सुरक्षा बरती जाए। इन रास्तों पर सभी दुकानें खुली रखने की छूट दी जाए। कांवड़ यात्रा मार्ग की सड़कें गड्ढा मुक्त करने के साथ समुचित साफ सफाई कराई जाए। इस मौके पर अल्पसंख्यक कांग्रेस प्रदेश महासचिव डॉ. फरीद खान, प्रदेश सचिव डॉ. जानेआलम, अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सईद अंसारी, अफजाल खां, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष अर्चना वाल्मीकि, फुरकान अहमद कुरैशी, नौशाद कुरैशी, वकार वारसी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने पहुंचे कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

आठ पैसेंजर ट्रेनें छह अगस्त तक रहेंगी निरस्त

शाहजहांपुर, अमृत विचा। सीएमआई एके ठाकुर ने बताया कि रोजा रेलवे स्टेशन पर नान इंटरलाकिंग कार्य होना है। इसको लेकर रोजा-बरेली पैसेंजर 23 जुलाई से 6 अगस्त, बरेली-रोजा पैसेंजर 22 जुलाई से 5 अगस्त, सीतापुर-शाहजहांपुर पैसेंजर 22 जुलाई से 5 अगस्त, शाहजहांपुर-सीतापुर पैसेंजर 22 जुलाई से 5 अगस्त, बालामऊ-शाहजहांपुर पैसेंजर 21 जुलाई 5 अगस्त तक, शाहजहांपुर-बालामऊ पैसेंजर 23 जुलाई से 7 अगस्त तथा सीतापुर-शाहजहांपुर पैसेंजर 22 जुलाई से छह अगस्त, शाहजहांपुर-सीतापुर पैसेंजर 22 जुलाई से छह अगस्त तक निरस्त रहेगी।

सफाई कर्मियों को मेयर ने बांटे उपकरण

शाहजहांपुर। नगर निगम जोन टू के सफाई कर्मियों को मंगलवार को मेयर ने रेन कोट और नालों की तली झाड़ सफाई के लिए सुरक्षा किट का वितरण किया। इनमें बबलू, रामभजन, हनीफ़, विश्वजीत, रामचन्द्र, राहुल, मेहुल, गौरी शंकर, सोनी, शकुंतला, सोमा, ओमकार आदि शामिल रहे। इस मौके पर उप नगर आयुक्त संगीता कुमारी, पार्षद रूपेश वर्मा (लोधीपुर), सिद्धार्थ शुक्ला (लालपुर), विपिन कुमार यादव (बाबूजई), सुधीर गुप्ता (दीवान जोगराज) के अलावा क्षेत्र के सफाई निरीक्षक सुनील कुमार शाक्य व सफाई नायक दिलीप, रामबाबू आदि रहे।

लापता युवक को तलाशने की गुहार

खुटार। गांव बालागंज निवासी सफावत की पत्नी साबिरा ने पुलिस को बताया कि करीब दो माह पूर्व उसका पुत्र मुनीर (40) घर से कहीं चला गया था। नाते रिश्तेदारों में उसकी काफी तलाश की। इसके बावजूद उसका कुछ पता नहीं चला। मंगलवार को साबिरा ने मुनीर तलाशने की गुहार पुलिस से लगाई।

एक नजर

निर्माण सामग्री विक्रेता समेत तीन पर रिपोर्ट

पुवायां। कोर्ट के आदेश से पुलिस ने भवन निर्माण सामग्री विक्रेता समेत तीन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। दुकानदार पर नकली सीमेंट बिक्री करने व साथियों पर गाली गलौज व मारपीट करने के आरोप लगाया गया। हसनापुर गांव के मनजिंदर सिंह पुत्र श्रीपाल ने कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र बताया कि उन्होंने 24 दिसंबर 2020 से लेकर 27 दिसंबर 2021 तक अथर्व ट्रेडर्स बंडा रोड के प्रोपराइटर अवनीत कुमार राज से उन्होंने लगभग 16 लाख रुपए की मकान निर्माण सामग्री खरीदी। आरोप है कि दुकानदार ने सीमेंट नकली दे दिया, जिसका बिल भी नहीं दिया। बाद में पता चला कि सीमेंट में गड़बड़ी थी। जब दुकानदार अवनीत से शिकायत की तो उसने अपने साथियों के साथ मिलकर गाली-गलौज व मारपीट की। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर धोखाधड़ी, गाली गलौज व मारपीट करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आग से झुलसी किशोरी की अस्पताल में मौत

निगोही। नगर के मोहल्ला रेलवे गौटिया निवासी स्वयंवर दयाल की 15 वर्षीय बेटी संध्या देवी की मंगलवार शाम आग से झुलस गई थी। गंभीर हालत में उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। जहां देर शाम इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के समय परिवार के बाकी लोग बड़ी बेटी के घर पैना सिंधौली गए थे। संध्या घर में अकेली थी।

पत्नी से विवाद होने पर युवक ने दी जान

शाहजहांपुर, अमृत विचार : लखीमपुर खीरी जिले के उचौलिया निवासी 30 वर्षीय राजकुमार राजमिस्त्री था। सोमवार दोपहर उसका पत्नी रूबी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। उसने गुस्से में आकर कीटनाशक दवा पी ली। तबीयत खराब होने पर परिवार वाले उसे मेडिकल कॉलेज ले गए। जहां इलाज के दौरान रात आठ बजे उसकी मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एफपीओ अपने उत्पादन की पैकेजिंग पर ध्यान दें: सीडीओ

विकास भवन में कृषक उत्पादक संगठनों की कार्यशाला आयोजित

विकास भवन सभागार में आयोजति कार्यशाला में सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह व कृषक उत्पादक संगठनों के सदस्य।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: कृषक उत्पादक संगठनों की एक कार्यशाला विकास भवन सभागार में मंगलवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह ने की। बैठक में आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना व स्वनिर्मित कृषक उत्पादक संगठनों को इनपुट लाइसेंस (खाद, बीज एवं कीटनाशक), जीएसटी, मंडी व एफएसएसआई आदि लाइसेंस जारी करने की समीक्षा की गई।

कार्यशाला में डीडी कृषि धीरेंद्र सिंह ने बताया कि योजना अंतर्गत गठित 23 एफपीओ में से 17 को बीज लाइसेन्स, 15 को कीटनाशक व 16 एफपीओ को खाद लाइसेंस जारी किए जा चुके है। शेष एफपीओ को लाइसेंस आवेदन करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि जिन एफपीओ के सदस्यों के पास बीएससी एग्री की वांछित योग्यता नहीं है, वह अपना नाम कार्यालय में उपलब्ध करा दें। उनकी 15 दिवसीय ट्रेनिंग रहमानखेड़ा लखनऊ में निर्धारित फीस जमा कर पूर्ण करने के बाद खाद एवं कीटनाशक के लाइसेंस प्राप्त किए जा सकते है। वाराणसी से आए निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के प्रतिनिधि शुभम राय, बीडीएम की ओर से प्रेजेंटेशन से कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विषयक पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कैसे एफपीओ एपीडा में पंजीकरण कर अपना उत्पाद अन्य देशों में निर्यात कर सकते हैं। अंत में जनपद के गंगा भूमि सीड्स प्रोडक्शन कंपनी लिमिटेड व गंगा बेसिन आर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड बंडा की ओर से उत्पादित किये जा रहे उत्पादन को सीडीओ को भेट स्वरूप प्रस्तुत किया गया। सीडीओ ने सभी एफपीओ को निर्देशित किया कि वह अपने उत्पादन की पैकेजिंग पर ध्यान दे। जिससे वह बाजार से जुड़ सकें। जब तक बाजार से नहीं जुड़ेंगे तब तक कोई भी एफपीओ आगे प्रगति नहीं कर पाएगा।

महंगाई का सबसे ज्यादा बोझ रसोई पर पड़ रहा: अर्चना

शाहजहांपुर, अमृत विचार: महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष अर्चना वाल्मीकि ने मंगलवार को पार्टी कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि इस वक्त सबसे ज्यादा महंगाई की मार ने घर की रसोई पर है। सब्जियों पर हाथ नही रखा जा रहा। विशेष रूप से मध्यम श्रेणी के परिवार बहुत प्रभावित है।

कांग्रेस की यूपीए सरकार में महिला आरक्षण विधेयक बिल लाया गया था, लेकिन मौजूदा मोदी सरकार वो अधिकार महिलाओं को नही दे रही है। ओबीसी महिलाओं को इस आरक्षण में हिस्सेदारी दी जाए। भाजपा के नेता महिलाओं पर किए गए अत्याचार में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अब नही चलेगा बार बार, बहुत हुआ महिलाओं पर अत्याचार। 29 जुलाई को संसद का घेराव होगा। इसके लिए पांच बड़ी बसों और निजी वाहनों महिला कांग्रेस 28 जुलाई की रात में दिल्ली कूच करेंगी। इस मौके पर पूनम पांडेय ,संजना सिंह, रूबी, शबनम, सायरा खान, सीमा, विनीता, गुड़िया, रानी, बिटोली देवी सहित कई महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता मौजूद रही।

अग्नि पीड़ितों के घर पहुंचे पूर्व जिपं अध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

पीड़ितों से हादसे की जानकारी लेते पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह व अन्य।

अमृत विचार: पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव ने मंगलवार को क्षेत्रीय लेखपाल और बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ जाकर अग्नि से पीड़ित परिवार का हाल जाना और मदद का आश्वासन दिया।

भावलखेड़ा ब्लॉक के गांव सुंदरनगर पैना में सूरज की लक्ष्मी ट्रेडर्स के नाम से दुकान थी। दुकान में ही मकान बना रखा था। सोमवार देर रात शॉर्ट सर्किट से दुकान में आग लग गई। इससे दुकान और घर में रखा सारा सामान जल गया। सूचना मिलने पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव ने क्षेत्रीय लेखापाल के साथ पहुंच कर परिवार वालों को ढांढस बंधाया। उन्होंने एसडीएम सदर, अधीक्षण अभियंता बिजली विभाग सहित कई अधिकारियों से वार्ता कर हर संभव मदद दिलाने को कहा।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, दुकान का सारा सामान जला

सिधौली, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव पैना खुर्द में मंगलवार दोपहर लगभग 1:30 बजे शॉर्ट सर्किट से किराना की दुकान में आग लग गई। इसमें लाखों का सामान जल गया। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। पैना खुर्द निवासी सूरज प्रसाद की श्री लक्ष्मी नारायण ट्रेडर्स नाम से गांव में ही किराना की दुकान है। सोमवार रात वह अपने परिवार के साथ घर में थे। तभी अचानक उनकी दुकान से धुआं निकलता दिखाई दिया। उन्होंने जाकर देखा तो दुकान के अंदर आग की लपटें निकल रही थीं। उन्होंने शोर मचाकर पड़ोसियों को जगाया और आग बुझाने का प्रयास किया। परंतु आग पर काबू नहीं पा सके। इस बीच उन्होंने 112 नंबर पर फोन कर दिया। वहां पहुंची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। मगर तब तक दुकान में रखा लाखों का सामान जल गया।

घायल युवक की लखनऊ में मौत

शाहजहांपुर : खुदागंज निवासी देवल कुमार हरिराम इंटर कॉलेज में चपरासी थे। 10 जुलाई की शाम सात बजे घर के बाहर टहलते समय उन्हें किसी वाहन ने टक्कर मार दी थी। उन्हें इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया था। वहां सोमवार शाम इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी।

अपहृत किशोरी बरामद

शाहजहांपुर। थाना रामचंद्र मिशन प्रभारी निरीक्षक सीपी शुक्ला ने बताया कि 28 जून को एक युवक 16 वर्षीय किशोरी को अगवा करके ले गया था। किशोरी के पिता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मंगलवार को अपहर्ता को बरामद कर लिया। पूछताछ के बाद उसे डॉक्टरी परीक्षण के लिए भेज दिया। पुलिस आरोपी को तलाश रही है।

जेसीबी के जरिए सांड़ को कुएं से निकाला

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कटरा थाना क्षेत्र के गांव चावरखास में बबलू सिंह के मकान के बाहर कुआं है। सोमवार की रात कुएं में एक सांड़ गिर गया। मंगलवार सुबह को लोगों ने कुएं में सांड गिरा देखा। इसकी चर्चा फैलने पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। इसकी सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक गौरव त्यागी गांव पहुंचे और जेसीबी के जरिए सांड़ को बाहर निकलवाया।

कॉलेज में नौकरी दिलाने के बहाने 2.59 लाख रुपये ठगे, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : इंटर कॉलेज में क्लर्क की नौकरी दिलाने के नाम पर कुछ लोगों ने एक व्यक्ति से 2.59 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने कॉलेज मैनेजर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बरेली के थाना सुभाषनगर के मोहल्ला राजीव नगर कालोनी निवासी विजय सिंह तोमर ने बताया कि अप्रैल 2022 में उसके पड़ोसी राज सक्सेना ने उन्हें तिलहर के एक इंटर कॉलेज में क्लर्क व चपरासी के लिए पद खाली होने की जानकारी दी। इस पर विजय सिंह पड़ोसी के बताए तिलहर के इंटर कॉलेज गया। वहां कॉलेज के मैनेजर लाल प्रभात चंद ने बताया कि कॉलेज में क्लर्क तथा चपरासी की जगह खाली है। चपरासी के लिए ढाई लाख और क्लर्क के लिए पांच लाख रुपये देने होंगे। मैनेजर ने एक सप्ताह बाद विजय सिंह को इंटरव्यू के लिए बुलाया। उन्होंने छपा हुआ प्रश्नोत्तर भरकर दिया। उसे चेक करने के बाद मैनेजर ने कहा कि आप सेलेक्ट हो गए हो। एक सप्ताह बाद शपथ पत्र देना होगा। सत्यापन के नाम पर नौ हजार रुपये जमा कराए और तीन दिन बाद आने कहा। इसके बाद ढाई लाख रुपये भी जमा करा लिए। विजय ने एक माह तक कॉलेज में उपस्थिति पंजिका में अपनी हाजिरी भी लगाई। मैनेजर ने खाते में रुपये आने की बात कहकर घर भेज दिया।

लोड टेस्ट की मांग पर अड़े अनशनकारी

- कोलाघाट पुल पर हल्के वाहनों के संचालन की चल रही मांग

संवाददाता, मिर्जापुर

अनशनकारियों से बात करते एसडीएम। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कोलाघाट पुल से हल्के वाहनों के संचालन की मांग को लेकर अनशन जारी है। अधिकारियों के मनाने के बाद भी अनशनकारी पुल का लोड टेस्ट कराए जाने की मांग पर अड़े हैं। मांग पूरी न होने पर गुरुवार से क्रमिक अनशन भूख हड़ताल में तब्दील हो जाएगा।

कोलाघाट पुल से हल्के वाहनों को गुजारने की मांग को लेकर सोमवार से पुल के निकट जिला पंचायत सदस्य रामकुमार राठौर की अगुवाई में क्रमिक अनशन चल रहा है। मंगलवार को एसडीएम महेश कुमार कैथल मिर्जापुर थानाध्यक्ष विनोद कुमार के साथ अनशन स्थल पर पहुंचे। उन्होंने अनशनकारियों से बात कर अनशन समाप्त करने के लिए कहा। एसडीएम ने कहा कि आपका ज्ञापन उच्चाधिकारियों के पास उचित कार्रवाई के लिए प्रेषित कर दिया जाएगा। जिस पर अनशनकारी नहीं माने, सबने एक सुर से कहा कि पहले पुल का लोड टेस्ट कराएं तभी धरना स्थगित होगा। रामकुमार राठौर ने बताया कि बुधवार से भूख हड़ताल शुरू की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। धरने का संचालन कर रहे चौधरी विनोद यादव ने कहा कि क्षेत्रवासियों की जायज मांग को भी प्रशासन गंभीरता से नहीं ले रहा है। पुल यदि लोड टेस्ट में फेल होता है तो नए पुल की कार्रवाई शुरू की जाए। धरने पर बुधवार को रामकुमार राठौर, डॉ. मोहित शर्मा, रामवीर सिंह सोमवंशी, चौधरी विनोद यादव, जिला पंचायत सदस्य रवीश पाल सिंह, ओमपाल कुशवाहा, सूरजपाल यादव, श्यामलाल सागर एडवोकेट, तारा यादव, शीला, सोनम अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, नीलम गुप्ता, अवधेश श्रीवास्तव, आयेन्द्र कुशवाहा, जुगेंद्रपाल आदि मौजूद रहे।

घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़ आरोप

शाहजहांपुर। सदर बाजार थाना क्षेत्र के एक मोहल्ला की महिला ने एसपी को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि उसके पति दिन में मजदूरी करने चले जाते है। उसका आरोप है कि सोमवार की दोपहर एक बजे मोहल्ले का एक युवक उसके मकान में घुस आया और गलत नीयत से पकड़ लिया। उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगे। महिला ने शोर मचाया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पीड़िता ने बताया कि थाने में तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। एसपी ने सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक को वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए है।

यूपी बोर्ड: व्यक्तिगत फार्म अग्रसारित करने को केंद्र बनाए गए

शाहजहांपुर, अमृत विचार: यूपी बोर्ड की वर्ष 2025 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में सम्मिलित होने वाले व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के आवेदन पत्र परिषद की वेबसाइट पर अपलोड करने की समय सारिणी निर्धारित कर दी गयी है। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को व्यक्तिगत छात्र-छात्राओं के आवेदन पत्र अग्रसारित करने का अधिकार दिया गया है।

डीआईओएस हरिवंश कुमार ने बताया कि संबंधित राजकीय माध्यमिक कालेजों के प्रधानाचार्य अपने केंद्र पर निर्धारित व्यक्तिगत आवेदन फार्म ही अग्रसारित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत आवेदन फार्म अग्रसारित करने के लिए महानगर स्थित राजकीय इंटर कॉलेज और राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय हाईस्कूल नौगाई तिलहर, खेड़ा नवादा कटरा खुदागंज, बरुआ मदनापुर, चांदापुर, कलान, जमुनिया दौलतपुर कांट, खंडहर जलालाबाद, बरी प्रसिद्धपुर जैतीपुर, बिलंदपुर गद्दीपुर सिंधौली, चांदपुर खुटार, चितरऊ मिर्जापुर, बितौनी पुवायां, नवीची बंडा, अहमदनगर भावलखेड़ा और बरीलालपुर निगोही के राजकीय माध्यमिक कॉलेजों को केंद्र बनाया गया है।

सामाजिक संस्था सहयोग का गठन, नेहा बनीं अध्यक्ष

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के साथ संरक्षक अनिल गुप्ता व शाहनवाज खां एडवोकेट।

- संरक्षक प्रधान अनिल गुप्ता व शाहनवाज खां ने की घोषणा

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : सामाजिक संस्था सहयोग का गठन मंगलवार को शहर के एक होटल में किया गया। संरक्षक ग्राम प्रधान अनिल गुप्ता व शाहनवाज खां एडवोकेट ने सर्वसम्मति से समाज सेविका नेहा यादव सक्सेना को अध्यक्ष, एडवोकेट अनूप कुमार को महासचिव घोषित किया। इसके बाद कार्यकारिणी का विस्तार किया गया।

इसमें महेंद्र दुबे को कोषाध्यक्ष, शालू यादव को सह-कोषाध्यक्ष, शिवम वर्मा व हरजीत सिंह को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर बधाई दी गई। इस दौरान महासचिव अनूप कुमार, कोषाध्यक्ष महेंद्र दुबे, सह-कोषाध्यक्ष शालू यादव, उपाध्यक्ष शिवम वर्मा, उपाध्यक्ष सरदार हरजीत सिंह, डॉ. शैलेश द्विवेदी, विक्रांत सक्सेना, निखिल महेंद्रू, सैफ असलम खान, अतुल कुमार, सुधीर कुमार आदि मौजूद रहे।

रिपोर्ट दर्ज न होने पर भड़के अधिवक्ता कोतवाली का घेराव कर किया हंगामा

- राजस्व निरीक्षक की तहरीर पर दो अधिवक्ताओं पर दर्ज हुई रिपोर्ट
- अधिवक्ताओं ने राजस्व निरीक्षक पर लगाया रिश्वत मांगने का आरोप

संवाददाता, तिलहर

तिलहर कोतवाली में राजस्व निरीक्षक के खिलाफ तहरीर देने पहुंचे अधिवक्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: राजस्व निरीक्षक की ओर से दो अधिवक्ताओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने का पता चलने पर गुस्साए अधिवक्ताओं ने मंगलवार देर शाम कोतवाली का घेराव किया और जमकर नारेबाजी की। उन्होंने राजस्व निरीक्षक के विरुद्ध रिश्वत मांगने तथा मारपीट करते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। प्राथमिकी दर्ज न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

थाना निगोही के गांव संडाखास निवासी मुनेंद्र कुमार एडवोकेट कई अधिवक्ताओं के साथ मंगलवार शाम कोतवाली पहुंचे। जहां उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 16 जुलाई को वह अपने साथी अवनीश माथुर के साथ राजस्व निरीक्षक कार्यालय गए थे। उन्हें नायब तहसीलदार निगोही के न्यायालय में विचाराधीन एक मुकदमे की पत्रावली का मुआयना करना था। आरोप है कि पत्रावली का मुआयना करने के बदले राजस्व निरीक्षक ने सौ रुपये की रिश्वत मांगी। प्रतिरोध करने पर राजस्व निरीक्षक ने अपने साथियों के साथ उन लोगों को पकड़ लिया और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट की। इस दौरान राजस्व निरीक्षक ने जेब से 500 रुपये भी निकाल लिए। शोर शराबा सुनकर पहुंचे अधिवक्ताओं ने उन्हें राजस्व निरीक्षक के चंगुल से बचाया। प्रभारी निरीक्षक विशाल प्रताप सिंह ने बताया तहरीर मिली है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

शेष खबरें पेज 13 पर...

प्रवेश प्रारम्भ
बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बरेली
बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), न्यू दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
- डी. फार्मा (2 वर्षीय)
- बी. फार्मा (4 वर्षीय)
- एम. फार्मा (फार्मास्यूटिक्स) (2 वर्षीय)
- एम. फार्मा (फार्माकोलॉजी) (2 वर्षीय)
रोहिलखंड कॉलेज ऑफ फार्मेसी
फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), न्यू दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
- डी. फार्मा (2 वर्षीय)
- बी. फार्मा (4 वर्षीय)
रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल कैंपस, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली (उत्तर प्रदेश)
केशलता कॉलेज ऑफ फार्मेसी
फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), न्यू दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
- डी. फार्मा (2 वर्षीय)
मो. 9457672942
केशलता हॉस्पिटल कैंपस, डेलापीर रोड, बरेली (उत्तर प्रदेश)
बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट
- एम.एच.ए. (2 वर्षीय)
- एम.पी.एच. (2 वर्षीय)
रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल कैंपस, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
For Registration : Online - www.biu.edu.in, offline - Admission Cell Administrative Block, BIU (9105500202),
E-mail : repsbareilly@gmail.com, bareillyrcps@gmail.com
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
डॉ. आशीष शर्मा (9105500202) श्रीमती रिचा गुप्ता (9105500404) योगेन्द्र सिंह (9760578366)

प्रवेश प्रारम्भ
बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बरेली
फैकल्टी ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज
उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ द्वारा मान्यता प्राप्त
- बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी साइंस (बी.एम.एल.एस.) (3 वर्षीय)
- बैचलर इन फिजियोथिरेपी (बी.पी.टी.) (4 वर्षीय)
- बैचलर ऑफ आप्टोमेट्री (बी. आप्टम) (3 वर्षीय)
- बैचलर इन मेडिकल रेडियोलॉजिक इमेजिंग टेक्नॉलॉजी (बी.एम.आर.आई.) (3 वर्षीय)
- बैचलर इन ऑपरेशन थियेटर टेक्नोलॉजी (बी.ओ.टी.टी) (अगामी पाठ्यक्रम) (3 वर्षीय)
- एम.एस.सी. क्लीनिकल एंब्रियोलॉजी (अगामी पाठ्यक्रम) (2 वर्षीय)
- मास्टर इन मेडिकल लेबोरेटरी साइंस (एम.एम.एल.एस. (अगामी पाठ्यक्रम) (2 वर्षीय)
- मास्टर ऑफ फिजियोथिरेपी (एम.पी.टी.) (अगामी पाठ्यक्रम) (2 वर्षीय)
फैकल्टी ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज
- बी.एस.सी. फॉरेंसिक साइंस (3 वर्षीय) (डिग्री कोर्स)
- एम.एस.सी. फॉरेंसिक साइंस (2 वर्षीय) (डिग्री कोर्स)
रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ द्वारा मान्यता प्राप्त
- डिप्लोमा इन एक्स-रे टेक्नीशियन (2 वर्षीय)
- डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन (2 वर्षीय)
- डिप्लोमा इन रेडियोथिरेपी टेक्नीशियन (आगामी पाठ्यक्रम) (2 वर्षीय)
रोहिलखंड कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज
उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ द्वारा मान्यता प्राप्त
- डिप्लोमा इन डायलेसिस टेक्नीशियन (2 वर्षीय)
- डिप्लोमा इन एम.आर.आई. टेक्नीक्स (2 वर्षीय)
- डिप्लोमा इन इमरजेन्सी एण्ड ट्रामा केयर टेक्नीशियन (2 वर्षीय)
- सर्टिफिकेट इन सेनीटेशन (1 वर्षीय)
For Registration : Online - www.biu.edu.in, offline - Admission Cell Administrative Block, BIU (9105500202),
E-mail : repsbareilly@gmail.com, bareillyrcps@gmail.com
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
डॉ. आशीष शर्मा (9105500202) श्रीमती रिचा गुप्ता (9105500404) डॉ. प्रशांत गुप्ता (8445508214)

प्रवेश प्रारम्भ
बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, बरेली
बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ ह्यूमनटीज एण्ड जर्नलिज्म
- बी.ए. (जर्नलिज्म)
- बी.ए. (मास कम्युनिकेशन)
- एम.ए. (जर्नलिज्म)
- एम.ए. (मास कम्युनिकेशन)
- एम.ए. (अंग्रेजी)
- एम.ए. (मनोविज्ञान)
बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट
- बी.कॉम. (ऑनर्स)
- बी.बी.ए. (फाइनेन्स एण्ड टेक्सेशन)
- बी.सी.ए. (आई.टी. एंड मल्टीमीडिया)
- एम.कॉम.
- एम.बी.ए.
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
डॉ. आशीष शर्मा (9105500202) श्रीमती रिचा गुप्ता (9105500404) श्री अतुल बाबू (7409998289)

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
बरेली संस्करण
स्मृतियाँ शेष
निधन | अंतिम यात्रा | पुण्यतिथि
पीपलपानी | स्मृतियां | उठावनी | पगड़ी
साइज व रेट
साइज --------5cmX8cm / 1000 with GST
साइज -------10cmX8cm / 1800 with GST
साइज -------15cmX8cm / 2500 with GST
अन्य साइज कलर 25 रुपए प्रति वर्ग सेमी.।
शोक संदेश प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-
0581-4000222
हेड ऑफिस :- 932, कटरा चांद खां भारत पेट्रोल पम्प के सामने, पीलीभीत बाईपास रोड बरेली 243006

एक नजर

मंडलायुक्त से लगाई जांच अधिकारी बदलने की गुहार

उझानी, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला नारायण गंज निवासी संजय कुमार मित्तल ने मंडलायुक्त बरेली को शिकायती पत्र भेजकर जांच अधिकारी बदलने की गुहार लगाई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि उनकी पत्नी सारिका मित्तल का जमीनी विवाद चल रहा है। यह प्रकरण हाईकोर्ट व सिविल जज में विचाराधीन है। जमीन के अनापत्ति प्रमाण पत्र की जांच एसडीएम सदर को दी गई है। कहा कि एसडीएम की जांच पर भरोसा नहीं है। इनके स्थान पर अन्य अधिकारी नामित किया जाए। जिससे निष्पक्ष जांच हो सके।

बार एसो. ने किया तहसील न्यायालय का बहिष्कार

बिसौली, अमृत विचार : एक लेखपाल पर किसान की 189 एरि जमीन खतौनी से गायब करने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश सक्सेना ने तहसील के सभी न्यायालयों का मंगलवार से बहिष्कार कर दिया। विकासखंड वजीरगंज के ग्राम सरोरिया निवासी किसान सुमित कुमार के नाम 189 एरि भूमि है, जिसका गाटा संख्या 160 है। हलका लेखपाल ने ख़तौनी में रकवा ही शून्य कर दिया। जब किसान सुमित कुमार खतौनी निकलवाने आए तो उन्हें पूरी जानकारी हुई। इसके बाद तो किसान ने लेखपाल के चक्कर काटने शुरु कर दिए। तहसीलदार के यहां भी प्रार्थना पत्र दिया। तहसीलदार विजय शुक्ला ने लेखपाल से आख्या भी मांगी, इस बारे में कोई कार्यवाही ही नहीं की गई तो मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की है।

एसडीएम ने किया शराब की दुकानों का निरीक्षण

बिल्सी ,अमृत विचार : डीएम निधि श्रीवास्तव के निर्देश पर मंगलवार को एसडीएम प्रवर्धन शर्मा व आबकारी टीम ने शराब की दुकानों का निरीक्षण किया। उन्होंने बाईपास मार्ग के अलावा नरैनी और उधैती स्थित देसी, विदेशी शराब और बीयर की दुकानों को भी चेक किया। दुकानों के स्टॉक की सील चेक की गई और पेटियों पर लगे बारकोड और क्यूआर कोड को विभागीय एप से चेक किया गया जो कि सही पाया गया। एसडीएम ने बताया कि कुछ दुकानों में गंदगी मिलने पर सफाई रखने के निर्देश दिए।

युवा-व्यापारी वर्ग ने सराहा, रसोई गैस सस्ती न होने से महिलाएं नाखुश

केंद्रीय बजट पर मिली-जुली प्रतिक्रिया : टैक्स स्लैब में छूट न मिलने से इस बार भी मिली निराशा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: मोदी सरकार 3.0 के बजट को युवाओं और व्यापारियों ने सराहा है। वहीं व्यापारी वर्ग टैक्स स्लैब में छूट न मिलने से थोड़ा निराश है। जबकि महिलाओं ने महंगाई को लेकर बजट को नकार दिया है। उनका कहना है कि सोना चांदी सस्ता करने से काम नहीं चलेगा। रसोई गैस का सिलिंडर सस्ता होना चाहिए। महंगाई कम नहीं होने से महिलाएं निराश हैं। युवाओं ने महंगाई भत्ता दिए जाने की सराहना की है। केंद्र सरकार ने किसान, युवाओं पर अधिक ध्यान दिया है। केंद्र सरकार के बजट पर लोगों ने अपनी अलग अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं।

- **कम ब्याज पर लोन लेकर शिक्षित हो सकेंगे युवा, संवारेंगे भविष्य**

सोना चांदी सस्ता किया जाना तो ठीक है। लेकिन महंगाई कम करने को लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है। उम्मीद थी कि रसोई गैस सस्ती होगी। लेकिन ऐसा कुछ ही नहीं रहा। सोना चांदी सस्ता होने से हर कोई उसे नहीं खरीद पाता है। रसोई गैस हर घर की जरूरत है। **-दर्शना गुप्ता, गृहणी**

महंगाई कम करने को लेकर सरकार से बढ़ी उम्मीद थी। रसोई गैस सहित अन्य वस्तुएं सस्ती होनी चाहिए थीं। जिससे आम आदमी को राहत मिलती। परंतु सरकार ने महंगाई पर कुछ नहीं किया है। सोना चांदी तथा अन्य वस्तुएं सस्ती होने से घर का बजट नहीं संवार सकता। **-जूही सक्सेना, गृहणी**

रियल स्टेट में 45 लाख पर एक प्रतिशत जीएसटी लगता था, इस पर सरकार ने कोई काम नहीं किया, इसलिए थोड़ी निराशा जरूर है। वहीं, किसानों और गरीबों के लिए जो मकान बनाए जाएंगे, उससे देश की तरक्की होगी। जीएसटी का दायरा बढ़ाकर 65 लाख कर देते तो अच्छा होता। **-राजेश कुमार, व्यापारी**

सोना-चांदी, प्लेटिनम या सी फूड सस्ता होगा तो उससे भला हमें क्या लाभ है। कैंसर की दवा का सस्ता होना एक अच्छा कदम है। बजट में ऐसा कुछ खास नहीं है। प्रदेश सहित जिले में इंडस्ट्री आती तो यहां के युवाओं को रोजगार मिलता। मेरी समझ से यह एक सामान्य सा बजट है। **-रूपेंद्र सिंह लामा, व्यापारी**

बजट पर सरकार ने सोने पर कस्टम ड्यूटी सस्ता किया है। इससे उन लोगों को थोड़ी राहत होगी जो लड़कियों की शादियों में गहना खरीदते हैं। साथ ही सरकार को आठवां वेतनमान भी लागू करना चाहिए, ताकि कर्मचारियों का भला हो सके। **-शिल्पी पाठक, सरकारी कर्मचारी**

उत्पादन क्षेत्र में रोजगार सृजन को पहली बार कर्मचारियों के रोजगार से जुड़ी योजना के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाएगा। यह योजना रोजगार के पहले चार वर्षों के दौरान कर्मचारियों और नियोक्ताओं को ईपीएफओ योगदान के संबंध में प्रोत्साहन प्रदान करेगी। **-शोभित, युवा**

बजट से निराशा हाथ लगी है। इसमें ओल्ड पेंशन का कहीं जिक्र नहीं किया गया है। ओल्ड पेंशन लागू करते तो सरकारी कर्मचारी को अधिक फायदा होता है। सरकार ने आठवां वेतनमान भी लागू नहीं किया है। यह निराश करने वाला बजट है। **-राकेश दीक्षित, सरकारी कर्मचारी**

सरकार से उम्मीद थी कि किसान सम्मान निधि धनराशि में बढ़ोत्तरी होगी। परंतु ऐसा नहीं हुआ। सरकार ने किसानों का ख्याल जरूर रखा है। बजट से ठीक ठाक है। इससे सभी को फायदा मिलेगा। **-नितिन, किसान**

युवाओं के लिए व्यापक इंटर्नशिप कार्यक्रम, पहली बार नौकरी वालों के लिए रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन, महिलाओं के लिए विशेष कौशल विकास कार्यक्रम से युवाओं और महिलाओं के जीवन में सुधार होगा। केंद्र सरकार का बजट अच्छा रहा है। **-कौशल, युवा**

किसान सम्मान निधि धनराशि बढ़ने की उम्मीद थी। परंतु ऐसा नहीं हुआ। पेट्रोल डीजल सस्ता हो जाता तो अधिक लाभ होता। पेट्रोल डीजल सस्ता होने से किसानों के साथ आम आदमी को भी लाभ मिलता। **- जमील, किसान**

निराशा वाला है बजट

बजट से केंद्रीय कर्मचारियों और वृद्ध नागरिकों, किसान,आम आदमी और युवाओं को घोर निराशा हुई है। छलावे के इस बजट में न तो बहुप्रतीक्षित आठवें वेतन आयोग के गठन का आश्वासन मिला, न ही कोरोना काल के दौरान 18 माह के रोके गए डीए को लेकर घोषणा की गई। आयकर में दी गई छूट महंगाई के दौर में दिखावा भर है। रेल रियायतों के लेकर वरिष्ठ नागरिकों की मांग नहीं मानना ,केन्द्रीय रिक्त पदों पर भर्ती की घोषणा न करना, आम आदमी से जुड़े महंगाई रोकने जैसे तमाम हितों की अनदेखी की गई है। किसान सम्मान निधि में यथोचित बढ़ोतरी, आम उपभोग की वस्तुओं और हेल्थ बीमा की जीएसटी दरों में बदलाव, पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस की कीमत में कमी के उपायों की आशा थी। इस बजट से निराशा हाथ लगी है। **-विवेक मिश्रा,** सहायक महामंत्री, इंडियन रेलवे इम्पलाइज फेडरेशन।

मेक इन इंडिया की अवधारणा बजट से गायब : गौरव गुप्ता

बदायूं,अमृत विचार: लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में पेश किया। देश के आम बजट में जहां गरीब और निचले तबके के लिए राहत के प्रावधान किए गए हैं। वहीं कई सेक्टर ऐसे हैं, जिनमें लोगों को निराशा हाथ लगी है। चार्टर्ड अकाउंटेंट के मुताबिक मेक इन इंडिया की अवधारणा के विपरीत बजट है। चार्टर्ड अकाउंटेंट गौरव गुप्ता के मुताबिक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट में नौकरी पेशा वर्ग को स्टैंडर्ड डिडक्शन 50000 से करीब 2 लाख तक बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन जिसे सिर्फ 75000 ही किया गया है। इसके अलावा बजट से इस बार मेक इन इंडिया की अवधारणा पूरी तरह से गायब है। चार्टर्ड अकाउंटेंट के मुताबिक भू-आधार योजना में जिस तरीके से अर्बन लैंड सीलिंग पर कृषि की व्यवस्था थी। उसके तहत इस योजना से बेनामी एसेट का पता चलेगा, जो कहीं ना कहीं काले धन और अचल संपत्तियों को स्पष्ट करने की दिशा में प्रभावी कदम होगा। उन्होंने कहा कि टैक्स के स्लैब में मामूली अंतर है, लेकिन स्लैब के लिहाज से ज्यादा राहत नहीं दी गई है। एमएसएमई के लिए 100 करोड़ का गारंटी कर कहीं ना कहीं उद्योगों को मशीन लेने के अलावा अन्य राहत प्रदान करने वाला फैसला होगा। प्राकृतिक कृषि से एक करोड़ लोगों को मुनाफे की उम्मीद है।

गौरव गुप्ता चार्टर्ड अकाउंटेंट।

सत्ता पक्ष ने सराहा, विपक्षी बोले- नाउम्मीदी का पुलिंदा है बजट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: केंद्र की एनडीए सरकार ने मंगलवार को 2024-25 के लिए बजट पेश किया। केंद्र सरकार के इस बजट की सत्ता पक्ष के नेताओं ने सराहना की और बजट को गांव, गरीब, किसान, महिला, नौजवान समेत सर्वसमाज के समग्र विकास को समर्पित बताया। वहीं विपक्षी दलों के नेताओं ने बजट को नकारते हुए नाउम्मीद का पुलिंदा बताया।A कहा कि यह बजट अच्छे दिन कम, मायूसी वाला अधिक है। कहा कि बजट में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। इससे व्यापारियों, किसानों और महिलाओं ो कोई लाभ नहीं मिलने वाला।

- **नेता बोले, बजट अच्छे दिन की उम्मीद कम, मायूस करने वाला अधिक**

अमृत काल के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बजट : राजीव

केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया आम बजट 2024-25, 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और अमृत काल के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला है। आम बजट विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है। इसमें अंत्योदय की पावन भावना, विकास की असीम संभावना और नवोन्मेष की नव-दृष्टि है। इस बजट में गांव, गरीब, किसान, महिला, नौजवान समेत समाज के सभी तबकों के समग्र विकास का संकल्प, हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दृष्टि और वंचित को वंचना से मुक्त कराने का रोडमैप है। **-राजीव कुमार गुप्ता,** जिलाध्यक्ष भाजपा

खोखले साबित हुए किसानों से किए वादे : ओमकार

किसानों से जो वादे किए थे, वह खोखले साबित हुए। बजट में न ही न्यूनतम समर्थन मूल्य का जिक्र किया गया है। और न ही किसान सम्मान निधि में धनराशि बढ़ाई गई है। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट निराश करने वाला है। बजट में आम लोगों के हितों के लिए कुछ नहीं है। मनरेगा जैसी योजनाओं को लेकर कोई बड़ा कदम नहीं उठाया है। इसे कुर्सी बचाओ बजट कहा जाये तो उचित होगा। सहयोगियों व उद्योग पतियों को खुश करने वाला है बजट है। **-ओमकार सिंह,** अध्यक्ष,जिला कांग्रेस कमेटी

पूंजीपतियों को ध्यान में रखकर पेश किया बजट : हेमेंद्र

पिछले बजटों की तरह देश के चन्द मुट्ठीभर धन्नासेठों व पूंजीपतियों को ध्यान में रखकर पेश किया गया है। सरकार को चाहिए था वह अपने पुराने वादों को याद करते हुए बेरोजगार नौजवानों को रोजगार मुहैया कराना चाहिए था। हर वर्ष दो करोड़ लोगों को नौकरियां देने और हर गरीब के खाते में 15 लाख भेजे जाने पर सरकार खरी नहीं उतरी है। देश में बढ़ती महंगाई गरीब, मजदूर, किसान और माध्यम वर्ग के लोगों की कमर तोड़ रही है। बजट ऐसा होना चाहिए था जिसमें हर हाथ को काम मिलता। **-हेमेन्द्र गौतम,** जिला प्रभारी बसपा

किसानों और नौजवानों में बजट से निराशा : आशीष

यह औसत, अर्थहीन, भ्रामक और दीर्घकालिक दृष्टि के अभाव वाला बजट है। देश के सर्वाधिक आबादी वाले इलाके को इस बजट ने निराश किया है। देश में छाई जबरदस्त गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और पिछड़ापन तथा अधिक कमजोर तबकों के उत्थान व उनके लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं के प्रति इस नई सरकार में भी अपेक्षित सुधारवादी नीति व नीयत का अभाव है। बजट में ऐसे प्रावधानों से क्या लोगों का जीवन खुश व खुशहाल हो पाएगा? किसानों और युवाओं को निराश करने वाला बजट है। **-आशीष यादव,** जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी

बिजली आपूर्ति नहीं मिलने से लोगों में गुस्सा

बिल्सी, अमृत विचार : बरसात की रफ्तार कम होने के बाद फिर भीषण गर्मी हो रही है। ऐसे में बिजली कटौती शुरू होने से लोग परेशान हैं। बिजली की आंख मिचौली सुबह से देर रात तक चलती है। लोगों का पहले ही गर्मी से हाल बेहाल है। ऊपर से अघोषित कटौती से परेशानी बढ़ गई है। बिना सूचना के दो से तीन घंटे की कटौती हो रही है, उससे नगर वासियों में रोष है। पिछले दिनों हुई बारिश से मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ा है। मंगलवार को तीन से पांच बजे तक बिजली पूरी तरह ठप रही। गर्मी अधिक होने से नगर के करीब तीस हजार से अधिक लोग बेचैन रहे। इधर जेई दिनेश कुमार ने बताया कि दोपहर तीन से पांच बजे तक विभाग द्वारा रोस्टिंग की जा रही है। जिससे बिजली बाधित रही है।

संपूर्ण सुरक्षा केंद्र बनाने की तैयारी पूरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **मैनेजर के रूप में रोहित सक्सेना की तैनाती, दो टेक्नीशियन भी मिलेंगे**

अमृत विचार : जिला अस्पताल में संपूर्ण सुरक्षा केंद्र खोलने की तैयारी पूरी हो गई है। मैनेजर के रूप में यहां रोहित सक्सेना की तैनाती की गई है। जबकि दो टेक्नीशियन की तैनाती और की जाएगी। तीनों पदों के लिए पिछले सप्ताह साक्षात्कार हुए थे। जिसमें मैनेजर पद रोहित सक्सेना की नियुक्ति हुई है।

जिला अस्पताल में संपूर्ण सुरक्षा केंद्न शासन के निर्देश पर खोला जा रहा है। केंद्र पर एक मैनेजर और दो टेक्नीशियन की तैनाती की जानी है। संपूर्ण सुरक्षा केंद्र एक एनजीओ द्वारा खोला जा रहा है। इन तीन पदों के लिए पिछले सप्ताह जिला अस्पताल में अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लिए गए थे। साक्षात्कार के बाद दस दिन का समय दिया गया था। उक्त एनजीओ के डायरेक्टर और जिला अस्पताल के सीएमएस सहित पांच सदस्यीय टीम ने साक्षात्कार लिए थे। मंगलवार को मैनेजर पद के लिए परिणाम घोषित कर दिया गया। इस पद के लिए रोहित सक्सेना की तैनाती की गयी है। जबकि दो टेक्नीशियन के पदों का परिणाम अभी आना बाकी है।

जिला अस्पताल में केंद्र एक अगस्त से काम करना शुरू कर देगा। इसके लिए अस्पताल प्रशासन और केंद्र संचालक एनजीओ ने केंद्र की सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। एक अगस्त से संपूर्ण सुरक्षा केंद्र चालू कर दिया जाएगा। इस केंद्र पर एड्स के मरीजों की जांच और उनका उपचार किया जाएगा। एड्स मरीजों की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। इन मरीजों को किस तरह ठीक किया जाना है। कब क्या सलाह दी जानी है यह सब केंद्र संचालन के अधीन होगा। हालांकि इस केंद्र पर आने वाले मरीजों की पूरी जानकारी अस्पताल प्रशासन को दी जाएगी।

- **मैनेजर के रूप में रोहित सक्सेना की तैनाती, दो टेक्नीशियन भी मिलेंगे**

संपूर्ण सुरक्षा केंद्र एक्सरे रूम के निकट बनाया जा रहा है। केंद्र के लिए सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। लैब और मशीन जल्द ही चालू हो जाएगी। केंद्र के प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी केंद्र संचालक की होगी। जब यहां मरीज आने लगेंगे तो मरीजों का उपचार शुरू कर दिया जाएगा। मैनेजर पद पर रोहित सक्सेना की तैनाती की गई है, जबकि दो टेक्नीशियन के पदों पर भी दो दिन के अंदर परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। **-डा. कप्तान सिंह,** सीएमएस

बिजली का तार लगाते समय पल्लेदार की करंट से मौत

बिसौली, अमृत विचार : बिजली के बोर्ड में तार लगते समय करंट लगने से पल्लेदार की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मंगलवार देर शाम कोतवाली क्षेत्र के गांव शानपुर निवासी महेश पुत्र (60) वेदराम हर दिन की तरह नगर की नवीन गल्ला मंडी में सचिन की आढ़त पर पल्लेदारी कर रहा था। महेश ने गर्मी से राहत के लिए जैसी ही पंखे के तार को बिजली बोर्ड में लगाया वैसे ही एक तार बोर्ड से निकल कर लोहे के जाल में टकरा गया। अचानक महेश का हाथ भी उसी जाल पर लग गया। करंट की चपेट में आने से महेश बेहोश हो गया। साथी पल्लेदार नगर के एक निजी हॉस्पिटल में ले गए जहां उसने दम तोड़ दिया।

बजट के अभाव में फंसा प्रोजेक्ट अलंकार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **संस्कृत विद्यालयों का योजना के तहत किया जाना था कायाकल्प**
- **बजट प्राप्त करने के लिए विभाग कर रहा शासन में पत्राचार**

अमृत विचार: अलंकार योजना के तहत जिले के छह स्कूलों का चयन किया गया। लेकिन बजट के अभाव में योजना परवान नहीं चढ़ पा रही। लंबे इंतजार के बाद भी सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए अभी तक कोई धनराशि आवंटित नहीं की है। जिसके चलते स्मार्ट क्लास में पढ़ने की आस लगाए बैठे बच्चों को निराशा हाथ लगी है।

शासन ने वर्ष 2022-23 में अशासकीय सहायता प्राप्त संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों के कायाकल्प के लिए प्रोजेक्ट अलंकार योजना शुरू की। इसके तहत 50 साल से अधिक समय से अशासकीय सहायता प्राप्त संस्कृत स्कूलों को 95 फीसदी अनुदान दिया जाना था, जबकि पांच फीसदी धनराशि प्रबंध तंत्र को खर्च करना था। इन विद्यालयों को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई, जिसमें पठन-पाठन का बेहतर माहौल देने के लिए स्मार्ट क्लास की व्यवस्था, विद्यालयों मे बेहतर पेयजल, वाटर कूलर की स्थापना, बहुउद्देश्यीय हाल/कक्ष, अच्छे शौचालय, प्रयोगशाला, खेल मैदान, बैडमिंटन व वालीबॉल कोर्ट की स्थापना, चहारदीवारी, साइकिल स्टैंड, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, रेन वाटर आदि संसाधन उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए। लेकिन अभी तक बजट न मिलने के कारण स्कूलों में सुधार के काम शुरू नहीं हो सके हैं।

इन छह संस्कृत स्कूलों का हुआ चयन

जिले में 11 संस्कृत विद्यालय संचालित हैं। इनमें छह संस्कृत विद्यालय इस्लामनगर, उझानी, आर्स संस्कृत स्कूल भदरौलिया, महात्मा गांधी संस्कृत विद्यालय बिसौली, नेहरू संस्कृत विद्यालय हतसा और संस्कृत विद्यालय गररुईया का कायाकल्प होगा। इनकी बिल्डिंग जर्जर अवस्था में है। इन स्कूलों की स्थिति का ब्योरा पिछले दिनों शासन को भेजा गया था। इसके बाद इन्हें अलंकार योजना में शामिल किया गया था।

अलंकार योजना के तहत कायाकल्प के लिए छह संस्कृत विद्यालयों का चयन किया गया था। प्रस्ताव बनाकर बजट उपलब्ध कराने के लिए पत्र शासन को भेजा गया है। बजट मिलने के बाद स्कूलों में कार्य शुरू करा दिए जाएंगे। **-डॉ प्रवेश कुमार,** डीआईओएस

राजस्व वसूली में प्रदेश में बदायूं प्रथम

अधिकारियों के साथ बैठक करतीं डीएम निधि श्रीवास्तव। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **डीएम ने की राजस्व वसूली व मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के कार्यों की समीक्षा**

अमृत विचार: जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने मंगलवार को राजस्व, कर करेत्तर व मुख्यमंत्री डैशबोर्ड से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक की। जिसमें डीएम ने अधिकारियों से कहा कि राजस्व वसूली के लक्ष्य को कार्ययोजना बनाकर पूर्ण करें। अधिकारी पूरी तैयारी के साथ बैठक में आएं। जो आंकड़े उपलब्ध करा रहे हैं उसे पहले स्वयं चेक करें, तभी उपलब्ध कराएं।

कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक के दौरान डीएम ने बताया कि राजस्व वसूली में जनपद बदायूं मंडल व प्रदेश में प्रथम स्थान पर आया है। सभी अधिकारी मनोयोग से ऐसे ही कार्य करते रहें। आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि कोई भी प्रकरण डिफाल्टर श्रेणी में नहीं आना चाहिए। जो भी प्रकरण आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होते हैं उनका प्राथमिकता पर निस्तारण किया जाए।

डीएम ने पाया कि नगर पालिका परिषद बदायूं में संपत्ति से संबंधित स्वामित्व हस्तांतरण के 107 प्रकरण समय सीमा के उपरांत लंबित हैं। जिस पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त की। ईओ को सभी प्रकरण जल्द निस्तारण करने के आदेश दिए। गन्ना अधिकारी को गन्ना मूल्य का लंबित भुगतान प्राथमिकता पर कराने के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा डीएम ने सिंगल यूज प्लास्टिक बैन पर प्रभारी कार्रवाई करने को आदेशित किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव शर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन रेनू सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अरुण कुमार, उप जिलाधिकारी सदर, बिल्सी, दातागंज व बिसौली सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

समरेर में फिर निकला मलेरिया पीड़ित मरीज

बदायूं,अमृत विचार : जनपद में चलाए जा रहे ब्लॉक स्तरीय संक्रामक रोग नियंत्रण अभियान के दौरान मलेरिया विभाग की टीम ने विभिन्न ग्रामों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया। जिसमें एक मलेरिया का मरीज सामने आया है। मलेरिया विभाग ने रोगी का उपचार गांव में ही शुरू कर दिया है।

मंगलवार को जिले के विभिन्न ग्रामों में मलेरिया विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए, जिसमें बुखार के 201 मरीज सामने आए। 282 लोगों को मलेरिया टेस्ट किया गया जिसमें एक मलेरिया पॉजिटिव निकला। ब्लाक समरेर में मलेरिया का मरीज मिलने पर विभाग ने गांव में ही उसका उपचार शुरू कर दिया। मंगलवार को विभिन्न गांवों में लगाए गए स्वास्थ्य शिविरों में 819 लोगों का स्वास्थ्य चेकअप किया गया। इस मौके पर समरेर में साफ सफाई के लिए लोगों को जागरूक किया गया। घर व आस पास सफाई करने के लिए प्रेरित किया गया।

- **मलेरिया विभाग ने लगाए स्वास्थ्य शिविर**

स्ट्रेचर नहीं मिला, बहन को गोद में उठाकर लाया भाई

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **जिला अस्पताल में बदहाल व्यवस्था के चलते मरीज हो रहे परेशान**
- **स्ट्रेचर उठाने वाले कर्मचारी गायब, जिम्मेदार डॉक्टर भी बैठे रहते हैं चुप**

अमृत विचार : जिला अस्पताल में स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। बीमार मरीजों को स्ट्रेचर तक नहीं मिल रहा है। जिससे मरीजों तीमारदारों को भारी परेशानी हो रही है। मंगलवार को एक युवक अपनी बीमार बहन को स्ट्रेचर नहीं मिलने पर गोद में उठा कर एक्सरे रूम तक ले गया। जबकि जिम्मेदार आंख बंद किए बैठे रहे।

जिला अस्पताल के बीमार सिस्टम से मरीज हर रोज परेशान होते हैं। यहां पर शासन की ओर से सभी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। लेकिन मरीजों को फिर भी दुर्दशा का शिकार होना पड़ रहा है। कादरचौक निवासी हरिपाल मंगलवार को अपनी बीमार बहन को लेकर जिला अस्पताल आया था। 17 वर्षीय बहन रीता के पैरों में तकलीफ थी। इसलिए वह चल नहीं पा रही थी। हरिपाल पहले अस्पताल गेट से बहन को गोद में लेकर ओपीडी तक गया। वहां डाक्टर को दिखाया। डाक्टर ने एक्सरे कराने को लिखा। उसके बाद हरिपाल बहन को गोद में उठा कर किसी तरह एक्सरे रूम तक ले गया। वहां बहन को बेंच पर बिठाया तो वह गिर गई। एक्सरे कराके वह हरिपाल गोद में उठा कर ही बहन को बाहर लाया। उसने स्ट्रेचर या व्हील चेयर की मांग भी की, लेकिन किसी ने नहीं दिलाई। डॉक्टर ने एक्स रे कराने को लिख दिया उससे ठीक से बात भी नहीं की।

बहन को गोद में उठा कर ले जाता भाई।

45 से अधिक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं अस्पताल में

जिला अस्पताल में इस तरह अक्सर मरीज परेशान होते हैं। जबकि 45 से अधिक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तैनात हैं। जोकि इधर उधर घूमते रहते हैं। कभी कभी तो डॉक्टर के बुलाने पर भी नहीं आते हैं।

आज मै बाहर हूं। इसलिए कुछ भी नहीं कह सकता। जब लौट कर आऊंगा तो इस बारे में जानकारी की जाएगी। वैसे अस्पताल में व्हील चेयर और स्ट्रेचर और पर्याप्त कर्मचारी हैं। यदि किसी को व्हील चेयर की जरूरत थी तो प्रभारी सीएमएस डा. रियाज हुसैन से संपर्क करना चाहिए था। **-डा. कप्तान सिंह,** सीएमएस

कस्तूरबा कर्मचारियों ने किया प्रेरणा एप का बहिष्कार

बीएसए को ज्ञापन देते कस्तूरबा विद्यालयों के कर्मचारी।

बदायूं, अमृत विचार: कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के कर्मचारियों ने प्रेरणा पोर्टल पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने का बहिष्कार किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

कर्मचारियों ने कहा कि ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज न कराने पर मानदेय कटौती की चेतावनी दी गई है। प्रेरणा पोर्टल कई बार काम नहीं करता है। जिससे सीएल लेने में बाधा आती है। सरकार नए नियम बना रही है। जिससे कर्मचारियों का तनाव लगातार बढ़ रहा है। स्टाफ मानसिक शोषण हो रहा है। कर्मचारियों का मानदेय 10 साल में 10 प्रतिशत ही बढ़ा है। नए नियम में प्रेरणा पर छात्राओं की 90 प्रतिशत उपस्थिति न होने पर कटौती की बात कही है। जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी विद्यालयों के कर्मचारी प्रेरणा एप का बहिष्कार करेंगे।

एक नजर

पुरानी अनाज मंडी में मिला दो दिन पहले घर से गए व्यक्ति का शव

उझानी ,अमृत विचार : नगर में इधर-उधर घूमने वाले मानसिक मंदित व्यक्ति का शव पुरानी अनाज मंडी में मिला। पुलिस ने युवक की पहचान करके उसके परिजनों को सूचना दी। पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। कोतवाली उझानी क्षेत्र के गांव देवरमई पश्चिमी निवासी विद्याराम (40) पुत्र रामस्वरूप ट्रक चालक थे। दो महीने पहले पत्नी की मौत हो गई थी। जिसके बाद से वह मानसिक रोगी हो गए थे। दिमागी संतुलन सही न होने पर वह इधर-उधर घूमते रहते थे। सोमवार को बरेली जाने की बात कहकर वह घर से निकले थे। मंगलवार सुबह कस्बा उझानी के मोहल्ला भद्वारगंज की पुरानी अनाज मंडी में खोखे के पीछे उनका शव मिला।

मुकदमा में पैरवी हल्की करने की धमकी दे रहे हत्या आरोपी

दातागंज, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव दियोरी निवासी अवनीश ने एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 11 जून सुबह छह बजे उनके गांव के संतोष, इरेंद्र, अनुज प्रताप व अन्य सात लोगों ने उनके चाचा हरिराम को राजपाल के घर में बंधक बनाया था। लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी थी। अवनीश मौके पर बीच बचाव करने गए तो हमलावरों ने उनपर भी हमला कर दिया। उन्हें मरा हुआ समझकर छोड़ा। उन्होंने 10 हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 21 जुलाई दोपहर लगभग 4 बजे संतोष, इरेंद्र, अनुज प्रताप उनके खेत पर पहुंचे। मुकदमा में पैरवी हल्की करने को बोला। नहीं तो पता नहीं चलेगा कि उनका एक्सीडेंट हुई या हत्या।

बिजली संकट : सूख रही फसलें, किसानों ने किया प्रदर्शन

शहर में चार-चार घंटे की कटौती से परेशान हैं लोग, कटौती के अलावा लोकल फाल्ट भी बने मुसीबत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बिजली आपूर्ति पूरे जिले में ध्वस्त हो चुकी है। जिससे चारों ओर हाहाकार मचा हुआ है। शहर से लेकर कस्बा और गांवों में लोग बिजली संकट से जूझ रहे हैं। बिजली नहीं मिलने से धान की फसल सूख रही है। ग्रामीण प्रदर्शन कर रहे हैं। जिला प्रशासन से लेकर शासन तक बिजली समस्या को उठाया जा रहा है फिर भी जिले को बिजली की अघोषित कटौती से मुक्त नहीं किया जा रहा है। भारी गर्मी और उमस के चलते लोग बीमार पड़ रहे हैं, लेकिन बिजली विभाग कोई ठोस कदम उठाने को तैयार नहीं है।

पिछले 15 दिन से बिजली संकट पूरे जनपद में बना हुआ है। शहर में चार-चार घंटे की कटौती हो रही है। कहीं कहीं तो पूरे दिन बिजली गुल रहती है जिससे लोग बेहद परेशान हैं। मंगलवार को मीरा सराय में सुबह पांच से दस बजे तक बिजली गुल रही। कुछ देर आने के बाद फिर गुल हो गई। उसके आधे घंटे बाद सप्लाई शुरू की गई। लालपुल और सोथा में सुबह नौ से 11 बजे तक बिजली गुल रही। बिजली न मिलने से भारी गर्मी और उमस में लोगों का बुरा हाल हो गया। श्रीराम नगर और बजरंग नगर में दोपहर को दो घंटे तक बिजली ठप रही। पथिक चौक और बिरूआबाड़ी मंदिर के आसपास सोमवार को भी चार घंटे तक बिजली गुल रही। मंगलवार को दोपहर में दो घंटे बिजली गुल रहने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गद्दी चौक, पर रखा ट्रांसफार्मर कई दिन पूर्व फुंक चुका है जिससे वहां पर दूसरा ट्रांसफार्मर ट्राली पर रख कर सप्लाई दी जा रही है फिर भी शाम को दो से तीन घंटे की कटौती हो रही है।

ग्रामीण इलाकों में भी बत्ती गुल: देहात क्षेत्र को ढाक वाली जियारत स्थित बिजली घर से सप्लाई दी जाती है। यहां से सोमवार को पूरे दिन सप्लाई ठप रही, जिससे दो दर्जन से अधिक गांव के लोग भारी गर्मी में परेशान रहे। ककराला रोड के गांवों को इस बिजली घर से सप्लाई दी जाती है। जिससे रसूलपुर, दौरी, सिमरिया, सूरजपुर, उपरैला, उघैनी, कटिन्ना, बरचऊ, मई बूचन, कुतरई, उदमई, सहित दो दर्जन गांवों में बिजली गुल रही। सोमवार की रात 12 बजे बिजली गुल हो गई जो चार घंटे बाद सुबह चार बजे आई, जिससे लोग पूरी रात गर्मी से परेशान रहे। इस फीडर से सबसे अधिक कटौती की जाती है। ग्रामीणों ने विभाग के अधिकारियों से शिकायत भी की मगर कोई ध्यान नहीं दिया गया। सुबह आठ बजे बिजली आने का शेड्यूल है जो दस बजे आती है और कुछ ही देर में चली जाती है। हर रोज धरना प्रदर्शन हो रहे हैं मगर बिजली विभाग सुनने को तैयार नहीं है।

गद्दी चौक पर रखा खराब ट्रांसफार्मर। ● अमृत विचार

बिसौली में किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

ओरछी। मंगलवार को गांव सिसरका के दर्जनभर से ज्यादा किसान बिजली कटौती से परेशान होकर फैजगंज बेहटा फीडर पर पहुंचे। वहां किसानों ने अपनी समस्या बताई। किसानों ने कहा कि धान की फसल बिजली न आने से सूख रही है। किसानों ने कहा कि धान की फसल में भारी लागत लगती है और पानी के अभाव में धान सूख रहा है, जिससे किसान बेहद परेशान हैं। बिजली घर पर किसानों ने कर्मचारियों से कहा कि यदि समस्या का समाधान नहीं होगा तो किसान जिला प्रशासन से मिलेंगे। काफी देर हंगामा होता रहा। उसके बाद नाराज किसान बिसौली एसडीएम कल्पना जायसवाल के पास पहुंचे। वहां किसानों ने ज्ञापन देकर मांग की कि किसानों की फसलें सूख रहीं है, इसलिए जल्द बिजली आपूर्ति बहाल की जाए। किसानों ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी कर्मचारी सुनने को तैयार नहीं हैं। इस मौके पर कई गांवों के किसान मौजूद रहे।

बिजली समस्या पर ग्रामीणों में आक्रोश

संवाददाता, कुंवर गांव

अमृत विचार : बिजली की समस्या को लेकर हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है। ग्रामीण बिजली घरों पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। फिर भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। धान की फसल सूख रही है। जिससे किसान बेहद परेशान हैं।

कुंवर गांव विद्युत उपकेंद्र पर ओवरलोडिंग की समस्या है। जेई विकास कुमार का कहना है कि उपकेंद्र पर 5 केवीए के तीन ट्रांसफार्मर लगे हैं, जो इस भीषण गर्मी में लोड नहीं ले रहे हैं। ट्रांसफार्मर 10 केवीए के होने चाहिए, इसके लिए मांग की गई है। क्षेत्र में लाइन की स्थिति जर्जर है। जो आय दिन टूट रही है। असिर्स वरखिन के पास लगभग पांच किमी तक लाइन पड़ी है। जो लोड नहीं ले रही। हर रोज तार टूट जाता है, जिसे जोड़ते जोड़ते कर्मचारी भी परेशान हो चुके हैं। लाइनों को 12-12 घंटे खोलकर चलाया जा रहा है। लगभग दो दर्जन से अधिक गांवों में सप्लाई 12-12 घंटे टू फेस रहती है। जिससे किसानों के न तो नलकूप चल पा रहे हैं और न ही घरेलू उपकरण चल पाते हैं। खेतों में धान की फसलें सूख रही हैं, तो कहीं किसान खेतों में धान नहीं लगा पा रहे हैं। जेई विकास कुमार का कहना कि जो एग्रीकल्चर की लाइनें बनाई गई हैं वह जल्द चालू हो जाएं जिससे निजी नलकूपों की सप्लाई हो जाएगी तो ओवरलोडिंग से कुछ राहत मिल जाएगी। गांव अनुगुइया में पावर हाउस बनाने के लिए मंजूरी मिल गई है। अगर वह जल्द बन जाता है तो कुंवर गांव बिजली उपकेंद्र से जुड़े असिर्स वरखिन सहित कुछ गांवों को अनुगुइया पावर हाउस से जोड़ दिया जाएगा। जिससे उपकेंद्र पर ओवरलोडिंग से निजात मिल जाएगी। सबसे जटिल समस्या बनगढ़ फीडर पर बनी हुई है। नलकूप चालक धनपाल का कहना है कि नलकूप का स्टार्टर खराब हो गया उसे ठीक करने में तीन दिन का समय लगा।

बिना पानी सूख रही धान की फसल।

सरकारी नलकूप पर प्रदर्शन करते ग्रामीण

● पेयजल संकट से जूझ रहे लोग गर्मी में हो रही परेशानी

आंबेडकर पार्क की जमीन पर कब्जा करने का आरोप, तहरीर दी

इस्लामनगर, अमृत विचार: तहसील बिसौली क्षेत्र के गांव सिठौली के ग्रामीणों ने आंबेडकर पार्क की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि गाटा संख्या 345,346,248 पर अंबेडकर पार्क था। पूर्व समय में किसी अधिकारी ने उक्त पार्क को चंदोई क्षेत्र में बना होना दर्शा दिया। पार्क को लेकर एक साल से बदायूं एडीएम प्रशासन की कोर्ट में मुकदमा विचाराधीन है। उसके बाद भी कुछ लोग पार्क की जमीन पर कब्जा कर निर्माण करने की कोशिश में लगे हुए है। मंगलवार को पार्क की जमीन पर कब्जा करने के उद्देश्य से नींव भरवाने के लिए कुछ लोगों ने ईंट डलवाई थीं। वहां पर निर्माण करने के लिए लेबर मिस्त्री पार्क की जमीन पर पहुंचे थे। जानकारी होने पर सिठौली के ग्रामीण वहां जुट गए। जिस पर उनके द्वारा लेबर मिस्त्री को वहां से भगा दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने थाने पहुंचकर थाना प्रभारी को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि लगातार जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। पहले भी शिकायत की गई थी।अब फिर शिकायत की जा रही है। इस दौरान आदेश कुमार, चंद्रभान, अरविंद, रिंकू, जीतू सिंह, मनोज, नवल किशोर आदि शामिल रहे।

मां के पास सोया बच्चा सुबह मिला मृत

संवाददाता, बिसौली (बदायूं)

अमृत विचार : मानसिक मंदित मां के साथ रात में सोया छह साल का बच्चा अगले दिन सुबह मृत मिला। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। बच्चे की गला दबाकर हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें बीमारी से मौत होने की पुष्टि हुई है।

मृतक कुलदीप

कोतवाली क्षेत्र के गांव मिठामई निवासी मोहित की शादी 14 साल पहले थाना उसहैत क्षेत्र के गांव असमय रफतपुर निवासी प्रीति से हुई थी। उनकी एक बेटी मोहिनी, दूसरे नंबर का बेटा कौशल, सबसे छोटा बेटा कुलदीप (6) था। सोमवार रात कुलदीप अपने पिता मोहित के पास जाकर सो गया। रात लगभग एक बजे प्रीति मोहित के पास आई और कुलदीप को उठाकर ले गई। जिसके बाद मंगलवार सुबह कुलदीप मृत मिला। बच्चे की मौत से घर में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जहां मोहित ने बताया कि प्रीति मानसिक मंदित है। पांच साल से उसका इलाज चल रहा है। वह कई बार बच्चों के अलावा उनपर और परिजनों पर हमला कर चुकी है। परिजन उससे बचकर रहते हैं। रात में प्रीति उनके पास से कुलदीप को ले गई थी। मंगलवार सुबह देखा तो कुलदीप का शव मिला। उसका गला सूजा हुआ था। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि गला दबाकर हत्या की गई हो। वहां उसकी मां के अलावा कोई और नहीं था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृत बालक के परिजन। ● अमृत विचार

गाड़ी से बरामद हुए 27 पशु, तीन की मौत

बदायूं, अमृत विचार : पीपल्स फॉर एनिमल्स संस्था के अध्यक्ष विकेंद्र शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह मंगलवार देर शाम बिसौली की ओर जा रहे थे। शहर के निकलते ही पटेल चौक के पास एक गाड़ी खड़ी मिली। जिसमें पशुओं के रमिहाने की आवाज आ रही थी। विकेंद्र शर्मा ने गाड़ी के साइड से चढ़कर देखा तो गाड़ी में पशु ठूंसकर भरे मिले। गाड़ी चालक भागने लगा। उन्होंने गाड़ी पर साथ चल रहे एक व्यक्ति गांव खैरी निवासी इसरार को पकड़ा जबकि उसके बाकी साथी भाग निकले। उसने गाड़ी चालक का नाम जिला संभल के थाना गुन्नौर क्षेत्र के गांव सैजना निवासी खालिद बताया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। 27 पशुओं को गाड़ी से बाहर निकाले। जिसमें तीन भैंस की मौत हो चुकी थी कई घायल थीं। पुलिस फरार लोगों को तलाश रही है।

शराब लेकर बरेली से बदायूं आ रहा ट्रक पलटा

मलगांव रेलवे क्रासिंग के पास खंती में पलटा ट्रक और बिखरी शराब की पेटियां।

संवाददाता, विजय नगला/बिनावर

अमृत विचार : बरेली-मथुरा राजमार्ग के मलगांव रेलवे क्रासिंग के पास देशी शराब की पेटियों से भरा ट्रक अनियंत्रित हो गया और खंती में पलट गया। हादसे में ट्रक का चालक केबिन में फंस गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। चालक को बाहर निकालकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। चालक को झपकी आने की वजह से हादसे होने की बात कही जा रही है।

हादसा बरेली-मथुरा राजमार्ग पर थाना बिनावर क्षेत्र के मलगांव रेलवे क्रासिंग के पास मंगलवार सुबह लगभग पांच बजे हुआ। एक ट्रक बरेली के सीबी गंज से देशी शराब की पेटियां लेकर बदायूं की ओर आ रहा था। क्रासिंग के पास आने पर ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक में भरीं 1400 शराब की पेटियां खंती में बिखर गईं। हादसे के बाद राजमार्ग से गुजर रहे कुछ लोग शराब की पेटियां उठाकर ले गए। सूचना मिलने पर थाना बिनावर पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को दूर हटाया। केबिन में फंसे चालक बरेली के मोहल्ला उमरिया सैदपुर निवासी अनस मियां पुत्र जाकिर खान को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा। शराब बरेली के सीबी गंज स्थित सीएल टू गोदाम से बदायूं लाई जा रही थी। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस ने पेटियां आबकारी विभाग को सौंप दी हैं।

● बरेली के सीबी गंज क्षेत्र के सीएल टू गोदाम से देशी शराब लेकर आ रहा था ट्रक

● केबिन में फंसा चालक, पुलिस ने निकालकर जिला अस्पताल में कराया भर्ती

हादसे के बाद लोगों के पेटियां उठाकर ले जाने पर तैनात किए गए पुलिसकर्मी।

दरगाह कमेटी के विरुद्ध जांच कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट मोहम्मद शीराज आलम ने लखनऊ में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन जफर फारूकी से मुलाकात की। इस दौरान उनके द्वारा वक्फ बोर्ड के चेयरमैन से वक्फ संख्या 223 व 224 दरगाह छोटे बड़े सरकार कमेटी के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की।

उन्होंने बोर्ड के चेयरमैन को बताया कि दरगाह छोटे बड़े सरकार उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में 223 व 224 पर दर्ज है। दरगाह कमेटी अनियमितताएं बरती जा रही हैं। जिसकी शिकायत बरेली आयुक्त से लेकर जिलाधिकारी से की गई। शिकायत का संज्ञान लेते हुए डीएम ने प्रशासनिक कमेटी गठित की। जिसमें उप जिलाधिकारी सदर, पुलिस क्षेत्राधिकारी, उपनिबन्धक, सिटी मजिस्ट्रेट तथा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नामित किए गए। जिसकी अनुमति के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को पत्र लिखा गया, लेकिन बोर्ड में मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति न होने के कारण जांच कार्यवाही रुक गई। दरगाह परिसर में कमेटी द्वारा आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों को संरक्षण दिया गया है। अनैतिक कार्य रहे हैं। उन्होंने चेयरमैन से पूर्व गठित कमेटी से जांच करवाकर कार्रवाई की मांग की।

छात्रा से छेड़छाड़ के दोषी को सात साल की सजा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● 20 हजार रुपये लगाया जुर्माना, पीड़िता को आधी धनराशि देने का आदेश

अमृत विचार : विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो एक्ट दीपक यादव ने छात्रा से छेड़छाड़ करने के आठ साल पुराने मामले में आरोपी को दोषी माना है। दोषी को सात साल का कारावास और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना की आधी धनराशि पीड़िता को देने का आदेश दिया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार एक महिला ने पुलिस को 6 दिसंबर 2016 को तहरीर देकर बताया कि उनकी पांच साल की बेटी शहर के प्रतिष्ठित स्कूल में पढ़ती है। दो दिसंबर को वह स्कूल से वापस घर आई थी। छात्रा ने बताया कि वह बाथरूम करने जाती है तो स्कूल के स्वीपर रमेश अंकल पोंछा धोने की बात कहकर उसे पीछे बाथरूम में चले आते हैं। उसके साथ अश्लील हरकतें करते हैं। उसके प्राइवेट पार्ट भी छूते हैं। किसी को बताने पर बाथरूम में बंद करने और जान से मारने की धमकी देते हैं। महिला ने अगले दिन स्कूल प्रबंधन से संपर्क किया लेकिन बात नहीं हो सकी। महिला ने स्कूल प्रशासन को घटना से अवगत कराया। अपनी बेटी के बयान भी दिलाए। स्कूल प्रशासन ने सीसीटीवी फुटेज चेक की तो घटना सही निकली। महिला को आरोपी स्वीपर के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। घटना सही होने के बाद भी स्कूल प्रशासन ने आरोपी स्वीपर के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। महिला का आरोप था कि स्वीपर पर कार्रवाई न करने पर ऐसा प्रतीत होता है कि गंभीर प्रकरण के बाद भी स्कूल प्रबंधन लापरवाह और अपराध को बढ़ावा दे रहा है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने स्कूल के स्वीपर शहर के मोहल्ला लोटनपुरा निवासी रमेश पुत्र प्यारे के खिलाफ पॉक्सो, छेड़छाड़ और धमकाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा था। जिसके बाद वह जमानत पर जेल से रिहा हो गया था। विवेचक संत प्रसाद उपाध्याय ने जांच करके रमेश के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। तब से मामला कोर्ट में विचाराधीन था। मंगलवार को न्यायाधीश ने पत्रावली पर साक्ष्यों का अवलोकन कर विशेष लोक अभियोजक अमोल जौहरी, वीरेंद्र वर्मा, प्रदीप भारती और बचाव पक्ष के अधिवक्ता की बहस सुनने के बाद आरोपी को दोषी माना। उसकी जमानतें निरस्त करते हुए सजा सुनाई। जेल में व्यतीत की गई अवधि उसकी सजा में समायोजित की जाएगी।

मुश्किल से बताते हैं बच्चे, उसमें भी की गई लापरवाही

फैसला सुनाते हुए न्यायाधीश दीपक यादव ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में सत्यता साबित होने पर स्वीपर के खिलाफ स्कूल प्रबंधन द्वारा कार्रवाई की जानी चाहिए थी। पीड़िता किसी को बताएगी तो उसके कार्रवाई करनी होगी। ऐसे मामलों में बच्चे बड़ी मुश्किल से कोई बात अपने माता-पिता को बता पाते हैं। उसके बाद भी कार्रवाई के नाम पर लीपापोती का प्रयास किया गया। न्यायाधीश ने कहा कि पीड़िता का स्कूल में काम करने वाले सफाइकर्मी ने लैंगिग उत्पीड़न किया। अबोध बालिका घटना से सदमे में रही है। विद्यालय प्रबंधन जिसका पहला दायित्व बच्चों की सुरक्षा करना होता है ने कि अपने दायित्वों से पल्ला झाड़ लेना। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज होने के बावजूद न तो आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की और न ही पुलिस को सीसीटीवी कैमरे की फुटेज उपलब्ध कराई।

शादी के छह महीने बाद महिला की पेट दर्द से मौत

कार्यालय, संवाददता बदायूं

अमृत विचार : शादी के छह महीने के बाद ही एक महिला की मौत हो गई। सोमवार देर रात महिला के पेट में तेज दर्द उठा था। उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज से दवा दिलाकर परिजन घर ले गए थे। जहां फिर से दर्द शुरू होने पर महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां हालत में सुधार नहीं हुआ तो परिजन राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए। जहां चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

जिला शाहजहांपुर के थाना कलान क्षेत्र के गांव गुंधा निवासी राजवीर की बेटी सुमन की शादी लगभग छह माह पहले थाना कादरचौक क्षेत्र के गांव बरचऊ निवासी अनुज के साथ हुई थी। सोमवार रात लगभग एक बजे सुमन के पेट में तेज दर्द उठा था। परिजन सुमन को लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज गए थे। दवा खाने के बाद सुमन की तबीयत में सुधार हुआ था। जिसके के बाद परिजन उसे वापस घर ले गए। कुछ देर के बाद फिर से पेट में दर्द शुरू हो गया। शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। आराम न मिलने पर परिजन दोबारा राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए। जहां चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

मृतक सुमन।

उसहैत में युवक वजीरगंज में महिला ने जान दी

संवाददाता, बिसौली/वजीरगंज

● युवक पहले भी कर चुका था जान देने की कोशिश

● महिला के मायका पक्ष ने पुलिस को सूचना देकर कराया पोस्टमार्टम

अमृत विचार : थाना उसहैत और वजीरगंज क्षेत्र के गांवों में महिला और युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक पहले भी एक बार आत्महत्या की कोशिश कर चुका था। पुलिस ने दोनों शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप है।

उसहैत थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा जलालपुर निवासी ओमपाल अपनी पत्नी के साथ दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है। उनका छोटा बेटा नीरज (21) अपने भाई और भाभी के साथ गांव में रहता था। सोमवार रात नीरज खेत पर जाने की बात कहकर घर से निकला। देर रात तक न आने पर परिजनों को चिंता हुई लेकिन लगा कि हो सकता है कि फसल की रखवाली की वजह से नीरज खेत पर रुका होगा। मंगलवार सुबह ग्रामीण खेत पर जा रहे थे। गांव के पास एक खेत में बबूल के पेड़ से नीरज का शव फंदे पर लटका था। ग्रामीणों की सूचना पर भाई और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। भाई ने बताया कि नीरज का परिवार में किसी भी प्रकार का विवाद नहीं था। उसने फंदा क्यों लगाया यह जानकारी नहीं है। नीरज एक महीने पहले भी फंदा लगाकर जान देने की कोशिश की थी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं, फैजगंज बेहटा कस्बा निवासी छोटे खां की बेटी रुखसार (31) का निकाह दस साल पहले थाना वजीरगंज क्षेत्र के गांव उदयपुर निवासी दिल्ली में फल का ठेला लगाने वाले फिदा रसूल से हुआ था। परिजनों के अनुसार सोमवार रात खाना खाने के बाद रुखसार सोने के लिए कमरे में चली गई। मंगलवार को परिजन उठे। देखा कि रुखसार का शव कमरे में फंदे पर लटका है। सूचना मिलने पर मायका पक्ष मौके पर पहुंचा। मायका पक्ष ने शव का पोस्टमार्टम कराने की सूचना पुलिस को दी।

पत्नी ने दोस्त के साथ मिलकर की पति की गला दबाकर हत्या

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● आरोपी पत्नी और उसका दोस्त गिरफ्तार, सहयोगी की तलाश

अमृत विचार : वजीरगंज क्षेत्र के गांव निजामपुर निवासी सतीश यादव 5 जुलाई को घर से निकले थे। 10 जुलाई को उनका शव गांव के पास तालाब में मिला था। शव ईंटें और लकड़ी से बंधा था। उसकी गला दबाकर हत्या करके शव तालाब में फेंका गया था। पुलिस के अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की और आरोपियों की तलाश कर रही थी। एसएसपी ने एसओजी को भी लगाया। टीम ने परिजनों से बात की। शुरुआत से ही सतीश की पत्नी पर शक था। पुलिस ने उसकी कॉल डिटेल चेक की। जिसके आधार पर पुलिस ने उसके गांव निवासी राजेंद्र को पकड़ा और पूछताछ की। जिसने बताया कि उसके और सतीश की पत्नी के बीच दोस्ती थी। सतीश शराबी था। पति को रास्ते से हटाने के लिए राजेंद्र से उसकी पत्नी ने ही कहा था। राजेंद्र ने अपने साथी धर्मपाल के साथ मिलकर सतीश को शराब पिलाई और हत्या कर दी। सीओ सुनील कुमार ने बताया कि आरोपी पत्नी और राजेंद्र को गिरफ्तार किया गया है। धर्मपाल को भी जल्द पकड़ लिया जाएगा।

शिवम अध्यक्ष व आदित्य बने नगर मंत्री

संवाददाता, उसावां:

अमृत विचार: मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नगर इकाई का गठन किया गया। कार्यक्रम में विभाग संयोजक हरिमोहन सिंह मौजूद रहे। उनके द्वारा नए सदस्यों को नामित किया गया।

विभाग संयोजक हरिमोहन सिंह ने नवीन नगर इकाई गठित करते हुए कार्यकारिणी की घोषणा की। उनके द्वारा नगर अध्यक्ष के रूप में शिवम ठाकुर और नगर मंत्री आदित्य गुप्ता को मनोनीत किया। इनके अलावा मधुर नगर उपाध्यक्ष, यश गुप्ता नगर सह मंत्री, अभिषेक सिंह नगर सहमंत्री, शिवा जौहरी, आनंद गुप्ता नगर आंदोलन प्रमुख, नितिन गुप्ता नगर सह आंदोलन संयोजक, अंशुल मिश्रा नगर सोशल मीडिया संयोजक पीयूष गुप्ता नगर एस एफ डी संयोजक नियुक्त हुए। विभाग संयोजक ने नामित किए गए कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

विद्यार्थी परिषद के नवनिर्वाचित सदस्य। ● अमृत विचार

● विद्यार्थी परिषद की नगर इकाई उसावां का हुआ गठन

पौधारोपण कर ली संरक्षण की जिम्मेदारी

बिसौली, अमृत विचार : मंगलवार को आईरा टीम ने खुसरो डिग्री कॉलेज में खुसरो ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन फिरोज अली जाफरी के नेतृत्व में तथा छात्र छात्राओं के साथ 51 पौधों का रोपण किया। साथ ही रोपे गए पौधों के संरक्षण तथा देखभाल की शपथ ली। कहा कि पर्यावरण को संतुलन रखने के लिए धरती पर जीवन के लिए पेड़ जरूरी है। प्रधानमंत्री के आह्वान पर सभी को एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाना चाहिए, तथा इसका संरक्षण करना चाहिए। जिलाध्यक्ष आईरा एवं मनौना के वेदपाल सिंह ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का आवाहन किया। अब तक 500 पेड़ आईरा टीम के पदाधिकारी लगा चुके हैं।

एक अगस्त तक एक हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य है। ओपी सिंह इंटर कॉलेज के प्रबंधक ओमपाल सिंह दद्दा तथा प्रबंधक जिला पंचायत सदस्य मधुसूदन सिंह ने स्टाफ तथा छात्र छात्राओं के साथ स्कूल परिसर में पौधारोपण किया। इस मौके पर फिरोज अली जाफरी, ठा. वेदपाल सिंह, धीरेश सिंह, अनिल शर्मा, कु शीला, मोरपाल यादव सतीश शर्मा, निखिल सिंह, सुमित, अनमोल पाल मौजूद रहे।

बिना नीलामी बेच दिया पुराने सीएचसी भवन का सामान

चिकित्सा अधीक्षक ने की जांच, एक अलमारी को छोड़कर स्वास्थ्य विभाग का सामान होना नहीं हुआ पुष्ट

संवाददाता, बिसौली

अमृत विचार : बिना नीलामी के स्वास्थ्य विभाग का लगभग एक लाख रुपये का पुराना फर्नीचर कबाड़ी को बेचने का मामला सामने आया है। सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग के पुरानी भवन से लेकर कबाड़ी तक के दुकान के वीडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और पुलिस कबाड़ी की दुकान पर पहुंचे। दुकान से सामान उठवा लिया। एसडीएम ने तहसीलदार को जांच सौंपी है।

कस्बा बिसौली में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पुराने भवन में स्वास्थ्य विभाग का पुराना सामान रखा था। आरोप है कि दो दिन पहले सीएचसी के कर्मचारियों ने बिना नीलामी किए पुराने भवन की मेज, कुर्सी, लोहे के ट्री गार्ड, स्टील का सामान आदि कटवाकर पिंडारा रोड पर कबाड़ी को बेच दिया। कबाड़ी ने ग्रेंडर से सामान काटा और अपनी दुकान पर ले जाकर रख लिया। बताया जा रहा है कि कबाड़ी ने यह सामान एक लाख 17 हजार रुपये में खरीदा था। कबाड़ी ने पुराने भवन का सामान काटने के अलावा पास की एक दुकान का जाल भी काट लिया। मंगलवार को वीडियो वायरल हुई। कुछ पत्रकारों ने सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पंकज को वीडियो दिखाई। चिकित्सा अधीक्षक जांच करने के लिए कबाड़ी की दुकान पर पहुंचे गए। जहां सामान पड़ा था। एक टूटी हुई अलमारी पर सघन पल्स पोलिया टीकाकरण अभियान लिखा था। कबाड़ी की दुकान के गेट पर एक्सपायर हो चुके ओआरएस के पाउच पड़े थे लेकिन पत्रकारों द्वारा दिखाया गया सामान वहां नहीं मिला। चिकित्सा अधीक्षक ने पुलिस को सूचना देकर बुलाया। अभी इस बात की पूरी तरह से पुष्टि नहीं हुई है कि सामान पुराने भवन का ही था।

सूचना मिलने पर कबाड़ी की दुकान पर जांच करते चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पंकज। ● अमृत विचार

कबाड़ी की दुकान के गेट पर पड़े एक्सपायर ओआरएस के पाउच।

कबाड़ी के यहां से सामान ले जाते पुलिसकर्मी।

सामान बेचने की सूचना पर पिंडारा रोड स्थित कबाड़ी की दुकान पर गए थे। जहां कबाड़ मिला। एक टूटी हुई अलमारी पर पल्स पोलिया टीकाकरण का स्टीकर लगा मिला लेकिन सामान पुष्ट नहीं हुआ कि वह पुरानी सीएचसी का ही है। वीडियो में दिखाया गया सामान वहां नहीं था। कबाड़ी को बुलाकर भी पूछताछ की। उसने बताया कि अभी सामान नहीं खरीदा गया है। यह सामान पुराना है। सामान कहां से खरीदा गया इस बात की उसे जानकारी नहीं थी। अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई है। आगे जांच करके कार्रवाई की जाएगी।

– डॉ. पंकज, चिकित्सा अधीक्षक।

मामले की जानकारी मिली है। तहसीलदार विजय शुक्ला को जांच सौंपी है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

– कल्पना जायसवाल, एसडीएम

मलेरिया रोकथाम के लिए ग्रामीणों को किया जागरूक

महिला को संक्रामक रोगों की जानकारी देते मलेरिया निरीक्षक अमित कुमार।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : ब्लॉक समरेर के ग्राम झुकसा में मलेरिया निरीक्षक अमित कुमार तिवारी तनवीर सिंह सनी कुमार एवं जीशान अंसारी द्वारा भ्रमण किया गया, विगत दिनों में पाए गए धनात्मक मलेरिया केसों का फॉलोअप किया गया। मंगलवार को हेल्थ कैंप में पाए गए मलेरिया धनात्मक रोगियों के घर जाकर उसकी दवाई खाने के तरीके को समझाए गए, एवं जिन मरीजों ने अपनी दवा नहीं खाई उनको अपने सामने दवा खिलाई गई। ग्राम में मलेरिया निरीक्षकों द्वारा लारवा सोर्स रिडक्शन का कार्य किया गया।

दूरभाष पर ग्राम प्रधान एवं सचिव से बात कर ग्राम में साफ सफाई एवं एंटी लारवा दवा का छिड़काव साप्ताहिक अंतराल पर करने को कहा गया। ग्राम वासियों को मच्छर जनित बीमारियों से बचने हेतु जानकारी दी गई, मच्छरदानी लगाने हेतु प्रेरित किया गया, बुखार आने पर आशा के माध्यम से जांच कराने हेतु कहा गया। एवं झोलाछापों से इलाज न कराने को कहा गया।

कविता प्रतियोगिता में कक्षा पांच की छात्रा माहम को मिला प्रथम स्थान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : उझानी रोड स्थित मदर्स पब्लिक स्कूल में मंगलवार को कक्षा तीन से पांच की छात्राओं के मध्य इंटर हाउस कविता वाचन प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। छात्राओं ने अपनी कविता के लिए प्रकृति, पेड़, फूल, मां ,शिक्षक, परिवार आदि जैसे कई विषयों को बहुत उत्साह और जोश के साथ चुना। उन्होंने सुंदर भाव, विचार और लय के साथ कविताओं को सुनाया। उनके शब्दों और मासूम हाव-भाव के जादू ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस प्रतियोगिता में कक्षा पांचवीं की छात्रा माहम (ब्लू हाउस) ने प्रथम स्थान, कक्षा चार की छात्रा आरुषि उपाध्याय (ग्रीन हाउस) और आयशा (ब्लू हाउस) ने द्वितीय स्थान तथा कक्षा चार की छात्रा वैष्णवी राना (यलो हाउस) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या शीबा खान ने विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया और उन्हें इसी तरह आगे भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता को कराने का मुख्य उद्देश्य नन्हे-मुन्ने बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाना और उनके सार्वजनिक बोलने के कौशल को बेहतर करना था।

कविता प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। ● अमृत विचार

● मदर्स पब्लिक स्कूल में इंटर हाउस कविता वाचन प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

संयुक्त मोर्चा की बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर की चर्चा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: संयुक्त मोर्चा की बैठक मंगलवार को स्काउट भवन में संपन्न हुई। प्रेमानन्द शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक में शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक कर्मचारी द्वारा काली पट्टी बांध कर शिक्षण कार्य करने का आवाहन किया। साथ ही 29 जुलाई को लखनऊ स्थित महानिदेशक कार्यालय का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन को लेकर सहमति दी गई। इस मौके पर अरुण पाण्डेय, किरन सिंह, फरहत हुसैन, हरीश दिनकर, प्रतीक दुबे, अमित उपाध्याय, अनिल सागर, सुरेंद्र, सिंह, बीरबाला सिंह, ज़मीर अहमद, प्रशांत शाक्य, अमित शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

बैठक में मौजूद संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

पांच हेक्टेयर में लगाए आठ हजार पौधे

आजमपुर मार्ग पर पौधारोपण करते विधायक राजीव कुमार सिंह। ● अमृत विचार

संवाददाता, दातागंज

अमृत विचार : वन विभाग ने ब्लाक दातागंज के ग्राम कांसपुर पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भइया व विशिष्ट अतिथि दातागंज एसडीएम धर्मेंद्र कुमार सिंह रहे। मंगलवार को आजमपुर मार्ग पर वन विभाग ने 5 हेक्टेयर में 8 हजार पौधे रोपे। विधायक राजीव कुमार सिंह ने कहा कि मोदी की पहल है एक पेड़ मां के नाम आप लोग अवश्य लगाएं। बल्कि आप सभी लोग 5 पेड़ लगाएं, एक आदमी अपने जीवन काल में कई पेड़ खा जाता है। क्या हम लोग अपने जीवन में 5 पेड़ नहीं लगा सकते, उससे जरूरी काम पेड़ को बचाना भी है। ग्राम प्रधान भूरे सिंह यादव ने तुलसी के पौधे अतिथियों को भेंट किए। तथा वन रेंजर अनुभव शरण ने अतिथियों को बुके भेंट किए। कार्यक्रम में एसडीएम धर्मेंद्र कुमार सिंह, उप रेंजर सतीश चंद्र, वन दरोगा हुकुम सिंह, वन रक्षक धर्मेंद्र सिंह, विजय कुमार सिंह उर्फ पालू ,रिशु, बुधपाल, महेश चंद्र, सहित तमाम ग्रामीण उपस्थित रहे।

● दातागंज क्षेत्र के ग्राम कांसपुर में वन विभाग की ओर से चलाया गया जन जागरूकता कार्यक्रम

अमांपुर में आए दिन लगने वाला जाम बना मुसीबत

अमांपुर के कासगंज तिराहे पर आड़े तिरछे खड़े ऑटो। ● अमृत विचार

संवाददाता, अमांपुर

अमृत विचार: कस्बा के कासगंज रोड पर अतिक्रमण एवं जगह-जगह आड़े-तिरछे खड़े होने वाले ऑटो से जाम लगता है। सबसे अधिक समस्या अमांपुर के तिराहों-चौराहों पर होती है। जाम से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

कस्बा के तिराहे-चौराहों पर चालक बेखौफ होकर आड़े-तिरछे ऑटो लगाकर सवारियां भरते हैं जिससे जाम लग जाता है। चौराहों-तिराहों पर यह ऑटो चालक अपने वाहनों को रोककर जाम लगाते हैं। इनकी मनमानी को रोकने वाला कोई नहीं है। एटा-कासगंज रोड से अक्सर बालू-गिट्टी से भरे वाहनों का आवागमन रहता है।

विनियमित क्षेत्र से होगा शहर के प्रभूपार्क का सौंदर्यीकरण

कार्यालय संवाददाता, कासगंज:

अमृत विचार: शहर के एक मात्र पार्क प्रभूपार्क के सौंदर्यीकरण की वाट जौ रहे शहर के लोगों की मंशा अब पूरी होगी। विनियमित क्षेत्र से सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। विभाग कार्य योजना तैयार कर रहा है। पहले चरण में सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा के लिए होमगार्ड तैनात किए जायेंगे।

शहर में बच्चों के खेलने के लिए मात्र एक प्रभूपार्क है, लेकिन पार्क अपेक्षित विकास नहीं है। बरसात के दिनों में यहां जलभराव हो जाता है। प्रभूपार्क में ही रामलीला महोत्सव का भी आयोजन होता है। प्रतिदिन सुबह और शाम टहलने के लिए भी लोग प्रभूपार्क पहुंचते हैं। खेलकूद के उपकरण और रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।सुरक्षा की व्यवस्था न होने पर अराजकतत्वों का भी जमावड़ा रहता है। जिलाधिकारी मेधा रुपम ने पदभार ग्रहण करने के बाद प्रभूपार्क का निरीक्षण किया था, तभी पार्क के सौंदर्यीकरण कराए जाने का मन बनाया था। अब पार्क के सौंदर्यीकरण का जिम्मा विनियमित क्षेत्र को दिया गया है।जिलाधिकारी मेधा रुपम ने बताया कि प्रभूपार्क में सबसे पहले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएगें। सुरक्षा के लिए होमगार्डो की तैनाती की जाएगी।

शहर के प्रभूपार्क में रामलीला ग्राउंड। ● अमृत विचार

● डीएम के निर्देश पर तैयार की जा रही कार्य योजना

विहिप गौ रक्षा संगठन ने स्कूलों में चलाया पौधारोपण अभियान

पौधा लगाते विहिप गौरक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष। ● अमृत विचार

संवाददाता बदायूं

अमृत विचार: विश्व हिंदू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अनुज गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कस्बे के स्कूलों में पौधा रोपण किया गया। जिसमें पुलिस का भी सहयोग रहा।

संगठन द्वारा हरिपाल सिह कॉलेज, शिवाजी शिक्षा निकेतन पब्लिक स्कूल, गायत्री देवी इंटर कॉलेज, श्री काल सेन बाबा पब्लिक स्कूल में फलदार व औषधीय पौधों का रोपण किया। स्कूल संचालक प्रमोद यादव ने कहा संपूर्ण विश्व पर्यावरण की विभीषिका से ग्रस्त है प्रदूषण को रोकने के लिए हम सभी का दायित्व है। इस मौके पर बॉबी गुप्ता, सुनील कुमार, प्रमोद यादव, निशांत शर्मा, चमन सैनी, जीतू सैनी आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने डिग्री कॉलेज में रोपे पौधे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण सप्ताह के पांचवें दिन संयोजक डॉ. सरिता यादव के निर्देशन में जंतु विज्ञान के छात्र छात्राओं ने बॉटनी गार्डन में अकेशिया, गुलमोहर, आंवला, बेल कनकचम्पा आदि पौधे रोपे। जंतु विज्ञान प्रभारी डॉ. गौरव कुमार सिंह ने पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरण के लिए शपथ दिलाई, तथा उन्हें अपने घरों में अपनी मां के नाम पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. सतीश सिंह यादव, डॉ. राकेश कुमार जायसवाल, डॉ. दिलीप कुमार वर्मा, डॉ. संजय कुमार, डॉ. सचिन राघव, डॉ. प्रेमचंद चौधरी, डॉ. प्रियंका सिंह आदि ने रोपित पौधों को गोद लेकर पौधा मित्र बनना स्वीकार किया। इस अवसर पर संजीव शाक्य, वीर बहादुर, अर्पित कुमार, सृष्टि भारती, गौरव पाली आदि मौजूद रहे।

राजकीय महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण करतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

लेखपाल व कानूनगो पर वृद्धा की जमीन नाम कराने का आरोप

संवाददाता , दातागंज

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र में कार्यरत एक लेखपाल और कानूनगो ने एक बुजुर्ग महिला से धोखाधड़ी कर उसकी ढाई बीघा जमीन अपने नाम करा ली। महिला ने इसकी शिकायत डीएम से की। जिसका संज्ञान लेते हुए डीएम ने जांच के आदेश दिए हैं।

कुछ दिनों पूर्व बुजुर्ग महिला लज्जावती ने अपने बेटे राजेंद्र प्रसाद के साथ जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव को प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें उसने लेखपाल और कानूनगो पर धोखाधड़ी से ढाई बिस्वा जमीन बताकर ढाई बीघा का बैनामा करा लिया। जिसकी शिकायत महिला द्वारा एसडीएम से की गई थी। परंतु कोई सुनवाई नहीं हुई। महिला और उसके पुत्र ने डीएम को प्रार्थना पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की। जिसका संज्ञान लेते हुए डीएम ने एसडीएम को जांच के आदेश दिए हैं।

लज्जावती।

● बैनामा कराने के बाद महिला ने की शिकायत, डीएम ने दिए जांच के आदेश

बीए-बीएससी जीव विज्ञान की मेरिट जारी

बरेली कार्यालय

अमृत विचार : बरेली कॉलेज ने स्नातक प्रथम वर्ष में बीए और बीएससी जीव विज्ञान की चौथी मेरिट जारी कर दी है। मेरिट में शामिल छात्रों को बुधवार को ऑनलाइन शुल्क जमा कर प्रवेश लेना होगा। रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने प्रथम चरण में पंजीकृत छात्रों के प्रवेश 25 जुलाई तक कर सीट लॉक करने के निर्देश महाविद्यालयों को दिए हैं। इसके बाद द्वितीय चरण के प्रवेश होंगे।

कॉलेज की मुख्य प्रवेश नियंत्रक प्रो. वंदना शर्मा ने बताया कि बीए प्रथम वर्ष की चौथी मेरिट की कटऑफ सामान्य महिला 59.100-58.395, ओबीसी ओपन-60.577-59.395, महिला-59.315-58.849, एससी ओपन-49.898-44.284, महिला-44.172-41.309 रही है। वहीं बीएससी जीव विज्ञान की चौथी कटऑफ सामान्य महिला-70.648-70.188, ओबीसी ओपन-73.211-71.575, महिला-71.457-71.053, एससी ओपन-64.599-61.350, महिला-61.053-60.324 रही है।

अवंतीबाई महिला महाविद्यालय ने बीएससी जीव विज्ञान की दूसरी मेरिट की जारी

बरेली, अमृत विचार : रानी अवंतीबाई महिला महाविद्यालय ने बीएससी जीव विज्ञान प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट जारी की है। मेरिट में शामिल छात्राओं को 24 से 26 जुलाई तक सुबह 10 :30 से दोपहर 2 :30 बजे तक प्रवेश ले सकेंगी। छात्राओं को साक्षात्कार में शामिल होने के लिए शैक्षिक और अन्य दस्तावेज की मूल और छायाप्रति लानी होगी। प्राचार्य के मुताबिक बीएससी जीव विज्ञान की अनारक्षित वर्ग की कटऑफ 68 .2 प्रतिशित, अन्य पिछड़ा वर्ग की 61 .4 प्रतिशत और अनुसूचित जाति और जनजाति की 44 .2 प्रतिशत रही है।

बजट: स्थानीय उम्मीदों को लेकर निराश दिखाई दिए लोग

टीवी पर लोगों ने देखा बजट का सीधा प्रसारण, बाढ़ से बचाव के लिए नहीं किए गए प्रावधान

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

अमृत विचार : केंद्र सरकार के बजट को लेकर लोग तमाम उम्मीदें लगाए रहे। बाढ़, हाईवे, रेल कनेक्टिविटी जैसे स्थानीय मुद्दों को लेकर लोग उम्मीद लगाए थे। कोई बाढ़ से बचाव के लिए बजट में प्रावधान की उम्मीद कर रहा था तो कोई व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बड़े शहरों से कासगंज से जोड़ती हुई सड़कों की उम्मीद लगाकर बैठा रहा। हालांकि ऐसी कोई घोषणा फिलहाल नहीं की गई।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को अपना सातवां और एनडीए की तीसरी सरकार का पहला बजट पेश किया। बजट को लेकर कर्मचारी, व्यापारी सभी उत्साहित थे।

व्यापारियों ने दुकानों में टीवी पर बजट देखा। सरकारी कार्यालयों में भी अधिकारी और कर्मचारियों ने बजट देखा। बजट से उम्मीद लगाए बैठे तमाम लोगों की उम्मीदें पूरी हुईं, तो तमाम लोगों की उम्मीदों पर पानी फिर गया। लोग बजट को लेकर प्रतिक्रियाएं भी व्यक्त करते रहे।

टीवी पर बजट का सीधा प्रसारण देखते व्यापारी। ● अमृत विचार

उम्मीदों की पटरी पर रफ्तार नहीं भर पाई एटा-कासगंज रेल

कासगंज। कासगंज से एटा को रेल लाइन से जोड़ने की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया। कासगंज-एटा रेल लाइन को पूर्व सांसद राजवीर सिंह ने मंजूरी दिलाई थी। पिछले साल के बजट में धनराशि का प्रस्ताव भी पास हुआ, यहां कार्य शुरू नहीं हुआ। 287 करोड़ रुपये की लागत से पूरी होने वाली इस रेल परियोजना का सर्वे भी नहीं हो पाया। लोगों को उम्मीद थी कि इस बार के बजट में प्रावधान किया जाएगा लेकिन कोई घोषणा नहीं की गई। हालांकि लोगों का मानना है कि यह केंद्रीय बजट है हो सकता है बाद में कोई प्रावधान सामने आए। आम बजट में तो कोई संकेत नहीं मिला, लेकिन अब पिंक बुक का बेसब्री से इंतजार रहेगा। क्योंकि बजट के बाद रेलवे को जोन के हिसाब से पिंक बुक मिलती है, उसमें किस क्षेत्र को क्या मिला पूरा जिक्र रहता है।

सोशल मीडिया पर बजट को लेकर होती रही बहस

बजट को लेकर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया जहां सार्वजानिक रूप से व्यक्त की। वहीं सोशल मीडिया पर भी बजट को लेकर बहस छिड़ी रही। कुछ लोग बजट को लेकर सकारात्मक और कुछ लोग नकारात्मक बातें कर रहे थे।

अच्छा रहा बजट लेकिन कुछ और होता

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य सत्यप्रकाश मिश्रा ने कहा कि बजट अच्छा रहा है। सामूहिक बजट है इसलिए अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है कि कासगंज को क्या मिला है। बाद में पता लगेगा। हां पहले ही स्पष्ट हो जाता तो लोगों का संशय दूर हो जाता।

कर्मचारियों के हित में नहीं बजट

रेल कर्मचारी प्रेम सिंह मीना ने कहा कि कर्मचारियों का हित बजट में नहीं दिखा। तमाम उम्मीदें लगाए बैठे थे, लेकिन निराशा हाथ लगी। पेंशन बहाली की घोषणा नहीं हुई और न ही आठवें वेतन आयोग के गठन का रास्ता साफ हुआ। मांगों को लेकर आंदोलन तेज किया जाएगा।

सत्ता पक्ष ने सराहा तो विपक्ष ने नकारा बजट

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

अमृत विचार: केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट परर सत्ता दल सहित विपक्षी दलों के नेताओं ने भी अपनी अपनी प्रतिक्रिया दी है। सत्ता दल के नेताओं ने बजट को किसानों, युवाओं, आम जनता के लिए कल्याणकारी बताया वहीं विपक्षी दलों के नेताओं ने बजट को निराशाजनक बताया है।

यह बजट विकासपरक है। इस बजट में उत्तर प्रदेश के लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। जनता के कल्याण के लिए पेश किए बजट को लेकर वित्तमंत्री सीतारमण बधाई की पात्र हैं।

– **रजनीकांत माहेश्वरी,** एमएलसी

बजट से देश की जनता को जो उम्मीदें थीं वह धूमिल हुई हैं। बजट में शिक्षा रोजगार, महंगाई पर नियंत्रण के लिए कोई उपाय नहीं हैं। यह बजट पूरी तरह से गरीब जनता के विरोध में है। – **देवेश शाक्य,** सांसद एटा, कासगंज

समाज के हर तबके लिए बजट में प्रावधान दिया गया हैं। कैंसर की दवाएं, एक्सरे मशीन बजट के बाद सस्ती होंगी। टैक्स स्लैब में भी नई रियायतें दी गई हैं। बजट स्वागत योग्य है। – **केपी सिंह सोलंकी,** जिलाध्यक्ष भाजपा

यह बजट उद्योगपतियों को समर्पित है। इस बजट से देश की गरीब जनता का कल्याण होने वाला नहीं है। वित्तमंत्री ने यह बजट देश के उद्योगपतियों और पूंजीपतियों को खुश करने के लिए दिया है। –**विक्रम यादव,** जिलाध्यक्ष सपा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया बजट पूरी तरह से निराशाजनक है। महंगाई को लेकर बजट में कोई कदम नहीं उठाया गया है। यह बजट पूरी तरह से कुर्सी बचाने के लिए है।

– **अदनान मियां,** जिलाध्यक्ष कांग्रेस।

केंद्रीय बजट कुछ मुटठी भर अमीर व धन्नासेठों के लिए है। देश के गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, महिलाओं, मेहनतकशों, वंचितों व उपेक्षितों के लिए बजट में कुछ नहीं है।

–**डीपी राना** बसपा जिलाध्यक्ष।

करदाताओं के लिए राहत भरा है बजट, बोले सीए

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

अमृत विचार: वित्तमंत्री द्वारा मंगलवार को पेश किए गए बजट में प्रमुख चार्टर्ड एकाउंटेंट एवं टैक्स अधिवक्ताओं ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है। अधिवक्ता और चार्टर्ड एकाउंटेंट का मानना है कि सामान्य रहा है बजट। करदाताओं के लिए कुछ राहत दी गई है, जबकि साझेदारी फर्मों के लिए टीडीएस काटे जाने का प्रावधान किया गया है। अब तक यह प्रावधान नहीं था। साझेदारी पार्टनर का ब्याज और वेतन पर टीडीएस नहीं काटा जाता था, लेकिन अब यह कटेगा।

बजट में छोटे करदाताओं के लिए अच्छे प्रॉवीजन है। सोने चांदी पर ड्यूटी कम किए जाने पर खरीदारों को राहत मिलेगी। कैंसर की दवाइयां और एक्सरे मशीन पर डयूटी कम हुई है, इससे मरीजों पर खर्च का बोझ घटेगा।

– **संजीव अग्रवाल,** चार्टर्ड एकाउंटेंट

बजट में करदाताओं को राहत मिली है। आयकर स्लैब में बदलाव किया गया है। दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ की दर 12 फीसदी इंडेक्शन की सुविधा खत्म कर दी गई है। वेतन भोगियों के लिए 17 हजार 500 तक की छूट है।

– **प्रदीप अग्रवाल,** चार्टर्ड एकाउंटेंट

न्यू टैक्स रिजीम के तहत टैक्स में बदलाव किया गया है। इनकम टैक्स स्लैब में भी बडा बदलाव किया गया है। स्टैंडर्ड डिडेक्शन 50 हजार से बढा कर 75 हजार हो गया है।

– **नवीन अग्रवाल,** टैक्स एडवोकेट

किसानों और रोजगार के लिए यह बजट एक अच्छा प्रयास है। स्लैब रेट व स्टैंर्ड डिडेक्शन में बदलाव से वेतन भोगी और मध्यश्रेणी की क्रय शक्ति में वृद्धि होगी। बजट में आम जनता के लिए अच्छे प्रावधान दिए गए हैं।

– **अचिंत गर्ग,** चार्टर्ड एकाउंटेंट

वित्तमंत्री सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट में आय कर अधिनियम की व्यापक समीक्षा की गई है। फैमिली पेंशन पर टैक्स कटौती को 15 हजार रुपए से बढाकर 25 हजार रुपए करने का प्रस्ताव किया है।

– **राकेश बिडला,** टैक्स एडवोकेट

बजट में एटीसी का दायरा बढाकर 75 हजार रुपये किया गया है। पार्टनर शिप में पहले पार्टनर को दी जाने वाली ब्याज व वेतन पर टीडीएस के प्रावधान नहीं थे, लेकिन अब टीडीएस काटना पड़ेगा। – **साकेत बिंदल,** एडवोकेट।

कुछ भाया तो कुछ नहीं भी भाया बजट

कासगंज, अमृत विचार: वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को संसद में पेश किए गए बजट पर कर्मचारियों और व्यापारियों, छात्रों, बुद्धजीवियों ने अपनी अपनी प्रतिक्रियाएं दी है। कर्मचारियों ने बजट को निराशा जनक बताया, तो छोटे कर दाताओं ने बजट को हित में बताया है। आम लोगों ने भी बजट पर मिली जुली प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

आम आदमी और कर्मचारियों को बजट से निराशा हुई है। महिलाओं और सरकारी कर्मचारियों के लिए बजट में कुछ नहीं किया गया है। वरिष्ठ नगारिक, युवा और किसानों के लिए बजट निराशाजनक है।

– **स्नेहलता यादव**

बजट से केन्द्रीय कर्मचारियों, वृद्धों, किसान, आम आदमी और युवाओं को घोर निराशा हुई है। कोरोना काल के दौरान रोके गए डीए के भुगतान की भी घोषणा नहीं की गई है। – **विवेक मिश्रा,** रेलवे कर्मचारी

सरकार का यह बजट पूरी तरह कर्मचारी और युवाओं का विरोधी है। पुरानी पेंशन बहाली के लिए सरकार से उम्मीद थी, कर्मचारियों की यह उम्मीद पूरी नहीं हुई है। बजट निराशाजनक है।

– **अमित कुमार राय,** केंद्रीय कर्मचारी

वित्तमंत्री ने बजट में सब्सिडी खर्च को 7 .8 फीसदी कम करने की घोषणा की है। इस घोषणा से देश के विकास में सहयोग मिलेगा। 194 डीए के तहत टीडीएस में 2 फीसदी कटौती का प्रावधान किया गया है।

– **सतीश गुप्ता,** अध्यक्ष व्यापार मंडल

सरकार के इस बजट से सोने चांदी की वस्तुओ की कीमतों में गिरावट आयेगी। कैंसर की दवाएं भी सस्ती होंगी जिससे आम लोगों को राहत मिलेंगी। सरकार का यह बजट सामान्य कहा जा सकता है।

– **अखिलेश अग्रवाल,** सर्राफा कारोबारी

सरकार के इस बजट में सोना खरीदने वालों को बडी राहत दी है। बजट में बेसिक कस्टम ड्यूटी 10 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी कर दी है। वहीं एग्रीशेष को पांच फीसद से घटाकर 1 फीसद किया गया है।

–**दीपक गुप्ता,** सर्राफा कारोबारी

बजट में म्यूचल फंड और यूटीआई पर 2 फीसद टैक्स वापस लिया गया है। यह उपभोक्ताओं के हित में है। मोबाइल फोन भी सस्ते होंगे। सरकार को बजट में महंगाई नियंत्रण करना चाहिए था, जो नहीं हुआ है।

–**धर्मेश शर्मा,** एडवोकेट

न्यू टैक्स रिजीम लेने वाले टैक्स पेयर के लिए यह बजट लाभकारी है। स्टैंडर्ड डिटेक्शन को 50 हजार रुपए से बढाकर 75 हजार रुपए कर दिया गया है। फैमली पेंशन के मामले में डिटेक्शन में बढोत्तरी की गई है।

–**सतवीर सिंह मनकू**

बजट आम जनता के दुख दर्द को समझने वाला नहीं है। शिक्षा और रोजगार के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं हुए हैं। कहा जाए बजट में खानापूर्ति की गई है, तो अतिश्योक्ति नहीं होगी।

–**सतेंद्र पाल सिंह** एडवोकेट

आयकर छूट महंगाई के इस दौर में दिखावा है। वरिष्ठ नागरिकों को रेल में रिहायत नहीं दी गई है। महंगाई रोकने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया है। आठवें वेतन आयोग का भी प्रावधान नहीं है।

– **शैलेंद्र सिंह,** रेलवे कर्मचारी

सरकार ने बजट में आम जनता के मुद्दों को नहीं छुआ है। टैक्स पेयर को राहत दी है। सोने-चांदी पर शुल्क कम किया है जिससे इनकी कीमतें गिरेंगी, लेकिन रोजमर्रा की वस्तुएं महंगी रहेंगी।

–**योगेश गौड़,** व्यापारी

यह नहीं कहा जा सकता है कि बजट बहुत अच्छा है। बजट सामान्य है। आम लोगों को राहत देने का प्रयास किया गया है। दवाएं भी कुछ सस्ती होंगी, लेकिन रोजमर्रा की वस्तुएं सस्ती होनी चाहिए।

–**दरवेश कुमार,** व्यापारी

गोल्ड निवेशकों के लिए बजट अच्छा है। लांग टर्न की समय सीमा तीन साल से घटाकर दो साल कर दी गई है। कैपीटल गेन टैक्स में भी कटौती हुई है। यह 20 फीसदी से घटाकर 12 .5 फीसदी किया गया है।

–**राकेश पराशर,** व्यापारी।

प्राकृतिक और औषधि खेती को मिलेगा बढ़ावा

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

अमृत विचार : जिले में प्राकृतिक और औषधि खेती को बढ़ावा मिल सकेगा। वैसे तो पहले से ही स्थानीय स्तर पर कार्ययोजना तैयार हो गई थी, लेकिन अब बजट में इस तरह का विशेष प्रावधान होने पर इस खेती के लिए तैयारियों में जुटे किसानों की उम्मीदों को पंख लग गए हैं। सरकार तराई किनारे प्राकृतिक खेती पर विशेष बल देने जा रही है।

प्राकृतिक खेती से लोगों की सेहत के साथ-साथ खेतों की मिट्टी की सेहत भी सुधरेगी। प्रदूषण और रासायनिक खादों से फसलों का बचाव हो सकेगा। प्राकृतिक खेती के लिए गंगा के तराई क्षेत्र की भूमि को चयनित किया गया है। ताकि, गंगा के किनारे प्रदूषण को कम किया जा सके। खेतों में रसायनिक खादों और कीटनाशकों का प्रयोग कम होगा तो गंगा की तराई और गंगा को भी प्रदूषित होने से बचाया जा सकेगा। किसानों को फसल चक्र के अनुसार अर्थात रबी, जायद और खरीफ तीनों फसलों के लिए प्रशिक्षण दिए जाने की योजना है। कृषि विभाग के कर्मी किसानों को गांव गांव जाकर प्रशिक्षित कर रहे हैं, लेकिन इस बीच अब आम बजट में प्राकृतिक एवं औषधि खेती को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है तो उम्मीदों को और भी पंख लगते नजर आ रहे हैं।

औषधि खेती दिखाता किसान।

- **प्राकृतिक खेती कर रहे किसानों की उम्मीदों को लग सकेंगे पंख**
- **सरकार ने बजट में प्राकृतिक खेती के लिए किया है विशेष प्रावधान**

प्राकृतिक खेती के लिए पहले से ही योजना बनी हुई है। हम किसानों को चयनित कर रहे हैं, अब सरकार ने बजट में प्रावधान किया है तो और अधिक प्रयास किए जाएंगे। – **डा. अवधेश मिश्रा,** जिला कृषि अधिकारी

बजट के प्रावधानों से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा। इससे लागत कम आएगी और पैदावार अधिक होगी। किसानों की आय बढ़ेगी। किसानों के लिए उम्मीदों के नए द्वार खुले हैं।

– **हरिभान सिंह,** किसान मेमडी

दाम भी मिलेगा बेहतर

प्राकृतिक खेती में रासायनिक खाद एवं कीटनाशक आदि का प्रयोग नहीं किया जाएगा जिससे फसलें शुद्ध होंगी। इनके प्रयोग से सेहत में सुधार होगा और बीपी, कैंसर, मधुमेह जैसे बीमारियों का खतरा भी कम होगा। प्राकृतिक खेती से प्राप्त फसलों के दाम भी बाजार में अधिक मिलते हैं।

प्राकृतिक खेती के साथ औषधि खेती भी कर रहे हैं। सरकार और भी बढ़ावा दे रही है तो इसकी खेती का महत्व बढ़ेगा। हम ऐसी फसलें उगाएंगे कि लोग रोग मुक्त हो सकें।

– **श्यामाचरन,** किसान पटियाली

आंकड़े की नजर से

- 1700 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्राकृतिक खेती की तैयार हो रही योजना
- 1900 किसानों को अब तक किया गया चयनित, अभी और होगी तलाश
- 50-50 हेक्टेयर के बनाए जाएंगे 34 क्लस्टर

एक नजर

वारंटी पुलिस ने किया गिरफ्तार

कासगंज। सदर कोतवाली इंस्पेक्टर लोकेश भाटी ने बताया कि वारंटी अंशुल कश्यप निवासी रेलवे रोड़ आजाद नगर चित्रगुप्त कालोनी को गिरफ्तार किया है। यह न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था। उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

हत्या के मामले में फरार दो वांछित गिरफ्तार

कासगंज। सोरों इंस्पेक्टर भोजराज अवस्थी ने बताया कि वांछित आरोपी विपिन एवं हरदेव निवासी ग्राम नगला केवल जनपद फिरोजाबाद को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

कारगिल विजय दिवस की वर्षगांठ पर होंगे कार्यक्रम

कासगंज, अमृत विचार : भारतीय जनता युवा मोर्चा की बैठक में कारगिल विजय दिवस के 25 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की। क्षेत्रीय कार्य समिति सदस्य कुशल खतौलिया ने कहा कि कासगंज के कार्यकर्ता उन विधानसभा क्षेत्रों में कार्य करें जहां उपचुनाव होने हैं। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष कुलदीप प्रतिहार ने बताया कि 25 जुलाई को मशाल जुलूस के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। कम्युनिटी हॉल पर विजय दीप का आयोजन किया जाएगा जिसकी लो 25 घंटे तक जलती रहेगी। कारगिल युद्ध से संबंधित एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। मुकेश कुमार, अवदेश, प्रशांत, यश, सत्यम , अंशुल, मुकेश कुमार , हरविंद्र , गौरव ,नरेंद्र कुमार, शिव कुमार , सुनील मौजूद रहे।

कुशल खतौलिया का स्वागत करते भाजयुमो जिलाध्यक्ष कुलदीप प्रतिहार।

जिला पंचायत चुनाव में कार्यकर्ताओं को वरीयता

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

अमृत विचार : बहुजन समाज पार्टी की जिला स्तरीय बैठक कैंप कार्यालय अशोक नगर पर हुई। बैठक में सेक्टर कमेटियों के गठन एवं आगामी पंचायत चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ता मनोबल बढ़ाकर कार्य करें और अपने सेक्टर के बूथ को मजबूत करें जिससे पार्टी भी मजबूत होगी।

बसपा जिलाध्यक्ष डीपी सिंह राना ने कहा कि जिला पंचायत के चुनाव में पार्टी कार्यकर्ता को वरीयता दी जाएगी। सभी पदाधिकारी अपने घरों पर झंडा एवं नेम प्लेट लगाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि मनोबल बढाकर कार्य करना है। राजनीति में उतार चढ़ाव तो आते रहते हैं। आने वाला समय बहुजन समाज पार्टी का होगा। जिला प्रभारी डा. प्रेमपाल सिंह, राजकुमार जाटव, पूर्व जिलाध्यक्ष शैतान सिंह भारती, खालिद नदीम, अनिल बघेल, राजेंद्र सिंह गौतम, डा. अरविन्द कुमार, सुभाष गौतम, अनार सिंह बघेल, ललित कुमार गौतम, कौशल कुमार, शमशाद अहमद सोनू भारती, सचिन वाल्मीकि, अखिलेश जाटव, शनि गौतम, जीतू मौजूद रहे।

बहुजन समाज पार्टी की बैठक में जिलाध्यक्ष डीपी सिंह राना एवं कार्यकर्ता।

- **बहुजन समाज पार्टी की जिला स्तरीय बैठक में बोले जिलाध्यक्ष**

ई-रिक्शा में बैठे किसान की जेब से उड़ाए 50 हजार

किसान से जानकारी करती पुलिस। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

- **गल्ला मंडी में मक्का बेचकर घर जा रहा था किसान**

अमृत विचार: गल्ला मंडी में मक्का बेचकर ई-रिक्शा से जा रहे किसान की जेब काटकर जेबकतरों ने 50 हजार रुपए निकाल लिए। किसान ने पुलिस को तहरीर दी है। हाथरस जिले के थाना सिकंद्राऊ क्षेत्र के गांव चाननपुरा निवासी धीरेंद्र पुत्र विजेंद्र सिंह ने मंगलवार को गल्ला मंडी में 50 हजार रुपए की मक्का बेची। इसके बाद दोपहर 12:30 बजे ई-रिक्शा में बैठकर रोडवेज बस स्टैंड जा रहे थे। अमांपुर मार्ग पर बरेली फाटक के समीप धीरेंद्र ने जेब में हाथ डाला तो रुपये गायब थे। जेब कटी हुई थी। धीरेंद्र के होश फाख्ता हो गया। वह शोर करने लगे तो लोग जुट गए। मौके पर पुलिस पहुंच गई। धीरेंद्र और ई-रिक्शा चालक से जानकारी की। इसके बाद पुलिस धीरेंद्र को कोतवाली ले गई जहां उन्होंने तहरीर दी। इंस्पेक्टर लोकेश भाटी ने बताया कि पुलिस मामले की जानकारी कर रही है। जेब कतरों को तलाश किया जा रहा है।

चंद्रशेखर आजाद एवं बाल गंगाधर तिलक की जयंती मनाई

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

अमृत विचार : चंद्रशेखर आजाद एवं लोकमान्य बाल गंगा तिलक की जयंती पर सेवा भारती के कार्यालय पर विचार गोष्ठी हुई। क्रांतिकारियों के नाम से पौधों को रोपित किया। जिला न्यायालय में कांग्रेस विधि विभाग द्वारा क्रांतिकारियों को नमन किया गया।

सेवाभारती के विभाग उपाध्यक्ष एटा- कासगंज डा. पंकज वार्ष्णेय एवं मनोज गुप्ता ने दरियावगंज स्थित सांई अकादमी में एक वृक्ष क्रांतिकारी के नाम के अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद एवं बाल गंगाधर तिलक के नाम से पौधे रोपित किए। अशोक नगर स्थित सेवा भारती के कैंप कार्यालय पर शहीदों के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर उनको नमन किया गया। डॉ. पंकज वार्ष्णेय ने कहा कि आजादी की लड़ाई में बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद करोड़ों युवाओं के प्रेरणास्रोत रहे। डा. गिरिश, राहुल गुरहार, पप्पू शाक्य, मोनू श्रीवास्तव, प्रताप सिंह, नेम किशोर, धर्मेंद्र, राजेश कुमार, कृष्ण एडवोकेट, गौरव राजपूत, अंकित सिंह, अर्जुन, पुष्पेंद्र, सुरेंद्र यादव, आकाश, सुधीर, विकास राठौर, मुन्नालाल मौजूद रहे। वहीं जिला न्यायालय परिसर में जिला कांग्रेस कमेटी विधि विभाग ने चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। चेयरमैन सत्येंद्र पाल सिंह बैस ने कहा चंद्रशेखर आजाद ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंग्रेजी हुकूमत चंद्रशेखर के आजाद के नाम से कांपती थी। अयोध्या प्रसाद, अमित यादव, अभिषेक गुप्ता, लोकेश, अब्दुल, मोहम्मद चांद, पीयूष, शिव प्रताप सिंह, निर्मल वर्मा, सुनील, शिवम, पुष्पेंद्र यादव, जितेंद्र कुमार, नरेंद्र शर्मा, तालिब, जीशान, धारा सिंह, मोहम्मद यासीन, ओमप्रकाश, सत्यवीर, मुनाजिर रफी, अंजुम राहत, केशव मिश्रा, योगेंद्र, जतिन मौर्य, पंकज चतुर्वेदी मौजूद रहे।

जिला न्यायालय परिसर में चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर मल्यार्पण करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

पौधरोपण करते डा. पंकज वार्ष्णेय, मनोज गुप्ता।

- **चित्र पर पुष्प चढ़ाकर किया याद, क्रांतिकारियों के नाम से रोपित किए पौधे**

समन्वय बनाकर करें कार्य, शिकायत पर होगी कार्यवाही

कासगंज, अमृत विचार : सीडीओ ने ड्राई राशन वितरण के कार्य में लगे स्वयं सहायता समूह एवं आंगनबाड़ी कार्यकात्रियों के साथ बैठक की। कहा कि आपस समन्वय बनाकर ड्राई राशन वितरण का कार्य करें। लापरवाही हुई तो कार्यवाही की जाएगी।

सीडीओ सचिन ने कहा कि स्वयं सहायता समूह बाल विकास परियोजना से समय अनुपूरक पुष्टाहार का उठान करें एवं अधिकतम सात दिनों के अंदर आगंनबाड़ी कार्यकत्री को देना सुनिश्चित करें। आगंनबाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देशित किया कि अनुपूरक पुष्टाहार के प्राप्ति के दो दिवस में लाभार्थियों में वितरण करें। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी सुशीला यादव भी मौजूद रहीं।

अस्पताल संचालक ने महिला कर्मचारी की बनाई अश्लील वीडियो, माता-पिता डीएम-एसपी से मिले

गंजडुंडवारा : अमृत विचार : निजी अस्पताल संचालक ने सहकर्मियों के साथ मिलकर अस्पताल में ही काम करने वाली महिला की अश्लील वीडियो बना ली। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने लगा। पीड़िता के माता-पिता ने डीएम, एसपी से मिलकर आरोपियों पर कार्रवाई की गुहार लगाई। मंगलवार को एक दंपती जिलाधिकारी मेधा रूपम के पास पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी एक निजी अस्पताल में काम करती है। अस्पताल के संचालक ने सहकर्मियों के साथ मिलकर उनकी बेटी की अश्लील वीडियो बना ली है जिससे बेटी मानसिक रूप से परेशान है। जिलाधिकारी ने फोन पर एसपी अपर्णा रजत कौशिक से बात की और मुकदमा दर्ज करने को कहा। इसके बाद पीडिता के माता-पिता एसपी अपर्णा रजत कौशिक के पास पहुंचे। एसपी ने कार्रवाई के निर्देश पुलिस को दे दिए हैं। उन्होंने बताया कि कार्रवाई की जा रही है।

सार-संक्षेप

भाई को चटवाई कीचड़, रिपोर्ट दर्ज

आगरा, अमृत विचार : बाप बड़ा न भइया सबसे बड़ा रुपइया कहावत रुनकता कस्बे में तीन भाइयों में मकान को लेकर हुए विवाद में चरित्रार्थ हुई। पुलिस के पास शिकायत लेकर आए एक भाई ने आरोप लगाया है कि दो भाइयों ने उसे कीचड़ चटवाई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। रुनकता निवासी ओमवीर ने पुलिस को तहरीर दी कि उसके दो भाई रवि और धर्मवीर उसके मकान को हड़पना चाहते हैं। 14 जुलाई को डॉक्टर के पास दवा लेने जा रहा था। दोनों भाइयों ने उसे रास्ते में रोक लिया और जूते में लगी कीचड़ चटवाई। उसके साथ मारपीट की। उसने कहा कि सुनवाई नहीं हुई तो वह आत्मदाह कर लेगा। इस पर पुलिस ने दोनों भाईयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

बाबा ने डांटा तो फंदे पर लटक गया किशोर

फिरोजाबाद, अमृत विचार : गांव उमरी में बाबा की डांट से क्षुब्ध होकर नाती ने फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। नाती की मौत ने बाबा सदमे में आ गए है। मनोचिकित्सक डा. अनिल गौर का कहना है कि बच्चों को डांटना खतरे से खाली नहीं है। बच्चों में अब बर्दाश्त करने की क्षमता नहीं है।

यमुना में डूबे दो दोस्त, एक की मौत, दूसरे की तलाश

मथुरा। दिल्ली से वृंदावन आए दो युवक यमुना नदी में डूब गए। एक युवक का शव बरामद कर लिया है जबकि दूसरे की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया ग्रेटर नोएडा निवासी सचिन और रितिक वृंदावन आए थे। वे केसी घाट पर यमुना नदी में स्नान करने चले गए। इसी इसी दौरान वे डूबने लगे। गोताखोरों ने सचिन को बाहर निकाल लिया लेकिन रितिक की मौत हो गई।

बाढ़ का मुद्दा उठाने पर सांसद का जताया आभार

कासगंज, अमृत विचार : एटा-कासगंज के सांसद देवेश शाक्य ने लोक सभा में बाढ़ को लेकर आवाज उठाई। उन्होंने बाढ़ के कटान को रोके जाने के लिए प्रबंध किए जाने की मांग जलसंसाधन मंत्री से की। स्थानीय लोगों ने सांसद का आभार व्यक्त किया। अब्दुल समद, पवन शाक्य, रामनाथ शाक्य, अनिल यादव, कमर आलम, जसवीर, रोहित, राकेश यादव, हाजी बिकार, खलील अहमद, जुनेश यादव, संजीव राठौर, कयुम खान आदि मौजूद रहे।

विजय राना बने सीओ सिटी

कासगंज। एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने सीओ सिटी अजीत चौहान का स्थानांतरण हो जाने के बाद रिक्त हुए पद पर पटियाली के सीओ विजय कुमार राना को नियुक्त किया। जबकि दूसरे जिले से आए सीओ राजकुमार पांडे को पटियाली का सीओ बनाया है। सीओ सहावर शाहिदा नसरीन यथावत रहेंगी। एसपी ने बताया कि संबंधित को उनके क्षेत्राधिकार भी आवंटित कर दिए गए हैं।

नगर पालिका में चंद्रशेखर आजाद की मनाई जयंती

कासगंज। नगर पालिका सभागार में मंगलवार को चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई। पालिका अध्यक्ष मीना माहेश्वरी और पूर्व पालिका अध्यक्ष राजेंद्र बौहरे ने चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर माल्यार्पण किया। पालिका अध्यक्ष ने कहाकि चंद्र शेखर आजाद देश की धरोहर हैं। उनकी कुर्बानी को भुलाया नहीं जा सकता। कर्मचारियों ने भी चित्र पर पुष्प अर्पित किए। सभासद मनोज कुमार, अभिषेक गौरी, राजू, नदीम अहमद, ओवेश सहित पालिका अधिशासी अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

भाकियू स्वराज ने तहसीलदार को दिया ज्ञापन

कासगंज, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन स्वराज गुट के पदाधिकारियों ने गंजडुंडवारा क्षेत्र में बस स्टैंड, फ्लाई ओवर बनाए जाने सहित कई समस्याओं को लेकर तहसीलदार मुकेश कुमार को जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन दिया। चेतावनी दी है कि समय रहते मांगे पूरी नहीं हुई तो आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ओमकार सिंह, शिव उपाध्याय, डा.अमन सक्सेना, मुहम्मद शकील, अरमान मलिक, चांद बाबू, रमाकांत, विनय मिश्रा, जान मोहम्मद, अनमोल उपाध्याय, नन्ने कुरैशी, रमन ठाकुर, जसी अहमद, बबलू, संतोष कुमार, निर्दोष तिवारी, आकाश, पवन जैन आदि मौजूद रहे।

एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने आठ उपनिरीक्षकों को लाइन से थानों में दी तैनाती

कासगंज, अमृत विचार : एसपी ने पुलिस लाइन से आठ उपनिरीक्षकों को थानों और चौकियों पर तैनाती दी है। गंजडुंडवारा थाने से एक उपनिरीक्षक का सदर कोतवाली में स्थानांतरण किया है। एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने जिले की कानून व्यवस्था बनाने के उद्देश्य से पुलिस लाइन में तैनात उपनिरीक्षक महेंद्र पाल सिंह को थाना गंजडुंडवारा, उपनिरीक्षक नेत्रपाल सिंह को थाना सिढपुरा, उपनिरीक्षक धर्मदास को थाना सुन्नगढी, उपनिरीक्षक राकेश बाबू को थाना अमांपुर, उपनिरीक्षक अवनीश कुमार को थाना सिकंद्रपुर वैश्य, उपनिरीक्षक ओमवीर सिंह को चौकी प्रभारी नदरई गेट कासगंज, उपनिरीक्षक प्रताप सिंह को थाना सुन्नगढी पर तैनाती की है। वहीं गंजडुंडवारा के उपनिरीक्षक रामनाथ सिंह को सदर कोतवाली में स्थानांतरित किया है।

दस्त से दो घंटे के अंदर दो बच्चों ने तोड़ दिया दम

एटा, अमृत विचार : सकीट ब्लॉक क्षेत्र के गांव पुराव निवासी प्रधान नरेंद्र चौहान ने बताया कि उसके छोटे भाई गौरव तोमर के बड़े बेटे 4 वर्षीय आर्यन तोमर व छोटे पांच माह के खाटू तोमर को दस्त होने लगे। उनकी हालत बिगड़ गई। घर में दस्त की कोई दवा थी जो बच्चों को पिला दी। बच्चों को चिकित्सक के पास ले जाने की तैयारी कर रहे थे कि दोनों बच्चों की मौत हो गई। सीएमओ डॉ. उमेश त्रिपाठी ने बताया कि बच्चों की मौत की जानकारी मिली। स्वास्थ्य टीम के साथ डिप्टी सीएमओ को भेजा गया। बच्चों को क्या समस्या थी, कब से थी, गांव में अन्य किसी को कोई समस्या तो नहीं है आदि पहलुओं को दिखवाया जा रहा है।

जटा में गंग धार है, भुजंग कंठ हार है...

सोरोंजी, अमृत विचार : नवांकुरों की सभा की मासिक काव्य गोष्ठी में कवियों ने काव्य पाठ कर श्रोताओं को मुग्ध किया। कवियों का अभिनंदन किया गया। सर्वप्रथम नगर के युवा कवि गणेश यादव गौरव ने सरस्वती वंदना की। कवि अंकुर दौनेरिया ने पढ़ा कि तुझे मौसम सुहाना चाहिए था, तो फिर बरगद उगाना चाहिए था। कवि गणेश यादव गौरव ने जटा में गंग धार है भुजंग कंठ हार है पढ़कर श्रोताओं को भावों से भर दिया। कवि एवं गीतकार शिव आशीष दौनेरिया, मंच के संरक्षक डा. राजीव बरबारिया, शिव आशीष दौनेरिया, हरे कृष्ण उपाध्याय, संदीप महेरे, बिल्सी के जोहरी सरल, बरेली के कवि ठाकुर रामप्रकाश सिंह ने भी रचनाएं पढ़ीं। अश्वनी महेरे, धर्मेंद्र चतुर्वेदी, आर. के. सक्सेना, निशा यादव, सनी यादव, राघव बरबारिया, लव तिवारी, तुषार कुलश्रेष्ठ, कुलदीप पंडित, ललित मिश्रा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

खेत पर शिक्षक पिता की पुत्र ने गोली मारकर की हत्या

दो शादियां की थीं अध्यापक ने, कई दिनों से हो रहा था घर में विवाद

संवाददाता, अवागढ़

अमृत विचारः थाना क्षेत्र में शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या का आरोप उसके बेटे पर लगाया गया है। पुलिस ने जांच पड़ताल की।

थाना अवागढ़ क्षेत्र के गांव शहनौआ निवासी तुकमान सिंह (45) पुत्र श्रीचंद्र सकरौली थाना क्षेत्र के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय बलेसरा में प्रधान अध्यापक के पद पर तैनात थे। इनके हिस्से में टूंडला मार्ग पर 20 बीघा कीमती जमीन परिवार से मिली। मंगलवार को दोपहर 2 बजे तुकमान सिंह टूण्डला मार्ग स्थित नगला मोती के पास खेत की जुताई कराने गए थे। वहां बड़ा पुत्र सोनू उर्फ देवेश मौजूद था। खेतों की जुताई को लेकर दोनों के बीच कहा सुनी हो गई। आरोप है कि सोनू ने तमंचे से पिता पर कई राउंड गोलियां चलाईं, जिससे तुकमान सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। बचने को इधर-उधर भागे लेकिन खेत पर लगे ट्यूबवेल पर लड़खड़ा कर गिर गये और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। शिक्षक ने दो शादियां की थी, पहली पत्नी ऊषा से दो पुत्र और एक पुत्री है जो गांव में ही रहते हैं। वहीं दूसरी पत्नी राधा एक पुत्री के साथ एटा में रहती है।

मृतक तुकमान सिंह।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्याम नारायण सिंह, सीओ कृष्ण मुरारी दोहरे, थाना प्रभारी अंकुश राघव, फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचे और मौका मुआयना किया। थाना प्रभारी अंकुश राघव का कहना है कि संपत्ति के विवाद को लेकर पहली पत्नी के बड़े पुत्र ने पिता की गोलियां मारकर हत्या कर दी है आरोपी वारदात के बाद से फरार है। कहा कि। जल्दी हत्यारोपी को पकड़ लिया जाएगा।

भूमि अधिग्रहण की शिकायतों का किया जाए निस्तारण:एडीएम

कासगंज, अमृत विचार : मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम ने एनएच 530बी से संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए शिकायतों को शीघ्रता के साथ निस्तारण करने के कहा। एडीएम राकेश कुमार पटेल ने कहा कि किसानों कि किसी प्रकार की अगर कोई समस्या एवं शिकायत है तो संबंधित लेखपाल उच्च अधिकारियों के संज्ञान मे लाएं और शिकायतों का निस्तारण कराएं। शासन के निर्देश हैं कि जल्द से जल्द से जमीन का कार्य पूर्ण कराए। इसमे किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में एसडीएम सदर संजीव कुमार, तहसीलदार देवेंद्र मिश्रा सहित एनएच 530बी से संबंधित अधिकारी व लेखपाल मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद ने कलेक्ट्रेट में रौपे पौधे

कलेक्ट्रेट पर पौधा रोपित करते भारत विकास परिषद के पदाधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

अमृत विचारः भारत विकास परिषद के पर्यावरण संरक्षण प्रकल्प के अंतर्गत पौधा रोपण कार्यक्रम हुआ। परिषद के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में पौधों को लगाकर उनके पोषण का संकल्प लिया। सीडीओ सचिन कुमार ने भारत विकास परिषद पर्यावरण संरक्षण प्रकल्प की प्रशंसा की। संरक्षक संतोष अग्रवाल ने सदस्यों को पौधों के पोषण का संकल्प दिलाया। नीरज शर्मा, डा.बीडी राना, किशोर अग्रवाल, सुनील वाष्र्णेय, संजय गुप्ता, शरद माहेश्वरी, मुकेश शर्मा, दीपू केला के अलावा आदि पदाधिकारी मौजूद रहे। इसी क्रम में गोरहा स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप पर जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार एवं पंप के स्वामी योगेश चंद्र गौड़ ने पौधा रोपण किया।

स्कूल में सफाई न करने पर शिक्षक ने छात्र को पीटा

एटा, अमृत विचारः गांव निगोह हसनपुर निवासी ध्यान सिंह जाटव ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र दिया कि उसका नाती सूरज पूर्व माध्यमिक विद्यालय निगोह हसनपुर में कक्षा-7 में पढ़ता है। अध्यापक सुरेश चन्द्र राजपूत ने सूरज को स्कूल की सफाई करने को कहा। गर्मी की वजह से सूरज ने मना किया तो सूरज की गर्दन पकड़कर बेंच पर सिर मार दिया। फिर जमीन पर गिराकर गर्दन पर लात रख दी, लात घूंसों से मारा पीटा।

सूरज का भाई नीतेश उसी विद्यालय में कक्षा 6 में पढ़ता है। वह घर आया और जानकारी दी। उसकी मां मीना स्कूल पहुंची तो अध्यापक सुरेश चंद्र ने अभद्र व्यवहार कर स्कूल से बाहर धक्का देकर निकाल दिया और मारपीट की। सूरज का मेडिकल कराया गया है। पीड़ित ने एसएसपी से कार्रवाई की मांग की है।

पेट्रोल छिड़ककर मां और बेटा ने कोतवाली में किया जमकर हंगामा

कार्यालय संवाददाता, कासगंज

अमृत विचार : पटियाली कोतवाली परिसर में मां-बेटे ने पेट्रोल छिड़कर कर हाई बोल्टेज ड्रामा किया। जानलेवा हमले का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की। एफआईआर दर्ज होने के बाद मामला शांत हुआ।

सोमवार रात को गांव हथौड़ा वन निवासी गौतम सिंह अपनी मां के साथ कोतवाली पटियाली गया। उसने भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राजू व उनके साथी आकाश, रतन, बंटू, विकास, नन्हें, सूरज पर जानलेवा हमले का आरोप लगाया। कुछ देर बाद गौतम ने खुद पर और मां के ऊपर पेट्रोल छिड़क लिया और जान देने की धमकी देने लगा। इससे हड़कंप मच गया। पुलिस समझाती रही लेकिन दोनों आरोपियों पर कार्रवाई की जिद पर अडे रहे। मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष सहित सात लोगों पर रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू कर दी।

पहले से दोनों पक्षों के बीच है विवाद

आरोपी और पीड़ित एक ही गांव के हैं। दोनों के बीच पहले से ही विवाद है। बर्चस्व की लड़ाई को लेकर दोनों में काफी समय से विवाद चला आ रहा है। पुलिस की मानें तो सोमवार की दोपहर गौतम सिंह ने फोन पर शिकायत की थी कि राजू मिट्टी का खनन करा रहे हैं। पुलिस मौके पर गई और जांच की, लेकिन शिकायत झूठी मिली। पुलिस के अनुसार गौतम पर पहले से ही एक प्राथमिकी दर्ज है।

"दोनों के बीच आपसी विवाद है। पीड़ित अपनी मां के साथ कोतवाली पहुंचा। पेट्रोल डालकर आत्मदाह की धमकी पुलिस पर दबाव बनाने का तरीका था। सोची समझी साजिश नहीं थी तो ज्वलनशील पदार्थ कहां से आया। – **विजय राणा**, सीओ पटियाली

"राजू भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष है। पार्टी से इन आरोपों का कोई लेना-देना नहीं है। राजू और उनके साथियों को गौतम सिंह काफी समय से परेशान कर रहा है। पिछले दिनों राजू के परिवार पर गौतम ने हमला किया था। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद ही पुलिस कार्रवाई करे। **–कुलदीप प्रतिहार**, जिलाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा

- **भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष सहित सात पर रिपोर्ट दर्ज होने के बाद माने**

सीएमओ ने छापा मारकर पांच अस्पतालों को दिए नोटिस

एटा, अमृत विचारः जिले भर में अपंजीकृत अस्पतालों एवं क्लीनिकों के विरुद्ध सीएमओ डा. उमेश कुमार त्रिपाठी सख्ती के तहत डिप्टी सीएमओ डा. सर्वेश कुमार की टीम द्वारा मगंलवार को कासगंज रोड पर संचालित लाईफ लाइन अस्पताल, तरन अस्पताल एन्ड मैटरनिटी नर्सिंग होम को नोटिस तामील कराये गये। दोनो ही अस्पतालों में छापामार कार्यवाही के दौरान कई प्रसूताएं एवं मरीज भर्ती मिले। साक्ष्य संकलन के लिए टीम ने वीडियो बनाए। इसके बाद टीम द्वारा कस्बा मारहरा में हैदरी चौक पर शिफा डेन्टल क्लीनिक, पिदौरा अड्डे पर डा. पिन्टू सिंह क्लीनिक और न्यू मां दुर्गा क्लीनिक बंथल कुतकपुर पर भी कार्यवाही करते हुए नोटिस तामील करायी गयी हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. उमेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि सरकार ने झोलाछाप क्लीनिकों व अस्पतालों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

खेतों में जानवर चराने गए ग्रामीण का हाथ कटा शव मिला, पास में मृत सूअर पड़ा था

एटा, अमृत विचारःथाना मलावन क्षेत्र के गांव प्रतापपुर में एक व्यक्ति का हाथ कटा शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौका मुआयना किया। थाना मलावन क्षेत्र के गांव नवादा निवासी रामलाल (38) पुत्र मटरू अपने जानवरों (सूअर) को चराने के लिए दोपहर को निकला था लेकिन देर शाम तक घर नहीं पहुंचा तो परिजनों को चिंता हुई। वे खोजबीन करने लगे। ग्रामीणों ने खेतों में रामलाल का हाथ कटा और मिट्टी सना शव देखा। पास में ही मृत सूअर पड़ा था। उन लोगों ने परिजनों को बताया तो रोते-बिलखते परिजन मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगो की सूचना पर पुलिस की टीम के साथ सीओ सकीट, एसएचओ नित्यानंद पांडे ने मौका मुआयना किया। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। थाना प्रभारी ने बताया कि रामलाल की हत्या किसी जंगली जानवर ने की है, या फिर किसी व्यक्ति के द्वारा की गई है यह जांच के बाद ही पता चलेगा।

मजदूर की हत्या, निर्माणाधीन मकान में मिला शव

मथुरा। वृंदावन थाना क्षेत्र के हरिवंश नगर कॉलोनी में एक मजदूर की हत्या कर दी गई। उसका शव निर्माणा धीन मकान में मिला। हरिवंश नगर कॉलोनी में प्रताप बाजार के रहने वाले मनीष अग्रवाल के प्लॉट पर मकान बन रहा है। वहां एक मजदूर का शव मिला। मजदूर की पहचान 40 वर्षीय दुलीचंद के रूप में हुई। दुलीचंद ललितपुर के थाना नाराहट के गांव बागौनी का रहने वाला है। उसके साथी दो मजदूर गायब हो गए हैं। ठेकेदार ने उन पर ही हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया था।

शादी का झांसा देकर मुकरा महिला ने विषाक्त पदार्थ खाया

- **पुलिस ने आरोपी युवक पर दर्ज की रिपोर्ट**

कासगंज, अमृत विचारः एक महिला ने युवक पर उसे कछ दिन साथ रखने के बाद शादी से इनकार करने का आरोप लगाकर विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सिकंदरपुर वैश्य थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला थाने पहुंची। उसने पुलिस को बताया कि वह पंजाब के जालंधर की रहने वाली है। उसकी शादी सिकंदरपुर वैश्य क्षेत्र के एक गांव में हुई थी। शादी के डेढ़ माह बाद गांव का अरबाज उसे बहला फुसलाकर भगा ले गया और शादी का भरोसा दिया। फिर नोएडा में कुछ दिन साथ रखने के बाद घर से निकाल दिया। अब शादी से इंकार कर रहा है। महिला के विषाक्त पदार्थ खाने की जानकारी होने पर पुलिस में खलबली मच गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। इधर पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। सीओ विजय राना ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जो भी सच्चाई होगी उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

गंगा के जलस्तर में हो रहा है इजाफा

कार्यालय संवाददाता,कासगंज

अमृत विचार : कुछ दिन पहले ही जब गंगा नदी में पानी बढ़ा तो कटान तेज हो गया। फिर बैराजों पर पानी का दबाव कम होने के बाद हालात सामान्य हुए। अब एक बार फिर जिले में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि की संभावना है। इसका कारण बैराजों से पानी छोड़ा जाना बताया जा रहा है।

हालांकि, अधिकारियों का कहना है चिंता करने की जरूरत नहीं है। इधर पिछले 24 घंटे में गंगा नदी में 40 सेंटीमीटर तक पानी बढ़ गया है।हालांकि अभी तक बाढ़ के हालात नहीं हैं और न ही कहीं दोबारा कटान हुआ है। तब भी ग्रामीण चिंतित हैं। सिंचाई विभाग जलस्तर की निगरानी कर रहा है। सिंचाई विभाग अलीगढ़ के अधीक्षण अभियंता कछला गंगा नदी में पानी की मानिटरिंग कर रहे हैं। वह प्रतिदिन सिंचाई विभाग के अधिकारियों से डाटा ले रहे हैं। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता ने अधीक्षण अभियंता को जल स्तर की जानकारी दी है।

पटियाली के गांव बरोना में बांध पर कार्य करते मजदूर। ● अमृत विचार

- **पिछले 24 घंटे में गंगा नदी में 40 सेंटीमीटर तक बढ़ा पानी**

"बैराजों से पानी छोड़ा जाता है। तब गंगा में पानी बढ़ता है, लेकिन अभी लो फ्लड है और बाढ़ के कोई हालात नहीं बने हैं। खतरे की कोई बात नहीं है। बाढ़ और कटान से बचाव के सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। **–शमशेर सिंह**, अधिशासी अभियंता सिंचाई

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि. सेमीखेड़ा, बरेली

ई-निविदा सूचना

सत्र 2024-25 हेतु इस चीनी मिल में सामग्री-उपकरण आपूर्ति एवं विभन्न कार्यपूर्ति (एन.के. 1300/30° मशीन हेतु एक नयी बास्केट की आपूर्ति करना एवं उक्त मशीन की केसिंग व वैयरिंग हाउजिंग आदि की मरम्मत कर मशीन को फिट करना तथा ट्रायल देना।) हेतु इच्छुक अनुभवी निविदादाताओं से ई-निविदायें दिनांक 24.07.2024 से आमंत्रित की जायेंगी जिसकी विस्तृत जानकारी वेबसाइट www.etender.up.nic.in तथा upsugarfed.org से डाउनलोड की जा सकती है।

प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय ग्राम पंचायत कोठा मक्खन, वि.खं. भदपुरा, जिला बरेली

निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त अधिकृत फर्मों एवं विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कोठा मक्खन में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्य हेतु स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों से निविदा आमंत्रित की जाती है सामग्री विवरण निम्नवत् है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	अनु. लागत
1.	लेयाकत के घर से हामिद बक्स के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	163 मी.	5,63,714/-

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदायें दिनांक 24.07.2024 से दिनांक 27.07.2024 को अपरान्ह 02 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय में नियत तिथि व समय तक डाली जा सकती है। जो उसी दिन दिनांक 27.07.2024 को दोपहर 03 बजे निविदादाताओं व उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेंगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

ग्राम प्रधान-कुसुमा देवी सचिव-राजू सिंह

कार्यालय ग्राम पंचायत परोरा विकास खंड मीरगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में ग्राम पंचायत परोरा में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है - प्रथम श्रेणी ईंट, बजरी, बजरफुट, सरिया, सीमेंट, रेत, रोड़ी व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	राकेश के घर से होली चौराहा तक नाला निर्माण	1,28,300/-
2.	जसवीर सिंह के घर से होली चौराहा तक नाला निर्माण	3,68,700/-

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 24/07/2024 से दिनांक 25/07/2024 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन सांय 4:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

ग्राम प्रधान-निदा सचिव-प्रेमचंद्र

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर जनपद-पीलीभीत

पत्रांक : 765/न.पा.परि.बी./24-25 दिनांक : 03.7.2024

(अल्पकालीन निविदा सूचना)

इच्छुक निर्माता कंपनियों/फर्मो/सप्लायर्स को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत) में राज्य वित्त आयोग की वेतन विवरण एवं अन्य देयों के भुगतान के उपरान्त बचत की धनराशि/पालिका निधि से फागिंग मशीन अधिष्ठापित किये जाने वास्ते एक नग (थ्री व्हीलर टैम्पू) क्रय किये जाने हेतु सील्ड निविदा प्रकाशन से दिनांक 30.07.2024 तक आमंत्रित करती है जो दिनांक 30.07.2024 को सायं 04:00 बजे उपस्थित कुटेशन दाताओं के समक्ष खोली जायेंगी। समय उपरान्त प्राप्त निविदा एवं सशर्त निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदादाता स्पष्ट रूप से अपने-अपने फर्म/कम्पनी के लेटर पैड पर फोटो एवं दर सहित टाइप शुदा/हस्त लिखित दरें एवं वारन्टी अवधि का स्पष्ट उल्लेख करते हुए नगर पालिका परिषद बीसलपुर में रखे निविदा बॉक्स में डालना सुनिश्चित करेंगे। शेष जानकारी उक्त विभाग से कार्यशील दिवस में प्राप्त की जा सकती है। निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार नगर पालिका परिषद बीसलपुर में सन्निहित होगा। उपरोक्त वाहन की आपूर्ति की दरों की समस्त जिम्मेदारी निविदादाता/फर्म/निर्माता कम्पनी/सप्लायर्स की होगी। उपरोक्त वाहन का विवरण निम्नवत् है:-

क्र.सं	सामग्री का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. अतिरिक्त	धरोहर राशि आगणन 02 प्रतिशत	निविदा मूल्य मय जी.एस.टी.	कार्य करने की अवधि	अभ्युक्ति
1.	Supply and fabrication of three Wheeler Loader Vehicle at Nagar Palika Parishad Bisalpur Pilibhit	462000.00	9240.00	600	7 day	

नोट : उक्त कार्य से सम्बन्धित समस्त शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर में देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी, न.पा.परि. बीसलपुर — अध्यक्ष, न.पा.परि. बीसलपुर

सम्मन मुद्दालय
व अदालत अपर जिला न्यायाधीश कक्ष सं. 3 बरेली जिला बरेली
निगरानी सं. 179/24

श्रीमती चन्द्रवती आयु 73 वर्ष पत्नी स्व.श्री ओम प्रकाश निवासी 535 निकट मुनि मन्दिर मोहल्ला नेकपुर थाना सुभाषनगर जिला बरेली......मुद्दई बनाम

(1) उत्तर प्रदेश सरकार (2) श्रीमती कुमकुम पटेल पत्नी प्रेमपाल सिंह (वर्तमान पति) (3) प्रेमपाल सिंह पुत्र नामालूम (4) श्रीमती प्रभा पटेल पत्नी कालीचरन निवासीगण ग्राम चन्दऊ थाना सिविल लाइन्स जिला बदायूँ, उ.प्र. (5) रामनाथ पुत्र राम बाबू निवासी दुर्गा नगर 4 जी टावर के पास थाना बारादरी जिला बरेली

चुंकि मुसम्मी चन्द्रवती ने आपके नाम एक नालिश वास्ते पुनरीक्षण के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप बातरीख 1.8.24 को असालतन या मार्फत किसी वकील के जो हालात मुकददमा में बखूबी वाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैर हाजिरी में मुकददमा हाजा फैसला होगा।

आज बतारीख 22.7.24 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मुंसरिम
अपर जिला न्यायाधीश
कक्ष सं. 3, बरेली।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मै. अरीना सॉल्वैक्स एण्ड रिफाइनरी प्रा.लि. सिधौरा, रिछा, बरेली का डायरेक्टर हूँ, जिसके निम्नलिखित बैनामें गुम हो गये हैं :-

गाटा संख्या 55 क्षेत्रफल 1.3950 है. में से 1/6 भाग बैनामा सं. 5680, बही नं. 01, खण्ड 3811, पेज नं. 125-252 ग्राम सिंधौरा, परगना रिछा, बरेली विक्रेता विनय सक्सेना पुत्र वीरेन्द्र कुमार क्रेता खूबचन्द पुत्र बजरंग दास उपनिबंधक कार्यालय बहेड़ी में दिनांक 08.06.2015 को पंजीकृत है।

बैनामा नं. 7606, गाटा संख्या 55, क्षेत्रफल 1.3950 है. में से 1/6 भाग, ग्राम सिंधौरा परगना रिछा, तहसील बहेड़ी, जिला बरेली बैनामा सं. 7606 खण्ड 3862, पेज नं. 89 से 120, विक्रेता विनीत सक्सेना पुत्र वीरेन्द्र कुमार, क्रेता गजेन्द्र पाल पुत्र हजारी लाल दिनांक 11.08.2015 को उपनिबंधक कार्यालय बहेड़ी में दर्ज है।

बैनामा नं. 10086, गाटा संख्या 55 ग्राम सिंधौरा परगना रिछा, क्षेत्रफल 1.395 है. में से 1/6 भाग, बही नं. 01, जिल्द सं. 3924, पेज नं. 305 से 342 दिनांक 21.11.2015, विक्रेता विशाल सक्सेना पुत्र वीरेन्द्र कुमार, क्रेता कैलाश सिंह पुत्र फकीरी सिंह के नाम से 21.11.2015 को उपनिबंधक कार्यालय बहेड़ी में पंजीकृत है।

बैनामा नं. 9137, गाटा संख्या 55 क्षेत्रफल 1.3950 है. में से 1/6 भाग ग्राम सिंधौरा, परगना रिछा, तहसील बहेड़ी, जिला बरेली जिसका बैनामा नं. 9137, खण्ड 3899, पेज नं. 175 से 206, विक्रेता विशेष कुमार सक्सेना पुत्र वीरेन्द्र कुमार, क्रेता कैलाश सिंह पुत्र फकीरी सिंह दिनांक 15.10.2015 को उपनिबंधक कार्यालय में पंजीकृत है।

उपरोक्त सम्पत्ति का 1.3950 है. में से चारों बैनामों की डीड/चैन डीड दस्तावेज नं. 5680 व दस्तावेज नं. 10086 व दस्तावेज नं. 9137, व दस्तावेज सं. 7606 जिनकी मूल प्रतियां मैंने अपने बैनामें के दौरान पूर्व विक्रेतागणों से प्राप्त कर ली थी परन्तु वर्तमान में मुझ से गुम हो गईं। उपरोक्त लिंक डीड/चैन डीड में वर्णित सम्पत्ति पूर्णतया पाक व साफ हैं। कहीं भी बंधक नहीं की गई है न ही जमानत में प्रयोग की गई है। उपरोक्त बैनामों की प्रतियां दस्तावेज नं. 5680 व दस्तावेज नं. 7606 व दस्तावेज नं. 10086 व दस्तावेज नं. 9137 किसी को अगर प्राप्त होते हैं तो मुझे निम्न पते पर सूचित करने का कष्ट करें। किसी भी व्यक्ति द्वारा अगर उपरोक्त दस्तावेज का इस्तेमाल किया जाता है, तो वह अवैध माना जायेगा।

मै. अरीना सॉल्वैक्स एण्ड रिफाइनरी प्रा.लि. (डायरेक्टर)
अब्दुल हलीम सिद्दीकी
पुत्र श्री अब्दुल सलाम सिद्दीकी,
निवासी-मो. वाले मियां, वार्ड नं. 13,
कस्बा रिछा, तहसील बहेड़ी, जिला बरेली।
मो.नं. 9022180001

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मन्त्रालय)

कार्यालयः परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण प.कि.ई.-बरेली, 282/01, ग्रेटर ग्रीन पार्क, बिशप कॉनरोंड स्कूल के पास, बरेली - 243 006 (उ०प्र०)

कार्यालय हेतु भवन की आवश्यकता

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजना क्रियान्वयन इकाई बरेली के कार्यालय हेतु 2500 वर्ग फुट (कारपेट क्षेत्र) का (छः कमरे, 03 शौचालय तथा पांर्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सहित को प्राथमिकता) भवन मालिकों से किराये पर उपलब्ध कराने हेतु प्रस्ताव आमत्रिंत किये जाते हैं (बिसलपुर रोड पर स्थित कॉलोनी को प्राथमिकता)। इच्छुक प्रस्तावी भवन का नक्शा एवं लोकेशन प्रपत्र के साथ किराये हेतु कोटेशन पत्र अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 06.08.2024 सुबह 11:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि इस निविदा में कोई भी शुद्धि / परिवर्तन किया जाता है तो इसकी विस्तृत जानकारी हेतु **NHAI** की **website** (https://nhai.gov.in/#/tenders) से विवरण पुस्तिका **Download** कर प्राप्त की जा सकती है।

परियोजना निदेशक
बरेली

अमृत विचार
www.amritvichar.com

पितृपैतामहं राज्यं प्राप्तवान् स्वेन कर्मणा।
वायुरभ्रमिवासाद्य भ्रंशयत्यनये स्थित: ॥

अन्याय के मार्ग पर चलने वाला राजा विरासत में मिले राज्य को उसी प्रकार से नष्ट कर देता है जैसे तेज हवा बादलों को छिन्न-भिन्न कर देती है।

संपादकीय

समावेशी बजट

मंगलवार को मोदी सरकार 3.0 का पूर्ण बजट पेश हुआ। बजट में सरकार की ओर से सभी वर्गों को लुभाने की कोशिश की गई। बजट में युवा, किसान, उद्यमी, महिलाओं व नौकरी पेशा लोगों का ध्यान रखा गया है। साथ ही व्यापार तथा विनिर्माण क्षेत्र में एमएसएमई के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। बजट में शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई है। नौकरी पेशा लोगों को पहले की तरह ही 3 लाख तक कोई टैक्स नहीं देना होगा। 3 लाख से 7 लाख की आय पर 5 प्रतिशत टैक्स देने का प्रावधान रखा गया है। पहले यह छूट 3 लाख से 6 लाख की आय पर थी। न्यू टैक्स रिजीम के अन्य स्लैब में भी बदलाव किया गया है। इन दोनों बदलावों से टैक्सपेयर्स को 17,500 रुपए तक का फायदा होगा। इसके अलावा विनिर्माण क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) के लिए लोन गारंटी योजना का प्रावधान किया है,जिसमें 100 करोड़ रुपये तक के लोन के लिए गारंटी की जरूरत नहीं होगी। संकट से गुजर रहे एमएसएमई की कर्ज जरूरत सरकार समर्थित कोष से पूरी की जाएगी। साथ ही सरकार एमएसएमई खरीदारों के लिए टीआरईडीएस मंच पर अनिवार्य रूप से जुड़ने के लिए कारोबार की सीमा को 500 करोड़ रुपये से घटाकर 250 करोड़ रुपये करेगी। सरकार के इस प्रावधान से निश्चित ही एमएसएमई क्षेत्र के उद्योग को बढ़ाने करने में मदद मिलेगी।

बजट में स्टार्टअप्स इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए एंजल टैक्स हटाने का प्रावधान किया गया है। एंजल कर को हटाने से स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, क्योंकि इससे उनके लिए अधिक अनुकूल माहौल बनेगा। एंजेल टैक्स को देश में साल 2012 में लागू किया गया था। तब से इसको हटाने की मांग की जा रही थी। यह टैक्स उन अनलिस्टेड बिजनेस पर लागू होता था, जो एंजेल निवेशकों से फंडिंग हासिल करते थे। बजट में इसके अतिरिक्त महिलाओं और बालिकाओं को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के लिए तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है। ग्रामीण विकास को ध्यान रखते हुए बजट में ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचा के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं सरकार के हर व्यक्ति को छत देने के इरादे की झलक भी बजट में दिखी। बजट में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पीएम आवास योजना के तहत तीन करोड़ अतिरिक्त घर बनाए जाने का भी प्रावधान रखा गया है। इसके साथ ही बजट में छात्रों के लिए शिक्षा ऋण व रोजगार शुरू करने के लिए सरल ऋण प्रक्रिया अपनाए जाने पर भी जोर दिया गया है। यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना कि चाहिए बजट के द्वारा सरकार ने सभी वर्गों को कुछ न कुछ दिया है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए व्यापक वित्तीय रोडमैप

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय सलाहकार

बजट में शिक्षा में लिंग अंतर को पाटने और अधिक महिलाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उच्च शिक्षा और करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, विशेष रूप से एसटीईएम क्षेत्रों में महिला छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और अनुदान बढ़ाया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2024 का भारतीय बजट एक आधुनिक और आत्मनिर्भर भारत की शुरुआत के लिए बनाया गया एक व्यापक वित्तीय रोडमैप है। यह बजट आत्मनिर्भर रक्षा, आत्मनिर्भर कृषि, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) विकास, निर्यात वृद्धि, ग्रामीण उपभोग वृद्धि, युवा रोजगार क्षमता और महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर जोर देता है।

आत्मनिर्भर रक्षा क्षमताओं को बढ़ानाः रक्षा बजट आवंटन में वृद्धि 2024 के बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 5.94 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में महत्वपूर्ण वृद्धि है। यह आवंटन भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बजट रक्षा क्षेत्र के भीतर 'मेक इन इंडिया' पहल को मजबूत करता है, जिसका लक्ष्य आयात पर निर्भरता कम करना और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना है। स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए घरेलू रक्षा निर्माताओं को वित्तीय प्रोत्साहन, कर छूट और सब्सिडी प्रदान करना। बजट नवाचार और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने, रक्षा अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये आवंटित करता है। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) जैसे संगठनों के लिए धन में वृद्धि। रक्षा उत्पादों का निर्यात करने वाली कंपनियों के लिए कर छूट और सब्सिडी जैसे प्रोत्साहन प्रदान करना।

एमएसएमई विकासः बजट में एमएसएमई के लिए वित्त तक पहुंच में सुधार के लिए कई उपाय पेश किए गए हैं, ऋणदाताओं के लिए जोखिम को कम करने और एमएसएमई के लिए ऋण उपलब्धता बढ़ाने के लिए क्रेडिट गारंटी योजनाओं को बढ़ाना। सरकार ने इस उद्देश्य के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। एमएसएमई को उनकी पूंजी की लागत कम करने और उनके विकास और विस्तार का समर्थन करने के लिए सब्सिडी वाले ऋण प्रदान करना। एमएसएमई को नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार

> मनरेगा के लिए फंडिंग को बढ़ाकर 1 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जिसका लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करना और ग्रामीण गरीबों के लिए आय का एक स्थिर स्रोत सुनिश्चित करना है।

करने में मदद करने के लिए बजट में 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। डिजिटल परिवर्तनः ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों और डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाने सहित एमएसएमई के डिजिटल परिवर्तन का समर्थन करने के लिए कार्यक्रम। बजट में एमएसएमई की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए उपाय पेश किए गए हैं, जिनमें निर्यात-संबंधी लागत को कम करने और अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए एमएसएमई को सब्सिडी प्रदान करना।

निर्यात वृद्धि : बजट में व्यापार बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। बंदरगाहों की क्षमता और दक्षता बढ़ाने के लिए उनका आधुनिकीकरण करना, टर्नअराउंड समय को कम करना और व्यापार रसद में सुधार करना। माल की सुचारू आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और लॉजिस्टिक बाधाओं को कम करने के लिए सड़क, रेलवे और हवाई अड्डों सहित परिवहन नेटवर्क का विकास करना। निर्यात वस्तुओं के उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले आयातित इनपुट पर सीमा शुल्क वापस करने के लिए शुल्क वापसी योजनाओं को बढ़ाना। वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से बजट में 5,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। एमएसएमई और अन्य निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त करने में सहायता करना, उनकी विश्वसनीयता और विपणन क्षमता को बढ़ाना। ग्रामीण उपभोग विकास : बजट में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 2.83 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिनमें शामिल हैं किसानों के लिए उत्पादन लागत कम करने के लिए उर्वरकों पर सब्सिडी प्रदान करना। बजट में ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आरआईडीएफ को 40,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिनमें कनेक्टिविटी और बाजारों तक पहुंच में सुधार के लिए ग्रामीण सड़कों का निर्माण और उन्नयन है। कृषि के लिए विश्वसनीय जल आपूर्ति सुनिश्चित करने और फसल की पैदावार में सुधार करने के लिए सिंचाई परियोजनाओं को वित्त पोषित करना।

बजट में मनरेगा के लिए फंडिंग को बढ़ाकर 1 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जिसका लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करना और ग्रामीण गरीबों के लिए आय का एक स्थिर स्रोत सुनिश्चित करना है। युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए, बजट में कौशल भारत मिशन के विस्तार पर जोर दिया गया है, स्टार्टअप्स को विकास के शुरुआती चरणों में मदद करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सीड फंडिंग बढ़ाना। उद्यमशीलता विकास को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स को संसाधन, सलाह और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करने के लिए और अधिक इन्क्यूबेशन केंद्र स्थापित करना।

महिला सशक्तिकरणः बजट में महिला उद्यमियों को समर्थन देने के लिए कई उपाय पेश किए गए हैं। 10,000 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ मुद्रा योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से महिला उद्यमियों के लिए ऋण तक आसान पहुंच को शामिल किया गया। बजट में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए 30,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, माताओं और शिशुओं के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल सेवाओं तक पहुंच का विस्तार करना। बजट में शिक्षा में लिंग अंतर को पाटने और अधिक महिलाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उच्च शिक्षा और करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, विशेष रूप से एसटीईएम क्षेत्रों में महिला छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और अनुदान बढ़ाया गया है। बजट में महिलाओं की सुरक्षा में सुधार लाने के उद्देश्य से की गई पहलों के लिए 5,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। घरेलू हिंसा या दुर्व्यवहार का सामना करने वाली महिलाओं के लिए हेल्पलाइन और सहायता केंद्र स्थापित करना, उन्हें तत्काल सहायता और सहायता प्रदान करना।

कृषि क्षेत्रः कृषि सब्सिडी के लिए 2.83 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। किसानों पर लागत का बोझ कम करने और फसल उत्पादन के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक सब्सिडी का आवंटन बढ़ाकर 1.2 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। कीट-संबंधी मुद्दों के समाधान और फसल की पैदावार की सुरक्षा के लिए कीटनाशक सब्सिडी के लिए धन बढ़ाया गया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तंत्र किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए बजट में एमएसपी तंत्र को मजबूत करने के उपायों की रूपरेखा दी गई है। किसानों को बेहतर रिटर्न प्रदान करने और उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए गेहूं, चावल और दालों जैसी प्रमुख फसलों के लिए एमएसपी में 5-10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

बजट में एक गारंटी योजना शुरू करने का प्रस्ताव है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बाजार की कीमतें गारंटी स्तर से नीचे आने पर भी किसानों को एमएसपी मिले। फसल की किस्मों, कीट नियंत्रण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों में अनुसंधान का समर्थन करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) जैसे संस्थानों के लिए धन में वृद्धि। बदलते मौसम के मिजाज के अनुकूल होने और स्थिर कृषि उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए जलवायु-लचीला फसल किस्मों के अनुसंधान और विकास में निवेश करना। सिंचाई परियोजनाओं के लिए 50,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। फंडिंग को नई नहरों, जलाशयों और पाइप लाइनों के निर्माण सहित सिंचाई कवरेज का विस्तार करने के लिए निर्देशित किया जाएगा। बजट में ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 40,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। फसल कटाई के बाद के नुकसान को कम करने और किसानों के लिए बाजार पहुंच में सुधार करने के लिए कृषि बाजारों और भंडारण सुविधाओं का विकास। कहा जा सकता है कि बजट से सभी वर्गों को लाभ होगा।

प्रसंगवश

बजट से बैसाखियों की मजबूती

वर्ष का पूर्ण आम बजट आ गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दो नारे याद आ गए। पहलाः "सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास"। दूसराः"न खाएंगे न खाने देंगे"। ये नारे हमें अकारण नहीं याद आए हैं।

बजट देखकर प्रतिक्रिया स्वरूप ये स्मरण हो आए। बताते चलें कि वर्तमान में केन्द्र में पदस्थ मोदी सरकार का अपने दल का बहुमत नहीं है। वह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नाइडू की तेलगू देशम पार्टी की बैसाखियों पर टिकी है। बजट में इन राज्यों को दिल खोलकर वित्तीय पैकेज दिए गए। बिहार को 26 हजार करोड़ तो अकेले सड़क निर्माण हेतु ही दिए। कुछ और भी। कुल मिलाकर 58900 करोड़ की सौगात दी गई। नाइडू को विभिन्न मदों में पचास हजार करोड़ की मदद का ऐलान हुआ है। अब सवाल यह है कि कहीं तो मणिपुर जैसा राज्य है, जहां हिंसा और अभद्रता का तांडव चल रहा है और पीएम ने कोई सुधि नहीं ली। वहां झांकने तक नहीं गए और जिन राज्यों के मुखिया मोदी की सरकार संभाले हैं, उन्हें सब कुछ। क्या देश चलाने का यही सिद्धांत होना चाहिए कि जिससे तात्कालिक स्वार्थ सिद्ध होता हो वही अपना। तब तो नारा यह होना चाहिए,"जो हमारा खास,बस उसका विकास"। अब हम दूसरे नारे पर आते हैं। खाने कमाने से संबंधित। नीतीश का शासन बिहार में लंबे समय से है।

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

पिछले दिनों जिस तरह धड़ाधड़ पुल टूटे बहे, उससे नीतीश के सुशासन की कलई खुल गई। केवल कुछ इंजीनियर निलंबित हुए। क्या इन घटिया पुलों के निर्माण में की गई कमाई अकेले इंजीनियर हजम कर सके होंगे? नहीं। हिस्सा ऊपर तक गया होगा, लेकिन फंदा पतली गर्दन में आसानी से पड़ता है। उन्हें तो अल्पांश ही मिलता है। कहावत है "खाए बांदर। मरैं कूकुर"। अब फिर से भारी रकमें मिल रही हैं। कार्यों की जैसी गुणवत्ता होगी,आगे चलकर मालूम हो जाएगा। हां प्रसन्न नीतीश मोदी सरकार के बैसाखी लगाए रहेंगे। रही चन्द्रबाबू नाइडू की बात, तो वे तो घोटालों में जेल में रह चुके हैं। जो भी हो बजट से मोदी ने अपनी बैसाखियां मजबूत कर लीं।

आस्था और सामाजिक सद्भाव

प्रसिद्ध सावन मास आरंभ हो चुका है। इसके साथ शुरू हो चुकी है, शिव भक्तों की कठिन कांवड़ यात्र,जिसमें कई दिनों की हजारों लोग पैदल यात्रा कर हरिद्वार या अन्य गंगा घाटों से गंगाजल लाकर महादेव का अभिषेक करने की परंपरा है। यूपी सरकार के आदेश के बाद कि कांवड़ियों के मार्ग में जितनी भी दुकाने, ठेले और होटल इत्यादि हैं उनमें कारोबारी का नाम व पहचान अंकित करना आवश्यक है, राजनीतिक हलचलों के साथ सोशल मीडिया में चर्चाओं का बाजार गर्म है। उत्तरी व दक्षिणी ध्रुव की भांति आदेश के समर्थन व विरोध में लामबंदी भी शुरू हो गई है। यूपी सरकार के पश्चात उत्तराखंड सरकार ने भी इसी प्रकार का आदेश जारी कर दिया था।

हालांकि सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर अंतरिम रोक लगा दी है। आदेश के पक्ष में सरकार व प्रशासन के अपने तर्क हो सकते हैं,परंतु आदेश के पश्चात जो सब्जियों पर थूकने, खाद्य सामग्री पर मूत्र विसर्जन के वीडियो व संदेश वायरल हो रहे हैं,वे दोनों ही समुदायों में पारस्परिक नफरत और अविश्वास का बीज बोने का कार्य कर रहे हैं। साथ ही गंगा जमुना तहजीब को भी ध्वस्त करने में धीमे जहर का कार्य कर रही है। हम सभी जानते हैं सोशल मीडिया के इस दौर में सच और झूठ का प्रोपेगेंडा विभिन्न समूहों द्वारा निहित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर चलाया जा रहा है। सरकार व प्रशासन को चाहिए कि ऐसे वीडियो और संदेशों की सत्यता की जांच करवाए और दोषी व्यक्ति चाहे किसी भी समुदाय के हों,उन्हें उचित दंड दिया जाए,क्योंकि मुट्ठी भर लोगों के उन्माद की कीमत सांप्रदायिक सौहार्द नहीं हो सकती। साथ ही खान-पान की शुचिता

बीना नयाल
लेखिका, अल्मोड़ा

> देश व हमारी तरक्की का आधार सांप्रदायिक सद्भाव तथा शांति है। हम विलेज अर्थव्यवस्था से बहुत आगे निकलकर ग्लोबल अर्थव्यवस्था की रेस में है।

व पवित्रता हिंदुओं के साथ साथ मुसलमानों के लिए भी उतनी ही आवश्यक है। खान-पान की रोजमर्रा की वस्तुओं के उत्पादन, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग तथा भंडारण की प्रक्रिया में विभिन्न रसायनों के रूप में धीमे जहर का पहले से ही प्रयोग हो रहा है,जिसका परिणाम गंभीर बीमारियों के रूप में सामने आ रहे हैं। अब उन्हें इस प्रकार नफरत रूपी जहर से विकृत करना शारीरिक व मानसिक रूप से तकलीफदेह तो है ही,सामाजिक समरसता पर भी आघात करने वाला घृणित कार्य है। इसका राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के साथ दोनों समुदायों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

हमारी तरक्की का आधार सांप्रदायिक सद्भाव तथा शांति है। हम विलेज अर्थव्यवस्था से बहुत आगे निकलकर ग्लोबल अर्थव्यवस्था की रेस में हैं। यदि इसी प्रकार नफरती जहर फैलता रहा तो शायद अपनी-अपनी जाति और धर्म की प्रधानता पर आधारित आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की और पलायन करना होगा। रही बात कांवड़ यात्रा की तो यह गहन आस्था और आत्मिक संयम का प्रतीक है। इसमें खान-पान के साथ जीवनशैली में शुद्धता तथा पवित्रता का ध्यान कांवड़िया ही नहीं, बल्कि पूरा परिवार रखता है। आप आस्था को चाहे अंधविश्वास का नाम दें, लेकिन यह यात्रा सनातनी परंपरा का अहम हिस्सा है। इस यात्रा के दौरान संभव है कि हिंदुओं के होटलों के जिन बर्तनों में एक समय लहसुन प्याज का भोजन बनाया जाता है, थोड़ी देर पश्चात उन्हीं बर्तनों में शाकाहार के नाम पर कांवड़ियों का भी भोजन बनाया जाए। उपवास के दिनों में ऐसे भोजन के मामले में मैं स्वयं मुक्तभोगी हूं,जहां होटल के सामने बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा होता है व्रत का खाना,लेकिन कहीं न कहीं प्याज का उपयोग पहले से खाना पकाने के लिए हुआ होता है। अतः आवश्यक है इस यात्रा मार्ग में अधिक से अधिक शिविर लगाया जाएं।

यद्यपि ऐसे शिविर हमेशा से लगाए जाते हैं,जहां खान-पान की पूरी सुविधा और शुचिता के साथ कांवड़ियों के स्वास्थ्य और आराम की भी सुविधा का ध्यान रखा जाता है। अब ऐसे शिविर कम से कम दूरी में लगाने चाहिए, जिससे कांवड़ियों को भोजनालय या अन्य मूलभूत आवश्यकताओं के लिए ज्यादा सोचना और भटकना न पड़े। आम लोगों को भी तन मन धन से सेवा का अवसर मिले। जब गुरुद्वारे में सिख लोग रोज लंगर लगा सकते हैं तो उचित दूरी पर शिविर भी अधिकाधिक मात्रा में लगाए जा सकते हैं,क्योंकि कई बार जबरन नियमों को थोप कर सामाजिक अविश्वास उत्पन्न करने से बेहतर है, मध्यम मार्ग निकालना,जिससे न भावनाएं भड़के,न विश्वास आहत हो और सात्विकता के साथ सांप्रदायिक सौहार्द भी बरकरार रहे। वैसे भी सावन का पवित्र माह सृजन का प्रतीक है न की विध्वंस का।

सोशल फोरम

धैर्य और समर्पण का महीना

जब बादल इकट्ठे होकर जमीन को नहलाने लगें। जमीन हरी घास सी तौलिया बांध मंद-मंद मुस्काए। बीज अखुए फोड़कर सलाम करने खड़े हो जाएं। नदियां भर पेट पानी पीकर इतराएं। तालाब शरारती बच्चों की तरह जगह-जगह खिलकर फैले हों। मिट्टी मक्खन बनकर फूली हो। हरी-हरी काई,मखमल की तरह जमीन पर टंकी हो। हवा जब खुद में नमी का वजन लेकर बदन को ताजगी दे जाए। तब जर्रा-जर्रा मुस्कुरा के कहता है,यही तो सावन का स्वाद है। जो दिल सावन में न झूमे, जिसे सावन की नरमी तरावट न दे, जिसमें सावन का भोलापन मासूमियत न भरे, जिसका दिल बड़ा और बराबरी की गवाही न दे,वह भला फुहारों के बीच नाचते सावन को समझा ही कब। सावन तो हर एक को बराबर आनंद देने का उत्सव है।

धरती पर मौजूद हर हृदय, जिसमें प्रेम है, उसमें ही तो सावन की आहट होगी। हे सावन मेरे दिल को ढक लो ताकि इसमें मोहब्बत के सिवा कुछ न रह जाए। मेरे दिल को ऐसा कर दे,जो संसार भर का जहर पी तो सके मगर दूसरों पर उगल न सके। मुझे खुद में समाकर मेरा वजूद मिटा दो मेरे सावन। पार्वती जी ने सबसे खूबसूरत महीनों में से एक सावन में तप करके दुनिया का सबसे शक्तिशाली, मासूम और समर्पित प्रेम शिव हासिल किया था, इसलिए मेरे लिए यह माह प्रेम को पाने का महीना है।

यह महीना धैर्य और समर्पण का महीना है। खुद के अंदर से सुई की नोक बराबर भी नफरत को खत्म करने का महीना है और सबसे बड़ी बात पिछले पूरे चक्र में की गई गलतियों के प्रायश्चित का महीना है,जब दिल प्रायश्चित के बाद साफ हो जाए, तब उसमें पहला पांव शिव रखते हैं और जिस हृदय में शिव पांव रख दें,वहां और कुछ रह ही क्यों जाएगा सिवाए शिव शिव के। सावन मंद-मंद मुझे खुद में घोल दे रहा है। अगर सावन गुजरता रहे और इसकी आहटें दिल में मचलती रहें, तब भी किसी हृदय में नफरत रह जाए, तो पृथ्वी पर उससे अभागा भला कौन सा हृदय होगा। यह तो खुद को मिटकर प्रकृति के साथ झूमने का वक्त है। मेरे शिव के पैतियाने बैठकर,हरी चादर ओढ़े भारत भूमि को निहारते रहने कह वक्त है। **-फेसबुक वॉल से**

हफीज किदवई
लेखक

समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने का प्रयास जरूरी

बद्री प्रसाद सिंह
सेवानिवृत्त आईजी पुलिस, उप्र.

> सावन के कांवड़ मेले में ही रास्ते में सैकड़ों लंगर चला देते तो कांवड़ियों की भोजन समस्या समाप्त हो जाती और हिंदू-मुस्लिम होटलों का विवाद न होता। हिंदू धर्म में वर्ण तथा जाति व्यवस्था नासूर बनी हुई है, जिसके कारण बहुत से पिछड़े व दलित समाज के लोग ईसाई, मुस्लिम, बौद्ध धर्म में दीक्षित हो रहे हैं। यदि घूम-घूम कर ये संत इस व्यवस्था की आलोचना कर सभी हिंदुओं को बराबरी का संदेश देते,तो इस कुप्रथा का अंत हो गया होता। कुंभ मेलों मे संतों का स्नान जुलूस "शोभा यात्रा" निकालने में आगे पीछे चलने में ही विवाद होता रहता है,जबकि संतों को काम, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या, राग द्वेष आदि दुर्गुणों से मुक्त होना चाहिए।

प्रयाग विश्वविद्यालय से दर्शन शास्त्र से एमए करने तथा भारतीय संस्कृति का अध्ययन करके धर्म और दर्शन के ज्ञान में कुछ वृद्धि की। तीर्थराज प्रयाग तथा देश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक राजधानी काशी में नियुक्ति के समय कुछ विद्वत जनों का स्नेह मिला। पुलिस अधीक्षक पौड़ी की नियुक्ति काल में मैं अधिकतर लक्ष्मण झूला, ऋषिकेश एवं हरिद्वार के बहुत से संत-महात्माओं के प्रवचनों को सुनने तथा उनसे वार्ता कर जिज्ञासा दूर करने का अवसर मिला, यद्यपि उन वार्ताओं में निराशा अधिक मिलती।

वर्ष 2010 में मुरादाबाद में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक था। एक दिन प्रातः घर के फोन ड्यूटी ने बताया कि शंकराचार्य जी आवास के फाटक पर खड़े हैं और सुरक्षा न मिलने से रुष्ट हैं। मैंने शंकराचार्य के विषय में पूछा तो वह नहीं बता सका, उनके सहायक ने फोन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि शंकराचार्य जी हरिद्वार जा रहे हैं रास्ते के सभी जिलों में उन्हें सुरक्षा हेतु एस्कॉर्ट गाड़ी मिली, लेकिन यहां नहीं मिली जबकि डीजीपी कार्यालय ने वायरलेस से इसका आदेश दे दिया था। मैं तुरंत उनकी सुरक्षा हेतु एस्कॉर्ट लगा दूं और आकर उनसे माफी मांगू। मैं सोकर उठा ही था। मैंने दिखवाया तो पता चला ऐसा कोई आदेश नहीं आया है। मैंने उनके सहायक को आदेश न मिलने की बात बताकर पूछा कि वह कहां के शंकराचार्य हैं तो वह बोले कि काशी के हैं। मैंने कहा कि देश में कुल चार पीठ ही हैं, जहां शंकराचार्य जी होते हैं, उनमें काशी नहीं है। तब वह मुझे बरगलाना चाहा तो मैंने धमकाया कि फर्जी शंकराचार्य बनने पर जेल भेज दूंगा तब वह गलती मान गए। बात से पता चला सहायक जी मेरे गांव के पड़ोस के रहने वाले सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी थे। उनके आग्रह पर मैंने जनपद की सीमा तक एस्कॉर्ट लगा दी। उन्होंने मुझे बुलाकर शंकराचार्य से आशीर्वाद लेने को कहा जिसे मैंने विनम्रता से मनाकर दिया।

देश में न जाने कितने स्वयंभू शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, विश्वगुरु, महामंडलेश्वर आदि हिंदुओं को बरगला रहे हैं और शिष्यों को धन का मोह त्याग ने का उपदेश देकर अपनी संपत्ति बढ़ा रहे हैं। आशाराम, राम रहीम तो कुछ ऐसे संत हैं, जिनको न्यायालय ने दंडित किया। देश में बहुत से ऐसे संत हैं जिन पर आरोप नहीं लगे या आरोप दबा दिए गए। बड़े नेताओं, अधिकारियों से संपर्क बढ़ाकर अकूत संपदा के स्वामी होने के बाद भी ऐसे धर्माचार्य जनहित या हिन्दू हित में शिक्षा, अस्पताल, अनाथालय, लंगर आदि चलाने में कोई रुचि नहीं लेते। यही नहीं, हिंदू धर्म में सदियों से व्याप्त कुरीतियों को दूर करने में भी रुचि नहीं लेते।

सावन के कांवड़ मेले में ही रास्ते में सैकड़ों लंगर चला देते तो कांवड़ियों की भोजन समस्या समाप्त हो जाती और हिंदू-मुस्लिम होटलों का विवाद न होता। हिंदू धर्म में वर्ण तथा जाति व्यवस्था नासूर बनी हुई है, जिसके कारण बहुत से पिछड़े व दलित समाज के लोग ईसाई, मुस्लिम, बौद्ध धर्म में दीक्षित हो रहे हैं। यदि घूम-घूम कर ये संत इस व्यवस्था की आलोचना कर सभी हिंदुओं को बराबरी का संदेश देते, तो इस कुप्रथा का अंत हो गया होता। कुंभ मेलों मे संतों का स्नान जुलूस "शोभा यात्रा" निकालने में आगे पीछे चलने में ही विवाद होता रहता है, जबकि संतों को काम, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या, राग द्वेष आदि दुर्गुणों से मुक्त होना चाहिए। देश में बहुत से विद्वान, अनासक्त संत हैं, उन्हें आकर हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने हेतु ठोस प्रयास करना चाहिए।

हिंदू धर्म में प्रतिदिन नए पंथ, संप्रदाय बनते रहे हैं, उनके आचार्यों में शास्त्रार्थ होते रहते थे और पराजित संत जीते हुए का पंथ स्वेच्छा से स्वीकार कर लेता था। आदि शंकराचार्य का मीमांसक मंडन मिश्र से हुए शास्त्रार्थ में मंडन पराजित होकर शंकराचार्य के शिष्य बन गए थे। धर्मांधता हिंदुओं का गुण कभी नहीं रहा। हम समझ लें कि "धुआं भरा हो जिन आंखों में नफरत का,उनसे कोई ख्वाब न देखा जाएगा।" सैकड़ों वर्षों देश पर मुस्लिम और ईसाई के द्वारा राज करने के बाद भी हिंदू धर्म न केवल बचा है, अपितु पल्लवित-पुष्पित हो रहा है। हमारे संत विश्व में हो रहे नव जागरण, सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक उन्नति को दृष्टि में रखकर हिंदुओं को जागृत करें, जिससे देश और समाज प्रगति कर सके।

जरूरतों को सीमित करना आवश्यक

दुनिया में बढ़ रहा है मिनिमलिज्म यानी कम सामानों में बेहतर जिंदगी कैसे जिए,अगर आप अपने जीवन को सरल और सहज बनाने की सोच रहे हैं तो जरूरतों को सीमित करना होगा। यह तनाव कम करने और बचत करने का बेहतर तरीका होगा। इसका अर्थ है जीवन जीने के लिए कम से कम वस्तुएं खरीदना और उनका उपभोग सही तरीके से करना। प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का उदाहरण है,जिन्होंने अपना जीवन बहुत साधारण तरीके से जिया बहुत कम कपड़ों में गुजारा किया। अति सूक्ष्मवाद को अपनाया और अपना सारा पैसा दान कर दिया।

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

मिनिमलिज्म की शुरुआत आप अपने विचारों में परिवर्तन कर उपयोग में न आने वाली चीजों को दानकर अलमारी में भरे हुए अनावश्यक कपड़ों, जूतों, चप्पलों आदि को दूसरों को देकर कर सकते हैं। सभी इंसानों को और अधिक की चाह होती है, अधिक कपड़े, नए नए गजेट, ज्यादा घूमना, ज्यादा शॉपिंग, ज्यादा पार्टियां और न जाने क्या क्या, इसके लिए हम ज्यादा कमाना चाहते हैं और ज्यादा खर्च करना भी, लेकिन इससे अगर खुशी मिलती तो ऐसा करने वाले सब खुश दिखाई देते।

रिसर्चगेट की एक स्टडी में बताया गया है कि मिनिमनिज्म एक लोकप्रिय जीवनशैली है। इसे अपना कर लोग अपनी खुशी से कम संपत्ति और सीमित संसाधन के साथ जी सकते हैं। ऐसे लोगों में जागरूकता सहनशीलता व सकारात्मक सोच पैदा होती है और मानसिक शांति मिलती है। मिनिमलिज्म का मंत्र है, 'कम ही ज्यादा' है। मिनिमलिज्म का मतलब है कि आप अपनी जरूरत की चीजें ही खरीदें, बजाय इसके कि आप जो चाहें वो खरीद लें। कोई भी सामान लेने पहले एक बार जरूर सोचे।

रिश्वत लेते बेसिक शिक्षा विभाग का लेखाकार हुआ गिरफ्तार

कर्मचारी का वेतन जारी करने के लिए मांगे थे 12 हजार रुपये

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत लेखाकार अजमत अकरम को विजिलेंस टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। अजमत ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का वेतन जारी करने के लिए 12 हजार रुपये रिश्वत मांगा था। टीम ने सोमवार को विकास भवन स्थित बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यालय में छापा मारकर कार्रवाई की। इस दौरान कर्मचारियों ने हंगामा किया और टीम को कार्रवाई करने से रोकने का प्रयास किया।

शाजियाबाद थाना क्षेत्र के खतीबपुर निवासी सुरेश सिंह चौहान ने उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान, वाराणसी में लिखित शिकायत की थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक उसकी पत्नी प्राथमिक विद्यालय डिहवां लखमनपुर क्षेत्र मनिहारी में प्रधानाध्यापिका के पद पर नियुक्त थी, जिनकी मृत्यु हो गई है। उनकी जगह पर मृतक आश्रित के रूप में उसकी नियुक्ति दस जनवरी 2024 को कंपोजिट विद्यालय डिहवां लखमनपुर क्षेत्र मनिहारी में परिचारक के पद पर हुई। लेकिन, अभी तक वेतन जारी नहीं किया जा रहा है। वेतन का प्रकरण वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक शिक्षा विभाग) के यहां लंबित है। जिसे लेखाकार अजमत अकरम देख रहे हैं। आरोप है कि लेखाकार वेतन जारी कराने के नाम पर 12 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर रहे हैं। लेखाकार ने कहा था कि जब तक रुपये नहीं दोगे वेतन निर्गत नहीं होगा। इस पर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान, वाराणसी ने अपने स्तर से जांच कराई। इसमें आरोपों को सही पाया गया। इसके बाद विजिलेंस वाराणसी की ट्रैप टीम सोमवार सुबह करीब 11.30 बजे विकास भवन पहुंची। यहां से लेखाकार अजमत अकरम को शिकायतकर्ता से 12 हजार रुपये का रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

कर्मचारियों और विजिलेंस टीम में नोकझोंक, हाथापाई

विजिलेंस विभाग की टीम ने छापा मारकर अजमत को पकड़ लिया। इसकी जानकारी होते ही विकास भवन में हड़कंप मच गया। इस कार्रवाई से शिक्षा विभाग के कर्मचारी नाराज हो गए। उन्होंने टीम को घेर लिया। इस दौरान नोंकझोंक और हाथापाई भी हुई। शिक्षा विभाग के कर्मचारियों का आरोप है कि कार्यालय में अजमत को जब पकड़ा गया तो उसके पास से रुपये नहीं मिले थे। इसके बाद कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया।

अवैध टेलीफोन एक्सचेंज चलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, अमृत विचार : उप्र. एटीएस ने जौनपुर में इंटरनेशनल गेटवे को बाईपास कर मिडिल ईस्ट के देशों से आने वाली अंतर्राष्ट्रीय कॉल्स को अवैध टेलीफोन एक्सचेंज के माध्यम से लोकल कॉल्स में परिवर्तित करने के आरोप में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। एटीएस अधिकारियों ने बताया कि इंटरनेशनल गेटवे को बाईपास करने के कारण कॉलर की पहचान करना सम्भव नहीं होता, एटीएस द्वारा कार्रवाई करते हुए अवैध टेलीफोन एक्सचेंज संचालक अभियुक्त अशरफ अली, जौनपुर को अवैध सिमबॉक्स एवं उसके सहवर्ती उपकरणों के साथ गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में अशरफ अली ने बताया कि मुंबई में उसकी मुलाकात भिवंडी मुंबई निवासी जहांगीर से हुई, जिसने सऊदी अरब में रहने वाले मो. अली द्वारा सिमबॉक्स के सम्बन्धित उपकरण उपलब्ध कराये एवं एनीडेस्क साफ्टवेयर के माध्यम से कॉनफिगर किया गया, और इंटरनेशनल गेटवे को बाईपास कर अंतर्राष्ट्रीय कॉल्स को अवैध टेलीफोन एक्सचेंज के माध्यम से लोकल कॉल्स में परिवर्तित कर देते थे।

दहेज के लिए निकाह से किया मना, युवती के पिता की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- घर से अभद्रता कर निकाला सदमे से हुए बेहोश
- कॉर्डियोलॉजी में इलाज के दौरान डाक्टरों ने मृत घोषित किया

अमृत विचार : बाबूपुरवा थानाक्षेत्र में बेटी की शादी की तारीख तय करने गए मजदूर पिता से लड़के पक्ष ने दहेज में कार और 5 लाख की अतिरिक्त मांग कर दी। असमर्थता जताई तो लड़के पक्ष ने निकाह करने से मना कर दिया। हाथ-पैर जोड़ने के बावजूद लड़का पक्ष नहीं पसीजा और युवती के पिता को अभद्रता कर घर से भगा दिया। पिता सदमे से बेहोश हो गए। रिश्तेदार उन्हें कॉर्डियोलॉजी ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई।

कर्नलगंज केले वाली मस्जिद के पास रहने वाले साजुद्दीन मजदूरी करते थे। परिवार में पत्नी, दो बेटे व तीन बेटियां हैं। भांजे नौशाद ने बताया कि साजुद्दीन ने दूसरे नंबर की बेटी का निकाह बगाही निवासी रेलवे में गार्ड के पद पर कार्यरत युवक से तय किया था। दोनों पक्षों के बीच लेन-देन तय होने के बाद रोका की रस्म पूरी हो चुकी थी। नवंबर में शादी होनी थी। लड़के पक्ष ने सोमवार को निकाह की तारीख और लेनदेन के लिए बुलाया था। जिस पर साजुद्दीन और नौशाद रिश्तेदारों संग लड़के के घर पहुंचे। आरोप है कि लड़के पक्ष की ओर से दहेज में एक कार व 5 लाख रुपये नकदी की मांग की गई, जिस पर साजुद्दीन ने असमर्थता जताई। जिसके बाद लड़के पक्ष ने निकाह करने से मना कर दिया। अभद्रता कर घर से निकाल दिया। बेटी की शादी टूटती देखा साजुद्दीन सदमे में आ गए और गश खाकर गिर पड़े। रिश्तेदार उन्हें कॉर्डियोलॉजी ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। भांजे नौशाद ने लड़के पक्ष के खिलाफ बाबूपुरवा थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी अरुण कुमार द्विवेदी ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है, तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सार-संक्षेप

इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर ने आत्महत्या की

मथुरा, एजेंसी : जिले के हाईवे थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रह रहे सुल्तानपुर के राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर ने अपने आवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं बरामद हुआ है। पुलिस अधीक्षक (नगर) डॉ. अरविंद कुमार के मुताबिक, हाईवे थाना क्षेत्र की श्रीराधापुरम एस्टेट कॉलोनी निवासी प्रोफेसर विमल कुमार गुप्ता (47) के सोमवार दोपहर अपने आवास पर फांसी के फंदे से लटका मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। कुमार के अनुसार, घटना के समय गुप्ता के बच्चे बगल के कमरे में पढ़ाई कर रहे थे, जबकि उनकी शिक्षक पत्नी सीमा स्कूल गई हुई थीं। कुमार ने बताया कि सीमा जब स्कूल से घर लौटीं, तो उन्होंने कमरे में गुप्ता का शव फंदे से लटका हुआ पाया। उन्होंने कहा कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है और मामले की जांच की जा रही है।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में चार के खिलाफ रिपोर्ट

प्रतापगढ़, एजेंसी : जिले में पट्टी थानाक्षेत्र के एक गांव में गत शुक्रवार को एक किशोरी के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में चार आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि 16 वर्षीया एक किशोरी एक सप्ताह पूर्व पट्टी कस्बा में मोबाइल खरीदने आई थी, जहां उसका संपर्क बेलसण्डी गांव के वसीम से हुआ। सिंह के अनुसार किशोरी का आरोप है कि वसीम ने उसे बेलसण्डी बुलाया और अपने दोस्तों मकबूल, लाल बाबू एवं सोनू के साथ मिलकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। सोमवार को किशोरी ने तहरीर देकर वसीम सहित चार लोगों पर दुष्कर्म का आरोप लगाया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर वसीम, मकबूल, लाल बाबू एवं सोनू के विरुद्ध सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए उनकी तलाश शुरू कर दी है।

हत्या के 25 साल पुराने मामले में 6 लोगों को उम्रकैद

महाराजगंज, एजेंसी : जिले की एक अदालत ने मंगलवार को 25 साल पुराने हत्या के एक मामले में छह लोगों को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फणींद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि विशेष न्यायाधीश शाकिर हसन ने 27 मई 1999 को छोटेलाल की डंडे से पीट-पीटकर की गयी हत्या के मामले में छह आरोपियों सुरेश यादव, भूपेंद्र यादव, राजेंद्र यादव, योगेंद्र यादव, रमेश और घनश्याम यादव को दोषी ठहराया एवं उन्हें उम्रकैद की सजा सुनायी। न्यायाधीश ने प्रत्येक अभियुक्त पर 19 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने कहा कि अगर आरोपी जुर्माना जमा नहीं करता है तो उसे एक साल की और सजा भुगतनी होगी। इस मामले में 1999 में कोल्हुई थाने में कुल नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिनमें से तीन की मुकदमे के दौरान मौत हो गई और शेष छह को दोषी ठहराया गया है।

शाइन सिटी घोटाले में एक आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, अमृत विचार : शाइन सिटी घोटाला मामले में ईडी ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी हिमांशु कुमार पर आरोप था कि उन्होंने 25 करोड़ रुपये सेल कंपनियों में लगवाए थे। जिस निवेशक का 25 करोड़ रुपये लगा था उसने हिमांशु कुमार के खिलाफ शिकायत की थी। ईडी की जांच में भी हिमांशु कुमार जद में थे। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि हिमांशु कुमार ने स्वयं को शाइन सिटी से अलग कर लिया था।

कृषि फीडर पर दो घंटे अधिक बिजली मिलेगी

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए कृषि फीडर पर दो घंटे अधिक बिजली मिलेगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन ने कृषि फीडरों पर 10 की जगह 12 घंटे बिजली देने का आदेश जारी किया। शासन के सूत्रों ने बताया कि प्रदेश में कम बारिश को देखते हुए यह फैसला लिया गया है, ताकि धान की रोपाई में किसानों को पानी की दिक्कत न हो सके।

बाढ़ राहत में लापरवाही पर कानपुर देहात के आपदा विशेषज्ञ निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पांच जिलों के एडीएम एफआर को प्रतिकूल प्रविष्टि

अमृत विचार : बाढ़ राहत कार्यों में लापरवाही पर कानपुर देहात के आपदा विशेषज्ञ को निलंबित कर दिया गया है, जबकि पांच जिलों के एडीएम एफआर को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। इन अधिकारियों को दो दिनों में जवाब देने को कहा गया है। आपदा से हुई जनहानि व क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा देने में लापरवाही पर शासन स्तर से यह कार्रवाई की गई है।

शासन के अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ संबंधी कार्यों में लापरवाही पर कानपुर देहात के आपदा विशेषज्ञ अश्विनी कुमार को निलंबित कर दिया है। जिन पांच एडीएम एफआर को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है, उनमें बांदा, चित्रकूट, सिद्धार्थनगर, सुल्तानपुर और मुजफ्फनगर के एडीएम एफआर क्रमशः संतोष सिंह, उमेश चंद्र निगम, उमा शंकर, एस सुधाकरन व गजेंद्र कुमार शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि सिद्धार्थनगर की सदर तहसील के एसडीएम ललित कुमार मिश्रा, हाथरस की शादाबाद तहसील के एसडीएम संजय कुमार सिंह व अलीगढ़ की अतरौली तहसील के एसडीएम अनिल कुमार कटियार से जवाब-तलब किया है। इन अधिकारियों को भी दो दिन में जवाब देने को कहा गया है। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश भर में आपदा से हुई जनहानि का सर्वे पूरा कर 24 घंटे में मुआवजा दिया जा रहा है, वहीं इसमें लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

500 अवैध सिम विदेश भेजने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, अमृत विचार : एसटीएफ ने मंगलवार को फर्जी आईडी पर सिम लेकर उन्हें एक्टिवेट कर भारत के बाहर विभिन्न देशों में सप्लाई करने वाले गैंग के एक सक्रिय सदस्य राहुल सिन्हा निवासी प. बंगाल को नेपाल से गिरफ्तार किया है। एसटीएफ के मुताबिक आरोपी को 10 हजार प्री एक्टिवेटेड अवैध सिम विदेशों में भेजने का लक्ष्य मिला था, जिसमें से 500 सिम वह भेज भी चुका था। राहुल सिन्हा की 2022 में सुनील खडका निवासी सोलुखुम्ब, नेपाल से मुलाकात हुई थी। सुनील खडका कम्बोड़िया में कॉल सेन्टर से धोखाधड़ी से पैसा ट्रान्सफर कराता था। इस धोखाधड़ी के लिए सिम कार्ड की जरूरत पड़ती थी। इस उद्देश्य के लिए राहुल सिन्हा का काम भारत से 10 हजार सिम सुनील खडका को थाइलैण्ड भेजने का था।

पत्नी सहित 7 पर हमला, बच्ची की मौत

संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार : भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पिपरी गांव में सोमवार रात दिल दहला देने वाली वारदात हुई। सनकी पति ने पत्नी, सौतेले बच्चों और पत्नी के परिवार पर बांका से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिसमें छह वर्षीया एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पिपरी गांव निवासी सुरेंद्र पुत्र देवीपाल की करीब 5 वर्ष पहले सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद सुरेंद्र की पत्नी पूजा ने अपनी बहन के देवर दीपू के साथ शादी कर ली थी। दीपू पिपरी में ही पत्नी और उसके बच्चों के साथ रहने लगा था। सोमवार की रात करीब 11:30 बजे दीपू ने मकान की छत पर सोते समय पत्नी पूजा, उसके पुत्र सूरज (11), उमंग (15) पर बांका से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर पड़ोस में रहने वाला पूजा का देवर महेंद्र बचाने के लिए दौड़ा तो दीपू ने महेंद्र और उसकी पत्नी बीना, बेटी काव्या (6) और बेटे सूर्यांश (8) पर बांके से हमला कर जख्मी कर दिया। पड़ोसियों ने घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी।

पूरे परिवार को खत्म करना चाहता था दीपू

कानपुर देहात, अमृत विचार : आरोपी दीपू पूरे परिवार को खत्म करना चाहता था। इसी मकसद से उसने पत्नी, दोनों सौतेले बेटों, देवर-देवरानी और उनकी बेटी-बेटे पर हमला किया। हमले में देवर की बेटी की जान चली गई, जबकि बाकी लोग जिंदगी-मौत से जूझ रहे हैं। पिपरी गांव के लोगों ने बताया कि दीपू अक्सर गांव की दुकानों पर बैठता था तो बताता था कि पूजा उसके बच्चे की मां नहीं बनना चाह रही है। आरोपी दीपू ने यह बात पुलिस की पूछताछ में भी बताई। उसने बताया कि गर्भ ठहरने पर पूजा गोलियां खा लेती थी, जिससे गर्भपात हो जाता था। पूजा के दोनों बच्चे उसके साथ गालीगलौज करते थे और उसे घर से भगाने की बात करते थे। पूजा का देवर महेंद्र और उसकी पत्नी बीना भी सौतेले बच्चों को भड़काती थी कि दीपू को यहां से भगा दो। इसी बात को लेकर दीपू परेशान रहता था। आरोपी दीपू को पूजा और देवर महेंद्र के संबंधों पर भी शक था। इन्हीं वजहों से उसने पूरे परिवार को खत्म करने का इरादा बनाया था।

सख्त हुए मुख्यमंत्री तो रोहित पांडेय के हत्यारोपी गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पुलिस ने आरोपियों के घर चलाया बुलडोजर
- बहराइच में भी युवती से छेड़छाड़ के आरोपी हुए गिरफ्तार

अमृत विचार: बलिया के बांसडीह कोतवाली गेट के सामने दिन दहाड़े रोहित पांडेय की हत्या के मामले में सीएम की फटकार के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जबकि मुख्य आरोपी रोहित यादव ने अपने एक साथी के साथ कोर्ट में सरेंडर कर दिया। इस दौरान प्रशासन ने मुख्य आरोपी संग दो सहयोगियों के घर बुलडोजर चला दिया। सभी आरोपियों के मकान का कुछ हिस्सा पीडब्ल्यूडी की जमीन पर बना हुआ था।

यही नहीं आरोपियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने वाले दो आरक्षियों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं बहराइच में युवती से छेड़छाड़ करने वाले एवं माहौल बिगाड़ने वाले नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि सीएम योगी को सोमवार को आजमगढ़ में समीक्षा बैठक के दौरान विधायक केतकी सिंह ने उक्त मामले से अवगत कराया था। इस पर सीएम ने अधिकारियों को फटकार लगाई थी और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उधर, बहराइच के नानपारा स्थित बुधवा के साप्ताहिक बाजार में 21 जुलाई शाम को कुछ शोहदों ने एक युवती के साथ छेड़छाड़ की थी। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने विशेष टीम गठित कर 24 घंटे के अंदर सभी नौ आरोपियों सलमान कुरैशी पुत्र कलीम कुरैशी, असलम कुरैशी पुत्र कलीम कुरैशी, इब्राहिम पुत्र हलीम, हलीम कुरैशी पुत्र रज्जब अली, गुलफान पुत्र चंगुल उर्फ नईम, रहीश पुत्र हनीफ उर्फ बरसाती, अबरार पुत्र इसरार, शमशेर पुत्र शरीफ और मुबारक अली पुत्र अली अहमद निवासी ग्राम बोधवा थाना कोतवाली नानपारा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रत्येक गांव से 10 निर्धन परिवारों को मिलेगा आवास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यसचिव मनोज कुमार सिंह ने बैठक के दौरान दिए आदेश

अमृत विचार : मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि पंचायतीराज विभाग द्वारा सर्वे कराकर प्रत्येक ग्राम पंचायत से 10 निर्धन परिवारों का डाटाबेस तैयार कराया गया है। इसमें लगभग छह लाख परिवार के सभी सदस्यों का विवरण है। इन परिवारों को आवास सहित ऐसी योजनाओं जिसके लिये वह पात्र है, उससे संतृप्त कराया जाए।

मुख्य सचिव ने मंगलवार को निर्धन परिवारों को आवास सहित जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराने के सम्बन्ध में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शासन स्तर से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों को इस डाटा का एक्सेज यूजर आईडी एवं पासवर्ड के माध्यम से दिया जाए। सभी सम्बन्धित विभाग अपने जनपदस्तरीय अधिकारियों के माध्यम से निर्धन परिवारों को सरकार की योजनाओं से आच्छादित करें। बैठक में एसीएस देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थसारथी सेन शर्मा, प्रमुख सचिव बेसिक डॉ. शंमुगा सुंदरम सहित कई शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे।

वर्ग पहेली-140

बाएं से दाएं

1. 1. एक होने की अवस्था या भाव, अविरोध 2. मिलकर एक होना, समूहबद्धता, संगठन, (यूनिटी) 3. उद्देश्य
3. माल-विभाग का वह कर्मचारी जो ज़मीन की पैमाइश और बंटवारे आदि का प्रबंध करता है।
4. 1. केवल एक अंगवाला 2. विकलांग।
6. 1. सूखा फल, फल 2. किशमिश
7. 1. जो फुसलाने या उकसाने का काम करता हो 2. छलपूर्ण, भरमाने वाला।

ऊपर से नीचे

1. छोटी इकाई, किसी बड़े संस्थान का एक विभाग।
2. 1. हिजड़ा, नपुंसक 2. वह व्यक्ति जिनमें शारीरिक अक्षमता के कारण बच्चे उत्पन्न करने की शक्ति न हो 3. वह व्यक्ति जिसका हाव-भाव
3. 1. बेमेल होना 2. अनौचित्य 3. अर्थालंकार का एक भेद
4. पृथ्वी के किसी देश-महादेश या स्थान विशेष के नक्शे की पुस्तक, मानचित्रावली।
5. पांव की चमड़ी का फटना, बेवाई, पैर की एड़ियों में दरारें पड़ना।

वर्ग पहेली -139 का हल

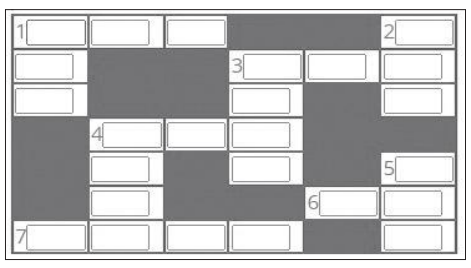

1 मि	से	ज़			2 भृ
ल			3 झ		गु
नी		4 सु	प	ठ	
	5 शिं		टा		
	6 शि	व	ना	7 मी	
	या			टिं	
		8 मं	जु	ग	ति

सुडोकू -53

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		5			3			9
	4		1					
	7						8	
2				4				
9	8						2	3
				2		1		6
			9				7	
		3			5			
1			6			2		

सुडोकू -52 का हल

1	5	6	8	4	9	3	7	2
8	4	7	5	2	3	1	9	6
9	3	2	1	7	6	8	4	5
4	1	9	6	8	5	7	2	3
7	6	5	3	9	2	4	8	1
3	2	8	4	1	7	6	5	9
6	8	3	9	5	4	2	1	7
5	7	1	2	3	8	9	6	4
2	9	4	7	6	1	5	3	8

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 24 जुलाई बुधवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-तृतीया 07.30 तक तत्पश्चात चतुर्थी 25 जुलाई 04.39 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

बु. 5 | के. 6 | शु. सू. 4 | 3 | मं. 2 गु. | 7 | 1 | 10 | 8 | 9 | 12 रा. | 11 चं. श.

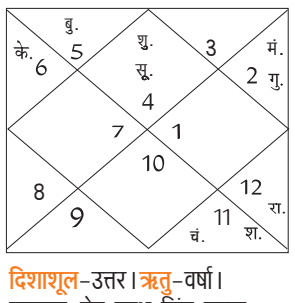

दिशाशूल-उत्तर। **ऋतु**-वर्षा।
चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-शतभिषा 18.14 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष - आज जॉब में मनोनुकूल कार्यभार मिलने से उत्साहित रहेंगे। घर के लिए कुछ आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। परिवार में किसी कार्यक्रम को लेकर विचार-विमर्श हो सकता है। आय के नए स्रोत विकसित होने की संभावना बन रही है।

वृष - आज अपने काम की चुनौतियों और कमजोरियों को लेकर गंभीर रहेंगे। नए उद्यम की शुरुआत कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोग उच्च पद पर आसीन हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कर लेना अत्यंत हितकारी होगा।

मिथुन - आज आप प्रकृति के बीच समय बिताना पसंद करेंगे। दूसरों की सलाह पर निर्भर न रहें। लोगों से अपनी प्रशंसा की ज्यादा इच्छा न रखें। दार्शनिक विषयों के चिंतन में रुचि लेंगे। उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति मिल सकती है।

कर्क - आज मन में नकारात्मक विचार जन्म ले सकते हैं। किसी जरूरी कार्य में बाधा आ सकती है। उधार लेन-देन बिल्कुल न करें। बच्चों की गतिविधियों और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर अवश्य करें।

सिंह - आज जॉब में आपको बोनस मिल सकता है। भविष्य की किसी परियोजना के लिए धन जुटा सकते हैं। शत्रुओं और विरोधियों पर आप भारी पड़ेंगे। व्यवसायियों की रुकी हुई पेमेंट मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं।

कन्या - आज व्यवसाय में नया तरीका प्रयोग करने से बचें। करियर में स्वयं को साबित करने के बढ़ियां अवसर मिलेंगे। अधिकारी वर्ग से आपको काफी सम्मान मिलेगा। प्रेम संबंधों में रुकावट जैसी उत्पन्न हो सकती है। परिवार के साथ काफी अच्छा समय बिताएंगे।

तुला - आज नौकरीपेशा लोग अपने काम के प्रति समर्पित रहेंगे। घर का वातावरण आनंद और उत्साहपूर्ण रहेगा। धार्मिक स्थल की यात्रा का विचार बनाएंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूरा होने से प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर मन में चिंता रहेगी।

वृश्चिक - आज संपत्ति विवाद जन्म ले सकते हैं। जल्दबाजी में कोई नया काम शुरू न करें वरना आपके काम बिगड़ सकते हैं। पिता का मार्गदर्शन और सहयोग मिलेगा। जॉब की स्थितियां आपके लिए काफी प्रतिकूल रहने वाली है। आकस्मिक धन हानि होने के योग बन रहे हैं।

धनु - आज का दिन विशेष रूप से आपके लिए शुभ रहने वाला है। पारिवारिक मुद्दों को लेकर गलतफहमी दूर होगी। शाम के समय दोस्तों के साथ बातचीत करेंगे। आप घर पर आराम की और फिल्मों का आनंद उठाने की योजना बना सकते हैं।

मकर - आज सुरक्षा का विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। दांपत्य रिश्तों को लेकर कुछ तनाव हो सकता है। आपको धैर्यवान रहना चाहिए। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी सुरक्षा का विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

कुंभ - आज जोखिम भरे कार्यों को आसानी से पूरा कर लेंगे। व्यवसायियों को अच्छे ऑर्डर मिल सकते हैं। अनुभवी लोगों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आप अपनी प्रतिभा को लोगों के सामने ला पाएंगे। महत्वपूर्ण मीटिंग का हिस्सा बन सकते हैं।

मीन - आज कर्मचारियों के साथ अच्छा तालमेल बनाकर रखें। दोस्तों से ज्यादा मदद की उम्मीद न करें। किसी अप्रिय खबर के मिलने से मन व्यथित हो सकता है। तनाव का असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में आपका समय बर्बाद होगा।

आज की फिल्में

B4U Movies
भीष्मा - सुबह : 11.14
प्रेम - रात : 07.00

&pictures
बादल - सुबह : 11.02
फोरेंसिक - रात : 08.00

Sony Pix
वर्टिकल लिमिट - सुबह : 10.25
घोस्ट राइडर - रात : 09.00

Zee Cinema
वलाटी - दोपहर : 12.18
फुकरे 3 - रात : 08.00

Colors Cineplex
मुंबईकर - सुबह : 11.08
इंस्पेक्टर विजय - शाम : 05.49

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर्स पर रात : 08.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पड़ोस की भाभी को देखने के लिए गप्पू पेड़ पर चढ़ गया।
तभी आंटी ने गप्पू को देख लिया
आंटी-बेटा पेड़ पर क्या कर रहो हो ?
गप्पू-बिजली देखने का इरादा है पर नागिन दिख गई।
फिर क्या पेड़ से उतरने पर गप्पू की जमकर कुटाई हुई।

इंटरव्यू में बॉस ने पूछा- क्या आपको ब्रिटिश भाषा आती है?
लड़का- हां
बॉस- कुछ बोल के दिखाओ
लड़का- डूगना लागान डेना पड़ेगा बुवन।
बॉस- बॉस बेहोश...

विजय दिवस का जश्न

बीकानेर के आर्मी क्षेत्र में मंगलवार को कारगिल विजय दिवस का जश्न मनाया गया। एक के बाद एक कर्तव्य करते हुए भारतीय सेना के जवानों ने लोगों में जोश भर दिया। ● एजेंसी

आईएएस की पत्नी ने की आत्महत्या, नोट में लिखा मैं निर्दोष

अहमदाबाद। गुजरात में आईएएस अधिकारी रंजीत कुमार जे. की अलग रह रहीं पत्नी ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पूर्व तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में उन्होंने दक्षिणी राज्य में उनके खिलाफ दर्ज दो मामलों में खुद को निर्दोष बताया।

पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूर्या (45) की 21 जुलाई को गांधीनगर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। एक दिन पहले उन्होंने अपने पति के सरकारी आवास के पास एक उद्यान में जहर खा लिया था। कुमार 2005 बैच के आईएएस अधिकारी है।

यूपीएससी परीक्षा में माता-पिता के अलग होने का दावा कर ट्रेनी आईएएस ने गलत तरीके से लिया लाभ

केंद्र ने वैवाहिक स्थिति की जानकारी मांगी

पुणे, एजेंसी

केंद्र ने पुणे पुलिस को निर्देश दिया है कि वह विवादों में घिरीं भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर के माता-पिता की वैवाहिक स्थिति से उसे अवगत कराए।

अधिकारी ने बताया कि केंद्र ने यह निर्देश पूजा पर यह आरोप लगने के बाद दिया है जिसमें कहा गया है कि उन्होंने माता-पिता के अलग होने का दावा कर यूपीएससी परीक्षा में गलत तरीके से ओबीसी गैर क्रीमी लेयर का लाभ लिया। खेडकर पर महाराष्ट्र के पुणे जिला कलेक्टरेट में प्रशिक्षण के

दौरान ऐसी सुविधाएं और भत्तों की मांग करके ताकत और विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने का आरोप है, जिनकी वह हकदार नहीं थीं। उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान आस-पास के सभी लोगों को धमकाया और अपनी निजी ऑडी (एक लग्जरी कार) कार के ऊपर लाल-नीली बत्ती (उच्च पदस्थ अधिकारी को दर्शाती) लगाई। पूजा खेडकर के खिलाफ पिछले हफ्ते दिल्ली में गलत जानकारी देने और तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज किया गया था।

यूपीएससी ने कारण बताओ नोटिस किया जारी

यूपीएससी ने भी 2022 की परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद करने के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया है और उन्हें भविष्य की परीक्षाओं में भाग लेने से रोकने पर विचार कर रहा है। पुणे पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि केंद्र सरकार ने यह बताने को कहा है कि क्या पूजा खेडकर की मां मनोरमा और पिता दिलीप का तलाक हो गया है। उन्होंने कहा हमें यह पता लगाने और केंद्र सरकार को सूचित करने को कहा गया है कि क्या पूजा खेडकर के माता-पिता का तलाक हो गया है। संक्षेप में हमसे उनकी शादी/तलाक की वास्तविक स्थिति को सत्यापित करने के लिए कहा गया है। यूपीएससी ने पिछले सप्ताह पूजा खेडकर के खिलाफ फर्जी पहचान के आधार पर सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी से शामिल होने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराने सहित कई कार्रवाई की थी।

एक नजर

एसआई भर्ती परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले के आरोपी का अवैध मकान ढहाया

जयपुर। चूरू नगर परिषद की एक टीम ने राजस्थान पुलिस उप-निरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 के प्रश्नपत्र लीक मामले के आरोपी के अवैध रूप से निर्मित पक्के मकान को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच की गई। सहायक अभियंता रवि राघव के नेतृत्व में नगर परिषद की टीम जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर के साथ पूनिया कॉलोनी पहुंची तथा प्लॉट नंबर 114 व 115 पर बने अवैध मकान को ढहा दिया।

अज्ञात बदमाशों ने रेलवे लाइन पर सरिया डाला, हादसा टला

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले में कुछ अज्ञात बदमाशों ने रविवार देर रात रेलवे लाइन पर सरिया डाल दिया। हालांकि, वहां से गुजरने वाली ट्रेन के चालक ने समय पर ब्रेक लगा दिया, जिससे संभावित हादसा टल गया। पुलिस ने बताया कि असारवा-जयपुर एक्सप्रेस के रविवार रात करीब 11 बजे डूंगरपुर स्टेशन से रवाना होने के कुछ ही देर बाद यह घटना घटी। पुलिस के मुताबिक, लगभग चार किलोमीटर की यात्रा के बाद लोको पायलट ने पटरियों पर पड़े सरिये को दूर से देख लिया और ब्रेक लगा दिए।

प्रख्यात गायक रमन बरुआ का नहीं लगा सुराग

गुवाहाटी। असम पुलिस ने सोमवार से लापता प्रख्यात गायक, संगीतकार और निर्देशक रमन बरुआ की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। गुवाहाटी के लतासिल इलाके में रहने वाले 84 वर्षीय बरुआ सोमवार सुबह मंदिर जाने के लिए घर से निकले थे लेकिन जब देर शाम तक नहीं लौटे तो उनके परिवार के सदस्यों ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक वह मंदिर के नजदीक स्थित गुवाहाटी उच्च न्यायालय की नई इमारत के पास सुबह करीब सवा 10 बजे आखिरी बार देखे गए थे।

आठ हजार की रिश्वत के आरोप में अधिकारी गिरफ्तार

पालघर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने पालघर जिले के विक्रमगढ़ में आठ हजार रुपये की रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के एक अधिकारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी सहायक अभियंता (श्रेणी-2) संदीप जवाहर विक्रमगढ़ में तैनात है। पालघर एसीबी के पुलिस उपाधीक्षक दयानंद गावड़े ने बताया कि शिकायतकर्ता ने अपने पिता के नाम पर दो बिजली मीटर लगाने के लिए आवेदन किया था।

नीट-यूजी : आईआईटी के विशेषज्ञों ने कहा- केवल एक उत्तर ही सही था

भौतिकी के प्रश्न को लेकर हुए विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली के तीन विशेषज्ञों की समिति ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 में पूछे गए भौतिकी के एक विवादास्पद प्रश्न का केवल एक ही सही उत्तर था, न कि दो। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने सोमवार को आईआईटी-दिल्ली के निदेशक को भौतिकी के इस विवादित प्रश्न को लेकर तीन विषय विशेषज्ञों की एक टीम गठित करने तथा मंगलवार दोपहर तक सही जवाब पर रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था।

सुनवाई शुरू होने पर सीजेआई ने रिपोर्ट में लिखी बातों का हवाला दिया और कहा हमें आईआईटी दिल्ली की रिपोर्ट मिली है। आईआईटी निदेशक रंगन बनर्जी ने भौतिकी विभाग की एक समिति गठित की और वे बताते हैं कि तीन विशेषज्ञों की एक टीम ने प्रश्न की जांच की। टीम का कहना है कि चौथा विकल्प सही जवाब है। सीजेआई ने कहा कि चौथा विकल्प, जो कहता है कि 'पहला कथन सही है, लेकिन

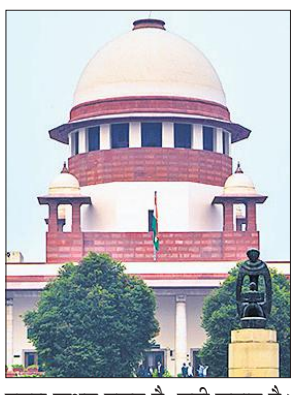

दूसरा कथन गलत है, सही जवाब है। पीठ ने कहा समिति ने साफ तौर पर कहा है कि केवल एक सही विकल्प था, जो कि चौथा विकल्प है। इसलिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) अपनी उत्तर पुस्तिका में सही थी, जिसमें चौथे विकल्प को सही बताया गया था। अभी इस मामले की सुनवाई जारी है।

केंद्र व एनटीए की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दलीलें पेश कर रहे हैं। कोर्ट कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें विवादों में घिरी इस परीक्षा को इस आधार पर दोबारा कराने का अनुरोध करने संबंधी याचिका भी शामिल है कि इसका प्रश्न पत्र लीक किया गया तथा परीक्षा के आयोजन में अन्य अनियमितताएं भी

वकील से हुई तीखी नोकझोंक, प्रधान न्यायाधीश ने कहा- सुरक्षाकर्मी को बुलाइये

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में, नीट-यूजी 2024 पर सुनवाई के दौरान मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और अपनी बारी आने से पहले बोलने पर आमादा एक वकील के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसपर सीजेआई ने उन्हें अदालत कक्ष से बाहर निकाल देने की चेतावनी दी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि वह किसी भी वकील को अदालत में मनमर्जी नहीं करने देंगे। प्रधान न्यायाधीश ने कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से उपस्थित वकील मैथ्यूज जे नेदुम्परा को उस समय फटकार लगाई, जब उन्होंने बार-बार आग्रह किया कि उन्हें बहस करने की अनुमति दी जाए, जबकि याचिकाकर्ताओं के मुख्य वकील वरिष्ठ अधिवक्ता नरेन्द्र हुड्डा अपनी दलीलें पेश करने वाले थे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने नेदुम्परा से कहा कि पीठ हुड्डा द्वारा अपनी दलीलें पेश करने के बाद उन्हें बहस करने की अनुमति देगी। पीठ में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा आप कृपया बैठ जाइए। मुझे आपको अदालत से बाहर निकालना पड़ेगा। उन्होंने गुस्से में कहा मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं। हालांकि, नेदुम्परा लगातार शिकायत करते रहे कि उन्हें अदालत में बोलने की अनुमति नहीं दी गई। इस बात से नाराज प्रधान न्यायाधीश ने कहा कृपया सुरक्षाकर्मियों को बुलाइये। हम उनसे इन्हें अदालत से बाहर ले जाने को कहेंगे। वकील ने अपने सहयोगियों की ओर रुख किया, जिसपर न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा आप गैलरी में बात नहीं करेंगे। आप मेरी बात सुनेंगे।

थीं। सोमवार को पीठ को दिन भर चली बहस के दौरान भौतिकी के एक प्रश्न को लेकर असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ा। ऐसी दलील दी गई कि परमाणु और उसकी विशेषताओं से संबंधित एक प्रश्न के दो सही उत्तर थे और परीक्षार्थियों के एक समूह, जिसने दो सही उत्तर में से एक विशेष उत्तर दिया था, उसे चार अंक दिए गए। कुछ वकीलों ने यह भी कहा कि अभ्यर्थियों के तीन समूह थे, और एक समूह को सही उत्तर के लिए माइनस पांच अंक मिले, दूसरे समूह को दूसरे सही उत्तर के लिए चार अंक मिले, और तीसरे समूह में वे लोग शामिल थे, जिन्होंने या तो जवाब पता न होने या नेगेटिव अंक मिलने के डर से इसे छोड़ दिया था। पीठ को बताया गया कि इसका सफल अभ्यर्थियों की योग्यता सूची पर काफी असर पड़ेगा।

सुझाए उत्तर के अनुसार नीट-यूजी मेधा सूची की जाए संशोधित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एनटीए से कहा कि वह भौतिकी के एक विवादास्पद प्रश्न के लिए आईआईटी-दिल्ली के तीन विशेषज्ञों की समिति द्वारा सुझाये गये उत्तर को सही मानकर अपनी मेधा सूची में संशोधन करे। अब केवल उन छात्रों को प्रश्न के लिए चार अंक मिलेंगे, जिनके उत्तर आईआईटी-दिल्ली द्वारा दिए गए उत्तर से मेल खाते हैं जबकि चार लाख से अधिक ऐसे नीट अभ्यर्थी, जिन्होंने एनसीईआरटी की पुरानी पाठ्यपुस्तक के अनुसार अन्य विकल्प का उत्तर दिया था, उन्हें पांच अंक का नुकसान होगा, ऐसे में उनकी रैंक में फेरबदल होगा।

शीर्ष रैंक पाने वालों में से एक की ओर से पेश वकील तन्वी दुबे ने कहा कि छात्रा ने 720 में से 720 अंक प्राप्त किए हैं और अगर केवल एक उत्तर को सही माना जाता है तो उसकी रैंक काफी नीचे चली जाएगी। उन्होंने कहा कि दोनों उत्तरों को सही माना जाना चाहिए। पीठ ने दलील खारिज कर दी।

अस्पताल में भर्ती की आड़ में विलासिता की अनुमति नहीं दे सकते

मुंबई, एजेंसी

● मुंबई की एक विशेष अदालत ने धन शोधन के मामले में 80 वर्षीय व्यावसायी की याचिका खारिज की

मुंबई की एक विशेष अदालत ने धन शोधन के मामले में गिरफ्तार 80 वर्षीय व्यवसायी की याचिका खारिज करते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती होने की आड़ में किसी आरोपी को विलासिता की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने सोमवार को एसोसिएट हाई प्रेशर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष मनोहरलाल अगीचा की अस्पताल में रहने की अवधि बढ़ाने की याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

आरोपी व्यवसायी को ईडी ने नवंबर 2023 में एक बैंक से 149.89 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) अदालत के आदेश के अनुसार, न्यायिक हिरासत में रहते हुए अगीचा को मार्च 2024 में 15 दिनों के इलाज के लिए बांद्रा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब से, आदेश को कई बार बढ़ाया गया और वह लगातार अस्पताल में भर्ती रहे।

हाल में, अगीचा ने आगे के इलाज के लिए अस्पताल में अपने रहने की अवधि को कुछ और महीनों के लिए बढ़ाने की याचिका दायर की। हालांकि, विशेष पीएमएलए अदालत के न्यायाधीश ए.सी. डागा ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया और आर्थर रोड जेल अधिकारियों को आरोपी को मध्य मुंबई की जेल में वापस ले जाने का निर्देश दिया।

मालेगांव विस्फोट : निर्णायक चरण में सुनवाई

मुंबई। मालेगांव में बम विस्फोट के करीब 16 साल बाद इस मामले की सुनवाई निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) मामलों की विशेष अदालत अंतिम दलीलों की सुनवाई बुधवार से करेगी।

वर्ष 2008 में हुए इस बम धमाके में छह लोगों की मौत हो गई थी, जबकि

● एनआईए अदालत 24 जुलाई से सुनेगी अंतिम दलील

100 से अधिक लोग घायल हुए थे। गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज इस मामले के सात आरोपियों में लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित और पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर शामिल हैं। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने उनमें से एक समीर कुलकर्णी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। अदालत ने मंगलवार को बचाव पक्ष के अंतिम गवाह के परीक्षण के साथ साक्ष्यों की रिकॉर्डिंग पूरी कर ली। न्यायाधीश ए के लाहोटी अब फैसला सुनाने से पहले अभियोजन और बचाव पक्ष की आखिरी बार दलील सुनेंगे।

मुस्लिमों के बिना अमरनाथ यात्रा संभव नहीं : उमर

श्रीनगर, एजेंसी

● कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानों पर नाम लगाने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाने का किया स्वागत

नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा के दौरान भोजनालयों पर उनके मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के आदेश पर उच्चतम न्यायालय द्वारा अंतरिम रोक लगाने का मंगलवार को स्वागत किया और कहा कि मुस्लिमों के सहयोग के बिना अमरनाथ यात्रा तक संभव नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर भोजनालयों पर उनके मालिकों का नाम प्रदर्शित करने संबंधी आदेश देना नहीं चाहिए था। वार्षिक अमरनाथ और वैष्णो देवी यात्राओं का जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि ये मुसलमानों के सहयोग के बिना संभव नहीं हैं। अमरनाथ यात्री मुसलमानों के कंधों पर यात्रा करते हैं। जो लोग माता वैष्णो देवी यात्रियों को घोड़ों या पिट्ठुओं पर ले जाते हैं, वे किस धर्म से ताल्लुक रखते हैं? उन्हें (भाजपा को) वहां धर्म नहीं दिखता। आरएसएस के कार्यक्रमों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने पर लगे प्रतिबंध को हटाने के केंद्र के फैसले के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कहा कि अगर उन्हें ऐसा करना है तो सरकारी कर्मचारियों के राजनीतिक दलों के कार्यक्रमों में शिरकत से भी प्रतिबंध को हटाया जाना चाहिए(

दुष्कर्म पीड़िता की प्रसव के दौरान मौत, मामला दर्ज

ठाणे। यहां के वाशी पुलिस थाने में 18 वर्षीय लड़की की प्रसव के दौरान मौत के बाद दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चूंकि कथित अपराध दिघी में हुआ था इसलिए इस संबंध में शून्य प्राथमिकी दर्ज कर उसे रायगढ़ जिले के दिघी पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया गया है। श्रीवर्धन निवासी आरोपी हेमंत और पीड़िता की मुलाकात पिछले साल कंप्यूटर की कक्षा के दौरान हुई थी जिसके बाद दोनों दोस्त बन गए। लड़की के माता-पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार उसने कथित तौर पर दो मौकों पर उसके साथ दुष्कर्म किया जिसके बाद लड़की गर्भवती हो गई।

कर्नाटक के कारवार तट के पास मर्चेंट नेवी के एक जहाज में लगी भीषण आग पर काबू पा लिया गया है। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बल ने बताया कि तट पर संभावित खतरे के मद्देनजर सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रभावित जहाज गहरे समुद्र में ही रहे। तटरक्षक बल के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि जहाज एमवी मेर्सक फ्रैंकफर्ट में 1,154 कंटेनर लदे हैं जिनमें से कुछ में बेंजीन और सोडियम साइनेट जैसे खतरनाक रसायन हैं।

राष्ट्रगान गाने को मजबूर किए गए युवक की मौत की जांच सीबीआई को

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को 23 वर्षीय एक युवक की मौत से संबंधित मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित कर दिया, जिसे 2020 में शहर के उत्तर पूर्वी हिस्से में हुए दंगों के दौरान कथित तौर पर पीटा गया और राष्ट्रगान गाने के लिए मजबूर किया गया था। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ था।

सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में पुलिस कर्मियों द्वारा फैजान को चार अन्य मुस्लिम पुरुषों के साथ कथित तौर पर राष्ट्रगान और वंदे मातरम गाने के लिए मजबूर करते हुए एवं पीटते हुए देखा जा सकता है। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी ने फैजान की मां द्वारा (एसआईटी से जांच कराने के लिए दायर याचिका पर कहा मैं याचिका को स्वीकार कर रहा हूं। मैं मामले को सीबीआई को स्थानांतरित कर रहा हूं। किस्मतुन ने 2020 में दाखिल याचिका में आरोप लगाया है कि पुलिस ने उनके बेटे के साथ मारपीट की और उसे अवैध रूप से हिरासत में रखा एवं उसे अति आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित किया। इसकी वजह से रिहाई के बाद उसी साल 26 फरवरी को उसकी मौत हो गई।

इंद्राणी मुखर्जी को विदेश यात्रा की अनुमति वाली याचिका पर रोक

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने शीना बोरा हत्याकांड में आरोपी इंद्राणी मुखर्जी को यूरोप की यात्रा पर जाने की अनुमति देने वाले विशेष अदालत के आदेश पर मंगलवार को अंतरिम रोक लगा दी। इंद्राणी मुखर्जी पर 2012 में अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या का आरोप है और वह फिलहाल जमानत पर है। न्यायमूर्ति एसवी कोतवाल की एकल पीठ ने कहा कि विशेष अदालत के आदेश के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर न्यायमूर्ति एस सी चांडक की नियमित पीठ के समक्ष 29 जुलाई को सुनवाई की जाएगी। न्यायमूर्ति चांडक मंगलवार को उपलब्ध नहीं थे। सीबीआई ने न्यायमूर्ति कोतवाल की वैकल्पिक पीठ के समक्ष याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की थी। हालांकि न्यायमूर्ति कोतवाल ने कहा कि बेहतर होगा कि याचिका पर नियमित पीठ सुनवाई करे। उन्होंने कहा कि तब तक विशेष अदालत के आदेश पर अंतरिम रोक लगाई जाती है।

● शीना बोरा हत्याकांड की आरोपी हैं इंद्राणी मुखर्जी, यूरोप जाने की मांगी थी अनुमति

सुनवाई | आपत्तिजनक पोस्ट पर एक्स, गूगल व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को नोटिस जारी

लोस अध्यक्ष की बेटी के खिलाफ पोस्ट हटाने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

● आईआरपीएस अधिकारी की बेटी की भी तस्वीर हटाने के आदेश

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक्स कॉर्प और गूगल इंक को भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) अधिकारी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की बेटी अंजलि बिरला के खिलाफ आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट हटाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति नवीन चावला ने अंतरिम आदेश में अज्ञात पक्षों को अंजलि बिरला द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में उल्लेखित कथित मानहानिकारक सामग्री को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पोस्ट करने, प्रसारित करने, संचारित करने, ट्वीट करने या रीट्वीट करने से भी रोक दिया।

उच्च न्यायालय ने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट को मध्यस्थों द्वारा 24 घंटे के भीतर हटाया जाएगा और यदि वादी को समान तरह की किसी अन्य

पोस्ट के बारे में पता चलता है, तो वह इसके बारे में एक्स और गूगल को सूचित करेंगी। उच्च न्यायालय ने इस मामले में एक्स, गूगल, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा अज्ञात पक्षों को भी नोटिस जारी किया तथा चार सप्ताह के भीतर जवाब देने के लिए कहा। अधिकारी ने सोशल मीडिया पर उन पोस्ट को हटाने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया है, जिनमें आरोप लगाया गया है कि उन्होंने अपने पिता के प्रभाव के कारण पहले ही प्रयास में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा पास कर ली और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी बन गईं।

अंजलि के वकील ने बताया कि वह यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) में शामिल हुई थीं और उनका चयन 2019 की समेकित आरक्षित सूची में हुआ था। वह आईआरपीएस अधिकारी के रूप में भारतीय रेलवे में शामिल हुईं। सुनवाई के दौरान अंजलि की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नायर ने कहा तीन साल बाद, यह सोशल मीडिया अभियान फिर से शुरू हो गया है जो न केवल उन्हें बल्कि उनके परिवार को भी बदनाम करता है, जिसमें उनके पिता भी शामिल हैं जो एक राजनीतिक व्यक्ति होने के साथ संवैधानिक पद पर आसीन हैं।

मॉडल का हवाला दे पोस्ट की जा रहीं थीं निजी तस्वीरें

अधिवक्ता ने कहा कि उनकी मुवक्किल 2021 में एक अधिकारी बनी, लेकिन अब नीट और यूपीएससी परीक्षा विवाद के कारण अचानक ये चीजें फिर से सामने आ गई हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट से ऐसा महसूस होता है जैसे हम सब इसका हिस्सा हैं। अधिवक्ता ने कहा कि अंजलि (वादी) की निजी तस्वीरें यह कहते हुए ऑनलाइन पोस्ट की जा रही हैं कि वह एक मॉडल हैं। उन्होंने अदालत को सूचित किया कि साइबर अपराध विभाग में भी इसकी शिकायत की गई है। अंजलि ने एक्स कॉर्प, गूगल, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और अज्ञात व्यक्तियों को मुकदमे में पक्षकार बनाया है।

मातृत्व अवकाश दो बच्चों तक सीमित रखने के नियम पर किया जाए पुनर्विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

● दिल्ली हाईकोर्ट ने पूछा- तीसरे व उसके बाद के बच्चों का क्या दोष है, जो मातृ देखभाल से वंचित रहें

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अधिकारियों को सीसीएस (अवकाश) नियम पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया है, जिसके तहत महिला सरकारी कर्मचारियों को पहले दो बच्चों के जन्म के समय मातृत्व अवकाश दिया जाता है। उच्च न्यायालय ने अधिकारियों से पूछा कि तीसरे और उसके बाद के बच्चों का क्या दोष है, जिन्हें उस मातृ देखभाल से वंचित होना पड़ता है, जो पहले दो बच्चों को मिली थी।

केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियम, 1972 के नियम 43 के अनुसार, कोई महिला सरकारी कर्मचारी शुरुआती दो बच्चों के जन्म के समय दोनों बार 180 दिन की अवधि के लिए मातृत्व अवकाश की हकदार है। अदालत ने कहा तीसरे बच्चे को जन्म के तुरंत बाद और शिशु अवस्था के दौरान मातृ स्पर्श से वंचित रखा जाना ठीक नहीं है, क्योंकि नियम 43 के अनुसार उस बच्चे की मां से यह अपेक्षा की जाती है कि वह जन्म के अगले ही दिन ड्यूटी पर लौट आए। अदालत ने कहा यह याद रखना महत्वपूर्ण होगा कि किसी गर्भवती महिला के शारीरिक व मनोवैज्ञानिक परिवर्तन एक समान रहते हैं, चाहे वह पहली दो गर्भावस्था के दौरान हों, या तीसरे या उसके बाद की गर्भावस्था के दौरान।

खारिज कर दिया था आवेदन

न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया की पीठ ने कहा कि तीसरा बच्चा पूरी तरह असहाय है, इसलिए न्यायालय का यह कर्तव्य है कि वह हस्तक्षेप करे। पीठ केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के आदेश को चुनौती देने वाली दिल्ली पुलिस की अपील पर विचार कर रही थी, जिसमें पुलिस को तीसरे बच्चे को जन्म देने वाली महिला कांस्टेबल को मातृत्व अवकाश देने का निर्देश दिया गया था। महिला के पुलिस में भर्ती होने से पहले दो बच्चे थे। उसकी पहली शादी टूट गई और दोनों बच्चे अपने पिता के पास रहने लगे। दूसरी शादी से उसे तीसरा बच्चा हुआ, लेकिन मातृत्व अवकाश के लिए उसका आवेदन खारिज कर दिया गया।

केंद्रीय बजट में खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ आवंटित

नई दिल्ली, एजेंसी

जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रमुख परियोजना खेलो इंडिया को एक बार फिर खेल मंत्रालय के लिए केंद्रीय बजट में सबसे अधिक राशि आवंटित हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा मंगलवार को पेश केंद्रीय बजट में खेल मंत्रालय के लिए 3,442.32 करोड़ रुपये में से खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह रकम पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 880 करोड़ रुपये के संशोधित आवंटन से 20 करोड़ रुपये अधिक है।

इस साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक चक्र समाप्त होने वाला है और राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों अभी भी दो साल का समय है। ऐसे में खेल मंत्रालय के बजट में पिछले चक्र की तुलना में केवल 45.36 करोड़ रुपये की मामूली वृद्धि की गई है। खेल मंत्रालय के लिए पिछले वित्तीय वर्ष के लिए पिछले चक्र का बजट 3,396.96 करोड़ रुपये था। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में खेलो इंडिया में भारी निवेश किया है क्योंकि यह कार्यक्रम देश के सभी हिस्सों से प्रतिभाओं को सामने लाने का काम करता है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में खेलो इंडिया का वास्तविक आवंटन 596.39 करोड़ रुपये था। अगले साल (2023-24) के बजट में लगभग 400 करोड़ रुपये से अधिक बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये कर दिया गया था। इसे हालांकि संशोधित कर 880 करोड़ रुपये किया गया था।

596.39

करोड़ रुपये खेलो इंडिया के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में हुआ था आवंटित

खेलो इंडिया युवा खेलों 2018 (केआईवाईजी) की शुरुआत के बाद से सरकार ने इसमें और खेल आयोजनों को जोड़ना जारी रखा है। मंत्रालय ने उसी वर्ष खेलो इंडिया शीतकालीन खेल और 2023 में खेलो इंडिया पैरा खेलों शुरू करने के साथ 2020 में खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों की शुरुआत की। देश भर में सैकड़ों खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) स्थापित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य प्रतिभाशाली उदीयमान खिलाड़ियों को सुविधाएं प्रदान करना है। खेलो इंडिया के कई एथलीट वर्तमान में भारतीय ओलंपिक दल में शामिल हैं। राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को सरकार की सहायता में भी 15 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है। यह 2023-24 में 325 करोड़ रुपये से बढ़कर नवीनतम बजट में 340 करोड़ रुपये हो गई है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) का बजट भी 795.77 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 822.60 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसमें 26.83 करोड़ रुपये का उछाल है। साइ देश भर में अपने स्टेडियमों के रख रखाव अलावा वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) का प्रबंधन भी करता है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) को बजट में मामूली वृद्धि मिली है। नाडा और एनडीटीएल का काम खिलाड़ियों की डोपिंग जांच करना है। नाडा के बजट को 21.73 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 22.30 करोड़ रुपये कर दिया गया है जबकि एनडीटीएल के बजट को 19.50 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 22 करोड़ कर दिया गया है।

सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम

महिला एशिया कप

दांबुला, एजेंसी

शेफाली वर्मा (81) और दयालन हेमलता (47) रनों की तूफानी पारियों और उसके बाद दीप्ति शर्मा के 13 रन पर तीन विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने मंगलवार को महिला एशिया कप के 10वें मुकाबले में नेपाल को 82 रनों से हराकर शान के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

179 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज एस खड़का का विकेट गवां दिया। उसके बाद कविता कुंवर (6) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। सीता राणा मगार ने टीम के लिए सर्वाधिक (18) रन बनाये। भारतीय गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी के आगे नेपाल की कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक पिच नहीं टिक सकी। भारतीय गेंदबाजो ने नेपाल को शुरुआत में ही बैकफुट पर कर दिया। नेपाल की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 96 रन ही बना सकी और 82 रन से मुकाबला हार गई। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम महिला एशियाकप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

इससे पहले भारतीय टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 178 रन बनाए। बल्लेबाजी करने उतरी शेफाली वर्मा और दयालन हेमलता की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 122 रनों की साझेदारी की। 16वें ओवर में मगार ने श्रेष्ठ के हाथों शेफाली वर्मा को स्टंप आउट करा दिया।

पाकिस्तान ने यूएई को 10 विकेट से हराया

दाम्बुला। बाएं हाथ की स्पिनर सादिया इकबाल की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज गुल फिरोजा के नाबाद अर्धशतक से पाकिस्तान ने महिला एशिया कप टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए में यूएई को 10 विकेट से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। यूएई के 104 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुल की 55 गेंद में आठ चौकों से नाबाद 62 रन की पारी और मुनीबा अली (नाबाद 37) के साथ उनकी पहले विकेट की अटूट शतकीय साझेदारी से पाकिस्तान ने 14.1 ओवर में बिना विकेट खोए 107 रन बनाकर बेहद आसान जीत दर्ज की। इस जीत से पाकिस्तान के तीन मैच में दो जीत से चार अंक हो गए हैं और टीम का सेमीफाइनल में जगह बनाने का दावा मजबूत हो गया है।

खेल डायरी

हरमनप्रीत, शेफाली 11वें स्थान पर, मंधाना पांचवें पर

दुबई। भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने आईसीसी टी-20 महिला क्रिकेट रैंकिंग में पांचवां स्थान बनाए रखा है जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर और शेफाली वर्मा संयुक्त 11वें स्थान पर हैं। हरमनप्रीत को एक पायदान का फायदा मिला जबकि शेफाली बल्लेबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर आ गई। शीर्ष 20 में भारत के चार खिलाड़ी हैं। जेमिमा रौड्रिग्स 19वें स्थान पर हैं। रिचा घोष 24वें स्थान पर है। बेथ मूनी 769 अंक लेकर शीर्ष पर है। गेंदबाजों की सूची में ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर है जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह नौवे स्थान पर हैं। बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव 20वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड की सोफी एस्सेलेटोन शीर्ष पर हैं।

विश्व जूनियर टीम स्क्वाश में भारत के सामने इंग्लैंड

ह्यूस्टन। भारतीय लड़कों ने विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप में पांचवें से आठवें स्थान के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराया जबकि लड़कियों की टीम इंग्लैंड से इसी अंतर से हार गई। लड़कों की टीम का सामना पांचवें स्थान के लिए इंग्लैंड से होगा जबकि लड़कियों की टीम सातवें स्थान के लिये हांगकांग से खेलेगी। लड़कों की टीम में शौर्य बावा ने कोनोर एर्ल को 12-10, 7-11, 11-6, 11-7 से हराया जबकि अयान वाजिराली ने जुडा फिलिप्स को 11-4, 11-4, 11-8 से हराया। लड़कियों की टीम में शमीना रियाज इंग्लैंड की एमेली हावर्थ से 8-11, 4-11, 10-12 से हार गई जबकि उन्नति त्रिपाठी को एमिली कूचेर पोर्टर ने 11-8, 14-12, 11-4 से हराया।

वोंड्रोसोवा और हुरकाज ने वापस लिया नाम

पेरिस। तोक्यो ओलंपिक टेनिस रजत पदक विजेता मरकेटा वोंड्रोसोवा ने हाथ की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से नाम वापस ले लिया। पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज ने भी घुटने की चोट से कारण नाम वापिस लेने का फैसला किया है। पिछले साल विंबलडन जीतने वाली चेक गणराज्य की वोंड्रोसोवा इस महीने विम्बलडन से पहले दौर में बाहर हो गई थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर ओलंपिक से हटने की जानकारी देते हुए कहा कि उनका फोकस अगस्त में होने वाले अमेरिकी ओपन पर है। ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा के ड्रॉ बृहस्पतिवार को निकाले जायेंगे जबकि मैच शनिवार से शुरू होंगे।

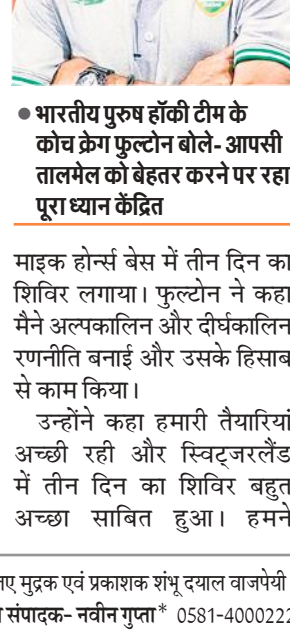

पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेंगे एंडी मर्रे

पेरिस। दो बार ओलंपिक पुरुष एकल चैंपियन एंडी मर्रे ने पुष्टि की कि पेरिस ओलंपिक के बाद वह खेल से संन्यास लेंगे। 37 वर्ष के मर्रे ने एक्स पर पोस्ट किया अपने आखिरी टेनिस टूर्नामेंट के लिए पेरिस पहुंच गया हूं। पेरिस ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा रोलां गैरो पर शनिवार से शुरू होंगी। मर्रे ने पहला स्वर्ण पदक 2012 लंदन ओलंपिक में ग्रासकोर्ट पर जीता था जिसमें उन्होंने रोजर फेडरर को तीन सेटों में हराया था। इसके बाद 2016 में रियो दि जिनेरियो में हार्डकोर्ट पर जुआन मार्टिन देल पोत्रो को हराकर खिताब जीता था। मर्रे ने 2019 में कूल्हे की प्रत्यारोपण सर्जरी कराई थी।

गंभीर के साथ श्रीलंका पहुंची भारतीय टीम

तीन मैचों की शृंखला का पहला टी-20 मुकाबला 27 को होगा, वनडे शृंखला के लिए बाद में पहुंचेगे दिग्गज खिलाड़ी

पाल्लेकल, एजेंसी

नए मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम कोलंबो के रास्ते यहां पहुंच गई जिसका गर्मजोशी से स्वागत किया। पंद्रह सदस्यीय भारतीय टीम सहयोगी स्टाफ के साथ सोमवार को मुंबई से रवाना हुई।

इससे पहले गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने मीडिया को संबोधित किया था। कोलंबो में कुछ देर रूकने के बाद टीम सीधे पाल्लेकल पहुंच गई। भारत को श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 और वनडे शृंखला खेलनी है। पहला टी-20 मैच 27 जुलाई को खेला जाएगा जबकि बाकी दो 28 और 30 जुलाई को होंगे। भारतीय टीम दो, चार और सात अगस्त को तीन वनडे खेलेगी। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा मुंबई से कोलंबो के रास्ते पाल्लेकल। टीम इंडिया श्रीलंका पहुंची।

टी-20 विश्वकप जश्न पर द्रविड़ चीख और रो रहे थे : अश्विन

चेन्नई, एजेंसी

स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि बारबाडोस में भारत की खिताबी जीत के बाद विराट कोहली का पूर्व कोच द्रविड़ को टी-20 विश्व कप ट्रॉफी सौंपना और कोच का खुशी में चीखना और रोना कुछ ऐसा था जो हमेशा उनकी यादों में रहेगा।

पिछले महीने भारत ने दक्षिण अफ्रीका को करीबी फाइनल में हराकर अपना दूसरा टी-20 विश्व कप जीता था जिसके बाद पूर्व कोच द्रविड़ ट्रॉफी को हाथ में उठाकर अपनी भावनाएं व्यक्त करते नजर आए थे। अश्विन ने स्वीकार किया कि यह 51 साल के द्रविड़ के लिए विशेष लम्हा था जो खिलाड़ी के रूप में आईसीसी का खिताब नहीं जीत पाए लेकिन अंततः कोच के रूप में ऐसा करने में सफल रहे। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल कहा मेरे लिए सबसे शानदार लम्हा वह है जब विराट कोहली राहुल द्रविड़ को बुलाते हैं और उन्हें कप देते हैं। मैंने उन्हें कप को गले लगाते हुए और रोते हुए देखा।

भारत के खिलाफ टी-20 में असलंका संभालेंगे श्रीलंका की कमान, 16 सदस्यीय टीम घोषित

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट ने 27 जुलाई से भारत के साथ शुरू होने वाली तीन मैचों की टी-20 शृंखला के लिए चरिथ असलंका को टीम का नया कप्तान बनाया है। श्रीलंका क्रिकेट ने भारत के साथ होने वाली तीन टी-20 मैचों की शृंखला के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। वह हाल ही में कप्तानी से इस्तीफा देने वाले वानिंदु हसरंगा की जगह लेंगे। असलंका ने इस वर्ष की शुरुआत में बंगलादेश दौरे पर दो टी-20 मैचों में श्रीलंका टीम की कप्तानी की थी। उन्होंने श्रीलंका अंडर-19 की भी कप्तानी की है। 34 वर्षीय दिनेश चांदीमल की श्रीलंका की टी-20 टीम में वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी बार 2022 की शुरुआत में टी-20 मैच खेला था। इस साल एलपीएल में 168.82 के स्ट्राइक रेट से आठ मैचों में 287 रन बनाए। जो कि उनके करियर के 123.03 के स्ट्राइक रेट से कहीं अधिक है। उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में वानिंदु हसरंगा के छह महीने के कार्यकाल के बाद कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम में चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल जेनिथ परेरा (विकेटकीपर), अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), दिनेश चांडीमल, कामिंडु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, महीश थीक्षाना, चामिंडु विक्रमसिंघे, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, दुष्मंथा चमीरा और बिनुरा फर्नांडो को शामिल किया गया है।

यातायात महंगा, सीन की सुरक्षा पर सवाल

पेरिस, एजेंसी

ओलंपिक 2 दिन शेष

- **100 साल बाद पेरिस में ओलंपिक, गर्व पर दर्द का भी बना है सबब**

पेरिस ओलंपिक के लिये यहां पहुंचे करीब 45,000 वालिंटियर का यहां आना सार्थक हो गया जब उन्हें हवाई अड्डे पर टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज से मिलने का मौका मिला। पेरिस में 100 साल बाद ओलंपिक हो रहे हैं और वालिंटियर्स के लिए यह जिंदगी में एक बार मिलने वाला अनुभव है। पेरिस हवाई अड्डे पर एक उत्साही वालिंटियर ने कहा मैं 60 साल का हो चुका हूं और मेरे जीवन में तो पेरिस में फिर ओलंपिक नहीं होने वाला। इसका हिस्सा बनना मेरे लिए जीवन भर नहीं भूलने वाला अनुभव है। बीस मिनट पहले अल्काराज यहां पहुंचे और मैंने उन्हें एक्रिडिटेशन (पहचान पत्र) दिलाने में मदद की। यह अनुभव यादगार हो गया है।

स्थानीय यातायात महंगा

पेरिस में रहने वाले सभी लोग ओलंपिक के आयोजन से खुश नहीं है क्योंकि इसका उनके दैनंदिनी जीवन पर असर पड़ रहा है। स्थानीय यातायात 2.15 यूरो से बढ़कर 4 यूरो तक पहुंच गया है और आठ सितंबर को पैरालंपिक के खत्म होने तक यही किराया रहेगा। ओलंपिक आयोजन स्थलों के आसपास आवागमन पर भी पाबंदियां हैं। शहर के सबसे व्यस्त ट्रेन स्टेशन पर खड़ी विक्टोरी डेलारू ने कहा पेरिसवासियों के लिए ओलंपिक की मेजबानी गर्व का विषय है लेकिन इससे लोगों के रोजमर्रा के जीवन पर असर नहीं पड़ना चाहिए।

आधे होटल हैं खाली

ओलंपिक के दौरान होटलों की भारी मांग दिखाई गई जिससे पेरिस के कई लोगों ने कमाई के लिए अपने घरों को किराये पर लगा दिया लेकिन होटलों की उतनी मांग है नहीं। पेरिस में यह पर्यटन का मौसम है लेकिन मांग फिर भी कम है। एक होटल के मैनेजर समीर ने कहा इस समय हमारे होटल में एक रात का किराया 120 यूरो रहता है लेकिन हम आधे दाम पर लगा रहे हैं। ओलंपिक की मेजबानी हमारे लिए अच्छी नहीं रही। काफी पाबंदियां हैं और कई जगहों पर जाने के लिए क्यूआर कोड चाहिए।

क्या वाकई साफ है सीन नदी

ओलंपिक के लिए स्थानीय प्रशासन का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट सीन नदी की सफाई था जहां उद्घाटन समारोह, ट्रायथलन और मैराथन तैराकी होनी है। इतिहास में पहली बार पानी पर उद्घाटन समारोह हो रहा है जिसमें सुरक्षा उपायों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। सीन नदी में तैराकी पर 100 साल पहले प्रतिबंध लग गया था लेकिन इसकी सफाई पर डेढ़ अरब यूरो खर्च किए गए। पिछले सप्ताह बारंबार देरी के बाद आखिरकार डुबकी लगाकर इसे तैराकी के लिये सुरक्षित करार दिया।

असम के मुख्यमंत्री ने अभिनव को ओलंपिक आर्डर मिलने पर दी बधाई

गुवाहाटी, एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक मूवमेंट में उनके असाधारण योगदान के लिये ओलंपिक आर्डर मिलने पर बधाई दी है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा उम्मीद है कि वह आने वाली पीढियों को खेलों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड ने बिंद्रा को बताया कि उन्हें ओलंपिक आर्डर दिया गया है और पुरस्कार समारोह 10 अगस्त को पेरिस में आईओसी के 142वें सत्र के दौरान होगा। असम सरकार ने गुवाहाटी और जोरहट में दो हाई परफार्मेंस खेल ट्रेनिंग और रिहैबिलिटेशन सेंटर बनाने के लिए असम सरकार के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश के 250 सरकारी और गुवाहाटी के निजी स्कूलों में ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम (ओवीईपी) लागू करने के लिए भी एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका मकसद बदलती जीवन शैली, एकाग्रता के अभाव और स्कूल से बच्चों का नाम वापिस लेने जैसी समस्याओं से निपटना है।

विश्वास, टीम भावना सफलता की कुंजी : क्रेग

नई दिल्ली, एजेंसी

- **भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच क्रेग फुल्टोन बोले- आपसी तालमेल को बेहतर करने पर रहा पूरा ध्यान केंद्रित**

पिछले साल भारतीय पुरुष हॉकी टीम से जुड़े कोच क्रेग फुल्टोन का लक्ष्य आपसी विश्वास मजबूत करना था और उन्हें यकीन है कि उनके प्रयासों का नतीजा पेरिस ओलंपिक में पदक के बेहतर रंग के रूप में मिलेगा।

14 माह पहले पदभार संभालने वाले फुल्टोन ने कहा मुझे नहीं पता कि तोक्यो ओलंपिक से पहले क्या तैयारियां थी लेकिन 14 महीने पहले मेरे आने के बाद से फोकस खिलाड़ियों में आपसी विश्वास बेहतर करने पर रहा है। उन्होंने बेहतर नतीजों के लिये दक्षिण अफ्रीका के मानसिक अनुकूलन कोच पैडी उपटन की सेवाएं ली जो 2011 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के साथ काम कर चुके हैं। उपटन टीम के साथ पेरिस में हैं। मानसिक दृढता के लिये उन्होंने इस महीने की शुरूआत में स्विटजरलैंड के माइक होर्न्स बेस में तीन दिन का शिविर लगाया। फुल्टोन ने कहा मैने अल्पकालिन और दीर्घकालिन रणनीति बनाई और उसके हिसाब से काम किया।

उन्होंने कहा हमारी तैयारियां अच्छी रही और स्विट्जरलैंड में तीन दिन का शिविर बहुत अच्छा साबित हुआ। हमने आपसी विश्वास, टीम भावना और एकजुटता बढाने पर काम किया । इसके बाद नीदरलैंड में नौ दिन अभ्यास किया और कुछ अभ्यास मैच भी खेले। तोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक विजेता से अपेक्षाओं के बारे में उन्होंने कहा मुझे अपेक्षाओं का पता है और मैं इसके लिए पूरी तरह से तैयार हूं। भारत का हॉकी का गौरवमयी इतिहास रहा है और हम उस विरासत को आगे बढाना चाहते हैं। मैं पोडियम पर रहने के बारे में कयास नहीं लगा सकता क्योंकि ओलंपिक में 12 टीमों के बीच ज्यादा अंतर नहीं है। पहले तीन मैच अहम है जिन पर फोकस रहेगा।

ओलंपिक से इतर हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय शिविर में बुलाया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सितंबर में चीन में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बेंगलुरू में सीनियर पुरुष टीम के राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में उन खिलाड़ियों को बुलाया है जो पेरिस ओलंपिक की टीम का हिस्सा नहीं हैं। इसमें विकास ग्रुप और जूनियर पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी भी शामिल हैं। ओलंपिक टीम में शामिल खिलाड़ी छोटे ब्रेक के बाद 24 अगस्त से राष्ट्रीय शिविर में भाग लेंगे जो चार सितंबर तक चलेगा। मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा सीनियर टीम पेरिस ओलंपिक में अपने अभियान की शुरूआत की तैयारी में जुटी है लेकिन हमारे पास उससे इतर भी खिलाड़ियों का मजबूत पूल है जो भारत के लिये फिर खेलने के मौके के इंतजार में हैं। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी ओलंपिक के कुछ सप्ताह बाद ही है लिहाजा इसके लिये बेंगलुरू के साइ केंद्र में शिविर लगाया जा रहा है । ये खिलाड़ी उसके लिये तैयारी करेंगे और ओलंपिक टीम 24 अगस्त को उनसे जुड़ेगी।

बॉलीवुड हलचल

फिल्म खेल-खेल में का मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म खेल खेल में का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है ।कॉमेडी-ड्रामा खेल खेल में अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, अम्मी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जैसवाल और फरदीन खान की अहम भूमिका हैं। फिल्म ''खेल खेल में'' का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। टी-सीरीज फिल्म, वाकाऊ फिल्म्स और केकेएम फिल्म प्रोडक्शन की फिल्म खेल खेल में का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया हैं। यह फिल्म भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित है। फिल्म खेल खेल में 15 अगस्त 2024 को रिलीज होगी।

जियो सिनेमा पर 9 से स्ट्रीम होगी घुड़चढ़ी

मुंबई। बॉलीवुड के माचो हीरो संजय दत्त और अभिनेत्री रवीना टंडन की आने वाली फिल्म ''घुड़चढ़ी'' ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर 9 अगस्त से स्ट्रीम होगी। निधि दत्त और बिनॉय के गांधी निर्मित ''घुड़चढ़ी'' का पहला पोस्टर जारी हो गया है। साथ ही रिलीज डेट का भी एलान कर दिया गया है। ''घुड़चढ़ी'' एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें संजय दत्त, रवीना टंडन, पार्थ समथान और खुशाली कुमार की अहम भूमिका है। ''घुड़चढ़ी'' सिनेमाघरों की बजाय ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर 09 अगस्त से स्ट्रीम होगी। संजय दत्त ने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म घुड़चढ़ी का पोस्टर शेयर किया है ।पोस्टर में रवीना-संजय और पार्थ-खुशाली रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। इसके साथ कैप्शन में लिखा गया है, प्यार डबल और कन्फ्यूजन डबल।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, कार्यकारी संपादक- नवीन गुप्ता* 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल-amritvichar120@gmail.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

एक नजर

नेपाल में भारतीयों को टक्कर मारकर घायल वाला चालक गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल में एक कार चालक को नशे में वाहन चलाने और उससे (कार से) टक्कर मारकर तीन भारतीय राहगीरों को घायल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात कालीमाटी-कुलेश्वर सड़क खंड पर हुई। उन्होंने बताया कि गलत लेन से आ रही कार ने फुटपाथ पर चल रहे तीन भारतीयों को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि मेडिकल जांच में पता चला कि कार चालक भूपेंद्र श्रेष्ठ (40) ने मादक पदार्थ का सेवन कर रखा था। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। घायलों की पहचान प्रियांशु कुमार (18), भोला कुमार (25) और श्याम बाबू ठाकुर (18) के रूप में हुई है।

अमेरिका में विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका के विस्कॉन्सिन प्रांत में सोमवार को एक एयर शो स्थल के पास खेत में विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। विन्नेबागो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि कल दोपहर पूर्वी विस्कॉन्सिन शहर नेकिमी में विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। मृतकों के रिश्तेदारों को सूचना दे दी गई है। मृतकों के नाम का अभी खुलासा नहीं किया गया है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड विमान दुर्घटना की जांच में जुट गया है।

म्यांमार के प्रधानमंत्री बने कार्यवाहक राष्ट्रपति

नाएप्यीडॉ। म्यांमार के प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रीय प्रशासन परिषद के अध्यक्ष मिन आंग ह्लाइंग को राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद की गतिविधियों से संबंधित मामलों को हल करने के लिए अस्थायी रूप से कार्यवाहक राष्ट्रपति की शक्तियां दी गई हैं। एमडब्ल्यूडी न्यूज ब्रॉडकास्टर ने यह जानकारी दी। सैन्य सरकार ने कहा, "कार्यवाहक राष्ट्रपति के कर्तव्य राज्य प्रशासन परिषद के अध्यक्ष को सौंप दिए गए हैं।" रिपोर्ट के मुताबिक, म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति माइंट स्वे बीमार हैं और उनका इलाज चल रहा है।

अमेरिका की अधीनस्थ अदालत पर साइबर हमला

लॉस एंजिलिस। अमेरिका की सबसे बड़ी अधीनस्थ अदालत 'सुपीरियर कोर्ट ऑफ लॉस एंजिलिस काउंटी' पिछले सप्ताह रैनसमवेयर हमले के कारण कम्प्यूटर प्रणाली में खराबी आ जाने के कारण सोमवार को बंद रही। शुक्रवार की सुबह साइबर हमले का पता चलने पर अदालत की कंप्यूटर प्रणाली को बंद कर दिया गया था, जो सप्ताहांत तक बंद रही। अदालतें शुक्रवार को काम-काज के लिए खुली रहीं, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि काउंटी की सभी 36 अदालतें सोमवार को बंद रहेंगी।

मशहूर कन्नड़ निर्देशक ने धोंडले ने की आत्महत्या

बेंगलुरु। जाने-माने कन्नड़ टीवी सीरीज निर्देशक विनोद वी धोंडले ने अपनी पहली फिल्म के बढ़ते बजट और फिल्म के वास्ते लिए गए तीन करोड़ रुपये के व्यक्तिगत ऋण से कथित रूप से परेशान होकर 20 जुलाई को आत्महत्या कर ली। उनके साझेदार और फिल्म के निर्माता 'वृद्धि क्रिएशन' के वर्धन हरि ने कहा कि उन्हें वित्तीय कठिनाई का सामना करना पड़ा, क्योंकि फिल्म की शूटिंग की अवधि निर्धारित दिनों से लगभग दोगुनी हो गई। हरि ने कहा, "हमारा मूल बजट करीब 1.5 करोड़ रुपये था, लेकिन हम कई गुना ज्यादा खर्च कर बैठे। अब हमें कुछ दृश्यों के साथ-साथ एक गाना और एक लड़ाई का दृश्य भी दोबारा शूट करना था। इन सबके लिए और अधिक पैसे की जरूरत थी।"

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की मुखिया चीटल का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी

- डोनाल्ड ट्रंप पर हमले को बताया था सबसे गंभीर चूक

अमेरिकी खुफिया सेवा की निदेशक किंबरले चीटल ने एक रैली में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास की घटना को लेकर मंगलवार को पद से इस्तीफा दे दिया। चीटल ने विभाग के सहयोगियों को किए गए ई-मेल में यह जानकारी दी। चीटल ने अपने ई-मेल में कहा, 'मैं सुरक्षा चूक की पूरी जिम्मेदारी लेती हूं। हाल की घटनाओं के मद्देनजर, भारी मन से मैंने निदेशक पद से इस्तीफा देने का कठिन निर्णय लिया है।'

ट्रंप पर हमले की घटना के बाद से ही खुफिया सेवा पर गंभीर चूक करने के आरोप लग रहे थे। इसे लेकर अगस्त, 2022 से ही निदेशक पद संभाल रहीं चीटल पर इस्तीफा देने का चौतरफा दबाव था। एक दिन पहले ही चीटल ने सांसदों के समक्ष स्वीकार किया था कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या का प्रयास, 1981 में तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन को गोली मारे जाने की घटना के बाद से 'सबसे गंभीर' सुरक्षा चूक है। चीटल ने ट्रंप की हत्या के प्रयास को लेकर सदन की निगरानी व जवाबदेही समिति के समक्ष अपनी पेशी के दौरान यह बात स्वीकार की।

बजट में पड़ोसियों पर भी दिखाई मेहरबानी

नई दिल्ली, एजेंसी

- मालदीव को मदद बरकरार, भूटान के लिए सबसे ज्यादा आवंटन

भारत ने 'पड़ोसी पहले की नीति' के तहत बजट 2024-25 में भूटान को मदद का सबसे बड़ा हिस्सा दिया है। इस वित्तीय वर्ष में उसे 2,068 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में भूटान में विभिन्न योजनाओं के लिए 2400 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। वहीं, बांग्लादेश को मौजूदा आम बजट में 120 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष में 200 करोड़ रुपये था।

वहीं, मॉरीशस के लिए मदद भी 2024-25 के केंद्रीय बजट में वित्तीय मदद कम की गई है। उसके लिए 370 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई। पिछले वित्त वर्ष में यह राशि 400 करोड़ रुपये थी। म्यांमार के लिए भी इस साल का बजट 400 करोड़ रुपये से घटकर 250 करोड़ रुपये हो गया।

इस बीच, मालदीव के लिए आवंटन में कोई बदलाव नहीं किया गया। इस साल भारत सरकार ने केंद्रीय क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए मालदीव को 400 करोड़ रुपये आवंटित किए।

मालदीव और भारत के बीच राजनयिक संबंध इस साल जनवरी की शुरुआत में तनावपूर्ण हो गए थे। दोनों देशों के बीच विवाद उस समय पैदा हुआ, जब मालदीव के कुछ सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के दौरान अपमानजनक टिप्पणी की। हालांकि, बाद में इन सांसदों को निलंबित भी किया गया। मोहम्मद मुइज्जी के मालदीव के राष्ट्रपति बनने के तुरंत बाद विवाद शुरू हुआ। चीन के समर्थन माने जाने वाले मुइज्जी ने मालदीव में तैनात भारतीय सैनिकों को वापस बुलाने का अनुरोध किया था। इस कदम ने भारत और मालदीव के बीच राजनयिक संबंधों को और प्रभावित किया था। इसके अलावा, ईरान के चाबहार बंदरगाह के लिए भी 100 करोड़ रुपये का आवंटन बरकरार रखा गया है।

नेपाल-श्रीलंका के लिए भी बजट आवंटन में वृद्धि

नेपाल और श्रीलंका के लिए बजट आवंटन में वृद्धि की गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 में नेपाल को सहायता के रूप में 700 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जो कि पिछले साल 550 करोड़ रुपये था। श्रीलंका के लिए इस साल 245 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि पिछले साल यह राशि 150 करोड़ रुपये थी।

इथियोपिया: भूस्खलन में बच्चों समेत 157 लोगों की मौत

अदीस अबाबा। इथियोपिया के एक दूरस्थ क्षेत्र में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 157 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय प्रशासक दागमावी आयेले ने बताया कि दक्षिणी इथियोपिया के केंचो शाचा गोजदी जिले में मिट्टी धंसने की घटना में मारे गए लोगों में बच्चे और गर्भवती महिलाएं शामिल हैं। गोफा जोन के संचार कार्यालय के प्रमुख कासाहुन अबेयनेह ने बताया कि इलाके में तलाश अभियान जारी रहने के कारण मृतकों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 157 हो गई। सोमवार रात तक 55 लोगों की मौत की सूचना थी। गोफा जोन वह प्रशासनिक इलाका है, जहां भूस्खलन हुआ है।

कनाडा में एक और मंदिर में तोड़फोड़

खालिस्तान समर्थकों ने स्वामीनारायण मंदिर की दीवार पर लिखे आपत्तिजनक नारे

ओटावा, एजेंसी

एडमॉन्टन में हिंदू मंदिर पर हमले में खालिस्तान समर्थकों का हाथ बताया जा रहा है।

कनाडा में एक बार फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया। अलबर्टा प्रांत की राजधानी एडमॉन्टन में एक हिंदू मंदिर में मंगलवार को तोड़फोड़ की गई और उन पर घृणित भित्तिचित्र बनाए गए। इसके पीछे खालिस्तान समर्थकों का हाथ बताया जा रहा है।

कनाडा के सांसद चंद्र आर्य ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित किए जाने पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने लिखा, "पिछले कुछ वर्षों के दौरान ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा के अन्य स्थानों में हिंदू मंदिरों को घृणित भित्तिचित्रों के साथ नष्ट किया जा रहा है।"

ऐसी घटनाओं को भड़काने वाले चरमपंथी तत्वों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए बहुसांस्कृतिक मुद्दों पर अपनी वकालत के लिए जाने जाने वाले लिबरल सांसद का कहना है कि सिख फॉर जस्टिस के गुरपतवंत सिंह पन्नून ने पिछले साल सार्वजनिक रूप से हिंदुओं को भारत वापस जाने के लिए कहा था। खालिस्तान समर्थकों ने ब्रैम्पटन और वैंकूवर में घातक हथियारों की तस्वीरें लहरा कर भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का सार्वजनिक रूप से जश्न मनाया था।

आर्य ने जोर देकर कहा, "जैसा कि मैं हमेशा से कहता रहा हूं, खालिस्तानी चरमपंथी नफरत और हिंसा की अपनी सार्वजनिक बयानबाजी से आसानी से बच जाते हैं।" उन्होंने मंदिर की क्षतिग्रस्त दीवार की एक तस्वीर के साथ आग्रह करते हुए अपनी पोस्ट समाप्त की, "एक टूटे हुए रिकॉर्ड की तरह मैं फिर से कनाडाई कानून प्रवर्तन एजेंसियों से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने का आह्वान करता हूं, इससे पहले कि ये बयानबाजी हिंदू-कनाडाई लोगों के खिलाफ भौतिक कार्रवाई में तब्दील हो जाए।"

तोड़ी गई मंदिर की दीवार पर लिखा है, "प्रधानमंत्री मोदी सांसद आर्य हिंदू आतंकवादी कनाडा विरोधी हैं।" पिछले साल नवंबर में एक वकालत संस्था 'कनाडा-इंडिया फाउंडेशन' ने देश के राजनेताओं से अपनी चुप्पी तोड़ने और बहुत देर होने से पहले कट्टरपंथियों पर लगाम लगाने के लिए कहा था।

कनाडाई राजनेताओं और मीडिया ने हालांकि इस खतरे को नजरअंदाज कर दिया। स्थिति के जवाब में उन्होंने एक खुले पत्र में कहा था, "हमें इस बात से और भी निराशा हुई है कि हमारे नेताओं ने इस गंभीर मुद्दे पर पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है। आतंकवाद और खतरों से निपटने के लिए यह चयनात्मक दृष्टिकोण इस दुनिया को सुरक्षित जगह नहीं बनाएगा।"

हाल के दिनों में तोड़े गए हिंदू मंदिरों में मिसिसॉगा में राम मंदिर, रिचमंड हिल में विष्णु मंदिर, टोरंटो में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर, सरे में लक्ष्मी नारायण मंदिर शामिल हैं। इन हमलों को धर्म की स्वतंत्रता पर हमले के रूप में देखा जाता है और एक खतरनाक प्रवृत्ति माना जाता है। वकालत संस्था ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि चरमपंथियों ने आम हिंदुओं को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है और उन्हें कनाडा छोड़ने के लिए कहा है।

हिंदू कनाडाई सच में परेशान हैं: सांसद आर्य

सांसद चंद्र आर्य ने अपनी पोस्ट में खालिस्तानी चरमपंथियों को मिली छूट की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'जैसा कि मैं हमेशा से कहता रहा हूं, खालिस्तानी चरमपंथी नफरत और हिंसा की अपनी सार्वजनिक बयानबाजी से आसानी से बच निकलते हैं। मैं एक बार फिर से बोलना चाहता हूं, हिंदू कनाडाई सच में परेशान हैं। मैं फिर से कनाडा की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने का आह्वान करता हूं। इससे पहले कि ये बयानबाजी हिंदू कनाडाई लोगों के खिलाफ हमलों में तब्दील हो जाए।'

जेल में अच्छी सुविधाओं के लिए कोर्ट पहुंचे इमरान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को जेल में अंतर्राष्ट्रीय मानक की सुविधाएं दिए जाने का अनुरोध करते हुए इस्लामाबाद हाईकोर्ट का रुख किया है। जियो न्यूज की खबर के मुताबिक, रावलपिंडी की अडियाला जेल में कैद इमरान और बुशरा ने वहां उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के अनुरोध को लेकर हाईकोर्ट में सोमवार को एक याचिका दायर की। इमरान को वर्ष 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिये प्रधानमंत्री पद से अपदस्थ किया गया था।

ऋषि सुनक 2 नवंबर तक नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे

लंदन, एजेंसी

- नवंबर तक सुनक के उत्तराधिकारी का किया जाएगा चुनाव

ब्रिटेन की संसद में पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक 2 नवंबर तक अंतरिम नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे। कंजर्वेटिव पार्टी की समय सारिणी के अनुसार नवंबर तक उनके उत्तराधिकारी का चुनाव किया जाएगा और इसके लिए नामांकन प्रक्रिया बुधवार से शुरू होगी। टोरी (कंजर्वेटिव पार्टी) का नेतृत्व कौन करेगा, यह तय करने के लिए संसद के बैकबेंच सदस्यों की 1922 समिति ने सोमवार शाम को दो चरण की चुनाव प्रक्रिया की जानकारी दी, जिसके तहत दो नवंबर को नए नेता की नियुक्ति की जाएगी।

भारतीय मूल के ब्रिटिश नेता ऋषि सुनक (44) ने आम चुनाव में पार्टी की सबसे बुरी हार के बाद 5 जुलाई को अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि जब तक उनका उत्तराधिकारी नहीं चुना जाता, तब तक वह टोरी के अंतरिम नेता की जिम्मेदारी का निर्वहन करते रहेंगे। सुनक ने कहा, 'पार्टी का नेतृत्व हासिल करने के उम्मीदवारों या इससे जुड़े अभियान के बारे में कोई भी टिप्पणी करना मेरे लिए अनुचित होगा।'

अपनी पहली रैली के लिए विस्कॉन्सिन पहुंची कमला

वाशिंगटन। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती देने के लिए अपनी डेमोक्रेट पार्टी के 'डेलीगेट' का समर्थन जुटाने के वास्ते मंगलवार को अपनी पहली रैली के लिए विस्कॉन्सिन पहुंचीं। डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख नेताओं के हैरिस के पक्ष में लामबंद होने के बीच वह राष्ट्रपति चुनाव का उम्मीदवार बनने के लिए रविवार से शुरू किए गए अपने अभियान के तहत मिलवॉकी से समर्थन जुटाना शुरू करेंगी। बाइडन (81) ने गत रविवार को राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की अचानक घोषणा कर सबको चौंका दिया था।

फिलिस्तीन के दो विरोधी गुटों हमास और फतह में समझौता

रामल्ला (वेस्ट बैंक), एजेंसी

- वर्षों से जारी मतभेद खत्म करने के लिए बीजिंग में घोषणापत्र पर किए हस्ताक्षर

गाजा पट्टी में गहराते युद्ध संकट के बीच फिलिस्तीन के प्रतिद्वंद्वी समूहों हमास और फतह ने वर्षों से जारी आपसी मतभेदों को खत्म करने के लिए बीजिंग में एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। गाजा पट्टी में गहराते युद्ध संकट के बीच यह घोषणापत्र फलस्तीनी क्षेत्र में मिलकर सरकार बनाने के मकसद से हमास और फतह को एकजुट करने के लिए जारी कई दौर की बातचीत का नतीजा है।

हालांकि दोनों पक्ष आपसी मतभेद दूर करने के लिए पहले भी कई ऐसे घोषणापत्र पर दस्तखत कर चुके हैं, जो विफल रहे हैं। ऐसे में इस बात को लेकर संदेह पैदा हो गया है कि क्या चीन प्रायोजित वार्ता से वास्तव में कोई समाधान निकल सकता है। इस घोषणापत्र पर ऐसे समय में हस्ताक्षर किए गए हैं, जब इजराइल और हमास अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समर्थित संघर्ष-विराम प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, जो गाजा पट्टी में नौ महीने से जारी युद्ध को समाप्त कर सकता है और हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों की आजादी का रास्ता खोल सकता है। हालांकि, समझौते पर सहमति बनने के बावजूद युद्ध के बाद गाजा पट्टी की स्थिति को लेकर संशय बरकरार रहेगा, क्योंकि इजराइल इस क्षेत्र के शासन में हमास की किसी भी भूमिका के खिलाफ है। उसने युद्ध समाप्त होने के बाद गाजा को फतह-प्रभुत्व वाले फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा संचालित करने के अमेरिका के आह्वान को भी खारिज कर दिया है।

माली में हिंसक हमले में 26 ग्रामीणों की मौत

बमाको। बुर्किना फासो की सीमा के समीप माली के मध्य क्षेत्र के एक गांव पर एक सशस्त्र समूह द्वारा किए गए हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई। बैंकोस कस्बे के मेयर मौलाये गुइंडो ने बताया कि डेंबो गांव में हमलावरों ने रविवार शाम को ग्रामीणों पर उस समय हमला कर दिया, जब उनमें से अधिकतर लोग अपने खेतों में काम कर रहे थे। देश की सैन्य सरकार उत्तरी क्षेत्र में हिंसा को रोकने के लिए संघर्ष कर रही है।

मध्य माली में ऐसे हमले लगातार बढ़ रहे हैं। रविवार के हुए हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन इसके पीछे अल-कायदा से जुड़े चरमपंथी संगठन 'जेएनआईएम' का हाथ माना जा रहा है, जो ग्रामीणों को अक्सर निशाना बनाता है। विद्रोहियों ने जुलाई में भी इसी तरह एक विवाह समारोह पर हमला किया था।

ब्रिटेन का 'जाकिर नाइक' दोषी करार

पाकिस्तान मूल के ब्रिटिश नागरिक अंजम चौधरी को हो सकती है उम्रकैद

लंदन, एजेंसी

- आतंकी संगठन अल-मुहाजिर में कार्यवाहक की भूमिका निभाता था

ब्रिटिश-पाकिस्तानी कट्टरपंथी इस्लामवादी उपदेशक अंजम चौधरी को एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन को दिशा-निर्देश देने का दोषी पाया गया है। संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय जांच के बाद ब्रिटेन में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा सकती है। अंजम चौधरी को ब्रिटेन का 'जाकिर नाइक' भी कहा जाता है।

अंजम चौधरी (57) को अल-मुहाजिर (एएलएम) में कार्यवाहक की भूमिका निभाते पाया गया था और लंदन के 'वूलविच क्राउन कोर्ट' में सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि उसने 2014 के बाद एक महत्वपूर्ण अवधि के लिए आतंकवादी समूह को दिशा-निर्देश दिए थे और ऑनलाइन माध्यम से की गई बैठकों को संबोधित करके संगठन के लिए समर्थन को प्रोत्साहित किया था। जानकारी के अनुसार 30 जुलाई को उसे सजा सुनाई जाएगी। माना जा रहा है कि उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा सकती है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस, न्यूयॉर्क पुलिस विभाग और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की ओर से की गई जांच के परिणामरूप दोषसिद्धि हो पाई।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस की आतंकवाद-रोधी कमांड के प्रमुख कमांडर डोमिनिक मर्फी ने कहा, 'अल-मुहाजिर दुनिया भर में अपनी पहुंच बना चुका है और इसका जन सुरक्षा पर व्यापक प्रभाव पड़ा है।' अल-मुहाजिर को पहली बार 2006 में अल घुरबा नाम से ब्रिटेन द्वारा प्रतिबंधित किया गया था। अल-मुहाजिर को 2010 में वैकल्पिक नाम के रूप में प्रतिबंध में शामिल किया गया। चौधरी इसके मूल तीन सदस्यों में से एक था।

पिछले साल जुलाई में लंदन के एक एयरपोर्ट से चौधरी के एक सहयोगी 29 वर्ष के खालेद हुसैन को हिरासत में लिया गया था। उसे एएलएम का सदस्य होने का दोषी पाया गया था। जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि जून 2022 से अपनी गिरफ्तारी होने तक चौधरी ने छोटे-छोटे समूहों में ऑनलाइन उपदेश देकर ब्रिटेन में इस्लामिक स्टेट की स्थापना पर जोर दिया।

श्रीलंका ने नौ भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने मंगलवार को कथित तौर पर अपने जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में नौ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और उनकी नौकाएं जब्त कर ली। इसी के साथ इस वर्ष श्रीलंका द्वारा ऐसी घटनाओं में पकड़े गए भारतीय नागरिकों की कुल संख्या 261 हो गई है। नौसेना ने कहा कि उत्तरी जाफना प्रायद्वीप के डेल्फ्ट द्वीप पर नौ मछुआरों को गिरफ्तार किया गया और उनकी दो नौकाएं जब्त की गई। नौसेना ने 11 जुलाई को कहा था कि इस साल अवैध शिकार करने को लेकर 252 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया। इस माह के आरंभ में श्रीलंका ने भारत के समक्ष एक नौसैनिक की मौत के मामले को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की थी। दोनों देशों के मछुआरों को अक्सर अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में घुसने के लिए गिरफ्तार किया जाता है।

सीमा मुद्दों को राजनयिक तंत्र के जरिये करेंगे हल: ओली

काठमांडू, एजेंसी

- नेपाल के प्रधानमंत्री ने एक सांसद के सवाल का दिया जवाब

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा है कि भारत के साथ लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी जैसे क्षेत्रों सहित सीमा मुद्दों को राजनयिक तंत्र के माध्यम से हल करने के लिए समझ बनी हुई है। ओली ने प्रतिनिधि सभा में एक सांसद के सवाल का जवाब देते हुए सोमवार को उल्लेख किया कि नेपाल-भारत सीमा पर सीमा चौकियों का निर्माण और बहाली चल रही है।

'माई रिपब्लिका' ने ओली के हवाले से कहा, "संघीय संसद, नेपाल सरकार और सभी नेपाली नेपाल की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के संबंध में स्पष्ट और दृढ़ रहे हैं। 17 जून, 2020 को नेपाल के संविधान में दूसरे संशोधन के माध्यम से नए मानचित्रों को संविधान की अनुसूची-3 में शामिल किया गया है और सीमा मुद्दों पर एक अभूतपूर्व राष्ट्रीय सहमति है। वर्ष 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, नेपाल सरकार दृढ़ और स्पष्ट है कि लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख सहित काली (महाकाली) नदी के पूर्व के सभी क्षेत्र नेपाल के हैं।" उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के प्रधानमंत्रियों के बीच उच्च स्तरीय यात्राओं के अवसर पर हुई बैठकों के दौरान, स्थापित राजनयिक तंत्र के माध्यम से सीमा मुद्दों को हल करने पर सहमति बनी थी।

खोज-खबर सुपरमैसिव ब्लैक होल और डार्क मैटर के आपसी संपर्क को किया उजागर

भौतिकीविदों का अंतिम पारसेक समस्या के निदान का प्रस्ताव

संवाददाता, नैनीताल

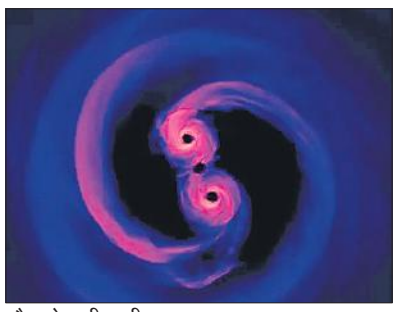

ब्लैक होल की तस्वीर।

अमृत विचार: खगोल भौतिकीविदों ने अंतिम पारसेक समस्या के निदान के लिए नया समाधान प्रस्ताव दिया है। प्रस्ताव में सुपरमैसिव ब्लैक होल व डार्क मैटर कनेक्शन को उजागर किया गया है। जर्नल फिजिकल रिव्यू लेटर्स में यह शोध प्रकाशित हुआ है।

दरअसल, पारसेक एक खगोलीय मापन मात्रक है, जो सर्वाधिक दूरी को मापने के लिए उपयोग में लाई जाती है। मगर अंतिम पारसेक समस्या वैज्ञानिकों के लिए अभी तक रहस्य बना हुआ था। इसे नए शोध के जरिए सुलझाने का प्रयास किया गया है, जिसमें एक सुपरमैसिव ब्लैक होल बाइनरी सिस्टम द्वारा उत्सर्जित प्रकाश पर शोधकर प्रस्ताव दिया गया है। शोध में वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड की कुछ सबसे बड़ी और छोटी वस्तुओं के बीच एक संबंध पाया है।

यह संबंध सुपरमैसिव ब्लैक होल और डार्क मैटर कण के बीच है। उनकी नई गणना से पता चलता है कि सुपरमैसिव ब्लैक होल (एसएमबीएच) के जोड़े डार्क मैटर कणों के पहले से नजरअंदाज किए गए व्यवहार के कारण एक बड़े ब्लैक होल में विलीन हो सकते हैं और यही अंतिम पारसेक समस्या के समाधान का प्रस्ताव है।

यह शोध प्रतिरूपित डार्क मैटर कणों के बीच परस्पर क्रिया गैलेक्टिक डार्क मैटर हेलो के आकार को भी स्पष्ट करता है। साथ ही डार्क मैटर के व्यवहार में भी प्रकाश डालता है। शोध में टोरंटो विश्वविद्यालय, मैकगिल विश्वविद्यालय, ट्रॉटियर अंतरिक्ष संस्थान, स्विट्जरलैंड के सीईआरएन सैद्धांतिक भौतिकी विभाग के वैज्ञानिक और शोध छात्र शामिल थे।

खगोलीय मापन की इकाइयां

नैनीताल: खगोलीय मापन में तीन प्रकार की इकाइयां उपयोग में लाई जाती हैं। जिनमें सबसे छोटी इकाई को खगोलीय मात्रक यानी पृथ्वी व सूर्य के बीच की औसत दूरी को लिया जाता है। इसे एक खगोलीय इकाई कहा जाता है। दूसरी इकाई प्रकाश वर्ष यानी एक वर्ष में चलने वाले प्रकाश की दूरी होती है। इसके अलावा सबसे लंबी दूरी को मापने के लिए पारसेक इकाई का उपयोग किया जाता है। यह सबसे बड़ा मात्रक है। जिसका मान 3 गुणा 6 प्रकाश वर्ष होता है।

मुस्लिमों के जबरन दाह संस्कार पर माफी मांगेगा श्रीलंका

कोलंबो, एजेंसी

- श्रीलंकाई सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान विवादित शवदाह नीति की थी लागू

श्रीलंका की सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह कोविड-19 से जान गंवाने वाले मुस्लिम व्यक्तियों के जबरन दाह संस्कार के लिए देश के मुस्लिम समुदाय से औपचारिक रूप से माफी मांगेगी। श्रीलंकाई सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण कोरोना महामारी के दौरान विवादित शवदाह नीति लागू की थी।

वर्ष 2020 में कोविड-19 पीड़ितों के दाह संस्कार का अनिवार्य आदेश जारी किया गया था, जिससे मुसलमानों सहित कई अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को उनके धार्मिक अधिकारों से वंचित होना पड़ा था। हालांकि, बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय आलोचना के बीच फरवरी 2021 में इस आदेश को रद कर दिया गया था। एक कैबिनेट नोट के अनुसार, श्रीलंकाई मंत्रिमंडल ने सोमवार को एक बैठक में मार्च 2020 में थोपे गए आदेश के लिए मुस्लिम समुदाय से माफी मांगने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसमें कहा गया है कि मंत्रिमंडल ने सरकार की ओर से सभी समुदायों से माफी मांगने का फैसला किया है। मंत्रिमंडल ने ऐसे विवादास्पद कदमों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कानून लाने का भी निर्णय लिया। बयान में कहा गया है कि मंत्रिमंडल ने धर्म के आधार पर शवों को दफनाने या दाह संस्कार पर एक प्रस्तावित कानून को भी मंजूरी दे दी है।